Rojgar with Ankit

CAPF HCM

CENTRAL ARMED POLICE FORCE

CRPF BSF ITBP CISF SSB

Head Constable Ministerial (HCM)

हिंदी

अंकित भाटी सर

विषय-सूची

1. भाषा का विकास, उपभाषा एवं बोलियाँ
2. वर्णमाला
3. विलोम शब्द
4. वाक्यांश के लिए एक शब्द
5. पर्यायवाची
6. तत्सम-तद्भव
7. शुद्ध-अशुद्ध (वर्तनी)
8. अनेकार्थक शब्द एवं शब्द युग्म
9. वाक्य शुद्धि
10. उपसर्ग-प्रत्यय
11. संधि
12. समास
13. विराम चिह्न
14. मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ
15. संज्ञा एवं सर्वनाम
16. लिंग, वचन एवं कारक
17. विशेषण एवं अव्यय
18. क्रिया, काल एवं वाच्य
19. रस
20. छंद
21. अलंकार
22. वाक्य विचार
23. प्रमुख रचनाएँ एवं पुरस्कार
24. अपठित गद्यांश

This Book PDF is provided by @apna_library & @apna_pdf Team on Telegram.

Please Don't try to sell this to innocent people. Thank you.

Click Here To Join our Telegram Channel

1
अध्याय

भाषा का विकास, उपभाषा एवं बोलियाँ

सामान्यत: मनुष्य द्वारा बोली गयी स्पष्ट ध्वनि को ही भाषा कहते हैं। भाषा शब्द की उत्पत्ति संस्कृत के 'भाष्' धातु से हुई है जिसका अर्थ होता है वाणी को स्पष्ट रूप से व्यक्त करना। भाषा के माध्यम से मनुष्य अपनी भावनाओं तथा विचारों को व्यक्त करता है।

अर्थात् 'भाष् व्यक्तायांवाची' (मनुष्य द्वारा व्यक्त वाणी ही भाषा है) भाषा के माध्यम से ही हम अपने व दूसरों के भावों, विचारों को व्यक्त या ग्रहण कर सकते हैं।

भाषा की परिभाषा देना सरल नहीं है। भाषा वैज्ञानिकों ने इसकी अलग-अलग परिभाषाएँ दी हैं लेकिन सभी में कुछ-न-कुछ त्रुटि पायी गयी है।

स्पष्ट रूप में हम कह सकते हैं कि भाषा सामाजिक मनुष्यों के बीच भाव, विचार, बहस के पारस्परिक आदान-प्रदान का एक अत्यन्त महत्त्वपूर्ण माध्यम है।

हिन्दी के कुछ भाषा वैज्ञानिकों ने भाषा को अपने आधार पर व्यक्त करते हुए भाषा के निम्नलिखित लक्षण बताए हैं-

- मंगलदेव शास्त्री-भाषा मनुष्यों की उस चेष्टा या व्यवहार को कहते हैं, जिससे मनुष्य अपने उच्चारणोपयोगी शरीरावयवों से उच्चारण किए गए वर्णनात्मक या व्यक्त शब्दों द्वारा अपने विचारों को पूरा करता है व शरीर के अंगों से अर्थात् मुँह, जीभ, दाँत आदि के माध्यम से प्रकट करता है।
- डॉ. श्याम सुन्दर दास-मनुष्य और मनुष्यों के बीच वस्तुओं के विषय में अपनी इच्छा और मति का आदान-प्रदान करने के लिए व्यक्त ध्वनि संकेतों का जो व्यवहार होता है, उसे भाषा कहते हैं।
- आचार्य देवेन्द्र नाथ शर्मा-उच्चारित ध्वनि संकेतों की सहायता से भाव-विचार की पूर्ण अभिव्यक्ति अथवा जिसकी सहायता से मनुष्य परस्पर विचार-विनिमय या सहयोग करते हैं, उस यादृच्छिक, रूढ़ि ध्वनि संकेत की प्रणाली को भाषा कहते हैं।

हिन्दी भाषा

हिन्दी भाषा की उत्पत्ति

चूँकि भारत प्राचीन देश है अत: यहाँ लोग भिन्न-भिन्न कालों से भिन्न-भिन्न भाषाएँ पढ़ते एवं लिखते आए हैं। हमारे देश की सबसे प्राचीन भाषा संस्कृत है। जिसका उपयोग ऋषि-मुनियों एवं कवियों द्वारा किया गया। संस्कृत को 'आर्यभाषा' या 'देवभाषा' भी कहा जाता है जो लगभग 3500 वर्ष प्राचीन है। इसकी उत्पत्ति के विषय में निम्नलिखित जानकारी मिलती है। भारतीय आर्यभाषा संस्कृत को तीन कालों में बाँटा गया है-

(i) प्राचीन भारतीय आर्यभाषा - काल (1500 ई.पू. से 500 ई. पू. तक)
(ii) मध्यकालीन आर्यभाषा - काल (500 ई.पू. से 1000 ई. तक)
(iii) आधुनिक आर्यभाषा - काल (1000 ई. से आज तक)

(i) प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ- इसके अन्तर्गत वैदिक संस्कृत एवं लौकिक संस्कृत भाषाएँ आती हैं। वैदिक संस्कृत का प्रयोग वेदों, उपनिषदों, अरण्यकों, ब्राह्मण ग्रंथों में हुआ है। यह 1500 ई. पू. से 800 ई. पू. तक की भाषा है। वैदिक संस्कृत के बाद जो भाषा विकसित हुई उसे लौकिक संस्कृत कहा गया। संस्कृत के कवियों-वाल्मीकि, व्यास, श्रीहर्ष, कालिदास, बाणभट्ट, भारवि आदि ने अपने ग्रंथ इसी भाषा में लिखे हैं। लौकिक संस्कृत व्याकरण की दृष्टि से, शब्दावली की दृष्टि से वैदिक संस्कृत से भिन्न है।

(ii) मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएँ- इसके अन्तर्गत निम्नलिखित तीन भाषाएँ हैं-

- पालि - (500 ई. पू. - 1 ई.)
- प्राकृत - (1 ई. - 500 ई.)
- अपभ्रंश - (500 ई. - 1000 ई.)

पालि बौद्ध धर्म की भाषा है, जबकि प्राकृत जैन धर्म की। प्राकृत का प्रयोग संस्कृत नाटकों में अधम पात्रों के द्वारा भी करवाया गया है। अपभ्रंश के कई क्षेत्रीय भेद थे जिनसे हिन्दी तथा अन्य आधुनिक आर्य भाषाओं का विकास हुआ। इस विवेचन से स्पष्ट है कि आर्य भाषाओं का विकास निम्नलिखित क्रम में हुआ-

संस्कृत > पालि > प्राकृत > अपभ्रंश > हिन्दी एवं अन्य आधुनिक आर्य भाषाएँ।

(iii) आधुनिक भाषाएँ-आधुनिक भारतीय भाषाओं का इतिहास दीर्घकालिक है। इसके आरम्भ का वस्तुत: कोई निश्चित समय नहीं है तथा विद्वानों में इस पर पर्याप्त मतभेद हैं फिर भी अध्ययन में सुविधा की दृष्टि से हम इसका आरम्भ प्रथम शताब्दी ई. से मान सकते हैं। यहाँ आधुनिक हिन्दी का विवरण इस प्रकार से है-

1. भारत में दो परिवारों की भाषाएँ मुख्य रूप से बोली जाती हैं- आर्य परिवार की भाषाएँ, द्रविड़ परिवार की भाषाएँ।
2. आर्य परिवार की भाषाएँ उत्तर भारत में तथा द्रविड़ परिवार

Join Telegram: @apna_library

की भाषाएँ दक्षिण भारत में बोली जाती हैं।

3. आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ है- सिन्धी, पंजाबी, हिन्दी, मराठी, गुजराती, बांग्ला, ओड़िया, असमिया।
4. भारत की प्राचीनतम भाषा वैदिक संस्कृत है। हिन्दी से ठीक पहले की भाषा अपभ्रंश है, संस्कृत नहीं।
5. हिन्दी का विकास सामान्यत: 1000 ई. के आस-पास हुआ अर्थात् हिन्दी अब से लगभग 1000 वर्ष पुरानी भाषा है।

द्रविड़ भाषाएँ दक्षिण भारत में बोली जाती हैं, जिनका क्षेत्र इस प्रकार है-

तेलुगू	- आन्ध्र प्रदेश	**तमिल**	- तमिलनाडु
कन्नड़	- कर्नाटक	**मलयालम**	- केरल

संघ की राजभाषा एवं लिपि

- भारत में अनेक भाषाएँ बोली जाती हैं। ऐसी स्थिति में सरकारी कामकाज के लिए किसी एक भाषा को चुनना बड़ा कठिन कार्य था। संविधान सभा ने 14 सितम्बर, 1949 को यह प्रस्ताव पास किया कि 'संघ की राजभाषा हिन्दी और लिपि देवनागरी होगी।' यह प्रस्ताव भारतीय संविधान के भाग 17 के अनुच्छेद 343 (i) में स्वीकृत हुआ। भारतीय संविधान 26 जनवरी, 1950 से लागू हुआ और तब से ही हिन्दी हमारे देश की राजभाषा अर्थात् सरकारी कामकाज की भाषा है।
- राजभाषा सम्बन्धी प्रावधान भारतीय संविधान के भाग 17 में अनुच्छेद 343 से 351 तक हैं। इन अनुच्छेदों में केन्द्र सरकार के उन दायित्वों का भी उल्लेख है जो हिन्दी के प्रचार-प्रसार के लिए उसे करने हैं। राजभाषा आयोग 1955 और राजभाषा अधिनियम 1976 इन्हीं दायित्वों का पालन करते हुए केन्द्र सरकार ने बनाया।
- यह विडम्बना ही कही जाएगी कि आज भी व्यावहारिक रूप में अंग्रेजी ही सरकारी कामकाज में अधिक प्रयोग की जा रही है। वास्तव में राजभाषा हिन्दी का प्रयोग शासन-प्रशासन, विधायिका, न्यायपालिका में किया जाना चाहिए, परन्तु राजनीतिक कारणों से हिन्दी के साथ-साथ अंग्रेजी का प्रयोग करने की छूट केन्द्र सरकार ने अनिश्चित काल के लिए दी हुई है। यही कारण है कि हिन्दी अभी तक पूर्ण रूप से घोषित 'राजभाषा' होते हुए भी राजभाषा का वह दर्जा प्राप्त नहीं कर सकी जिसकी वह हकदार है।

राष्ट्रभाषा/राजभाषा हिन्दी

- किसी देश के बहुसंख्यक लोगों की भाषा 'राष्ट्रभाषा/राजभाषा' का स्थान पा लेती है। हिन्दी भारत के बहुसंख्यक लोगों की भाषा है। भारत में बोली जाने वाली कोई दूसरी भाषा इतने लोगों द्वारा नहीं बोली जाती जितने लोग हिन्दी बोलते हैं। हमारे देश के राष्ट्रीय नेताओं ने हिन्दी भाषा को 'राजभाषा' का गौरव प्रदान किया है न कि 'राष्ट्रभाषा' का।
- संविधान के अनुसार 'हिन्दी' भारत की राष्ट्रभाषा (National Language) न होकर राजभाषा (Official Language) है और वैधानिक दृष्टि से इसे राजभाषा कहना चाहिए न कि राष्ट्रभाषा। भ्रम से प्राय: हिन्दी 'राष्ट्रभाषा' समझी जाती है जो कि गलत है। हिन्दी भारत की राजभाषा है और अँग्रेजी सहायक भाषा।

हिन्दी की बोलियाँ: वर्गीकरण तथा क्षेत्र

हिन्दी की 5 उपभाषाएँ एवं 18 बोलियाँ हैं-

	अपभ्रंश का क्षेत्रीय रूप	उपभाषाएँ	बोलियाँ
1.	शौरसेनी अपभ्रंश	पश्चिमी हिन्दी	खड़ी बोली (कौरवी), ब्रजभाषा, बुन्देली, कन्नौजी, हरियाणवी (बांगरू)
2.	अर्द्धमागधी अपभ्रंश	पूर्वी हिन्दी	अवधी, बघेली, छत्तीसगढ़ी
3.	शौरसेनी अपभ्रंश	राजस्थानी हिन्दी	मारवाड़ी, जयपुरी, मेवाती, मालवी
4.	खस अपभ्रंश (शौरसेनी अपभ्रंश से प्रभावित)	पहाड़ी हिन्दी	गढ़वाली, कुमाउँनी, मंडियाली (हिमाचल प्रदेश)
5.	मागधी अपभ्रंश	बिहारी हिन्दी	मैथिली, मगही, भोजपुरी

हिन्दी की उपभाषाएँ

हिन्दी की उपभाषाएँ	बोलियाँ/बोली क्षेत्र
पश्चिमी हिन्दी	खड़ी बोली (**अन्य नाम**-कौरवी, सरहिंदी, हिन्दुस्तानी) एन. सी. आर. क्षेत्र में ब्रजभाषा (**अन्य नाम**-अंतर्वेदी) मथुरा, आगरा, एटा, भरतपुर, अलवर बाँगरू (**अन्य नाम**-हरियाणवी) रोहतक, हिसार बुन्देली (झाँसी, जालौन, हमीरपुर, विदिशा, होशंगाबाद, ग्वालियर) कन्नौजी (कन्नौज)
पूर्वी हिन्दी	अवधी (अयोध्या, रायबरेली) बघेली (रीवा) छत्तीसगढ़ी (रायपुर)
राजस्थानी हिन्दी	जयपुरी (जयपुर) मेवाती (मेवात) मालवी (उज्जैन) मारवाड़ी (जोधपुर, बीकानेर)
पहाड़ी हिन्दी	गढ़वाली (टिहरी गढ़वाल) कुमाउँनी (नैनीताल, अल्मोड़ा) [illegible] (मंडियाली) [मंडी (हिमाचल प्रदेश)]
बिहारी हिन्दी	मगही (पटना, गया) भोजपुरी (पूर्वी उ.प्र.) मिर्जापुर, गोरखपुर, जौनपुर मैथिली (दरभंगा, मुंगेर)

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

महत्वपूर्ण तथ्य

- हिन्दी की पाँच उपभाषाएँ एवं अठारह बोलियाँ हैं।
- खड़ी बोली का एक अन्य नाम कौरवी भी है।
- बांगरू को हरियाणवी भी कहा जाता है।
- जयपुरी को ढूंढाड़ी भी कहते हैं।
- हरियाणवी, कौरवी और दक्खिनी बोलियाँ आकार बहुला हैं।
- ब्रज, बुंदेली और कन्नौजी ओकार बहुला हैं।
- अवधी उत्तर कोशल की बोली है।
- छत्तीसगढ़ी दक्षिण कोशल की बोली है।
- डॉ. सुनीति कुमार चटर्जी ने 'भीली' को राजस्थानी उपभाषा की बोली माना है। (भीली बोली राजस्थान, मध्य प्रदेश तथा गुजरात के सीमावर्ती प्रदेश की बोली है।)
- हिंदी दिवस-14 सितम्बर, विश्व हिंदी दिवस-10 जनवरी तथा अन्तर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस-21 फरवरी को मनाया जाता है।
- हिंदी भारोपीय भाषा परिवार का हिस्सा है।
- मूल संविधान में 14 भाषाएँ थीं।

परीक्षोपयोगी प्रश्न

1. **'ब्रजबुलि' नाम से जानी जाती है-**
   (a) पंजाबी (b) मराठी
   (c) गुजराती (d) पुरानी बांग्ला
2. **हिन्दी भाषा किस लिपि में लिखी जाती है?**
   (a) गुरुमुखी (b) ब्राह्मी
   (c) देवनागरी (d) सौराष्ट्री
3. **वर्तमान हिन्दी का प्रचलित रूप है-**
   (a) अवधी (b) ब्रजभाषा
   (c) खड़ी बोली (d) देवनागरी
4. **दक्षिणी भारत हिन्दी प्रचार सभा का मुख्यालय है-**
   (a) हैदराबाद (b) बेंगलुरु
   (c) चेन्नई (d) मैसूर
5. **हिन्दी भाषा के विकास का सही अनुक्रम कौन सा है?**
   (a) पालि, प्राकृत, अपभ्रंश, हिन्दी
   (b) प्राकृत, अपभ्रंश, हिन्दी, पालि
   (c) अपभ्रंश, पालि, प्राकृत, हिन्दी
   (d) हिन्दी, पालि, अपभ्रंश, प्राकृत
6. **'मगही' किस उपभाषा की बोली है?**
   (a) राजस्थानी (b) पश्चिमी हिन्दी
   (c) पूर्वी हिन्दी (d) बिहारी हिन्दी
7. **खड़ी बोली किस अपभ्रंश से विकसित हुई है?**
   (a) मागधी (b) अर्द्धमागधी
   (c) शौरसेनी (d) ब्राचड़
8. **देवनागरी लिपि का सर्वप्रथम प्रयोग कहाँ हुआ था?**
   (a) पाणिनी कृत अष्टाध्यायी में
   (b) अपभ्रंश साहित्य में
   (c) अमीर खुसरो की पुस्तकों में
   (d) जयभट्ट के शिलालेख में
9. **'हिन्दी दिवस' इस दिन मनाया जाता है-**
   (a) 11 जून (b) 14 सितम्बर
   (c) 28 सितम्बर (d) 10 अक्टूबर
10. **भारतीय संविधान के किन अनुच्छेदों में राजभाषा संबंधी प्रावधानों का उल्लेख है?**
   (a) 343-351 तक (b) 315-434 तक
   (c) 135-443 तक (d) 153-334 तक
11. **'अवधी' का उद्भव किस अपभ्रंश से हुआ है?**
   (a) शौरसेनी (b) पैशाची
   (c) मागधी (d) अर्द्धमागधी
12. **नागरी प्रचारिणी सभा का स्थापना वर्ष है-**
   (a) 1893 ई. (b) 1857 ई.
   (c) 1902 ई. (d) 1917 ई.
13. **भारतीय संविधान में हिन्दी को मान्यता कब मिली?**
   (a) 26 जनवरी 1950 (b) 14 सितम्बर 1949
   (c) 15 अगस्त 1947 (d) 14 सितम्बर 1955
14. **इनमें कौन सी बोली पूर्वी हिन्दी की नहीं है?**
   (a) अवधी (b) बिहारी
   (c) बघेली (d) छत्तीसगढ़ी
15. **निम्न में से कौन सी बोली पूर्वी हिन्दी के अन्तर्गत नहीं आती है?**
   (a) छत्तीसगढ़ी (b) मगही
   (c) अवधी (d) बघेली
16. **लिपि का अर्थ है-**
   (a) वर्ण लिखने की कला
   (b) भाषा का अर्थपूर्ण रूप
   (c) ध्वनि चिह्नों का लिखित रूप
   (d) वर्णमाला का लिखित रूप
17. **निम्न में से हिन्दी भाषी प्रदेश का नाम है-**
   (a) केरल (b) तमिलनाडु
   (c) मध्य प्रदेश (d) कर्नाटक
18. **'अवधी बोली' का अन्य नाम है-**
   (a) कोसली (b) बनाफरी
   (c) बैगानी (d) मधेसी
19. **खड़ी बोली का प्रथम महाकाव्य कौन-सा था ?**
   (a) कामायनी (b) प्रिय प्रवास
   (c) साकेत (d) नीरजा

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

20. 'पद्मावत महाकाव्य' कौन-सी भाषा में लिखा गया है?
(a) राजस्थानी (b) अवधी
(c) ब्रज (d) खड़ी बोली

21. 'बघेली' किस उपभाषा की बोली है?
(a) पूर्वी हिन्दी की (b) पश्चिमी हिन्दी की
(c) राजस्थानी की (d) बिहारी की

22. 'अवधी' बोली किस अपभ्रंश से विकसित हुई हैं?
(a) मागधी (b) अर्द्धमागधी
(c) शौरसेनी (d) मैथिली

23. 'कन्नड़' का संबंध किस भाषा परिवार से है?
(a) आर्य भाषा परिवार
(b) द्रविड़ भाषा परिवार
(c) देव भाषा परिवार
(d) भारोपीय भाषा परिवार

24. 'मैथिली' बोली के लोकप्रिय कवि हैं-
(a) तुलसी (b) जायसी
(c) विद्यापति (d) नन्ददास

25. निम्नलिखित में से कौन भारोपीय परिवार की भाषा नहीं है?
(a) मराठी (b) गुजराती
(c) मलयालम (d) हिन्दी

26. 'अंगिका' किस राज्य की बोली है?
(a) बंगाल (b) छत्तीसगढ़
(c) मध्य प्रदेश (d) बिहार

27. पंजाबी की लिपि है-
(a) देवनागरी (b) गुरुमुखी
(c) ब्राह्मी (d) रोमन

28. मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषा काल निम्न में से है-
(a) 500 ई. पू. से 1000 ई. तक
(b) 1000 ई. से 1500 ई. तक
(c) 1500 ई. पू. से 500 ई. तक
(d) 500 ई. से 1000 ई. तक

29. कबीरदास की भाषा कौन-सी थी?
(a) ब्रज (b) खड़ी बोली
(c) कन्नौजी (d) सधुक्कड़ी

30. तुलसीकृत कवितावली, विनयपत्रिका व गीतावली की भाषा क्या है?
(a) अवधी (b) ब्रज
(c) कन्नौजी (d) बघेली

31. 'कौरवी' किस बोली को कहते हैं?
(a) मारवाड़ी (b) खड़ी बोली
(c) अवधी (d) छत्तीसगढ़ी

32. हिंदी की आदि जननी क्या है?
(a) पालि (b) संस्कृत
(c) अपभ्रंश (d) प्राकृत

33. वर्ष 1955 ई. में गठित प्रथम राजभाषा आयोग के अध्यक्ष थे-
(a) बी. जी. खेर (b) सुनीति कुमार चटर्जी
(c) जी. बी. पंत (d) पी. सुब्बोरोयान

उत्तरमाला

1.	(d)	2.	(c)	3.	(c)	4.	(c)	5.	(a)	6.	(d)	7.	(c)	8.	(d)	9.	(b)	10.	(a)
11.	(d)	12.	(a)	13.	(b)	14.	(b)	15.	(b)	16.	(c)	17.	(c)	18.	(a)	19.	(b)	20.	(b)
21.	(a)	22.	(b)	23.	(b)	24.	(c)	25.	(c)	26.	(d)	27.	(b)	28.	(a)	29.	(d)	30.	(b)
31.	(b)	32.	(b)	33.	(a)														

Search on TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

2 अध्याय

वर्णमाला

वर्ण (52)

- स्वर (11)
  अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ए, ऐ, ओ, औ
  - मूल या ह्रस्व स्वर (4)
  - दीर्घ स्वर (7)
  - प्लुत स्वर
    ओ३म्, राऽऽऽम
    नोट- इनका प्रयोग वैदिक संस्कृत में किया जाता था।
  - अयोगवाह स्वर (2)
    अं, अः
    अनुस्वार और विसर्ग को 'अयोगवाह' कहते हैं। वर्णों की दोनों श्रेणियों में किसी के साथ जातीय योग नहीं है इसीलिए इन दोनों ध्वनियों को 'अयोगवाह' कहते हैं। न तो स्वर से योग, न व्यंजनों से (अतः अयोग), फिर भी अर्थ वहन (वाह) करते हैं।
- मूल व्यंजन (33)
  - क वर्ग - क, ख, ग, घ, ङ - कंठ्य व्यंजन
  - च वर्ग - च, छ, ज, झ, ञ - तालव्य व्यंजन
  - ट वर्ग - ट, ठ, ड, ढ, ण - मूर्द्धन्य व्यंजन
  - त वर्ग - त, थ, द, ध, न - दंत्य व्यंजन
  - प वर्ग - प, फ, ब, भ, म - ओष्ठ्य व्यंजन
  - (उपर्युक्त) → स्पर्श व्यंजन (25)
  - य, र, ल, व - अन्तस्थ व्यंजन (4)
  - श, ष, स, ह - ऊष्म व्यंजन (4)
  - (कुल) — 33 व्यंजन
  - क्ष, त्र, ज्ञ, श्र - संयुक्त व्यंजन (4)
    क्ष = क् + ष
    त्र = त् + र
    ज्ञ = ज् + ञ
    श्र = श् + र
  - ड़, ढ़ - उत्क्षिप्त (द्विगुण) व्यंजन (2)

भाषा की न्यूनतम इकाई **वाक्य** है, वाक्य की न्यूनतम इकाई **पद** (**शब्द**) है और शब्द की न्यूनतम इकाई **वर्ण** है।

वर्ण का स्वरूप

वर्ण को हम अक्षर भी कहते हैं। जिसका अर्थ 'अनाशवान' होता है। अतः वर्ण अखण्ड मूल ध्वनि का नाम है अर्थात् किसी भी शब्द का वह खण्ड जिसका अन्य कोई खण्ड या विभाजन नहीं किया जा सकता 'वर्ण' कहलाता है। संक्षेप में वर्ण वह छोटी-से-छोटी ध्वनि है, जो कान का विषय है और जिसके टुकड़े नहीं किए जा सकते हैं। जैसे- अ, ई, व, च, क इत्यादि। प्रत्येक भाषा में कई वर्ण होते हैं।

मूलरूप से हिन्दी में 52 वर्ण हैं और वर्णों के इस व्यवस्थित क्रम को ही वर्णमाला कहते हैं।

स्वर वर्ण

वे वर्ण जिनके स्पष्ट उच्चारण के लिए किसी दूसरे वर्ण की आवश्यकता न हो अर्थात् बिना किसी अवरोध या बाधा के इनका उच्चारण होता है, 'स्वर' कहलाते हैं तथा ये स्वतन्त्र होते हैं।

स्वरों का वर्गीकरण :-

(1) मात्रा एवं उच्चारण के आधार पर

(i) ह्रस्व या मूल स्वर- जिन स्वरों के उच्चारण में बहुत कम समय लगता है, उन्हें ह्रस्व स्वर कहते हैं।
(अ, इ, उ, ऋ)

(ii) दीर्घ स्वर- जिन स्वरों के उच्चारण में ह्रस्व स्वर से दोगुना समय लगता है, उन्हें दीर्घ स्वर कहते हैं।
(आ, ई, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ)

आ ई ऊ — **सजातीय स्वर (3)**
(अ+अ) (इ+इ) (उ+उ)

ए ऐ ओ औ — **विजातीय स्वर (4) या संयुक्त स्वर**
(अ+इ) (अ+ए) (अ+उ) (अ+ओ)

(iii) प्लुत स्वर- जिन स्वरों के उच्चारण में ह्रस्व स्वरों की अपेक्षा तिगुना समय लगता है, उन्हें प्लुत स्वर कहते हैं।
जैसे- (ओ३म्, राऽऽऽम)

हालांकि मानक हिंदी में दो ही स्वरों (ह्रस्व व दीर्घ) को मान्यता प्राप्त है।

(2) जीभ की ऊँचाई/मुँह के खुलने के आधार पर

(i) विवृत्त- आ
(ii) अर्द्ध विवृत्त- ऐ, औ, अ
(iii) संवृत्त- इ, ई, उ, ऊ
(iv) अर्द्ध संवृत्त - ए, ओ

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

(3) जीभ के उत्थापित भाग के आधार पर

(i) अग्र स्वर - इ, ई, ए, ऐ
(ii) केन्द्रीय या मध्य स्वर - अ
(iii) पश्च स्वर - आ, उ, ऊ, ओ औ

(4) ओंठ की स्थिति के आधार पर -

(i) अवृत्तमुखी (प्रसृत) या अवर्तुल- अ, इ, ई, ए, ऐ
(ii) वर्तुल या वृत्तमुखी स्वर - उ, ऊ, ओ, औ
(iii) अर्द्धवर्तुल या अर्द्धवृत्तमुखी स्वर - आ

(5) जीभ के तनाव के आधार पर

(i) शिथिल - अ, इ, उ
(ii) कठोर - आ, ई, ऊ

(6) उच्चारण स्थान के आधार पर

(i) कण्ठ्य - अ, अः, आ
(ii) तालव्य - इ, ई
(iii) मूर्द्धन्य - ऋ
(iv) ओष्ठ्य - उ, ऊ
(v) अनुनासिक - अँ, आँ
अनुस्वार - अं
(vi) कण्ठ तालव्य - ए, ऐ।
(vii) कण्ठयोष्ठ्य - ओ, औ।

व्यंजन वर्ण

जिन वर्णों का उच्चारण बिना स्वर की सहायता के सम्भव नहीं होता, वे व्यंजन वर्ण के अन्तर्गत आते हैं तथा इनमें 'अ' स्वर छुपा रहता है। हिन्दी वर्णमाला से स्वरों को निकाल देने पर शेष वर्ण व्यंजन हैं। व्यंजन में 'अ' स्वर इस प्रकार होता है- 'क' = क् + अ, घ = घ् + अ। अगर इनसे स्वर 'अ' को निकाल दें तो व्यंजन हलन्त के रूप में हो जाते हैं।

जैसे - क्, ख्, ग्, घ् इत्यादि। स्वर वर्ण स्वतन्त्र तथा व्यंजन वर्ण स्वरों पर आधारित होते हैं। व्यंजन वर्णों की संख्या 33 है।

व्यंजन की निम्नलिखित तीन श्रेणियाँ हैं-

(i) स्पर्श व्यंजन
(ii) अंत:स्थ व्यंजन
(iii) ऊष्म व्यंजन

(i) स्पर्श व्यंजन- वे व्यंजन वर्ण जो कंठ, तालु, दंत, ओष्ठ और मूर्द्धा स्थान के स्पर्श की सहायता से बोले जाते हैं, स्पर्श व्यंजन कहलाते हैं। ये व्यंजन अलग-अलग उच्चारण स्थान होने के कारण कई वर्ग में बँटे हैं वस्तुत: हम इन्हें 'वर्गीय व्यंजन' भी कहते हैं। स्पर्श व्यंजनों में पाँच-पाँच व्यंजनों के पाँच वर्ग बना लिए गये जो क, च, ट, त, प वर्ग में विभक्त हैं अत: स्पर्श व्यंजन की संख्या 25 है।

जो निम्नलिखित हैं-

क वर्ग- क, ख, ग, घ, ङ (कंठ से उच्चरित)
च वर्ग- च, छ, ज, झ, ञ (तालु से उच्चरित)
ट वर्ग- ट, ठ, ड, ढ, ण (मूर्द्धा से उच्चरित)
त वर्ग- त, थ, द, ध, न (दन्त से उच्चरित)
प वर्ग- प, फ, ब, भ, म (ओष्ठ से उच्चरित)

(ii) अंत:स्थ व्यंजन- जिन वर्णों का उच्चारण, जीभ, तालु, दाँत, और ओठों को सटाने से होता है परन्तु कहीं भी पूर्ण स्पर्श नहीं होता, अंतस्थ व्यंजन कहलाते हैं।
ये चार हैं- य, र, ल, व।
य, व 'अर्द्धस्वर' भी कहलाते हैं।

(iii) ऊष्म व्यंजन- जिन व्यंजन वर्णो का उच्चारण घर्षण या रगड़ के फलस्वरूप उत्पन्न ऊष्म वायु से होता है, वे ऊष्म व्यंजन कहलाते हैं।
जैसे- श, ष, स, ह।
व्यंजन के उपर्युक्त प्रकारों के अध्ययन से हमें व्यंजन की उत्पत्ति, स्थान, समूह आदि का पूर्णत: ज्ञान प्राप्त हो जाता है परन्तु इसे और सहज बनाने के लिए व्यंजनों का वर्गीकरण उच्चारण के आधार पर भी किया गया है।

व्यंजनों का वर्गीकरण :-

(1) उच्चारण स्थान के आधार पर

(i)	स्वरयंत्र मुखी (काकल्य)	ह
(ii)	कण्ठ्य	क, ख, ग, घ, ङ
(iii)	तालव्य	च, छ, ज, झ, ञ, य, श
(iv)	मूर्द्धन्य	ट, ठ, ड, ढ, ण, ष, र
(v)	दन्त्य	त, थ, द, ध, न, ल, स, ज़
(vi)	ओष्ठ्य	प, फ, ब, भ, म
(vii)	दन्त्योष्ठ्य	व, फ़

(2) उच्चारण प्रयत्न के आधार पर (आभ्यंतर प्रयत्न)-

(i)	स्पर्श	क, ख, ग, घ, ट, ठ, ड, ढ, त, थ, द, ध, प, फ, ब, भ
(ii)	स्पर्श-संघर्षी	च, छ, ज, झ
(iii)	ऊष्म-संघर्षी	श, ष, स, ह
(iv)	पार्श्विक	ल
(v)	लुंठित	र
(vi)	उत्क्षिप्त	ड़, ढ़
(vii)	अर्द्धस्वर	य, व
(viii)	अनुनासिक	ङ, ञ, ण, न, म

(3) उच्चारण प्रयत्न (वाह्य प्रयत्न) के आधार पर

(i) घोष/सघोष - जिन वर्णों के उच्चारण में स्वरतंत्रियाँ आपस में टकराती हैं और झंकृति उत्पन्न करती हैं, वे घोष वर्ण कहलाते हैं।
प्रत्येक वर्ग के तीसरे, चौथे, पाँचवे व्यंजन, सभी स्वर, द्विगुण व्यंजन और य, र, ल, व तथा ह घोष वर्ण कहलाते हैं।

(ii) अघोष - जिन वर्णों के उच्चारण में स्वरतन्त्रिका में कम्पन न हो अर्थात् केवल श्वास की आवश्यकता हो, वे अघोष वर्ण कहलाते हैं।
प्रत्येक वर्ग के प्रथम और द्वितीय वर्ण तथा श, ष, स अघोष वर्ण हैं।

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

(4) प्राणता के आधार पर

(i) अल्पप्राण- जिन वर्णों के उच्चारण में कम वायु की आवश्यकता पड़ती है तथा हकार की ध्वनि सुनाई नहीं पड़ती है, उन्हें अल्पप्राण कहते हैं।
प्रत्येक वर्ग के प्रथम, तृतीय एवं पंचम वर्ण, अंतस्थ व्यंजन, सभी स्वर तथा ड़ अल्पप्राण हैं। (कुल 31 वर्ण)

(ii) महाप्राण- जिन वर्णों के उच्चारण में अधिक वायु की आवश्यकता पड़ती है तथा हकार की ध्वनि सुनाई पड़ती है, उन्हें महाप्राण कहते हैं।
प्रत्येक वर्ग के द्वितीय एवं चतुर्थ वर्ण, ऊष्म व्यंजन तथा ढ़ महाप्राण हैं। (कुल 15 वर्ण)

अनुस्वार एवं अनुनासिक

सामान्यत: हम कई बार अनुस्वार (ं) और अनुनासिक (ँ) को लेखन शैली में एक जैसा लिख देते हैं जोकि व्याकरण या उच्चारण की दृष्टि से उचित नहीं है। हालांकि अनुनासिक और अनुस्वार की ध्वनि कुछ हद तक समान होती है, परन्तु इनकी ध्वनि वास्तविकता में एक दूसरे से अलग है। इसलिए अनुस्वार और अनुनासिक का प्रयोग लेखन शैली में अत्यधिक सावधानी से करना अनिवार्य है।

जैसा कि हम जानते हैं कि अनुनासिक के उच्चारण में मुँह से अधिक और नाक से बहुत कम साँस निकलती है।
जैसे- चाँद, चाँदनी, चिड़ियाँ, गाँव, आँसू आदि।
वहीं अनुनासिक के विपरीत अनुस्वार में मुँह से कम तथा नाक से अधिक साँस निकलती है। जैसे- शंक, मंद, छंद, पंच, अंग आदि। अनुनासिक स्वर की विशेषता है कि इसमें चन्द्र बिन्दु (ँ) लगता है। वहीं अनुस्वार जो कि एक व्यंजन ध्वनि है वर्ण पर बिन्दु (ं) लगाकर यह अपनी विशेषता को प्रकट करता है।
हिन्दी के तद्भव रूपों में अनुनासिक का प्रयोग चन्द्र बिन्दु (ँ) लगाकर होता है, पर तत्सम शब्दों में अनुस्वार लगता है।
उदाहरण - दंत से दाँत, अंत्र से आँत।

परीक्षोपयोगी प्रश्न

1. **अनुस्वार किसका कार्य करता है?**
(a) विसर्ग का (b) चंद्रबिंदु का
(c) पंचम वर्ण का (d) स्वर का

2. **जिन स्वरों के उच्चारण में हवा नाक से भी निकलती है, उन्हें .... कहते हैं।**
(a) निरनुनासिक स्वर (b) अनुनासिक स्वर
(c) मौखिक स्वर (d) लुंठित स्वर

3. **हिंदी वर्णमाला के अनुसार कौन-सा वर्ण पंचमाक्षर है?**
(a) च (b) ङ
(c) म (d) ध

4. **निम्नलिखित में से कौन-सा स्वर मूल स्वर नहीं है?**
(a) अ (b) इ
(c) ऋ (d) ऐ

5. **निम्नलिखित व्यंजनों में से कौन-से व्यंजन का उच्चारण तालु से होता हैं?**
(a) क (b) ढ
(c) छ (d) म

6. **इनमें से दन्त्य ध्वनियाँ हैं-**
(a) च, छ, ज, झ (b) प, फ, ब, भ
(c) त, थ, द, ध (d) ट, ठ, ड, ढ

7. **दाँत और जीभ के स्पर्श से बोले जाने वाले वर्ण को क्या कहते हैं?**
(a) मूर्द्धन्य (b) दन्त्य
(c) दंतोष्ठ्य (d) कंठोष्ठ्य

8. **हिन्दी की तालव्य ध्वनियाँ हैं-**
(a) च, छ, ज, झ (b) प, फ, ब, भ
(c) त, थ, द, ध (d) ट, ठ, ड, ढ

9. **निम्न में से कौन-सा व्यंजन स्पर्श संघर्षी है?**
(a) ज (b) र
(c) ह (d) व

10. **'ए' के उच्चारण स्थान का नाम है-**
(a) तालव्य (b) दंत्य
(c) कंठोष्ठ्य (d) कंठतालव्य

11. **निम्नलिखित में से कौन-सा वर्ण अन्त:स्थ नहीं है?**
(a) य (b) ह
(c) र (d) व

12. **य, र, ल, व किस वर्ग के व्यंजन हैं?**
(a) तालव्य (b) ऊष्म
(c) अन्त:स्थ (d) ओष्ठ्य

13. **हिन्दी की स्पर्श, अघोष, महाप्राण, दन्त्य व्यंजन ध्वनि है-**
(a) भ् (b) द्
(c) थ् (d) ह्

14. **निम्नलिखित में से अर्द्ध स्वर कौन-सा है?**
(a) य (b) प
(c) क्ष (d) ज्ञ

15. **हिन्दी की स्पर्श, घोष, महाप्राण, ओष्ठ्य व्यंजन ध्वनि है-**
(a) भ् (b) द्
(c) थ् (d) ह्

16. **इनमें से कौन-सा संयुक्त व्यंजन नहीं है?**

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

(a) क्ष (b) त्र
(c) ज्ञ (d) फ

17. निम्नलिखित में से कौन-सा स्वर संवृत्त है?
(a) आ (b) औ
(c) इ (d) ऐ

18. 'व' का उच्चारण स्थान है-
(a) दन्त (b) ओष्ठ
(c) दन्तोष्ठ (d) कण्ठोष्ठ

19. निम्नलिखित में से दंत्य ध्वनि हैं-
(a) क (b) छ
(c) त (d) प

20. कौन-सी ध्वनि महाप्राण नहीं है?
(a) ख (b) घ
(c) ज (d) झ

21. निम्नलिखित में से कौन-सा घोष वर्ण है?
(a) ख (b) च
(c) म (d) छ

22. निम्नलिखित में से कौन-सा वर्ण उच्चारण की दृष्टि से दन्त्य नहीं है?
(a) त (b) न
(c) द (d) ट

23. हिन्दी वर्णमाला में वर्ण हैं-
(a) 50 (b) 52
(c) 54 (d) 55

24. 'य' का उच्चारण स्थान है-
(a) ओष्ठ्य (b) दाँत
(c) मूर्द्धा (d) तालु

25. इनमें से कौन-सा व्यंजन अल्पप्राण है?
(a) ख (b) थ
(c) च (d) फ

26. कौन-सा वर्ण घोष नहीं है?
(a) र (b) ल
(c) त (d) ड

27. इनमें से कौन-सा वर्ण स्पर्श व्यंजन नहीं है?
(a) क (b) च
(c) ट (d) य

28. सघोष वर्ण कौन-सा है?
(a) प (b) थ
(c) ब (d) श

29. निम्न में दीर्घ स्वर नहीं है-
(a) इ (b) ई
(c) ए (d) ऐ

30. ऊष्म व्यंजन कौन-सा है?
(a) ह (b) ल
(c) म (d) ज

31. सभी महाप्राण वर्णों वाला वर्ग है-
(a) ख, छ, ठ (b) ध, च, ड
(c) म, श, ध (d) य, द, ध

32. स्पर्श व्यंजन, कंठ्य ध्वनि, अघोष और महाप्राण ध्वनि है-
(a) क (b) ग
(c) ख (d) घ

33. हिन्दी वर्णमाला में ऊष्म व्यंजन कौन से हैं?
(a) श, ष, स, ह (b) त, थ, द, ध
(c) ट, ठ, ड, ढ (d) च, छ, ज, झ

34. वर्णमाला में स्पर्श व्यंजनों की संख्या कितनी है?
(a) 25 (b) 30
(c) 20 (d) 35

35. हिन्दी वर्णमाला में 'क्ष, त्र, ज्ञ, श्र' क्या हैं?
(a) स्वर (b) स्पर्श व्यंजन
(c) मूर्द्धन्य व्यंजन (d) संयुक्त व्यंजन

उत्तरमाला

1.	(c)	2.	(b)	3.	(c)	4.	(d)	5.	(c)	6.	(c)	7.	(b)	8.	(a)	9.	(a)	10.	(d)
11.	(b)	12.	(c)	13.	(c)	14.	(a)	15.	(a)	16.	(d)	17.	(c)	18.	(c)	19.	(c)	20.	(c)
21.	(c)	22.	(d)	23.	(b)	24.	(d)	25.	(c)	26.	(c)	27.	(d)	28.	(c)	29.	(a)	30.	(a)
31.	(a)	32.	(c)	33.	(a)	34.	(a)	35.	(d)										

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

3
अध्याय

विलोम शब्द

विलोम का अर्थ होता है-उल्टा। जब किसी शब्द का उल्टा या विपरीत अर्थ दिया जाता है तो उस शब्द को विलोम शब्द कहा जाता है अर्थात् एक-दूसरे के विपरीत या उल्टा अर्थ देने वाले शब्दों को विलोम शब्द कहते हैं। इन्हें विपरीतार्थक शब्द भी कहते हैं।

विलोम शब्द बनाने के नियम-

1. **लिंग परिवर्तन से,**
   जैसे- लड़का-लड़की, राजा-रानी, वर-वधू।
2. **उपसर्ग से,**
   जैसे- मान-अपमान, स्वस्थ-अस्वस्थ, आस्था-अनास्था।
3. **अलग जाति के शब्दों से,**
   जैसे- आजाद-गुलाम, आगे-पीछे, कड़वा-मीठा।
4. **नञ् समास के पद बनाकर,**
   जैसे- आदि-अनादि, सनाथ-अनाथ।

उदाहरण

1. **'सम्मुख' का विलोम होगा-**
   (a) उन्मुख (b) प्रमुख
   (c) मुख (d) विमुख
   व्याख्या - सम्मुख का विलोम शब्द 'विमुख' होता है।
   सम्मुख का वाक्य में प्रयोग - मेरे सम्मुख ही यह घटना घटी थी।
   विमुख का वाक्य प्रयोग - अपने विचारों से लोगों को असहमत होता देख वह सबसे विमुख हो गया।
2. **दिए गए शब्द का विलोम चुनें-**
   प्रहार
   (a) रक्षा (b) प्रतिरक्षा
   (c) विहार (d) समास
   व्याख्या - प्रहार का विलोम 'रक्षा' होता है।
   प्रहार का अर्थ होता है- आघात, वार, चोट या मार आदि।
   जैसे- राम ने मोहन पर डंडे से प्रहार किया।
3. **संधि का विलोम होगा-**
   (a) दुराग्रह (b) आग्रह
   (c) विग्रह (d) समास
   व्याख्या - संधि का विलोम 'विग्रह या विच्छेद' होता है। वर्णों को मिलाकर लिखना संधि कहलाता है। शब्दों को अलग-अलग करके लिखना विच्छेद या विग्रह कहलाता है।
4. **दिए गए शब्द का विलोम चुनें-**
   अनुयायी
   (a) विरोधी (b) आगत
   (c) बाहरी (d) निर्वात
   व्याख्या - अनुयायी का विलोम 'विरोधी' होता है।
   अनुयायी का अर्थ होता है- अनुसरण करने वाला, अनुचर, चेला या शिष्य।
5. **दिए गए शब्द का विलोम चुनें-**
   आदर
   (a) निरादर (b) अपमान
   (c) सम्मान (d) सादर
   व्याख्या - आदर का विलोम 'निरादर' होता है। आदर का आशय सम्मान या इज्जत, सत्कार आदि से है। निरादर का अर्थ है- किसी का अपमान करना।
6. **दिए गए शब्द का विलोम चुनें-**
   आचार
   (a) अनाचार (b) व्यवहार
   (c) प्रचार (d) विचार
   व्याख्या - आचार का विलोम शब्द 'अनाचार' होता है।
   आचार - जो धर्म और नीति से चले, **अनाचार**-धर्म और नीति के विरुद्ध।
7. **दिए गए शब्द का विलोम चुनें-**
   आविर्भाव
   (a) आनिर्भाव (b) तिरोभाव
   (c) प्रादुर्भाव (d) निर्भाव
   व्याख्या - आविर्भाव का विलोम 'तिरोभाव' होता है।

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

आविर्भाव का अर्थ प्रकट होना या उत्पत्ति आदि होता है। तिरोभाव का अर्थ अदृश्य हो जाना या छिपाव आदि होता है।

8. **दिए गए शब्द का विलोम चुनें-**

उत्तीर्ण

(a) अनुत्तीर्ण (b) वित्तीर्ण

(c) अवत्तीर्ण (d) अक्तीर्ण

व्याख्या - उत्तीर्ण का विलोम 'अनुत्तीर्ण' होता है।

जैसे- मोहन परीक्षा में उत्तीर्ण हो गया और सोहन अनुत्तीर्ण हो गया।

9. **दिए गए शब्द का विलोम चुनें-**

जागृति

(a) तृप्ति (b) सुषुप्ति

(c) स्तुति (d) निवृत्ति

व्याख्या - जागृति का विलोम 'सुषुप्ति' होता है। जागृति का अर्थ जागरूकता या सतर्कता से है। सुषुप्ति का अर्थ सोए होने की अवस्था, प्रगाढ़ निद्रावस्था से है।

10. **दिए गए शब्द का विलोम चुनें-**

शुक्ल

(a) पीत (b) नील

(c) श्वेत (d) कृष्ण

व्याख्या - शुक्ल का विलोम 'कृष्ण' होता है। हिन्दू केलेंडर में एक माह को 30 दिनों में बाँटा गया है। 15 दिन के एक पक्ष को शुक्ल पक्ष तथा बाकी बचे 15 दिन को कृष्ण पक्ष कहते हैं।

शब्द	विलोम
अतिवृष्टि	अनावृष्टि
अक्षम	सक्षम
अधम	उत्तम
अभिज्ञ	अनभिज्ञ
अर्पण	ग्रहण
अथाह	छिछला
अनाथ	सनाथ
अपव्यय	मितव्यय
अधुनातन	पुरातन
अगम	सुगम
अनुरक्ति	विरक्ति
आध्यात्मिक	भौतिक
आकुंचन	प्रसारण
आमिष	निरामिष
आलोक	तिमिर
इहलोक	परलोक
इतिश्री	श्रीगणेश

शब्द	विलोम
इति	अथ
ईश	अनीश
ईश्वर	अनीश्वर
ईड़ा	निन्दा
उन्मीलन	निमीलन
उत्थान	पतन
उर्वर	बंजर, ऊसर
उद्गम	विलय
उन्मूलन	रोपण
उल्लास	विषाद
उज्ज्वल	धूमिल
उत्कृष्ट	निकृष्ट
कृतज्ञ	कृतघ्न
कुकृति	सुकृति
कर्मण्य	अकर्मण्य
करुण	निष्ठुर
कपूत	सपूत
क्षुद्र	विशाल,महान
खेचर	भूचर
गोचर	अगोचर
गूढ़	प्रकट, अगूढ़
गुरु	लघु
ग्रस्त	मुक्त
घना	विरल, छितरा
जाग्रत	सुषुप्त
जड़	चेतन
ढीठ	विनम्र
तामसिक	सात्विक
तुच्छ	महान्
थोक	फुटकर, खुदरा
दण्ड	पुरस्कार
दाता	याचक
दुर्जन	सज्जन
दीर्घ	ह्रस्व, लघु
धवल	श्याम, कृष्ण
ध्वंस	निर्माण
धीरता	अधीरता
धृष्ट	विनीत या विनम्र
नीरस	सरस
प्रसारण	संकुचन

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

शब्द	विलोम
प्राची	प्रतीची
बहिरंग	अन्तरंग
भूषण	दूषण
मृदुल	कठोर
मूर्त	अमूर्त
रागी	विरागी
अगला	पिछला
अग्र	पश्च
अग्रज	अनुज
अति	न्यून
अत्यधिक	अत्यल्प
होनी	अनहोनी
अधिकता	अल्पता
अनिवार्य	वैकल्पिक, ऐच्छिक
अनुभव	अनुभवहीन
अनुलोम	प्रतिलोम, विलोम
अपकर्ष	उत्कर्ष
अपना	पराया
अपमान	सम्मान
अभिमानी	निरभिमानी
अमर	मर्त्य
अमावस्या	पूर्णिमा
अमीरी	गरीबी
अभ्यास	अनभ्यास
अमृत	विष
अर्जन	व्ययन
अर्थ	अनर्थ
अवकाश	अनवकाश
अवनि	अम्बर
अवसर	अनवसर
अश्लील	श्लील
असुविधा	सुविधा
अस्तित्व	अनस्तित्व
अस्वस्थ	स्वस्थ
अहंकार	अनहंकार
अहिंसा	हिंसा
आकाश	पाताल
आक्रमण	प्रतिरक्षा
आगत	अनागत
आगमन	प्रस्थान

शब्द	विलोम
आचार	अनाचार
आजादी	गुलामी
आडंबर	सादगी
आदान	प्रदान
आधुनिक	प्राचीन
आनंद	वेदना
आपत्ति	संपत्ति
आबाद	वीरान, बर्बाद
आमदनी	खर्च
आयात	निर्यात
आराध्य	दुराराध्य
आराम	तकलीफ
आशीर्वाद	अभिशाप, शाप
आस्तिक	नास्तिक
आसान	मुश्किल
आरोह	अवरोह
आशीष	अभिशाप
आहूत	अनाहूत
इच्छा	अनिच्छा
इज्जत	बेइज्जत, बेइज्जती
ईमानदार	बेईमान
उग्र	सौम्य
उच्चरित	अनुच्चरित
उतार	चढ़ाव
उत्तरायण	दक्षिणायन
उत्तीर्ण	अनुत्तीर्ण
उत्पादक	अनुत्पादक
उदय	अस्त
उदार	अनुदार, कृपण
उद्भव	अवसान
उद्यम	आलस्य
उधार	नकद
उन्मत्त	अनुन्मत्त
उपकार	अपकार
उपयुक्त	अनुपयुक्त
उपमेय	अनुपमेय
उपलब्ध	अनुपलब्ध
उपस्थिति	अनुपस्थिति
ऊँचा	नीचा
एकता	अनेकता

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

शब्द	विलोम
एड़ी	चोटी
ऐच्छिक	अनैच्छिक
ऐश्वर्य	अनैश्वर्य
औचित्य	अनौचित्य
कंजूस	शाहखर्च, दानी, उदार
कच्चा	पक्का
कनिष्ठ	ज्येष्ठ
कमजोर	तगड़ा, बलशाली, ताकतवर
कर्कश	मधुर
कर्म	अकर्म
कलंकी	निष्कलंकी
कसा	ढीला
काज	अकाज
काबिल	नाकाबिल
कामयाब	नाकामयाब
काल	अकाल
कीर्ति	अपकीर्ति
कुटिल	सरल
कुप्रथा	सुप्रथा
कुमारी	विवाहिता
कुरूप	सुरूप
कृत्रिम	अकृत्रिम, प्राकृत
कृपण	दाता
कृष्ण	शुक्ल, श्वेत
कोमल	कठोर
क्रय	विक्रय
क्रोध	क्षमा
क्षम्य	अक्षम्य
खंडन	मंडन
खंडित	अखंडित, अखंड
खरीदना	बेचना
खाली	भरा
खिला	मुरझाया
खुशमिजाज	बदमिज़ाज
खेद	प्रसन्नता
गणतंत्र	राजतंत्र
गण्य	अगण्य, नगण्य
गरल	सुधा
गहरा	छिछला
गीला	सूखा

शब्द	विलोम
गुणी	निर्गुणी
गुनाहगार	बेगुनाह
गुप्त	प्रकट
गृहस्थ	संन्यासी
गौरव	लाघव
ग्राम	नगर
घटित	अघटित
घात	प्रतिघात
घोषित	अघोषित
चंचल	अचंचल, स्थिर
चतुर	मूर्ख
चर	अचर
चरित्रवान	चरित्रहीन
चल	अचल
चिंतित	अचिंतित
चिरंतन	नश्वर
चुस्त	ढीला, सुस्त
चोर	साधु, साह
छल	निश्छल
छुटकारा	बंधन
जंगम	स्थावर
जय	पराजय
जल	थल
जड़	चेतन
जागना	सोना
जानकार	अनजान
जाति	विजाति
जालिम	रहमदिल
जीत	हार
जीवन	मरण
जेय	अजेय
ज्ञानी	मूढ़, अज्ञानी
जारज	औरस
ज्वार	भाटा
तृप्ति	अतृप्ति
तरूण	वृद्ध
ताजा	बासी
तिमिर	प्रकाश
तुकांत	अतुकांत
तुल्य	अतुल्य

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

शब्द	विलोम
त्रुटिपूर्ण	त्रुटिहीन
दंड	पुरस्कार
दक्षता	अदक्षता
दक्षिण	वाम, उत्तर
दयालु	निर्दय, क्रूर
दरिद्र	धनाढ्य, धनी
दलित	अदलित
दागी	बेदाग
दिलेर	कायर
दिवा	रात्रि
दुआ	बद्दुआ
दुखदायक	सुखदायक
दुराचार	सदाचार
दुर्गति	सुगति, सद्गति
दुर्बल	सबल
दुर्लभ	सुलभ
दुष्कर	सुकर
दुष्परिणाम	सुपरिणाम
दृढ़	अदृढ़
देनदार	लेनदार
देव	दानव
देश	विदेश
देशभक्त	देशद्रोही
दोषी	निर्दोष
धनी	निर्धन
धूप	छाँव
नम्र	अनम्र
नरक	स्वर्ग
नवीन	प्राचीन
नागरिक	ग्रामीण
नामी	बदनाम
निकट	दूर
निडर	डरपोक
निंदा	प्रशंसा, स्तुति
नियमित	अनियमित
निरक्षर	साक्षर
निर्गुण	सगुण
निर्जीव	सजीव
निर्णीत	अनिर्णीत
निरर्थक	सार्थक

शब्द	विलोम
निर्दोष	सदोष
निर्बल	सबल
निर्लज्ज	सलज्ज
निष्काम	सकाम
निष्ठा	अनिष्ठा
नीचे	ऊपर
नूतन	पुरातन
न्याय	अन्याय
हर्ष	विषाद
न्यून	अधिक
पंडित	मूर्ख
पक्ष	विपक्ष
पक्षपात	तटस्थता, निष्पक्षता
पठित	अपठित
पद्य	गद्य
पराजय	विजय
परमार्थ	स्वार्थ
परिचित	अपरिचित
परिणत	अपरिणत
परिमित	अपरिमित
परिश्रम	विश्राम
परिश्रमी	आलसी
परिहार्य	अपरिहार्य
परोक्ष	अपरोक्ष, प्रत्यक्ष
पर्याप्त	अपर्याप्त
पसंद	नापसंद
पाक	नापाक
पात्र	अपात्र
पाप	पुण्य
पास	दूर
पुरस्कृत	दंडित
पूर्ण	अपूर्ण
पेय	अपेय
प्रकाशित	अप्रकाशित
प्रखर	मंद
प्रगतिशील	अप्रगतिशील
प्रचलित	अप्रचलित
प्रतिबद्ध	अप्रतिबद्ध
प्रधान	गौण

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

शब्द	विलोम
प्रमाणित	अप्रमाणित
प्रलय	सृष्टि
प्रवेश	निकास
प्रशंसा	निंदा, भर्त्सना
प्रशिक्षित	अप्रशिक्षित
प्रश्न	उत्तर
प्रसार	संकोच
प्रस्तुति	अप्रस्तुति
प्राकृत	अप्राकृत
प्रात:	सांय
हार	जीत
प्रीति	द्वेष, बैर
प्रौढ़	अप्रौढ़
फलाहारी	अनाजी
फूल	काँटा
बंधन	मुक्ति, मोक्ष
बढ़िया	घटिया
बध्य	अबध्य
बर्बर	सभ्य
बाढ़	सूखा
बार-बार	कभी-कभी
बीमार	स्वस्थ
बुद्धिमान	बुद्धिहीन, निर्बुद्धि
बुराई	भलाई, अच्छाई
भद्रता	अभद्रता
भरा	खाली
भलाई	बुराई
भव्य	साधारण
भारी	हल्का
भिन्न	अभिन्न
भूत	भविष्य
भोगी	योगी
मंगल	अमंगल
मनुज	दनुज
मलिन	निर्मल
महत्	लघु
महात्मा	दुरात्मा
मानव	दानव
मानवीय	अमानवीय

शब्द	विलोम
मित्र	शत्रु
मिलना	बिछड़ना
मीठा	नमकीन, फीका
मुख	पृष्ठ
मुख्य	गौण
मुनाफा	घाटा, नुकसान
मुलायम	कड़ा, कठोर, सख्त
स्वतंत्र	परतंत्र
मूल्यवान	मूल्यहीन
मैत्री	अमैत्री
मौन, मूक	मुखर, वाचाल
यश	अपयश
युद्ध	शान्ति
योग्यता	अयोग्यता
यौवन	वार्धक्य, बुढ़ापा
रचना	ध्वंस
रसीला	रसहीन, नीरस
राजा	रंक
रुक्ष	मृदु
रूपवान	कुरूप
रोना	हँसना
लगातार	रुक-रुककर
लचीला	कड़ा, कठोर
लापरवाह	सावधान
लाभ	हानि
लायक	नालायक
लुभावना	घिनौना
लोकप्रिय	अलोकप्रिय
वफादार	बेवफा
वर	वधू
वसंत	पतझड़
वाकिफ़	नावाकिफ़
वाजिब	गैरवाजिब, नावाजिब
वास्तविकता	अवास्तविकता
विकारी	अविकारी
विकास	विनाश, ह्रास
विकृत	अविकृत
विज्ञ	अविज्ञ, अज्ञ
विनम्र	अविनम्र, अशिष्ट
विपद	संपद

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

शब्द	विलोम
विभक्त	अविभक्त
विराट	क्षुद्र
विवाहित	अविवाहित
विशेष	सामान्य, साधारण
विशेषज्ञ	अविशेषज्ञ
विश्वासी	अविश्वासी
विस्तृत	संक्षिप्त
वीर	कायर
विश्लेषण	संश्लेषण
वैज्ञानिक	अवैज्ञानिक
व्यक्त	अव्यक्त
व्यग्र	अव्यग्र, शांत
व्यवस्था	अव्यवस्था
व्यष्टि	समष्टि
व्यावहारिक	अव्यावहारिक
शत्रु	मित्र
स्वामी	दास, भृत्य, सेवक
शर्मदार	बेशर्म
शांति	अशांति
शालीन	धृष्ट
शीत	उष्ण
शुद्धता	अशुद्धता
शुभ	अशुभ
शोक	हर्ष
शौच	अशौच
श्यामा	गौरी
श्वेत	अश्वेत, श्याम
संकोच	निसंकोच
संक्षेप	विस्तार
संघटन	विघटन
संतुष्ट	असंतुष्ट
संदेह	विश्वास, नि:संदेह
संधि	विग्रह
संभव	असंभव
संयम	असंयम
संयोग	वियोग

शब्द	विलोम
संवृत्त	विवृत्त
सखा	शत्रु
सख्त	नरम
सजल	निर्जल
साहचर्य	अलगाव
सत्कार	तिरस्कार
सदय	निर्दय
सदाशय	दुराशय
सद्भाव	दुर्भाव
सद्भावना	दुर्भावना
सबाध	निर्बाध
सम	असम, विषम
समर्थक	विरोधी
समर्थन	विरोध
समान	असमान
समास	व्यास
समीप	दूर
सम्मुख	विमुख
सर्वत्र	कहीं-कहीं
सवाल	जवाब
सशस्त्र	निरस्त्र
सहमत	असहमत
सहित	रहित
सही	गलत
सुकर्म	दुष्कर्म
सुखी	दुखी
सुगति	दुर्गति
सुपथ	कुपथ
सुपुत्र	कुपुत्र
सुमार्ग	कुमार्ग
सृष्टि	प्रलय
सौभाग्य	दुर्भाग्य
स्थूल	सूक्ष्म

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

परीक्षोपयोगी प्रश्न

1. 'इहलोक' का विलोम शब्द है-
BSF (HCM) 17 Jun. 2023
(a) अनिष्ट (b) उत्कर्ष
(c) प्रत्यय (d) परलोक

2. निम्नलिखित में से 'कृपण' का विलोम शब्द है-
BSF (HCM) 17 Jun. 2023
(a) महान (b) अवकृपा
(c) दाता (d) अकुलीन

3. निम्नलिखित विकल्पों में से कौन-सा विकल्प 'अंतरंग' शब्द का विलोम शब्द है?
BSF (HCM) 17 Jun. 2023
(a) बहिरंग (b) बदरंग
(c) नारंगी (d) सतरंगी

4. निम्नलिखित में से 'गरल' का विलोम शब्द है-
BSF (HCM) 17 Jun. 2023
(a) सुधा (b) जल
(c) विष (d) ठण्डा

5. निम्नलिखित में से शुद्ध विलोमार्थक-युग्म की पहचान करें-
BSF (HCM) 18 Jun. 2023
(a) श्रोता-वक्ता (b) शूर-वीर
(c) शुष्क-शून्य (d) श्रम-परिश्रम

6. निम्नलिखित में से 'कृश' शब्द के विलोम-युग्म की पहचान कीजिए-
BSF (HCM) 18 Jun. 2023
(a) कृपण (b) प्रवृद्ध
(c) शुक्ल (d) कृतघ्न

7. निम्नलिखित में से शुद्ध विलोमार्थक-युग्म की पहचान करें-
BSF (HCM) 18 Jun. 2023
(a) सर्जन - सृष्टि (b) परिणत - अपरिमित
(c) नीरुज - सरस (d) पुष्ट - क्षीण

8. निम्नलिखित में से 'विहित' शब्द के विलोम-युग्म की पहचान कीजिए-
BSF (HCM) 18 Jun. 2023
(a) वाग्मी (b) विरत
(c) निषिद्ध (d) वीर

9. निम्नलिखित में से 'विकीर्ण' शब्द के विलोम-युग्म की पहचान कीजिए-
BSF (HCM) 18 Jun. 2023
(a) एकत्र (b) उग्र
(c) कोमल (d) निर्माण

10. निम्नलिखित में से सही विलोमार्थक-युग्म की पहचान करें-
BSF (HCM) 18 Jun. 2023
(a) वाम - उत्तर (b) तिमिर - प्रकाश
(c) द्वैत - द्वेषी (d) दिलेर - दबंग

11. निम्न में से कौन-सा विलोम युग्म असुमेलित है?
CRPF (HCM) 11 Mar. 2023
(a) अवनि - पाताल (b) अवसर - अनवसर
(c) अवर - प्रवर (d) अवनत - उन्नत

12. 'सदय' का विलोम शब्द निम्न में से कौन-सा है?
CISF (HCM) 30 Oct. 2023
(a) अदय (b) प्रदय
(c) विदय (d) निर्दय

13. 'रागी' का विलोम शब्द निम्न में से कौन-सा है?
CISF (HCM) 30 Oct. 2023
(a) विरागी (b) अरागी
(c) सहरागी (d) अनुरागी

14. 'मधुर' शब्द का विलोम शब्द निम्न में से कौन-सा है?
CISF (HCM) 30 Oct. 2023
(a) कर्कश (b) सुनहरा
(c) सुदूर (d) मीठा

15. 'तुच्छ' का विलोम शब्द निम्न में से कौन-सा है?
CISF (HCM) 30 Oct. 2023
(a) अदेय (b) ज्ञानी
(c) अतुच्छ (d) महान

16. 'सकर्म' के विलोम शब्द की पहचान करें।
CISF (HCM) 30 Oct. 2023
(a) कुकर्म (b) क्रिया कर्म
(c) कर्म (d) निष्कर्म

17. निम्न में से 'लुप्त' का विलोम कौन-सा है?
CISF (HCM) 30 Oct. 2023
(a) पूर्ण (b) अलुप्त
(c) निलुप्त (d) व्यक्त

18. 'आगामी' शब्द का विलोम निम्न में से कौन-सा है?
CISF (HCM) 31 Oct. 2023
(a) अगम (b) सुगम
(c) सुनामी (d) विगत

19. 'आकाश' का विलोम शब्द निम्न में से कौन-सा है?
CISF (HCM) 31 Oct. 2023
(a) पाताल (b) निरत
(c) गगन (d) सुरत

20. निम्नलिखित विकल्पों में से 'निंदनीय' शब्द के विपर्याय का चयन करें:
CRPF (HCM) 22 Feb. 2023

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

(a) श्लाघनीय (b) श्लथनीय
(c) अपरिमेय (d) अश्रवणीय

21. 'तिमिर' का विलोम क्या होगा?
CRPF (HCM) 22 Feb. 2023
(a) अंधकार (b) तम
(c) प्रकाश (d) आकाश

22. निम्नलिखित शब्दों में से 'स्पृहा' शब्द के विलोमार्थी का चयन करें-
CRPF (HCM) 22 Feb. 2023
(a) निष्कामना (b) नारकीय
(c) चंचलता (d) सहयोग

23. निम्नलिखित शब्दों में से 'सुषुप्ति' शब्द के विलोमार्थी का चयन करें-
CRPF (HCM) 23 Feb. 2023
(a) दुष्कृत (b) अनभिज्ञ
(c) सुतली (d) जागृति

24. निम्नलिखित विकल्पों में से 'स्कंद' शब्द के विपर्याय का चयन करें-
CRPF (HCM) 23 Feb. 2023
(a) रचना (b) उग्र
(c) कंद (d) स्कंभ

25. निम्नलिखित में से 'ईषत्' शब्द के विलोम शब्द की पहचान करें-
CRPF (HCM) 23 Feb. 2023
(a) प्रेम (b) जीव
(c) अनीश (d) प्रचुर (अलम्)

26. निम्न में से कौन-सा विलोम युग्म असुमेलित है?
CRPF (HCM) 23 Feb. 2023
(a) चैन-बेचैनी (b) चिरंतन-नश्वर
(c) चुस्त-लचर (d) चेतन-सुस्त

27. इनमें 'सृष्टि' का विलोम शब्द है-
CRPF (HCM) 24 Feb. 2023
(a) संहार/प्रलय (b) व्यास
(c) व्यष्टि (d) विघटन

28. 'हलाहल' का विलोम क्या होगा?
CRPF (HCM) 26 Feb. 2023
(a) सुधा (b) विष
(c) शांत (d) गरल

29. निम्नलिखित शब्दों में से 'कोविद' शब्द के विलोमार्थी का चयन करें-
CRPF (HCM) 26 Feb. 2023
(a) मंदबुद्धि (b) निष्क्रिय
(c) शान्ति (d) चतुर

30. निम्नलिखित में से कौन-सा विलोम युग्म असुमेलित है।
CRPF (HCM) 27 Feb. 2023
(a) निर्जीव - सजीव (b) निर्णय - अनिर्णय
(c) नश्वर - अचिर (d) निरुद्ध - अनिरुद्ध

31. निम्नलिखित में से कौन-सा विलोम युग्म असुमेलित है?
CRPF (HCM) 27 Feb. 2023
(a) सुफल - कुफल (b) सुपथ - कुपथ
(c) सुपाच्य - कुपाच्य (d) सुगंध - कुगंध

32. निम्न विकल्पों में से गलत विलोम शब्द-युग्म छाँटिए-
CRPF (HCM) 27 Feb. 2023
(a) धनी - निर्धनी (b) तामसिक - सात्विक
(c) सनाथ - अनाथ (d) छली - निश्छल

33. 'नागरिक' का विलोम शब्द कौन-सा है?
CRPF (HCM) 28 Feb. 2023
(a) ग्रामीण (b) नैसर्गिक
(c) शहरी (d) विनागरिक

34. कौन-से विकल्प में 'ग्रहण' का विलोम लिखा गया है?
CRPF (HCM) 28 Feb. 2023
(a) आदान (b) उत्थान
(c) अर्पण (d) आवाहन

35. 'निर्माण' शब्द के विलोम का चयन कीजिए-
CRPF (HCM) 01 Mar. 2023
(a) अकल्याण (b) निषेध
(c) अवरोहण (d) विध्वंस

36. निम्नलिखित में से कौन-सा विलोम युग्म असुमेलित है।
CRPF (HCM) 11 Mar. 2023
(a) तप्त - शीतल (b) तर - गीला
(c) तरुण - वृद्ध (d) तरल - ठोस

उत्तरमाला

1.	(d)	2.	(c)	3.	(a)	4.	(a)	5.	(a)	6.	(b)	7.	(d)	8.	(c)	9.	(a)	10.	(b)
11.	(a)	12.	(d)	13.	(a)	14.	(a)	15.	(d)	16.	(d)	17.	(d)	18.	(d)	19.	(a)	20.	(a)
21.	(c)	22.	(a)	23.	(d)	24.	(a)	25.	(d)	26.	(d)	27.	(a)	28.	(a)	29.	(a)	30.	(c)
31.	(d)	32.	(a)	33.	(a)	34.	(c)	35.	(d)	36.	(b)								

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

वाक्यांश के लिए एक शब्द

कम से कम शब्दों में अधिक से अधिक विचारों या शब्द समूह को अभिव्यक्त करने वाले शब्द इस श्रेणी में आते हैं।

वाक्यांश को संक्षेप में सामासिक पद का भी रूप दिया जाता है। कुछ ऐसे लाक्षणिक पद या शब्द भी हैं जो अपने आप में पूरे एक वाक्यांश का अर्थ रखते हैं।

उदाहरण-

- जो किसी वंश में बराबर चलता आया है — **अनुवांशिक**
- आभार मानने वाला — **आभारी**
- धन से संबंध रखने वाला — **आर्थिक**
- (स्त्री) जिसे पति ने छोड़ दिया हो — **परित्यक्ता**
- केवल फल खाकर रहने वाला — **फलाहारी**
- सूर्योदय से पहले दो घड़ी तक पवित्र समय — **ब्रह्ममुहूर्त**
- धरती और आकाश के बीच का स्थान — **अंतरिक्ष**
- मन में होने वाला स्वाभाविक ज्ञान — **अंतर्ज्ञान**
- जिसके समान कोई दूसरा न हो — **अद्वितीय**
- आवश्यकता या उचित मात्रा से अधिक खर्च करने वाला — **अपव्ययी**
- पुरुष जो अभिनय करता हो — **अभिनेता**
- जिसमें सामर्थ्य न हो — **असमर्थ**
- अहंकारपूर्वक अपने को सबसे बढ़कर समझना — **अहंमन्यता**
- सर्वाधिकार सम्पन्न शासक — **अधिनायक**
- जिसका वचन द्वारा वर्णन न किया जा सके — **अनिर्वचनीय**
- किसी मत का सर्वप्रथम प्रवर्तन करने वाला — **आदिप्रवर्तक**
- आदि से लेकर अंत तक — **आद्योपान्त**
- जिससे बढ़कर ऊँचा कोई न हो — **उच्चतम**
- जिसका मन उदार हो — **उदारमना**
- नियमविरूद्ध या निंदनीय कार्य करने वालों की सूची — **कालीसूची**
- गायों को पालने और रखने का स्थान — **गोशाला**
- घृणा करने योग्य — **घृणास्पद**
- ज्ञान देने वाला — **ज्ञानदा**
- घर-घर जाकर लोगों की डाक पहुँचाने वाला कर्मचारी — **डाकिया**
- भौंहों के बीच का ऊपरी भाग — **त्रिकुटी**
- हर तीसरे महीने होने वाला — **त्रैमासिक**
- एक देश से दूसरे देश में माल भेजना — **निर्यात**
- पिता का पिता — **पितामह**
- जो पशु जैसा आचरण करे — **पाशविक**
- प्रयोग में लाने योग्य — **प्रयोजनीय**

अभ्यास तालिका

अंक (गोद) में सोने वाला	**अंकशायी**
जो अंडे से जन्म लेता है	**अंडज**
मन में अपने आप उत्पन्न होने वाली प्रेरणा	**अंत:प्रेरणा**
गुरु के साथ या समीप रहने वाला छात्र	**अंतेवासी**
किसी पद्य के अंतिम अक्षर से नया पद्य आरंभ करने का खेल	**अन्त्याक्षरी**
जो कहा न जा सके	**अकथनीय**
जिसके पास कुछ भी न हो	**अकिंचन**
जिसकी गहराई या थाह का पता न लग सके	**अगाध/अथाह**
जिसका कभी जन्म न हो	**अजन्मा**
जो न जाना गया हो	**अज्ञात**
जो दिखायी न देता हो	**अदृश्य**
पर्वत के ऊपर की समतल भूमि	**अधित्यका**
जिसका कोई नाथ/मालिक न हो	**अनाथ**
जिसकी उपमा न दी जा सके	**अनुपम**
जो पढ़ा न जा सके	**अपठनीय**
सामान्य या व्यापक नियम के विरूद्ध बात	**अपवाद**
जो पहले कभी न हुआ हो	**अभूतपूर्व**
स्त्री जो अभिनय करती हो	**अभिनेत्री**
जो किसी पर अभियोग लगाए	**अभियोगी**
जो भेदा या तोड़ा न जा सके	**अभेद्य**
जो कभी मरे नहीं	**अमर**
जिसे मारना उचित न हो	**अवध्य**
जो विधि या कानून के विरूद्ध हो	**अवैध**
चंद्रमास के किसी पक्ष की आठवीं तिथि	**अष्टमी**

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

जिस (रोग) का ठीक होना कठिन हो	असाध्य
आँतों में होने वाला	आंत्रिक
आकाश को चूमने वाला	गगनचुम्बी
अग्नि से संबंधित या आग का	आग्नेय
अतिथि की सेवा करने वाला	आतिथेयी
दूसरों के सुख के लिए अपने सुखों का त्याग	आत्मोत्सर्ग
किसी वस्तु को आधुनिक रूप देने की प्रक्रिया	आधुनिकीकरण
किसी चीज या बात की इच्छा रखने वाला	इच्छुक
जो दूसरों की उन्नति देखकर जलता हो	ईर्ष्यालु
ऊपर आने वाला श्वास	उच्छ्वास
पर्वत के पास की भूमि	उपत्यका
जो उपजाऊ भूमि हो	उर्वरा
सूर्योदय से पहले का समय	उषाकाल
जिस भूमि में कुछ उत्पन्न न होता हो	ऊसर/बंजर
चंद्रमास के किसी पक्ष की ग्यारहवीं तिथि	एकादशी
जिसका चित्त एकाग्र हो	एकाग्रचित्त
इतिहास से संबंधित	ऐतिहासिक
अपनी विवाहिता पत्नी से उत्पन्न (पुत्र)	औरस
कान का नीचे लटकता हुआ कोमल भाग	कर्णपाली
तांत्रिक जो अपने हाथ में कपाल (खोपड़ी) लिए रहते हैं	कापालिक
जिस लड़की का विवाह न हुआ हो	कुमारी
जो अच्छे या ऊँचे कुल में उत्पन्न हुआ हो	कुलीन
किये हुए उपकार को मानने वाला	कृतज्ञ
जिसकी उत्पत्ति स्वभावगत न हो	कृत्रिम
बालों को सजाने-सँवारने का काम	केशविन्यास
क्षमा किए जाने योग्य	क्षम्य
जिसका हाथ बहुत तेज चलता हो	क्षिप्रहस्त
जिसका कोई हिस्सा टूटकर अलग हो गया हो	खंडित
किसी के घर की होने वाली तलाशी	खानातलाशी
बहुत गप्पें हाँकने वाला	गपोड़िया
गृह (घर) बसाकर रहने वाला	गृहस्थ
संध्या काल जब गायें चरकर लौटती हैं	गोधूलि
घूस लेने वाला	घूस-खोर
जिसके चूड़ा (बालों) में चन्द्रमा है	चंद्रचूड़
जिसके चार पैर होते हैं	चतुष्पद
चिंता उत्पन्न करने वाला	चिंताजनक
किसी को सावधान करने के लिए कही जाने वाली बात	चेतावनी
सेना के ठहरने का स्थान	छावनी
जन्म से सौ वर्ष का समय	जन्मशती
किसी को जीतने की चाह	जिगीषा
जिसने इन्द्रियों पर विजय पा ली हो	जितेन्द्रिय
चारों ओर जल से घिरा हुआ भू-भाग	टापू/द्वीप
तैरकर पार होने की इच्छा रखने वाला	तितीर्षु
छुटकारा (त्राण) दिलाने वाला	त्राता
पति-पत्नी का जोड़ा	दंपती
गोद लिया हुआ पुत्र	दत्तक
अपराध और दण्ड देने के नियम निर्धारित करने वाला ग्रन्थ	दंड संहिता
जो कठिनाई से मिलता हो	दुर्लभ
पति के छोटे भाई की पत्नी	देवरानी
राजा द्रुपद की पुत्री	द्रौपदी
धार्मिक सिद्धान्तों के अनुसार आचरण करने वाला	धर्मात्मा
ध्यान या विचार करने वाला	ध्याता
कहीं से नया-नया आया हुआ	नवागन्तुक
नाक से बाहर निकलने वाली साँस	नि:श्वास
जिसका कोई आकार न हो	निराकार
जिसकी जड़ या आधार का पता न हो	निर्मूल
जिसमें तेज न हो	निस्तेज
जो पढ़ने के योग्य हो	पठनीय
परपुरुष से प्रेम करने वाली	परकीया
पांचाल प्रदेश की राजकुमारी	पांचाली
पृथ्वी से संबंधित या मिट्टी का बना हुआ	पार्थिव
जिसे पानी या किसी और वस्तु को पीने की प्यास हो	पिपासु
जिसकी कामना पूरी हो गयी हो	पूर्णकाम
दूसरे या विरोधी पक्ष में रहने वाला	प्रतिपक्षी
जो कहीं जाकर लौट आया हो	प्रत्यागत

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

◈	किसी देश के मंत्रियों में सबसे बड़ा	प्रधानमंत्री
◈	स्त्री जिसने बच्चा जना हो	प्रसूता
◈	प्रकृति से उद्भूत या प्रकृति में होने वाला	प्राकृतिक
◈	प्रार्थना करने वाला व्यक्ति	प्रार्थी
◈	देखने में प्रिय लगने वाला	प्रियदर्शी
◈	बहुत सी भाषाएँ जानने वाला	बहुभाषाविद्
◈	आधे से अधिक लोगों की मिलकर एक राय	बहुमत
◈	जिसका कोई रोजगार नहीं है	बेरोजगार
◈	जिसको किसी बात की खबर न हो	बेखबर
◈	भारत देश से संबंधित या भारत में उत्पन्न	भारतीय
◈	भूगोल से संबंधित या भूगोल का	भौगोलिक
◈	जो खुले हाथों दान करता हो	मुक्तहस्त
◈	जिसने मृत्यु को जीत लिया हो	मृत्युंजय
◈	असाधारण मेधा (बुद्धि) वाला	मेधावी
◈	राजगद्दी का उत्तराधिकारी/सबसे बड़ा राजकुमार	युवराज
◈	पुलिस या सेना में नया भर्ती जवान	रंगरूट
◈	राज्य द्वारा आधिकारिक रूप से प्रकाशित होने वाला पत्र	राजपत्र
◈	रोष से भरा हुआ	रुष्ट
◈	बच्चों को थपकी देते हुए सुलाने का गीत	लोरी
◈	वह स्त्री या मादा पशु जो संतान उत्पन्न करने में असफल हो	वंध्या
◈	जिसे जीत लिया गया हो	विजित
◈	कानून का रूप देने के लिए प्रस्तुत किया गया प्रस्ताव या मसौदा	विधेयक
◈	भले-बुरे की पहचान करने का ज्ञान	विवेक
◈	पर-स्त्री से अनुचित संबंध रखने वाला	व्यभिचारी
◈	वह जो शक्ति या देवी की उपासना करता है	शाक्त
◈	मुर्दे या शव जलाने का स्थान	श्मशान
◈	दो धाराओं या नदियों के मिलन का स्थान	संगम
◈	मनुष्यों का किसी विशेष विषय पर विचार के लिए मिलन	सम्मेलन
◈	जो अक्षर (पढ़ना-लिखना) जानता हो	साक्षर
◈	मांस से युक्त	सामिष

◈	कोमल और मधुर कंठ वाला	सुकंठ
◈	जो स्मरण रखे जाने योग्य हो	स्मरणीय
◈	जो सब काम अपने भरोसे करता हो	स्वावलंबी
◈	दूसरों को जान से मार डालने वाला	हत्यारा
◈	सेना का वह भाग जो सबसे आगे रहता है	हरावल
◈	जो हाथ से लिखा गया हो	हस्तलिखित
◈	भला या हित चाहने वाला	हितैषी
◈	हाथी की पीठ पर रखी जाने वाली चौकी	हौदा
◈	राजभवन के अंदर महिलाओं का निवास	अंतःपुर
◈	जिसमें कुछ करने की क्षमता न हो	अक्षम
◈	जो खाने योग्य न हो	अखाद्य
◈	जहाँ कोई जा न सके	अगम्य
◈	जिसका ज्ञान इन्द्रियों द्वारा न हो	अगोचर
◈	जिसका जन्म पहले हुआ हो	अग्रज
◈	जो सबके आगे रहता हो	अग्रणी
◈	जिसका चिंतन न हो सके	अचिन्त्य
◈	जिसका कोई शत्रु पैदा ही न हुआ हो	अजातशत्रु
◈	जिसे जीता न जा सके	अजेय
◈	जिसके आने की तिथि (ज्ञात) न हो	अतिथि
◈	कोई बात जो बढ़ा-चढ़ाकर कही गयी हो	अतिशयोक्ति
◈	जिसकी तुलना न की जा सके	अतुलनीय
◈	जो दण्ड पाने योग्य न हो	अदंडनीय
◈	वह जो विद्यार्थियों को पढ़ाने का कार्य करता है	अध्यापक
◈	जिसका कोई/कहीं अंत न होता हो	अनंत
◈	जो बात कभी सुनी न गई हो	अनसुनी
◈	जिस पर आक्रमण न किया गया हो	अनाक्रांत
◈	कनिष्ठा और मध्यमा के बीच की उँगली	अनामिका
◈	वर्षा का अभाव	अनावृष्टि
◈	जिस पर कोई नियंत्रण न हो	अनियंत्रित
◈	जिसका या जिसके संबंध में कोई निर्णय न हुआ हो	अनिर्णीत
◈	किसी के पीछे-पीछे चलने वाला	अनुगामी/अनुयायी
◈	जिसका जन्म बाद में हुआ हो	अनुज
◈	किसी और स्थान पर	अन्यत्र

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

◈	जिसका मन किसी दूसरी ओर लगा हो	अन्यमनस्क
◈	दोपहर के बाद का समय	अपराह्न
◈	आवश्यकता से अधिक धन का संचय न करना	अपरिग्रह
◈	जिसके उस पार की वस्तु को न देखा जा सके	अपारदर्शी
◈	जिसकी पहले से कोई आशा न हो	अप्रत्याशित
◈	जिसके लिए कोई बाधा या रोक-टोक न हो	अबाध
◈	जो इस लोक में संभव न हो	अलौकिक
◈	जिसका अस्तित्व अल्पकाल तक रहे	अल्पकालिक
◈	जो कम जानता हो	अल्पज्ञ
◈	जो कम बोलने वाला है	अल्पभाषी
◈	जो अवश्य होने वाला हो	अवश्यंभावी
◈	जिसका विवाह न हुआ हो	अविवाहित
◈	जो व्यवहार में न लाया गया हो	अव्यवहृत
◈	जो शोक करने योग्य न हो	अशोच्य
◈	जो अपनी बात से न टले	अटल
◈	न टूटने वाला	अटूट
◈	जो पहले न देखा गया हो	अदृष्टपूर्व
◈	वास्तविक मूल्य से अधिक लिया जाने वाला शुल्क	अधिशुल्क
◈	किसी व्यक्ति या सिद्धान्त का समर्थन करने वाला	अनुयायी
◈	परम्परा से चली आ रही बात, उक्ति या कला	अनुश्रुति
◈	जिसका कोई निश्चित घर न हो	अनिकेत
◈	जो पहले पढ़ा न गया हो	अपठित
◈	जिसका जन्म उच्च कुल में हुआ हो	कुलीन
◈	अच्छी तरह से सीखा हुआ	अभ्यस्त
◈	अच्छा-बुरा समझने की शक्ति का अभाव	अविवेक
◈	जो समय पर न हो	असामयिक
◈	जिसमें कुछ करने की क्षमता न हो	अक्षम
◈	जो दिया न जा सके	अदेय
◈	जिसे पढ़ा न जा सके	अपाठ्य
◈	आकाश से सुनाई पड़ने वाली वाणी	आकाशवाणी
◈	आक्रमण करने वाला	आक्रामक
◈	वह स्त्री जिसका पति परदेश से लौटा हो	आगतपतिका
◈	जिस पर किसी का आतंक छाया हो	आतंकित
◈	जो अपनी हत्या कर लेता है	आत्मघाती
◈	दैव अथवा प्रकृति द्वारा होने वाला (दुख)	आधिदैविक
◈	आत्मा और ईश्वर से संबंध रखने वाला	आध्यात्मिक
◈	एक देश द्वारा दूसरे देशों से वस्तुओं का मँगाया जाना	आयात
◈	आयोजन करने वाला व्यक्ति	आयोजक
◈	जो आलोचना के योग्य हो	आलोच्य
◈	किसी अवधि से संबंध रखने वाला	आवधिक
◈	वह क्लर्क जो आशुलिपि (शार्ट हैंड) जानता है	आशुलिपिक
◈	जिसे आश्वासन दिया गया हो	आश्वस्त
◈	जिसने अपनी इंद्रियों को वश में कर लिया हो	इंद्रियजित
◈	जो इंद्रियों की पहुँच से बाहर हो	इंद्रियातीत
◈	इतिहास का जानकार	इतिहासज्ञ
◈	जिसकी ईप्सा या इच्छा की गई हो	ईप्सित
◈	ऊपर की ओर उछाला हुआ	उत्क्षिप्त
◈	जिस पर किसी काम का उत्तरदायित्व हो	उत्तरदायी
◈	सूर्य जिस पर्वत के पीछे निकलता है	उदयाचल
◈	जो ऊपर कहा गया हो	उपर्युक्त
◈	जिसका उल्लेख करना आवश्यक हो	उल्लेखनीय
◈	सूर्योदय से पहले का समय	उषाकाल
◈	ऊपर की ओर जाने वाला	ऊर्ध्वगामी
◈	किसी एक पक्ष से संबंध रखने वाला	एकपक्षीय
◈	इंद्रियों से संबंधित	ऐंद्रिक
◈	इस लोक से संबंध रखने वाला	इहलौकिक/ ऐहिक
◈	जिसका संबंध उपन्यास से हो	औपन्यासिक
◈	सारे शरीर की हड्डियों का ढाँचा	कंकाल
◈	जो कहा गया है	कथित
◈	फूल जो अभी खिला न हो	कली
◈	स्त्री जो कविता रचती है	कवयित्री
◈	जो काम से जी चुराता है	कामचोर
◈	किसी की कृपा से पूरी तरह संतुष्ट	कृतार्थ

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

◈	जिसे क्रय किया गया हो	**क्रीत**
◈	कुंती का पुत्र	**कौंतेय**
◈	भूख से व्याकुल	**क्षुधातुर**
◈	कारागार से संबंध रखने वाला	**कारागारिक**
◈	कार्य करने वाला कर्मचारी	**कार्यकर्त्ता**
◈	वह बात जो जन साधारण में चलती आ रही है	**किंवदंती**
◈	जिसकी अब कीर्ति शेष रह गयी हो	**कीर्तिशेष**
◈	अपने ही कुल का नाश करने वाला व्यक्ति	**कुलांगार**
◈	जिसकी बुद्धि कुश की नोंक के समान तीखी हो	**कुशाग्रबुद्धि**
◈	जो केन्द्र से हटकर दूर जाता हो	**केन्द्रापसारी**
◈	जो केन्द्र की ओर उन्मुख होता हो	**केन्द्राभिमुख/ केन्द्राभिसारी**
◈	सुन्दर और बड़े बालों वाली (स्त्री)	**केशिनी**
◈	ठीक अपने क्रम से आया हुआ	**क्रमागत**
◈	ऐसा जो अन्दर से खाली हो	**खोखला**
◈	गणित शास्त्र का जानकार	**गणितज्ञ**
◈	जिसके पेट में बच्चा हो	**गर्भवती/गर्भिणी**
◈	जो कुछ भी बोल न सके	**गूँगा**
◈	नये बनवाये घर में पहले-पहल होने वाला प्रवेश	**गृहप्रवेश**
◈	गाँव से संबंधित	**ग्रामीण**
◈	बहुत-सी घटनाओं का सिलसिला	**घटनावली**
◈	घृणा किए जाने योग्य	**घृण्य**
◈	किसी के इर्द-गिर्द घेरा डालने की क्रिया	**घेराबन्दी**
◈	जिसकी घोषणा की गई हो	**घोषित**
◈	घूस लेने वाला/रिश्वत लेने वाला	**घूसखोर/ रिश्वतखोर**
◈	चन्द्रमा की वह स्थिति जब उस पर पृथ्वी की छाया पड़ने से उसका कुछ या सारा भाग दिखाई नहीं देता	**चंद्रग्रहण**
◈	जिसके सिर पर चन्द्रमा है	**चंद्रशेखर**
◈	जो चक्र को धारण करता है	**चक्रधर**
◈	जिसके हाथ में चक्र (सुदर्शन) है	**चक्रपाणि**
◈	चार वेदों को जानने वाला	**चतुर्वेदी**
◈	जो चिरकाल तक बना रहे	**चिरस्थायी**
◈	चूहे फँसाने का पिंजड़ा	**चूहेदानी**
◈	जिसकी चर्चा की गई हो	**चर्चित**

◈	ब्याज का वह प्रकार जिसमें मूल के ब्याज पर भी ब्याज लगता है	**चक्रवृद्धि**
◈	जिसकी चार भुजाएँ हैं	**चतुर्भुज**
◈	कमल के समान (सुन्दर) चरण	**चरणकमल**
◈	जो आँखों से संबंधित हो	**चाक्षुष**
◈	चित्त को चुराने वाला	**चित्तचोर**
◈	जिस पर चिह्न लगाया गया हो	**चिह्नित**
◈	कर्मचारी आदि को छाँटकर निकाल देने का काम	**छँटनी**
◈	छः महीने का समय	**छमाही**
◈	दूसरों के दोष खोजने वाला	**छिद्रान्वेषी**
◈	जोतने का काम	**जुताई**
◈	जो वृद्ध होने के कारण जर्जर हो गया हो	**जराजीर्ण**
◈	जल में पैदा होने वाला	**जलज**
◈	जल में विचरण करने वाले जीव	**जलचर**
◈	वह यान जो जल में चलता है	**जलयान**
◈	अधिक समय तक जीने की इच्छा	**जिजीविषा**
◈	अधिक समय तक जीते रहने का इच्छुक	**जिजीविषु**
◈	जिसे ज्ञान प्राप्त करने की प्यास हो	**ज्ञानपिपासु**
◈	जिसे जानना आवश्यक हो	**ज्ञेय**
◈	जिसके लम्बे-लम्बे बिखरे बाल हों	**झबरा**
◈	झूठ बोलने वाला	**झूठा**
◈	सिक्के ढालने का कारखाना	**टकसाल**
◈	किराये पर चलने वाली मोटरगाड़ी	**टैक्सी**
◈	ढोंग रचने वाला	**ढोंगी**
◈	किसी पद अथवा सेवा से मुक्ति का पत्र	**त्यागपत्र**
◈	तीन लोकों का समूह	**त्रिलोक**
◈	तैरने की इच्छा	**तितीर्षा**
◈	तीन कालों को जानने वाला	**त्रिकालज्ञ**
◈	तपस्या करने वाला व्यक्ति	**तपस्वी**
◈	तर्क के द्वारा जो माना गया हो	**तर्कसम्मत**
◈	जिसे त्याग देना उचित हो	**त्याज्य**
◈	कपड़े सीने का व्यवसाय करने वाला	**दर्जी**
◈	जिसने गुरु से दीक्षा ली हो	**दीक्षित**
◈	अपने देश से प्यार करने वाला	**देशभक्त**
◈	दो वेदों को जानने वाला	**द्विवेदी**
◈	डंक मारा हुआ	**दंशित**
◈	जिसका मुख दक्षिण की ओर हो	**दक्षिणाभिमुख**

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

किसी काम में बहुत मन लगाने वाला	**दत्तचित**
चंद्रमास के किसी पक्ष की दशवीं तिथि	**दशमी**
जिस पर दिनांक (तारीख का अंक) लगाया गया हो	**दिनांकित**
जिसकी भुजाएँ लम्बी हों	**दीर्घबाहु**
दुख देने वाला	**दुखद**
जिसमें दो रंग हो	**दुरंगा**
अनुचित बात के लिए आग्रह	**दुराग्रह**
जिसका दमन करना कठिन हो	**दुर्दम/दुर्दम्य**
ऐसा समय जिसमें भिक्षा या भोजन कठिनता से मिले	**दुर्भिक्ष**
बुरे आचरण/चरित्र वाला	**दुश्चरित्र**
वह व्यक्ति जो दूर तक की बातों को पहले ही सोच लेता है	**दूरदर्शी**
दिन का या प्रतिदिन होने वाला	**दैनिक**
प्रवेश द्वार की रक्षा करने वाला	**द्वारपाल**
धारण करने वाला	**धारक**
जिस पर धारियाँ बनी हों	**धारीदार**
यात्रियों के लिए धर्मार्थ बना हुआ घर	**धर्मशाला**
शक्तिशाली, दयालु, शांत-धीर और योद्धा नायक	**धीरोदात्त**
मछली पकड़ने या बेचने वाली जाति विशेष	**धीवर**
ध्यान करने योग्य या लक्ष्य	**ध्येय**
जिसकी नाक कट गई हो	**नकटा**
आकाश में विचरण करने वाला	**नभचर**
चंद्रमास के किसी पक्ष की नौवीं तिथि	**नवमी**
जो नष्ट होने वाला हो	**नश्वर**
लड़की की लड़की	**नातिन**
जिसे किसी बात की स्पृहा (आकांक्षा) न हो	**नि:स्पृह**
जिसमें (सत्त्व, रज, तम) गुण न हो	**निर्गुण**
जिसके मन में दया का अभाव हो	**निर्दय**
जिसे कोई भय न हो	**निर्भय**
जिस पर नियंत्रण किया गया हो	**नियंत्रित**
निशा (रात्रि) में विचरण करने वाला	**निशाचर**
जिस पर कोई कलंक न लगा हो	**निष्कलंक**
नीति का ज्ञान रखने वाला	**नीतिज्ञ**
जिसके हृदय में ममता न हो	**निर्मम**
जो कामना रहित हो	**निष्काम**
जो उत्तर न दे सके	**निरुत्तर**
शासकीय अधिकारियों का शासन	**नौकरशाही**
जिसके बारे में मतभेद न हो	**निर्विवाद**
नगर में रहने वाला	**नागरिक**
जिसमें पाँच कोने हों	**पंचकोण**
पानी में डूबकर चलने वाली नाव	**पनडुब्बी**
जो पिंड से जन्मता है	**पिंडज**
एक बार कही हुई बात को फिर कहना	**पुनरुक्ति**
जो शीघ्र किसी बात या युक्ति को सोच ले	**प्रत्युत्पन्नमति**
वह जिससे प्रेम किया जाए	**प्रेमपात्र**
जिसमें प्रतिभा है	**प्रतिभावान**
जो देखने में प्रिय हो	**प्रियदर्शी**
जो दूसरे के अधीन हो	**पराधीन**
जो प्रशंसा के योग्य हो	**प्रशंसनीय**
आँखों के सामने	**प्रत्यक्ष**
अगुआ बनकर मार्ग दिखाने वाला	**पथ-प्रदर्शक**
किये हुए परिश्रम के बदले में मिलने वाला धन	**पारिश्रमिक**
किसी महापुरुष आदि के निधन की वार्षिक तिथि	**पुण्यतिथि**
अपने बेटे की पत्नी	**पुत्रवधू**
जिसका प्रचार हुआ या किया गया हो	**प्रचारित**
प्रश्न के रूप में पूछे जाने योग्य	**प्रष्टव्य**
जिसमें मल (गंदगी) हो	**मलिन**
जिसने मृत्यु को जीत लिया है	**मृत्युंजय**
यात्रा करने वाला	**यात्री**

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

परीक्षोपयोगी प्रश्न

1. जिसका जन्म अग्र (पहले) हुआ हो - वाक्यांश के लिए सार्थक शब्द है-

BSF (HCM) 17 Jun. 2023

(a) अग्रज (b) अनुज
(c) अग्रणीय (d) अग्रीय

2. निम्नलिखित वाक्यांश के लिए सार्थक शब्द का चयन कीजिए-

'जो विधि या कानून के विरुद्ध हो'

BSF (HCM) 17 Jun. 2023

(a) विरुद्धवाद (b) अवैध
(c) विधिवान (d) वैदिक

3. निम्नलिखित शब्द के लिए उचित वाक्यांश का चयन कीजिए-

'अनिमेष'

BSF (HCM) 18 Jun. 2023

(a) किसी के पीछे चलने वाला
(b) बिना पलक गिराए हुए
(c) जो कभी मृत्यु को प्राप्त न हो
(d) जिसका उच्चारण न किया जा सके

4. निम्नलिखित शब्द के लिए उचित वाक्यांश का चयन कीजिए-

'सार्वजनिक'

BSF (HCM) 18 Jun. 2023

(a) जो सबके उपयोग के लिए हो
(b) जो सर्वत्र व्याप्त हो
(c) जो हमेशा रहने वाला हो
(d) जो आसानी से मिल सके

5. निम्नलिखित शब्द के लिए उचित वाक्यांश का चयन कीजिए-

'असाध्य'

BSF (HCM) 18 Jun. 2023

(a) जो साधक न हो
(b) किसी कार्य को बार-बार करना
(c) जिसे साधा (ठीक किया) न जा सके
(d) जिसका अनुभव किया जा सके

6. निम्नलिखित वाक्यांश के लिए उचित शब्द का चयन कीजिए-

'जो किए गए उपकारों को नहीं मानता हो'

BSF (HCM) 18 Jun. 2023

(a) कृतज्ञ (b) परार्थी
(c) कृतघ्न (d) पतित

7. निम्नलिखित शब्द के लिए उचित वाक्यांश का चयन कीजिए-

'बुभुक्षा'

BSF (HCM) 18 Jun. 2023

(a) भोजन करने की इच्छा
(b) टुकड़े-टुकड़े किया हुआ
(c) भलाई चाहने की इच्छा
(d) भूख से पीड़ित

8. निम्नलिखित वाक्यांश के लिए उचित शब्द का चयन कीजिए-

'एकत्र किया हुआ'

BSF (HCM) 18 Jun. 2023

(a) सदावर्त (b) संदिग्ध
(c) संविदा (d) संचित

9. निम्नलिखित वाक्यांश के लिए उचित शब्द का चयन कीजिए-

'वह कन्या जिसके विवाह करने का वचन दे दिया गया हो'

BSF (HCM) 18 Jun. 202

(a) वाग्मी (b) वाग्दत्ता
(c) वलित (d) वंदितव्य

10. "जो व्यक्ति बहुत कुछ जानता है" उसे क्या कहते हैं

CRPF (HCM) 30 Oct. 20

(a) महान (b) ज्ञानी
(c) गवार (d) उत्तरदायी

11. "जिसके आर-पार देखा जा सके" उसे क्या कहते

CRPF (HCM) 30 Oct. 20

(a) पारदर्शी (b) अपारदर्शी
(c) लेंस (d) दर्पण

12. 'वह जो रहस्य से पूर्ण हो' उसे क्या कहते हैं?

CRPF (HCM) 31 Oct. 20

(a) क्लिष्ट (b) प्रचलित
(c) अप्रचलित (d) रहस्यमयी

13. निम्नलिखित वाक्य-खंड को एक उपयुक्त शब्द बदलें।

'जो किनारे से सटे हुए हों'

CRPF (HCM) 22 Feb. 20

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

(a) तटवर्ती (b) तस्कर
(c) किनारा (d) थलचर

14. 'इस लोक से संबंध रखने वाला' वाक्यांश के लिए एक शब्द होगा-

CRPF (HCM) 22 Feb. 2023

(a) ऐहलौकिक (b) स्वर्गिक
(c) आध्यात्मिक (d) पारलौकिक

15. 'जो भूमि उपजाऊ हो' वाक्यांश के लिए एक शब्द होगा-

CRPF (HCM) 22 Feb. 2023

(a) मृदा (b) बंजर
(c) ऊसर (d) उर्वरा

16. निम्नलिखित वाक्य खंड को एक उपयुक्त शब्द से बदलें-
'जो मूल से सम्बन्ध रखता हो'

CRPF (HCM) 22 Feb. 2023

(a) मौलिक (b) मुमूर्ष
(c) मृणाल (d) मौखिक

17. निम्नलिखित वाक्यांश को एक उपयुक्त शब्द से प्रतिस्थापित करें-
'बहुत धनी होने पर भी कम खर्च करने वाला व्यक्ति'

CRPF (HCM) 23 Feb. 2023

(a) विद्वान (b) यक्षवित
(c) यति (d) मुक्तहस्त

18. रेखांकित वाक्यांश को एक उपयुक्त शब्द से प्रतिस्थापित करें-
'यह अंग्रेजी से हिन्दी में <u>अनुवाद किया हुआ</u> ग्रन्थ है।'

CRPF (HCM) 23 Feb. 2023

(a) अनुवादक (b) अनूदित
(c) अनुसारित (d) अनुवादित

19. निम्नलिखित वाक्य-खंड को एक उपयुक्त शब्द से बदलें-
'जो बुद्धि द्वारा जाना जा सके'

CRPF (HCM) 23 Feb. 2023

(a) मिनाक्ष (b) बोधगम्य
(c) प्रत्यक्ष (d) भूधारी

20. रेखांकित वाक्य-खंड को एक उपयुक्त शब्द से बदलें-
'आज तुमने मुझे वह उपहार दिया है <u>जिसे कभी भुलाया न जा सके</u>।'

CRPF (HCM) 23 Feb. 2023

(a) अविस्मृत (b) अविस्मरणीय
(c) स्मरणीय (d) विस्मृत

21. 'चंद्रमास के किसी पक्ष की बारहवीं तिथि' वाक्यांश के लिए एक शब्द होगा-

CRPF (HCM) 23 Feb. 2023

(a) द्वादशी (b) त्रयोदश
(c) एकादशी (d) षोडश

22. 'ध्यान या विचार करने वाला' वाक्यांश के लिए एक शब्द होगा-

CRPF (HCM) 23 Feb. 2023

(a) वैचारिक (b) ध्याता
(c) योगी (d) ध्यानमग्न

23. रेखांकित वाक्य-खंड को एक उपयुक्त शब्द से बदलें-
'यहाँ घटी घटनाएँ मेरे लिए <u>कल्पना से परे</u> हैं।'

CRPF (HCM) 24 Feb. 2023

(a) वर्णनातीत (b) कल्पनातीत
(c) काल्पनिक (d) आशातीत

24. निम्नलिखित वाक्य-खंड को एक उपयुक्त शब्द से बदलें-
'जो सबके उपयोग के लिए हो'

CRPF (HCM) 24 Feb. 2023

(a) सार्वजनिक (b) सर्वज्ञ
(c) सर्वव्यापी (d) सीमातीत

25. 'किसी को जीतने की चाह' इस वाक्यांश के लिए सार्थक शब्द है-

CRPF (HCM) 24 Feb. 2023

(a) जिजीविषा (b) जिगीषु
(c) जिगीषा (d) जिजीविषु

26. 'जिसका निवारण न हो सकता हो' इस वाक्यांश के लिए कौन-सा शब्द सार्थक है?

CRPF (HCM) 24 Feb. 2023

(a) अनिवार्य (b) अनिर्णित
(c) अनुगामी (d) अनिर्वचनीय

27. 'ऊपरी दिखावे के रूप में होने वाला' वाक्यांश के लिए एक शब्द होगा-

CRPF (HCM) 26 Feb. 2023

(a) व्यावहारिक (b) अनौपचारिक
(c) चारण (d) औपचारिक

28. 'जिसके पास कुछ भी न हो' उसके लिए एक उपयुक्त शब्द है-

CRPF (HCM) 26 Feb. 2023

(a) अनेर (b) अच्युत
(c) अकिंचन (d) दीनहीन

Search On TG @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

29. निम्न वाक्यांश को एक उपयुक्त शब्द से प्रतिस्थापित करें।

'तैरकर पार होने की इच्छा रखने वाला'

CRPF (HCM) 26 Feb. 2023

(a) तिर्तिशु (b) तितीर्षु
(c) तटवर्ती (d) त्रिकुट

30. 'जिसे पानी या किसी और वस्तु को पीने की प्यास हो' वाक्यांश के लिए एक शब्द होगा-

CRPF (HCM) 27 Feb. 2023

(a) प्युष (b) पियाऊ
(c) प्यासु (d) पिपासु

31. 'वह जो दूसरों द्वारा लगाये गये अभियोग का उत्तर दे' वाक्यांश के लिए एक शब्द होगा-

CRPF (HCM) 27 Feb. 2023

(a) प्रतिवादी (b) प्रतिपक्षी
(c) प्रतिभागी (d) प्रतियोगी

32. 'जिस पर आक्रमण हो' वाक्यांश के लिए सार्थक शब्द है-

CRPF (HCM) 28 Feb. 2023

(a) आक्रांत (b) आगतपतिका
(c) आक्रामक (d) आक्रमण

33. 'अधिक समय तक जीते रहने को इच्छुक' वाक्यांश के लिए एक शब्द होगा-

CRPF (HCM) 11 Mar. 2023

(a) जिघांसु (b) जिज्ञासु
(c) जिगीषु (d) जिजीविषु

34. 'जो केंद्र से हटकर दूर जाता हो' वाक्यांश के लिए एक शब्द होगा-

CRPF (HCM) 11 Mar. 2023

(a) केंद्रीकृत (b) केंद्राभिसारी
(c) केंद्रगामी (d) केंद्रापसारी

उत्तरमाला

1.	(a)	2.	(b)	3.	(b)	4.	(a)	5.	(c)	6.	(c)	7.	(a)	8.	(d)	9.	(b)	10.	(b)
11.	(a)	12.	(d)	13.	(a)	14.	(a)	15.	(d)	16.	(a)	17.	(b)	18.	(b)	19.	(b)	20.	(b)
21.	(a)	22.	(b)	23.	(b)	24.	(a)	25.	(c)	26.	(a)	27.	(d)	28.	(c)	29.	(b)	30.	(d)
31.	(a)	32.	(a)	33.	(d)	34.	(d)												

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

पर्यायवाची

परिभाषा

जो शब्द समान अर्थ के कारण दूसरे शब्दों का स्थान ग्रहण कर लेते हैं, वे पर्यायवाची शब्द कहलाते हैं।

इनमें एक शब्द के लिए कई शब्दों का प्रयोग किया होता है या किया जा सकता है। किसी भी शब्द के लिए प्रयुक्त समान अर्थ देने वाले शब्द पर्यायवाची शब्द कहलाते हैं।

जैसे- कपड़ा-वस्त्र, वसन, पट, चीर, पहरावा आदि।

आँख-दृग, लोचन, नेत्र, नयन आदि।

पर्यायवाची शब्दों को समानार्थी नाम से भी जाना जाता है।

उदाहरण-

1. **दिए गए शब्द के समानार्थी शब्द का चयन करें-**
विष्णु
(a) तापस (b) गिरीस
(c) **गोविंद** (d) शंकर
व्याख्या - यहाँ विष्णु का समानार्थी 'गोविन्द' होगा।
विष्णु के समानार्थी शब्द-नारायण, पीताम्बर, चक्रपाणि, जनार्दन, मुकुंद, कमलाकांत, लक्ष्मीपति, उपेन्द्र आदि होते हैं।

2. **'कमल' का समानार्थी शब्द कौन-सा है?**
(a) पयोधर (b) पयोधि
(c) पयोद (d) **पयोज**
व्याख्या - कमल का समानार्थी शब्द 'पयोज' होगा।
कमल के अन्य समानार्थी शब्द-राजीव, अरविन्द, शतदल, सरोज, सरसिज, नलिन, पुष्कर, पंकज, नीरज, जलज, पुण्डरीक आदि।

निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द 'नम' का पर्यायवाची नहीं है?
(a) गीला (b) भीगा
(c) आर्द्र (d) **आर्द्रा**
व्याख्या - दिए गए शब्दों में 'नम' का पर्यायवाची शब्द आर्द्रा नहीं होगा। शेष सभी शब्द **गीला**, **भीगा** तथा **आर्द्र** नम के पर्यायवाची हैं।

हमें सूर्य नमस्कार करना चाहिए। रेखांकित शब्द का पर्यायवाची है-
(a) **दिनकर** (b) नरेश
(c) सारंग (d) कलाधर
व्याख्या - यहाँ सूर्य का पर्यायवाची 'दिनकर' है। सूर्य के अन्य पर्यायवाची शब्द रवि, दिवाकर, भास्कर, अंशुमाली, प्रभाकर, मार्तण्ड, भानु आदि होते हैं।
नरेश राजा का, **सारंग** धनुष का तथा **कलाधर** चाँद का पर्यायवाची है।

5. **दिए गए शब्द के पर्यायवाची शब्द का चयन करें-**
कपड़ा
(a) चलन (b) **वसन**
(c) गगन (d) जंगल
व्याख्या - कपड़ा का पर्यायवाची 'वसन' है।
कपड़ा के अन्य पर्यायवाची शब्द- वस्त्र, पट, चीर, पहरावा आदि।

शब्द	पर्यायवाची
अंक	संख्या, नंबर, निशान, चिह्न, छाप, गोद, क्रोड, अंकवार।
अंग	अवयव, भाग, हिस्सा, घटक, अंश, टुकड़ा, तन, देह, शरीर।
अंत	इति, समाप्ति, आखीर, खात्मा, बस, किनारा, सिरा, अंचल, मरण, मृत्यु, मौत, स्वर्गवास, निधन, परिणाम, फल, अंजाम, नतीजा।
अमृत	अमिय, पीयूष, अमी, सोम, सुधा, सुरभोग, जीवनोदक।
अर्जुन	गुड़ाकेश, पार्थ, धनंजय, सव्यसाची।
अश्व	घोड़ा, तुरंग, हय, बाजि, सैन्धव, घोटक, रविसुत।
असुर	रजनीचर, निशाचर, दानव, दैत्य, राक्षस, दनुज, यातुधान, तमीचर।

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

शब्द	पर्यायवाची
अतिथि	मेहमान, पाहुना, अभ्यागत, रिश्तेदार, नातेदार, आगन्तुक।
अतीत	पूर्वकाल, भूतकाल, विगत, गुजरा हुआ, बीता हुआ।
अग्नि	आग, अनल, पावक, जातदेव, कृशानु, वैश्वानर, हुताशन।
अनुपम	सुंदर, अतुल, अपूर्व, अद्वितीय, अनोखा, अप्रतिम, अद्भुत, अनूठा, विलक्षण, विचित्र।
अपमान	अनादर, उपेक्षा, निरादर, बेइज्जती, अवज्ञा, तिरस्कार।
अभिज्ञ	जानकार, विज्ञ, परिचित, ज्ञाता।
अभिमान	गौरव, गर्व, नाज, घमंड, दर्प, स्वाभिमान, अस्मिता, अहं, अहंकार, मान, दंभ।
अभिलाषा	कामना, मनोरथ, इच्छा, आकांक्षा, ईप्सा, चाह, लालसा, मनोकामना।
अंधा	नेत्रहीन, सूरदास, अंध, चक्षुविहीन।
अरण्य	जंगल, कांतार, विपिन, वन, कानन।
आकाश	नभ, अंबर, अन्तरिक्ष, आसमान, व्योम, गगन, दिव, पुष्कर, शून्य।
आँख	अक्षि, नैन, नेत्र, लोचन, दृग, चक्षु, विलोचन, नयन।
आँगन	प्रांगण, अजिरा, अँगना, सहन।
अल्प	न्यून, थोड़ा, बहुत कम, अपर्याप्त।
आम	आम्र, रसाल, अमृतफल, अंब, फलश्रेष्ठ।
आरंभ	श्री गणेश, सूत्रपात, शुरुआत, बिस्मिल्लाह।
इंद्र	शक्र, सुरपति, देवराज, पुरंदर, शचीपति, अमरपति, देवेश, सुरेश।
इच्छा	अभिलाषा, कामना, चाह, मर्जी, ख्वाहिश।
ईश्वर	परमेश्वर, परमात्मा, प्रभु, ईश, जगदीश, दीनानाथ, भगवान।
महक	परिमल, खुशबू, सुगंध, सौरभ।
ऐश्वर्य	वैभव, संपन्नता, समृद्धि, श्री, संपत्ति।
कंचन	सुवर्ण, स्वर्ण, सोना।
कन्या	कुमारी, कुमारिका, बालिका, किशोरी, बाला।
काँटा	कंटक, शूल, खार।
कामदेव	अनंग, कंदर्प, मदन, मन्मथ, मनोज, मार, रतिपति।
किनारा	तीर, तट, कूल, बेलातट, पुलिन, छोर, सिरा, पर्यन्त।
केवट	मल्लाह, मांझी, नाविक, खेवट, धीवर।

शब्द	पर्यायवाची
केश	बाल, कुंतल, कच, अलक, गेसू।
कोयल	पिक, कोकिला, श्यामा, मदनशलाका, कलघोष।
क्रोध	कोप, रोष, गुस्सा, अमर्ष, तैश।
कौआ	काक, काग, वायस, पिशुन।
खत	पत्र, चिट्ठी, पाती।
गंगा	भागीरथी, जाह्नवी, त्रिपथगा, सुरसरि, देवनदी, देवपगा।
गीदड़	सियार, शृंगाल, जंबुक।
घड़ा	घट, कलश, कुंभ, गगरा।
बादल	घन, मेघ, जलधर, वारिद, अंबुधर।
घर	गृह, सदन, निकेतन, धाम, भवन, मंदिर, आगार, आलय, आवास, ओक, आशियाना, मकान।
घृणा	घिन, जुगुप्सा, अरुचि, नफ़रत, वीभत्स।
चंद्रमा	चाँद, चन्द्र, हिमकर, विभाकर, तारापति, रजनीश, मयंक, इंदु, निशाकर, विधु।
चतुर	प्रवीण, पटु, होशियार, चालाक, दक्ष, नागर।
चमक	आभा, दीप्ति, द्युति, कांति, जगमगाहट।
जल	पानी, नीर, तोय, वारि, सलिल, अंबु, उदक, पय, आब, धनरस, शम्बर, सर्वमुख, अमृत।
जिज्ञासा	उत्कंठा, उत्सुकता, कुतूहल।
जीभ	रसना, जबान, जिह्वा, रसज्ञा, रसिका।
झंडा	पताका, ध्वज, निशान, केतु, केतन।
झूठ	असत्य, अनृत, मिथ्या, अतथ्य, वितथ्य।
परछाई	झाई, प्रतिबिम्ब, छाया, प्रतिच्छाया, झलक।
शूल	पीड़ा, टीस, कसक, दर्द।
कर	हाथ, हस्त, बाँह, पाणि, भुजा, शुल्क।
किरण	कर, मरीचि, अंशु, रश्मि।
गणेश	महाकाय, भवानीनंदन, विनायक, एकदंत, गजानन, गणाधिप, लम्बोदर, गणपति, हेरम्ब, विघ्नविनाशक, गौरीपुत्र, मोदकप्रिय, मूषकवाहन।
ज्योति	प्रभा, प्रकाश, लौ, अग्निशिखा, आलोक।
तम	तिमिर, अंधकार, अँधेरा, तमिस्त्र।
तलवार	असि, कृपाण, खड्ग, चन्द्रहास, करवाल, शम्शीर।
तारा	नखत, सितारा, नक्षत्र, तारक।
तालाब	तड़ाग, सर, जलाशय, कासार, ताल, सरसी, पुष्कर, सरोवर, पोखर।

Search on TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

	शब्द	पर्यायवाची
◈	तेज	तीव्र, द्रुत, क्षिप्र।
◈	तोता	शुक, कीर, सुआ, सुग्गा, रक्ततुण्ड, दाड़िमप्रिय।
◈	दीन	दरिद्र, अकिंचन, निर्धन, रंक, कंगाल।
◈	दु:ख	पीड़ा, व्यथा, कष्ट, क्लेश, वेदना, यातना, खेद, विषाद, सन्ताप, यन्त्रणा, संकट, शोक।
◈	दुर्गा	चण्डिका, सिंहवाहिनी, कालिका, कल्याणी, कुमारी, कामाक्षी, सुभद्रा, महागौरी, भगवती, भवानी, चण्डी, शक्ति, दुर्गे।
◈	मनीषी	पंडित, विद्वान, चिंतक।
◈	देवता	देव, अमर, सुर, विबुध, आदित्य, निर्जर, गीर्वाण, त्रिदश, अमर्त्य।
◈	द्रौपदी	कृष्णा, पांचाली, द्रुपदसुता, याज्ञसेनी।
◈	नदी	सरिता, निर्झरिणी, तरंगिणी, पयस्विनी, लहरी, अपगा, निम्नगा, तरिणी, कल्लोलिनी, सरी।
◈	नित्य	शाश्वत, अमर, अविनाशी, अमर्त्य, अनश्वर, सदा, सनातन, सर्वदा, सदैव, प्रतिदिन, रोज, हमेशा।
◈	नैसर्गिक	प्राकृतिक, स्वाभाविक, वास्तविक।
◈	नौका	नाव, तरणी, डोंगी, पतंग, जलयान, तरी, बेड़ा, नैया।
◈	पंकिल	मैला, मलिन, गंदला, गंदा।
◈	पक्षी	विहग, खग, पंछी, द्विज, अण्डज, विहंग, पतंग, परिंदा, चिड़िया, पखेरू।
◈	पण्डित	सुधी, विद्वान, कोविद, विचक्षण, सुविज्ञ, ज्ञानी, बुध, धीर, मनीषी, प्राज्ञ।
◈	पत्थर	संग, प्रस्तर, पाहन, शिला, पाषाण, अश्म।
◈	पवन	वायु, समीर, हवा, मारुत, प्रकम्पन, समीरण, वात, प्रभंजन, अनिल, बयार, पवमान।
◈	पर्वत	भूधर, गिरि, शैल, नग, भूमिधर, महीधर, अचल, पहाड़, तुंग।
◈	पशु	जानवर, चौपाया, मवेशी, जन्तु, चतुष्पद।
◈	पुत्र	तनय, आत्मज, सुत, लड़का, बेटा, औरस, पूत।
◈	पुत्री	तनया, आत्मजा, सुता, लड़की, बेटी, दुहिता।
◈	पार्वती	उमा, गौरी, शिवा, भवानी, दुर्गा, गिरिजा, सती, अम्बिका, शैल-सुता, रुद्राणी, आर्या, सर्वमंगला, चण्डी, अपर्णा।
◈	प्रकाश	प्रभा, छवि, द्युति, ज्योति, चमक, रोशनी, दीप्ति, उजाला, आलोक।

	शब्द	पर्यायवाची
◈	पृथ्वी	भू, भूमि, अचला, धरा, धरित्री, वसुंधरा, वसुधा, अवनि, मेदिनी, मही, प्रहुभि, जगती, क्षोणी, क्षिति, वसुमती, बीजप्रसु।
◈	फरजी	नकली, बनावटी, कृत्रिम, जाली।
◈	फूल	कुसुम, सुमन, प्रसून, पुष्प, लतांत, मंजरी, पुहुप।
◈	बंदर	कपि, हरि, शाखामृग, मर्कट।
◈	बाण	तीर, तोमर, विशिख, शिलीमुख, नाराच, शर, इषु, सायक, आशुग।
◈	बालिका	बाला, कन्या, बच्ची, लड़की।
◈	बिजली	विद्युत, चपला, चंचला, सौदामिनी, तड़ित, दामिनी, शया, घनवल्ली, बीजुरी, क्षणप्रभा।
◈	ब्रह्मा	पितामह, स्वयंभू, चतुरानन, विरंचि, विधि, स्रष्टा, प्रजापति, कमलासन, हिरण्यगर्भ, लोकेश, कर्तार, गिरापति।
◈	ब्राह्मण	विप्र, द्विज, भूसुर, भूदेव, महीसुर।
◈	भ्रमर	मधुकर, मधुप, अलि, भृंग, भौंरा, षट्पद, मधुराज, चंचरीक, मधुभक्षी।
◈	मछली	झष, मीन, मत्स्य, शफरी।
◈	महादेव	शिव, शम्भू, शंकर, महेश, गिरीश, चंद्रशेखर, नीलकण्ठ, त्रिलोचन, भूतनाथ, पशुपति, महेश्वर, गिरिजापति, कपर्दी, वामदेव, कैलाशपति, शितिकंठ, रुद्र, त्रिपुरारी।
◈	मार्ग	पथ, डगर, रास्ता, पंथ, सड़क, राह।
◈	माँ	माई, मातु, माता, मातरि, मैया, महतारी, अम्बा, जननी, जनयित्री, धात्री, प्रसू।
◈	मित्र	मीत, सखा, यार, हमदम, सुहृद, दोस्त।
◈	मुख	मुँह, मुखड़ा, चेहरा, आनन।
◈	मुर्गा	तमचूक, ताम्रचूड़, कुक्कुट, अरुणशिखा।
◈	मेघ	घन, जलधर, वारिद, जीमूत, बादल, वारिधर, पयोद, पयोधर।
◈	मेंढक	दादुर, भेक, शालूर, वर्षा-भू, मण्डूक, वर्षाप्रिय।
◈	मोर	मयूर, केकी, कलापी, शिखी, ध्वजी, नीलकण्ठ, सारंग।
◈	मोक्ष	मुक्ति, निर्वाण, कैवल्य, अपवर्ग, सद्गति, परमपद, परमधाम।
◈	यमुना	कालिन्दी, अर्कजा, रवितनया, कृष्णा, कालगंगा, सूर्यसुता, भानुजा, तरणि-तनूजा, अर्कसुता।

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

शब्द	पर्यायवाची
युवती	सुन्दरी, श्यामा, तरुणी, यौवनवती, रमणी, नवयौवना।
रंक	निर्धन, धनहीन, दरिद्र, कंगाल, अकिंचन।
रमणी	स्त्री, वनिता, नारी, औरत, वामा।
रावण	दशकंध, दशानन, लंकेश, लंकाधिपति, दैत्येन्द्र, दशकण्ठ, दशवदन।
राजा	नृप, नृपति, भूप, महीप, नरेश, नरपति, भूपति, नरेन्द्र, सम्राट, महिपति, पृथ्वीपति, पृथ्वीनाथ।
रात	निशीथ, रैन, रात्रि, रजनी, छपा, यामिनी, विभावरी, शर्वरी, तमी, त्रियामा, तमिस्त्रा, क्षणदा।
लक्ष्मी	श्री, कमला, रमा, पद्मा, हरिप्रिया, इंदिरा, समुद्रजा।
लज्जा	व्रीड़ा, संकोच, लाज, शर्म, हया।
लहर	तरंग, हिलोर, लहरी, ऊर्मि, प्रवाह, वेग, वीचि।
वंश	कुल, घराना, ख़ानदान।
वर्षा	पावस, बरसात, चौमासा, बरखा, मेह, वृष्टि, बारिश।
वस्त्र	वसन, कपड़ा, अम्बर, चैल, चीर, पट।
विष्णु	गरुड़ध्वज, अच्युत, जनार्दन, चक्रपाणि, मुकुन्द, नारायण।
विवाह	ब्याह, पाणिग्रहण, परिणय, शादी, गठबंधन, निकाह, गठजोड़।
वृक्ष	शाखी, पादप, द्रुम, विटप, पेड़, रूख, तरु।
शत्रु	बैरी, रिपु, दुश्मन, अरि, विपक्षी, प्रतिपक्षी, प्रतिद्वन्द्वी।
संसार	विश्व, दुनिया, जग, जगत, जगती, लोक।
सर्प	अहि, भुजंग, मणिधर, विषधर, व्याल, फणी, उरग, पन्नग, साँप।
समुद्र	सिन्धु, सागर, जलधि, उदधि, पयोधि, पारावार, नदीश, पयोनिधि, वारीश, रत्नाकर, अर्णव, नीरनिधि, अब्धि, वारिधि, जलधाम, नीरधि, तोयनिधि।
सरस्वती	भारती, शारदा, वीणा, गिरा, ब्राह्मी, वीणापाणि, वागीश।

शब्द	पर्यायवाची
सिंह	शार्दूल, हरि, केहरी, केशरी, मृगराज, मृगेन्द्र, वनराज, व्याघ्र, नाहर, मृगारि, शेर।
सीता	भूमिजा, वैदेही, जनकतनया, जानकी, रामप्रिया, जनकसुता।
सूअर	वराह, सूकर।
सूर्य	रवि, भानु, दिनकर, दिवाकर, भास्कर, प्रभाकर, सविता, पतंग, आदित्य, अर्क, कमलबंधु, हंस, दिनमणि।
सौम्य	नम्र, शांत, विनीत, शिष्ट, मिलनसार।
स्थावर	अटल, अचल, स्थिर, निश्चल, दृढ़।
स्वर्ग	द्यौ, देवलोक, सुरलोक, इन्द्रपुरी, बैकुण्ठ।
हंस	मराल, सरस्वतीवाहन, मुक्तभुक्।
हनुमान	पवनकुमार, महावीर, रामदूत, मारुतिनंदन, आंजनेय, कपीश, पवनपुत्र, बजरंगबली, केशरीनंदन।
हाथी	हस्ती, गज, करी, कुंजर, द्विरद, नाग, दन्ती, कुम्भी, सिंधुर, मतंग, वितुण्ड, द्विप, वारण, गयंद।
हिमालय	हिमगिरि, हिमपति, हिमाद्रि, नगराज, शैलेन्द्र, नगपति, गिरिराज।
हिरण	मृग, सारंग, हरिण, चीतल, कुरंग।
हिम	तुषार, नीहार, बर्फ, तुहिन।
अधीर	बेचैन, उद्विग्न, आकुल, व्यग्र, अशान्त, उतावला, बेताब।
अनंत	असीम, अपरिमित, निस्सीम, अथाह।
अनुमान	अटकल, अंदाजा, कयास, कूत, आकलन।
अमर	अनश्वर, नित्य, सनातन, अविनाशी।
आक्षेप	आरोप, अभियोग, दोषारोपण, लांछन।
आँसू	अश्रु, नयनजल, नेत्रनीर, चक्षुजल।
आख्यान	किस्सा, कहानी, वृत्तांत।
आडम्बर	ढोंग, पाखंड, प्रपंच, दिखावा, स्वांग।
इशारा	संकेत, इंगित।
ईर्ष्या	डाह, द्वेष, कुढ़न, मत्सर, रश्क, हसद, जलन।
उजाला	आलोक, प्रभा, ज्योति, विभा, द्योत।
उत्कंठा	लालसा, उत्सुकता, अभिलाषा।
उचित	उपयुक्त, वाजिब, मुनासिब, योग्य।
उत्तम	उत्कृष्ट, उन्नत, प्रकृष्ट, श्रेष्ठ।
उद्गम	उद्भव, उत्पत्ति, आविर्भाव, प्रादुर्भाव।
उद्देश्य	ध्येय, मकसद, प्रयोजन, हेतु, तात्पर्य, अभिप्राय।

Search On IG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

शब्द	पर्यायवाची
उद्धार	मुक्ति, निस्तार, छुटकारा, मोक्ष।
उदास	उन्मन, म्लान, खिन्न, विषादयुक्त।
उदासीन	विरक्त, निर्लिप्त, अनासक्त।
उदाहरण	दृष्टांत, नजीर, नमूना।
उपेक्षा	उदासीनता।
उल्टा	प्रतिकूल, प्रतिलोम, विलोम।
उल्लास	आह्लाद, आनंद, हर्ष, प्रमोद, आमोद।
ऊसर	अनुपजाऊ, सस्यहीन, बंजर।
ऊँचा	बुलंद, उर्ध्व, उदात्त, उत्ताल।
ऋद्धि	समृद्धि, संपन्नता, वैभव।
एकांत	निर्जन, वीरान, सूना।
ओज	बल, ताकत, दम, कांति।
कंचन	स्वर्ण, सोना, हेम, कुंदन, हाटक, जातरूप।
कछुआ	कूर्म, कमठ, कच्छप।
कटु	कर्कश, रुक्ष, कठोर।
कठिन	दुर्बोध, दुरूह, जटिल।
कबूतर	कपोत, परेवा, पारावत।
कमल	अरविंद, जलज, सरोज, पंकज, अंबुज, पुंडरीक, जलजात, नलिन।
कायर	भीरू, कातर, डरपोक।
झगड़ा	कलह, टंटा, तकरार, विवाद।
झुंड	जत्था, गिरोह, पुंज, दल।
टेक	अवलम्ब, आश्रय, सहारा।
टेढ़ा	वक्र, कुटिल, तिरछा।
ठग	वंचक, छली, फरेबी, प्रपंची, छलिया।
डाकू	लुटेरा, दस्यु, राहजन।
तंबू	खेमा, डेरा, वितान, शामियाना।
तनिक	लेशमात्र, रंचमात्र, किंचित।
तनु	कृश, दुबला, कलेवर, काया, शरीर।
तुरंत	तत्क्षण, शीघ्र।
तीखा	प्रखर, तीक्ष्ण, पैना।
थकान	श्रांति, क्लांति, शिथिलता।
दरवाजा	पल्ला, कपाट, पट।
दरिद्र	रंक, अकिंचन।
दवा	इलाज, उपचार, औषधि।
दुर्जन	खल, पिशुन, असंत, अधम, पामर, कुटिल, शठ, पतित।
दुर्गम	दुस्तर, अगम्य, औघट।
दूत	सफीर, प्रतिनिधि, चर।
धनुष	चाप, शरासन, कोदण्ड, पिनाक, सारंग।

शब्द	पर्यायवाची
धवल	श्वेत, उजला, निर्मल।
नग	भूधर, गिरि, शैल, अद्रि, तुंग, धरणीधर।
नया	नवीन, नूतन, अभिनव।
बर्बर	असभ्य, अशिष्ट, उद्दंड।
कुत्सित	नीच, अधम, निकृष्ट।
खरा	स्वच्छ, निर्मल।
खोज	गवेषणा, अन्वेषण।
चालाक	चतुर, पटु, दक्ष, प्रवीण, नागर।
चुप	अवाक्, मौन।
चोटी	शिखर, शृंग, तुंग, शिरोबिन्दु।
छिद्र	सुराख, रंध्र।
छल	प्रपंच, फरेब, चकमा, झाँसा।
छात्र	शिष्य, अध्येता, शागिर्द, चेला।
छोह	ममता, स्नेह, प्रेम।
जनक	जनयिता, पिता, तात, वालिद।
जटिल	क्लिष्ट, पेचीदा।
जड़	अचेतन, स्थावर, अचर।
जवान	तरुण, किशोर, युवा।
जीत	फ़तह, विजय, जय।
ज्ञान	इल्म, बोध, जानकारी।
क्षय	यक्ष्मा, तपेदिक।
अधर्म	दुष्कर्म, अनाचार।
आदर्श	प्रतिमान, मानक।
आभूषण	आभरण, गहना, अलंकार, भूषण।
कुत्ता	सारमेय, सोनहा, शुनक, श्वान, कुक्कुर।
केला	कदली, भानुफल, काष्ठीला, रम्भा।
खिड़की	दरीचा, वातायन, झरोखा, गवाक्ष।
परतंत्र	पराधीन।
घी	घृत, हवि, अमृतसार, नवनीत।
चूहा	गणेशवाहन, मूषक, आखु, इंदुर।
धूप	घाम, आतप, रविप्रभा।
धन	दौलत, संपदा, सम्पत्ति।
नियति	प्रारब्ध, भाग्य, होनी, तकदीर।
बगीचा	उपवन, उद्यान, बाड़ी।
भय	त्रास, भीति।
यम	कीनाश, जीवितेश।
जहर	गरल, विष, हलाहल, कालकूट।
मुकुर	दर्पण, आरसी, शीशा, आईना।
मौलि	ललाट, मस्तक, माथा।
रक्षा	त्राण, हिफाजत।

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

	शब्द	पर्यायवाची
◈	रत	लिप्त, लीन, निमग्न।
◈	रासभ	गर्दभ, खर, धूसर, चक्रीवान, गधा, वैशाखनंदन।
◈	लक्ष्मण	रामानुज, लखन, शेष।
◈	प्रणय	प्रेम, अनुराग, प्रीति, अनुरक्ति।
◈	लता	बल्ली, बल्लरी, बेल।
◈	पंक्ति	कतार, श्रृंखला।
◈	लाल	अरुण, सूर्य, लोहित, रक्त।
◈	तनु	देह, तन, शरीर।
◈	वसंत	ऋतुपति, मधुमास।
◈	संकल्प	व्रत, प्रण, प्रतिज्ञा।
◈	सखा	मित्र, सहचर, बन्धु।
◈	समान	सदृश, तुल्य, सम।
◈	समिति	मंडली, गोष्ठी।

	शब्द	पर्यायवाची
◈	सेवक	नौकर, भृत्य, परिचारक, दास, चाकर, किंकर, अनुचर।
◈	मंथर	मंद, धीमा।
◈	हंस	मराल, मुक्तभुक, मानसौक।
◈	पंक	कीचड़, कर्दम, चहला।
◈	पड़ोसी	प्रतिवेशी, समीपवर्ती, अंतिक।
◈	पत्नी	भार्या, दारा, जाया, जोरू, वामा, परिणीता, कलत्र।
◈	पत्ता	पत्र, दल, पर्ण, पल्लव, किसलय।
◈	परुष	कठोर, निष्ठुर।
◈	भगिनी	सहोदरा, अग्रजा, बहन।
◈	फौज	लश्कर, कटक, अनीकिनी, कुमक, अनीक, चमू, सेना।
◈	बहेलिया	लुब्धक, अहेरी, आखेटक।

परीक्षोपयोगी प्रश्न

1. निम्नलिखित विकल्पों में से कौन-सा विकल्प 'आँख' का पर्यायवाची नहीं है?

BSF (HCM) 17 Jun. 2023

(a) नेत्र (b) व्योम
(c) अक्षि (d) लोचन

2. 'सर्प' का पर्यायवाची शब्द है-

BSF (HCM) 17 Jun. 2023

(a) वाजि (b) नग
(c) केहरी (d) व्याल

3. आधी-अधूरी इच्छा से किया गया कार्य कभी पूर्ण नहीं होता है।
इस उक्त वाक्य में 'इच्छा' का प्रयोग किया गया है। निम्नलिखित में से जो शब्द इसका पर्यायवची नहीं है, उसका चयन कीजिए-

BSF (HCM) 17 Jun. 2023

(a) मोह (b) चाह
(c) ईप्सा (d) अभिलाषा

4. निम्नलिखित में से 'तोता' के पर्यायवाची शब्द का चयन करें- **BSF (HCM) 18 Jun. 2023**

(a) यती (b) चान्द्र
(c) क्लम (d) कीर

5. निम्नलिखित में से किस शब्द-समूह के सभी शब्द आपस में पर्यायवाची हैं?

BSF (HCM) 18 Jun. 2023

(a) असमर्थ, असंभव, अशुभ
(b) शम्बा, शनि, शख्स
(c) परख, शिनाख्त, पौरुष
(d) अरि, रिपु, वैरी

6. निम्नलिखित में से किस समूह के सभी शब्द आपस में पर्यायवाची हैं?

BSF (HCM) 18 Jun. 2023

(a) केतन, पताका, निशान
(b) शिक्षा, अधिप, पठन
(c) कपाट, चतुर, शलभ
(d) तन्वंग, पतंग, तरल

7. निम्नलिखित में से 'कछुआ' के पर्यायवाची शब्द का चयन करें- **BSF (HCM) 18 Jun. 2023**

(a) पंकज (b) मरुथ
(c) रूक्ष (d) कमठ

8. निम्न में से कौन सा शब्द 'कृष्णा' शब्द का पर्यायवाची शब्द नहीं है? **CISF (HCM) 30 Oct. 2023**

(a) अभिनंदन (b) नंदलाल
(c) मोहन (d) श्याम

9. निम्न में से कौन-सा शब्द 'चंद्र' का पर्यायवाची नहीं है? **CISF (HCM) 30 Oct. 2023**

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

(a) हिमांशु (b) राकेश
(c) धूसर (d) चंद्रमा

10. निम्न में से कौन-सा शब्द 'द्रव्य' का पर्यायवाची है? **CISF (HCM) 30 Oct. 2023**
(a) दवा (b) धन
(c) दारा (d) पानी

11. निम्न विकल्पों में से सही पर्यायवाची शब्द समूह की पहचान करें। **CISF (HCM) 30 Oct. 2023**
(a) हंस, भानु, धरा
(b) तापस, संत, खग
(c) भू, इला, वात
(d) दामोदर, केशव, माधव

12. निम्न विकल्पों में से सही पर्यायवाची शब्द समूह की पहचान करें? **CISF (HCM) 30 Oct. 2023**
(a) दारा, वात, बहू (b) नाराच, पेड़, सफरी
(c) अचल, नग, पहाड़ (d) इनमे से कोई नहीं

13. निम्न में से कौन-सा शब्द 'घर' का पर्यायवाची नहीं है? **CISF (HCM) 30 Oct. 2023**
(a) निशा (b) निलय
(c) सदन (d) भवन

14. निम्न में से कौन-सा शब्द 'अमृत' का पर्यायवाची नहीं है? **CISF (HCM) 30 Oct. 2023**
(a) अमिय (b) जीवनोदक
(c) पावक (d) सुधा

15. निम्न विकल्पों में से सही पर्यायवाची शब्द समूह की पहचान करें- **CISF (HCM) 30 Oct. 2023**
(a) नेत्र, वासव, अम्बक।
(b) देव, प्रमोद, रसाल।
(c) तुरंग, सुख, चाह।
(d) मीन, जलजीवन, सफरी।

16. निम्न में से कौन-सा शब्द 'देवता' का पर्यायवाची है? **CISF (HCM) 30 Oct. 2023**
(a) सुर (b) कंज
(c) अंशु (d) धाम

17. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द 'गाय' का पर्यायवाची शब्द नहीं है? **CRPF (HCM) 11 Mar. 2023**
(a) पयस्विनी (b) अमला
(c) धेनु (d) भद्रा

18. निम्न में से कौन-सा शब्द 'बाण' का पर्यायवाची नहीं है? **CISF (HCM) 30 Oct. 2023**
(a) शिलीमुख (b) आशुग
(c) अमिय (d) इषु

19. निम्न में से कौन-सा शब्द 'वृक्ष' का पर्यायवाची है? **CISF (HCM) 31 Oct. 2023**
(a) दारा (b) अमिय
(c) पादप (d) प्रसून

20. निम्न में से कौन-सा शब्द 'रात्रि' का पर्यायवाची है? **CISF (HCM) 31 Oct. 2023**
(a) रवि (b) कंज
(c) निशा (d) तापस

21. 'खनक' किसका पर्यायवाची है? **CRPF (HCM) 22 Feb. 2023**
(a) स्वर्ण (b) चोर
(c) चन्द्र (d) धतूरा

22. निम्नलिखित में से कौन सा शब्द 'सूर्य' का पर्यायवाची नहीं है? **CRPF (HCM) 22 Feb. 2023**
(a) मिहिर (b) मार्तंड
(c) सविता (d) बंकट

23. निम्नलिखित में से 'ओज' के पर्यायवाची शब्द का चयन कीजिए- **CRPF (HCM) 23 Feb. 2023**
(a) शपथ (b) क्षुद्रता
(c) दीप्ति (d) वैभव

24. 'चख' का पर्याय निम्न में से है- **CRPF (HCM) 23 Feb. 2023**
(a) शक्र (b) असुर
(c) नयन (d) चिकना

25. 'कुत्सा' के पर्यायवाची शब्द का चयन कीजिए- **CRPF (HCM) 24 Feb. 2023**
(a) अभाग्य (b) अपयश
(c) बदला (d) अभिशाप

26. निम्नलिखित में से 'कच्छप' का पर्याय है- **CRPF (HCM) 24 Feb. 2023**
(a) कमठ (b) कंटक
(c) कर्मठ (d) कर्पट

27. 'रासभ' किसका पर्यायवाची है? **CRPF (HCM) 26 Feb. 2023**
(a) शेर (b) बैल
(c) घोड़ा (d) गधा

28. निम्नलिखित में से 'शुद्ध' का पर्यायवाची नहीं है- **CRPF (HCM) 26 Feb. 2023**

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

(a) खर (b) विमल
(c) निर्मल (d) स्वच्छ

29. निम्नलिखित में से 'तुषार' के पर्यायवाची शब्द का चयन कीजिए- CRPF (HCM) 26 Feb. 2023
(a) तरकश (b) तुरही
(c) तुहिन (d) तोष

30. निम्नलिखित में से 'अरण्य' का पर्याय है-
CRPF (HCM) 27 Feb. 2023
(a) नगर (b) मरुस्थल
(c) पहाड़ (d) कानन

31. 'पवित्र' शब्द का पर्याय विकल्पों में से छाँटिए-
CRPF (HCM) 27 Feb. 2023
(a) विमल (b) उपल
(c) सलिल (d) करवाल

32. 'सारंग' शब्द किसका पर्यायवाची है?
CRPF (HCM) 28 Feb. 2023
(a) दहन (b) जलधि
(c) नलिन (d) चंद्रमा

33. निम्नलिखित में से 'कटक' के पर्यायवाची शब्द का चयन कीजिए- CRPF (HCM) 01 Mar. 2023
(a) सेतु (b) सत्र
(c) सेना (d) सामी

34. 'मदनशलाका' का पर्याय निम्न में से है-
CRPF (HCM) 11 Mar. 2023
(a) कोकिल (b) हंस
(c) काग (d) शुक

उत्तरमाला

1.	(b)	2.	(d)	3.	(a)	4.	(d)	5.	(d)	6.	(a)	7.	(d)	8.	(a)	9.	(c)	10.	(b)
11.	(d)	12.	(c)	13.	(a)	14.	(c)	15.	(d)	16.	(a)	17.	(b)	18.	(c)	19.	(c)	20.	(c)
21.	(b)	22.	(d)	23.	(c)	24.	(c)	25.	(b)	26.	(a)	27.	(d)	28.	(a)	29.	(c)	30.	(d)
31.	(a)	32.	(d)	33.	(c)	34.	(a)												

Search on TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

6 अध्याय

तत्सम-तद्भव

दो या दो से अधिक वर्णों के सार्थक योग को शब्द कहते हैं।

जैसे- हम = ह् + अ + म् + अ

शब्दों का वर्गीकरण निम्न आधारों पर किया गया है-

- उत्पत्ति के आधार पर शब्दों के चार भेद हैं-

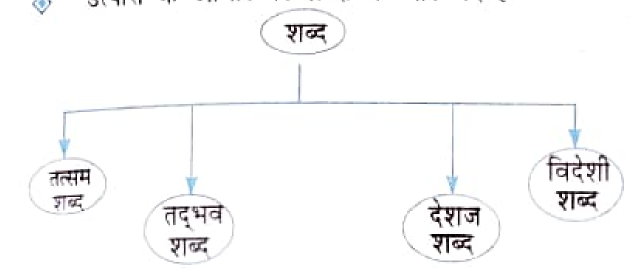

- रचना के आधार पर शब्दों के तीन भेद हैं-

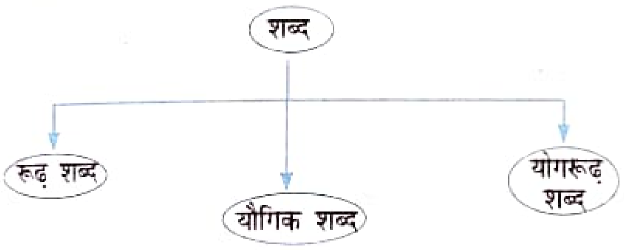

- अर्थ के आधार पर शब्दों के दो भेद हैं-

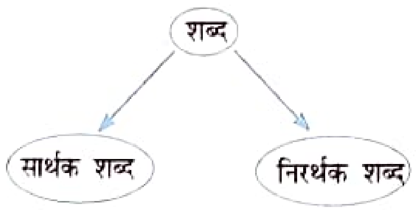

- विकार के आधार पर शब्दों के दो भेद हैं-

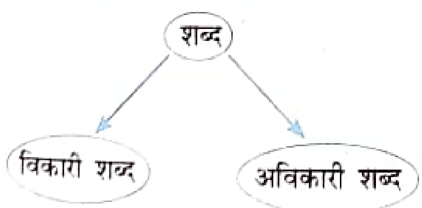

तत्सम शब्द:

संस्कृत भाषा से लिए गए वे शब्द जो यथावत् हिंदी में ग्रहण कर लिए गए हैं 'तत्सम शब्द' कहलाते हैं।

जैसे - उच्च, एकत्र, अग्नि आदि।

तद्भव शब्द:

संस्कृत भाषा के ऐसे शब्द जो कुछ रूप परिवर्तन के साथ हिन्दी में प्रचलित हैं, वे 'तद्भव शब्द' कहलाते हैं।

जैसे - ऊँचा, इकट्ठा, आग आदि।

तद्भव और तत्सम शब्दों को पहचानने के नियम-

1. जिस शब्द में 'क्ष' हो वह शब्द प्रायः तत्सम शब्द होगा। तत्सम शब्द का तद्भव शब्द बनाते समय 'क्ष' या तो 'ख' या 'छ' में बदल जाता है।

   जैसे - पक्षी का पंछी, भिक्षा का भीख, ऋक्ष का रीछ, लक्ष्मण का लखन इत्यादि।
2. तत्सम शब्दों में 'श्र' वर्ण होता है, जो तद्भव शब्दों में 'स' में बदल जाता है।

   जैसे - श्रावण का सावन, शृंगार का सिंगार, शृंग का सींग इत्यादि।
3. तत्सम शब्दों में प्रयुक्त हुआ 'श' वर्ण तद्भव रूप में 'स' हो जाता है।

   जैसे - शिक्षा का सीख, शूकर का सूअर, शाक का साग, शुष्क का सूखा, शुण्ड का सूँड़ इत्यादि।
4. तत्सम शब्दों में 'ष' वर्ण का प्रयोग होता है।

   जैसे - पौष, विष्ठा, पृष्ठ, पुष्कर, वाष्प इत्यादि।
5. तत्सम शब्दों में 'व' वर्ण होता है जो उसके तद्भव रूप में 'ब' में बदल जाता है।

   जैसे - वानर का बन्दर, वज्रांग का बजरंग, वणिक का बनिया, वरयात्रा का बरात इत्यादि।

तद्भव	तत्सम
अच्छर, आखर	अक्षर
अंगूठा	अंगुष्ठ
अमोल	अमूल्य
अटारी	अट्टालिका
अगुवा	अग्रणी
अकाज	अकार्य
अंगरखा	अंगरक्षक
अँगीठी	अग्निष्ठिका
अखरोट	अक्षोट
अदरक	आर्द्रक
अमावस	अमावस्या
अँधेरा	अंधकार
अखाडा	अक्षवाट

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

तद्भव	तत्सम
अचरज	आश्चर्य
अपाहिज	अपादहस्त
अकेला	एकल
अगम	अगम्य
आग	अग्नि
आज	अद्य
आँख	अक्षि
आस	आशा
आम	आम्र
आँत	आंत्र
आँसू	अश्रु
इलायची	एला
इकट्ठा	एकत्र
ईख	इक्षु
ईट	इष्टिका
उसास	उच्छ्वास
उजला	उज्ज्वल
उल्लू	उलूक
ऊँचा	उच्च
ऊँट	उष्ट्र
ओखली	उलूखल
ओठ	ओष्ठ
किसान	कृषक
कुत्ता	कुक्कुर
कन्धा	स्कन्ध
केला	कदली
किवाड़	कपाट
कपूर	कर्पूर
कछुआ	कच्छप
कबूतर	कपोत
काज, कारज	कार्य
कोयल	कोकिल
कुम्हार	कुम्भकार
कुआँ	कूप
कंघी	कंकति

तद्भव	तत्सम
कोख	कुक्षि
कटहल	कंटफल
कान	कर्ण
कपड़ा	कर्पट
कूची	कूर्चिका
केवट	कैवर्त
कौआ	काक
कीड़ा	कीट
खजूर	खर्जूर
खीर	क्षीर
खेत	क्षेत्र
खाट	खट्वा
गाहक	ग्राहक
गर्दन	ग्रीवा
गदहा (गधा)	गर्दभ
गवैया	गायक
गाँव	ग्राम
गेहूँ	गोधूम
गेंद	कंदुक
गोत	गोत्र
घी	घृत
घर	गृह
घोड़ा	घोटक
घाम	गर्मी
चकवा	चक्रवाक
चमड़ा	चर्म
चाँदनी	चन्द्रिका
चूमना	चुम्बन
जुआ	द्यूत
जीभ	जिह्वा
जेठ	ज्येष्ठ
टकसाल	टकशाला
तीखा	तीक्ष्ण
तेल	तैल
थाली	स्थाली

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

तद्भव	तत्सम
दूध	दुग्ध
दही	दधि
दाँत	दन्त
दीया	दीपक
दरसन	दर्शन
धुँआ	धूम्र
धीरज	धैर्य
नखत	नक्षत्र
नीम	निम्ब
नारियल	नारिकेल
नींद	निद्रा
पूत	पुत्र
पलंग	पर्यंक
पंछी	पक्षी
पत्थर	प्रस्तर
पत्ता	पत्र
पछतावा	पश्चात्ताप
पैदल	पदाति
पाहन	पाषाण
पूरब	पूर्व
बहू	वधू
बिच्छू	वृश्चिक
ब्याह	विवाह
बंदर	वानर
भीख	भिक्षा
भीतर	आभ्यन्तर
माथा	मस्तक
मक्खी	मक्षिका
मुँह	मुख
मछली	मत्स्य
मोर	मयूर
मिट्टी	मृत्तिका
मीत	मित्र
मेढ़क	मंडूक
मोती	मौक्तिक

तद्भव	तत्सम
मौर	मुकुट
मानुष	मनुष्य
मूँछ	श्मश्रु
मकड़ी	मर्कटी
रात	रात्रि
लंगोट	लिंगपट्ट
लहू, खून	रक्त
ससुर	श्वसुर
सिंगार	शृंगार
सोना	स्वर्ण
सूई	सूचिका, सूची
सपना	स्वप्न
साँप	सर्प
सुनार	स्वर्णकार
साड़ी	शाटिका
सावन	श्रावण
सीख	शिक्षा
सूअर	शूकर
सूखा	शुष्क
सूरज	सूर्य
सफेद	श्वेत
सींग	शृंग
हाथ	हस्त
हिरन	हरिण
होली	होलिका
हल्दी (हरदी)	हरिद्रा

देशज शब्द

वे शब्द जिनकी उत्पत्ति के मूल का पता न हो परन्तु वे प्राय: प्रचलन में हों, देशज शब्द कहलाते हैं। ये शब्द सामान्यत: क्षेत्रीय भाषा में प्रयोग किए जाते हैं।

जैसे - लोटा, डोंगा, कटोरा, खिड़की, जूता, खिचड़ी, पगड़ी आदि।

विदेशी/विदेशज शब्द

विदेशी भाषाओं से हिंदी में आए शब्दों को विदेशी शब्द कहा जाता है। इन भाषाओं में मुख्य रूप से अंग्रेजी, अरबी, फारसी, चीनी, जापानी व पुर्तगाली शामिल हैं।

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

- **अरबी शब्द** – अमीर, औलाद, मुहावरा, वकील, आदमी, आदत, इनाम, किताब, गरीब, नशा, कुर्सी, इज्जत, मौसम, हिम्मत, मुकदमा, अक्ल, उम्र, दौलत आदि।
- **अंग्रेजी शब्द** - पार्टी, प्लेट, पैट्रोल, मीटिंग, एजेंसी, ड्राइवर, टिकिट, कोर्ट, गिलास, कॉलेज, नर्स, टीचर, पेन्सिल, मोटर, रेल, क्लास, डॉक्टर, फिल्म, टायर, स्कूल, पेपर, कार, केक आदि।
- **फारसी शब्द** - गुलाब, बीमार, खामोश, हमेशा, होशियार, गवाह, आसमान, गिरोह, खर्च, खजाना, दर्जी, तनख्वाह, गिरफ्तार, चश्मा, अखबार, खुद, शादी, दिल आदि।
- **पुर्तगाली शब्द** - अलमारी, गमला, अचार, आलपीन, गोदाम, पिस्तौल, मेज, आलू, काजू, कमीज, गोभी, बाल्टी, तौलिया, पपीता, चाबी, फीता आदि।
- **फ्रेंच भाषा के शब्द** - कूपन, कारतूस, सूप, मेयर, मीनू आदि।
- **जापानी भाषा के शब्द** - रिक्शा, सायोनारा, सुनामी आदि।

रूढ़ शब्द

वे शब्द जिनमें संधि, समास, उपसर्ग और प्रत्यय न हों, रूढ़ शब्द कहलाते हैं। इन शब्दों के सार्थक टुकड़े नहीं किए जा सकते हैं।

जैसे - रोटी, स्त्री, गाय, दूध, फल, पेड़ आदि।

यौगिक शब्द

वे शब्द जो दो या दो से अधिक शब्दों के योग से बने होते हैं, यौगिक शब्द कहलाते हैं। इन शब्दों के सार्थक टुकड़े किए जा सकते हैं। यौगिक शब्दों में संधि, समास, उपसर्ग और प्रत्यय हो सकते हैं।

जैसे - प्रतिदिन, विद्यालय, दूधवाला, सुपुत्र आदि।

योगरूढ़ शब्द

वे शब्द जो किसी अन्य अर्थ की ओर इशारा करते हैं, योगरूढ़ शब्द कहलाते हैं। बहुव्रीहि समास के सभी उदाहरण योगरूढ़ शब्द होते हैं।

जैसे - गजानन, गिरिधर, त्रिनेत्र, लम्बोदर आदि।

सार्थक शब्द

जिन शब्दों का कोई न कोई निश्चित अर्थ अवश्य होता है।

जैसे - चाय, रोटी, पानी, लस्सी आदि।

निरर्थक शब्द

जिन शब्दों का कोई अर्थ नहीं होता है।

जैसे - वाय, वोटी, वानी, वस्सी आदि।

संकर शब्द

हिन्दी में ऐसे शब्द जो दो अलग-अलग भाषाओं से मिलकर बने हैं, संकर शब्द कहलाते हैं।

जैसे-

रेलगाड़ी = रेल (अंग्रेजी) + गाड़ी (हिंदी)

टिकटघर = टिकट (अंग्रेजी) + घर (हिंदी)

बस-अड्डा = बस (अंग्रेजी) + अड्डा (देशज)

परीक्षोपयोगी प्रश्न

1. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द तत्सम है?
BSF (HCM) 17 Jun. 2023

(a) पहचान (b) पहर
(c) पलंग (d) परिधान

2. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द तद्भव है?
BSF (HCM) 17 Jun. 2023

(a) बाहु (b) बहन
(c) बिंदु (d) बंधन

3. निम्नलिखित में से तत्सम शब्द का चयन कीजिये-
BSF (HCM) 18 Jun. 2023

(a) दोहिता (b) दुविधा
(c) दुति (d) द्विपट्ट

4. निम्नलिखित में से तद्भव शब्द का चयन कीजिये-
BSF (HCM) 18 Jun. 2023

(a) जनेऊ (b) मेघ
(c) लोक (d) भस्म

5. निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो कोष्ठक में दिए गए शब्द के तत्सम रूप का सही विकल्प है।

मेरे पड़ोसी का घर बन रहा है इसलिए बहुत-सी (ईंट).......मँगवाई गई हैं।

(a) रेट (b) इष्टिका
(c) गंडक (d) अक्ष

6. निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो कोष्ठक में दिए गए शब्द के तत्सम रूप का सही विकल्प है।

हमें हमेशा सबकी अच्छाई देखनी चाहिए उनके (औगुन) ....नहीं।

(a) शब्द (b) आचरण
(c) बात (d) अवगुण

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

7. दिए गए वाक्य में तत्सम शब्द का चयन करके रिक्त स्थान की पूर्ति करें।
भिखारी को .... दे दो।
(a) भ्रमर (b) भ्रू
(c) भिक्षा (d) भिक्षुक

8. निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो कोष्ठक में दिए गए शब्द के तत्सम रूप का सही विकल्प है।
आप सभी को (यहाँ)..........से जाने के लिए कहा गया है।
(a) अत्र (b) अन्न
(c) अग्र (d) अर्क

9. दिए गए वाक्य में रेखांकित शब्द का तद्भव शब्द ज्ञात कीजिए।
<u>गोस्वामी</u> जी को बुला लाओ।
(a) गाहक (b) गागर
(c) गुसाई (d) गुन

10. दिए गए वाक्य में रेखांकित शब्द का तत्सम शब्द ज्ञात कीजिए।
पेड़ों पर <u>बंदर</u> बैठे हैं।
(a) वानर (b) बांदर
(c) वन (d) बंदरी

11. दिए गए वाक्य में रेखांकित शब्द का तद्भव शब्द ज्ञात कीजिए।
यह <u>उच्च</u> कोटि के लेखक हैं।
(a) उधर (b) नीचा
(c) ऊपर (d) ऊँचा

12. निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो कोष्ठक में दिए गए शब्द के तत्सम रूप का सही अर्थ है।
जब हम कठिन कार्यों को चुनौती के रूप में स्वीकार करते हैं और उन्हें खुशी और (उछाह)....... से निष्पादित करते हैं, तो चमत्कार हो सकते हैं।
(a) उत्साह (b) उपवास
(c) उच्च (d) उत्थान

13. निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो कोष्ठक में दिए गए शब्द के तद्भव रूप का सही विकल्प है।
आज भी गाँवों में (गोमय) .... का उपयोग घरों को साफ और स्वच्छ रखने के लिए किया जाता है।
(a) गोबर (b) घरनी
(c) गीध (d) गोसाई

14. निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो कोष्ठक में दिए गए शब्द के तत्सम रूप का सही विकल्प है।
मेरे मामा के घर में एक बहुत ही सुंदर (घड़ी) .... टंगी हुई है।
(a) घोटक (b) घटिका
(c) घट (d) घृत

15. दिए गए वाक्य में रेखांकित शब्द का तद्भव शब्द ज्ञात कीजिए।
उसकी <u>ग्रीवा</u> में काफी दर्द है।
(a) पैर (b) गर्दन
(c) मुँह (d) गला

16. दिए गए वाक्य में रेखांकित शब्द का तद्भव शब्द ज्ञात कीजिए।
<u>त्वम्</u> मेरे भाई हो।
(a) तुझसे (b) मैं
(c) तुम (d) तुझे

17. निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो कोष्ठक में दिए गए शब्द के तद्भव रूप का सही विकल्प है।
(क्षत्रिय).........हिन्दू समाज के चार वर्णों में से एक वर्ण है।
(a) त्रिणी (b) खत्री
(c) खार (d) सिपाही

18. निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो कोष्ठक में दिए गए शब्द के तत्सम रूप का सही विकल्प है।
मुझे घर में मक्खी-मच्छरों को देखकर बहुत ही (घिन).........सी आती है।
(a) अब्ज (b) घृणा
(c) मज़ा (d) गंदगी

19. निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो कोष्ठक में दिए गए शब्द के तद्भव रूप का सही विकल्प है।
हम खाने में हमेशा (अम्लिका)......का उपयोग करते हैं।
(a) आँवले (b) हल्दी
(c) इमली (d) अचार

20. दिए गए वाक्य में रेखांकित शब्द का तद्भव शब्द ज्ञात कीजिए।
<u>उलूक</u> रात को ही जागता है।
(a) ऊन (b) चिड़िया
(c) उज्ज्वल (d) उल्लू

21. निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो कोष्ठक में दिए गए शब्द के तत्सम रूप का सही विकल्प है।

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

कल से ही मेरे (कान)......में तेज दर्द हो रहा है।
(a) कर्म (b) कर्ण
(c) चंचु (d) करण

22. दिए गए वाक्य में रेखांकित शब्द का तद्भव शब्द ज्ञात कीजिए।
इतने अश्रु क्यों बहा रहे हो?
(a) अंधा (b) अंधेरा
(c) आँसू (d) आँख

23. निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो कोष्ठक में दिए गए शब्द के तत्सम रूप का सही विकल्प है।
(आँवला)........विटामिन सी का बहुत ही अच्छा स्रोत होता है।
(a) आमीर (b) आर्द्रक
(c) आमलक (d) आम्र

24. दिए गए वाक्य में रेखांकित शब्द का तत्सम शब्द ज्ञात कीजिए।
जल्दी चलो! अंधेरा छाने लगा है।
(a) रोशनी (b) प्रकाश
(c) रात (d) अंधकार

25. निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो कोष्ठक में दिए गए शब्द के तत्सम रूप का सही विकल्प है।
पता नहीं कहाँ से एक (तिनका)..........आकर आँख में चला गया जो अब दर्द दे रहा है।
(a) त्वरित (b) तरवारि
(c) तृण (d) तैल

26. दिए गए वाक्य में रेखांकित शब्द का तद्भव शब्द ज्ञात कीजिए।
रोटी का अर्द्ध हिस्सा दीजिए।
(a) आज (b) आधा
(c) अधिकार (d) आता

27. दिए गए वाक्य में रेखांकित शब्द का तत्सम शब्द ज्ञात कीजिए।
रमेश घर जा रहा है।
(a) घटिका (b) गहन
(c) घट (d) गृह

28. निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो कोष्ठक में दिए गए शब्द के तद्भव रूप का सही विकल्प है।
मेरी माताजी एक (गृहिणी)........ हैं वह पूरे घर का बहुत अच्छे से ख्याल रखती हैं।
(a) ज्येष्ठ (b) घरनी
(c) मेहनती (d) सुंदर महिला

29. निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो कोष्ठक में दिए गए शब्द के तत्सम रूप का सही विकल्प है।
हमें बिना पाखण्डी और (कायर)......बने सभी कार्य करने चाहिए।
(a) कज्जल (b) काष्ठ
(c) कुब्ज (d) कातर

30. निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो कोष्ठक में दिए गए शब्द के तत्सम रूप का सही विकल्प है।
मेरे मन की (विथा).........कोई भी नहीं समझता है।
(a) जलन (b) कड़वाहट
(c) विशेषता (d) व्यथा

31. निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो कोष्ठक में दिए गए शब्द के तत्सम रूप का सही विकल्प है।
जब हम गाँव जाते हैं तब हम वहाँ (खाट).......पर ही सोते हैं।
(a) खंडगृह (b) खर्जू
(c) खट्वा (d) खर्पर

32. निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो कोष्ठक में दिए गए शब्द के तद्भव रूप का सही विकल्प है।
शादी-विवाह के कार्यक्रम में बहुत से लोग (गोत्र) .... जाने बिना आगे का कार्यक्रम नहीं करते हैं।
(a) गृह (b) गौ
(c) गोत (d) गर्दभ

33. निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो कोष्ठक में दिए गए शब्द के तद्भव रूप का सही विकल्प है।
लगता है बगल के तालाब से एक (कच्छप) .... बाहर आ गया है।
(a) किवाड़ (b) कछुआ
(c) गेंद (d) उल्लू

34. निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो कोष्ठक में दिए गए शब्द के तत्सम रूप का सही विकल्प है।
मैंने और मेरे परिवार के लोगों ने मिलकर मंदिर में आज रात की (आरती)..........की।
(a) आमलक (b) आच्छारी
(c) आदित्यवार (d) आरात्रिका

35. दिए गए वाक्य में रेखांकित शब्द का तत्सम शब्द ज्ञात कीजिए।
ढाई आखर प्रेम के मानव को बदल सकते हैं।

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

(a) अगर (b) अजगर
(c) अक्षर (d) सक्षम

36. निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो कोष्ठक में दिए गए शब्द के तद्भव रूप का सही विकल्प है।
बहुत से ऐसे पौधे हैं जिनसे प्राकृतिक रूप से (खर्जू) .... दूर किया जा सकता है।
(a) खाँसी (b) बीमारी
(c) बुखार (d) खुजली

37. दिए गए वाक्य में रेखांकित शब्द का तत्सम शब्द ज्ञात कीजिए।
भगवान को <u>फूल</u> अर्पित करो।
(a) प्रिय (b) पक्ष
(c) पुष्प (d) पक्षु

38. निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो कोष्ठक में दिए गए शब्द के तद्भव रूप का सही विकल्प है।
(श्यामल) सा आदमी था, जिसके चेहरे पर भद्दे दाग थे।
(a) साँवला (b) कालिमा
(c) अँधेरा (d) काला

39. दिए गए वाक्य में रेखांकित शब्द का तत्सम शब्द ज्ञात कीजिए।
पेड़ से <u>पत्ते</u> गिर रहे हैं।
(a) पुत्र (b) पत्र
(c) पौत्र (d) प्राण

40. दिए गए वाक्य में रेखांकित शब्द का तद्भव शब्द ज्ञात कीजिए।
डॉक्टर ने उसे <u>जिह्वा</u> दिखाने को कहा।
(a) दाँत (b) मुँह
(c) हाथ (d) जीभ

41. दिए गए वाक्य में रेखांकित शब्द का तत्सम शब्द ज्ञात कीजिए।
जब तक लक्ष्मण नहीं आए, तब तक उर्मिला <u>नींद</u> में ही थी।
(a) निद्रा (b) निम्ब
(c) नकुल (d) नव

42. निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो कोष्ठक में दिए गए शब्द के तत्सम रूप का सही विकल्प है।
शाम होते ही सबके रसोईघरों से (अंगीठी)........ जलाने का धुआँ उठ रहा है।
(a) घास (b) अंत्र
(c) कोयला (d) अग्निष्ठिका

43. दिए गए वाक्य में रेखांकित शब्द का तत्सम शब्द ज्ञात कीजिए।
<u>बनारस</u> की तो बात ही कुछ और है।
(a) वाराण (b) वाराणसी
(c) वाराणास (d) वाराणी

44. निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो कोष्ठक में दिए गए शब्द के तद्भव रूप का सही विकल्प है।
मेरे पैर में एक (कंटक)......... चुभ गया।
(a) पत्थर (b) काँटा
(c) कील (d) कीड़ा

45. दिए गए वाक्य में रेखांकित शब्द का तत्सम शब्द ज्ञात कीजिए।
क्या आज <u>दूध</u> वाला नहीं आया?
(a) दूधि (b) दुग्ध
(c) द्रुत (d) दूधी

46. निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो कोष्ठक में दिए गए शब्द के तत्सम रूप का सही विकल्प है।
पंचामृत में गंगाजल को (अमी)......माना गया है।
(a) अद्भुत (b) आसान
(c) अमृत (d) मुख्य

47. निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो कोष्ठक में दिए गए शब्द के तत्सम रूप का सही विकल्प है।
रोज सुबह-सवेरे जल्दी (उठ).......जाना सेहत के लिए लाभदायक होता है।
(a) उच्च (b) उच्छवास
(c) उत्तिष्ठ (d) उत्पघते

48. निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो कोष्ठक में दिए गए शब्द के तत्सम रूप का सही विकल्प है।
उसके मन में न जाने कितनी वेदना थी कि वह जोर-जोर से (उसास)...........ले रहा था।
(a) उत्तिष्ठ (b) उच्छवास
(c) उपरि (d) इयत

49. दिए गए वाक्य में तत्सम शब्द का चयन करके रिक्त स्थान की पूर्ति करें।
.... न जाने कब से भिनभिना रही है।
(a) मकर (b) मातुल
(c) मशक (d) मक्षिका

50. निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो कोष्ठक में दिए गए शब्द के तद्भव रूप का सही विकल्प है।

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

हमारे बाग में माली ने फूलों की बहुत ही सुंदर (केदारिका) .... बना रखी है।

(a) कलम (b) प्रकार
(c) क्यारी (d) खेती

51. निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो कोष्ठक में दिए गए शब्द के तत्सम रूप का सही विकल्प है।
पूजा पाठ से संबंधित कार्य को (नेम)........से करना चाहिए।

(a) प्रतिदिन (b) मन
(c) नियम (d) हमेशा

52. निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो कोष्ठक में दिए गए शब्द के तद्भव रूप का सही विकल्प है।
मुझे (इक्षु) .... का रस पीना बहुत पसंद है।

(a) संतरा (b) कोकम
(c) ईख (d) सेब

53. निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो कोष्ठक में दिए गए शब्द के तद्भव रूप का सही विकल्प है।
सूखे मेवे में मुझे (अक्षोट)........... खाना बहुत पसंद है।

(a) बादाम (b) अखरोट
(c) काजू (d) किशमिश

54. निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो कोष्ठक में दिए गए शब्द के तद्भव रूप का सही विकल्प है।
मेरी दादी जी हम सभी बच्चों को हर रात एक नई (कथानिका)...............सुनाती हैं।

(a) घटना (b) पाठ
(c) करतब (d) कहानी

उत्तरमाला

1.	(d)	2.	(b)	3.	(d)	4.	(a)	5.	(b)	6.	(d)	7.	(c)	8.	(a)	9.	(c)	10.	(a)
11.	(d)	12.	(a)	13.	(a)	14.	(b)	15.	(b)	16.	(c)	17.	(b)	18.	(b)	19.	(c)	20.	(d)
21.	(b)	22.	(c)	23.	(c)	24.	(d)	25.	(c)	26.	(b)	27.	(d)	28.	(b)	29.	(d)	30.	(d)
31.	(c)	32.	(c)	33.	(b)	34.	(d)	35.	(c)	36.	(d)	37.	(c)	38.	(a)	39.	(b)	40.	(d)
41.	(a)	42.	(d)	43.	(b)	44.	(b)	45.	(b)	46.	(c)	47.	(c)	48.	(b)	49.	(d)	50.	(c)
51.	(c)	52.	(c)	53.	(b)	54.	(d)												

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram @apna_library

7 अध्याय

शुद्ध-अशुद्ध (वर्तनी)

शुद्ध-अशुद्ध

किसी भी शब्द को लिखने में प्रयुक्त वर्णों के व्यवस्थित क्रम को वर्तनी या अक्षरी के नाम से जाना जाता है अंग्रेजी में वर्तनी को स्पेलिंग तथा उर्दू में हिज्जे कहा जाता है। ऐसी मान्यता है कि जिस भाषा की वर्तनी में अपनी भाषा के साथ अन्य भाषाओं की ध्वनि को ग्रहण करने का सामर्थ्य होगा, उस भाषा की वर्तनी उतनी ही समर्थ होगी। अतः वर्तनी का सीधा संबंध भाषागत ध्वनियों के उच्चारण से है।

शुद्ध वर्तनी लिखने के प्रमुख नियम

- हिन्दी में विभक्ति चिह्न सर्वनाम के अलावा शेष सभी शब्दों से अलग लिखे जाते हैं।

  उदाहरण- श्याम ने पुत्र को कहा।, राम को रुपए दे दो।
- सर्वनाम के साथ यदि विभक्ति चिह्न हो तो उसे सर्वनाम से मिलाकर लिखा जाता है।

  जैसे- उसने, उसके, हमको, किसने, हमने, मुझसे आदि।
- सर्वनाम और उसकी विभक्ति के बीच 'ही' और 'तक' आदि अव्यय हो तो विभक्ति सर्वनाम से अलग लिखी जाती है।

  जैसे- आप तक को, उस ही के लिए इत्यादि।
- सर्वनाम के साथ दो विभक्ति चिह्न का प्रयोग होने पर पहला विभक्ति चिह्न सर्वनाम में मिलाकर लिखा जाता है एवं दूसरा अलग लिखा जाता है।

  जैसे- इनमें से, हममें से आदि।
- संयुक्त क्रियाओं में सभी अंगभूत क्रियाओं को अलग-अलग लिखा जाना अनिवार्य है।

  जैसे- पढ़ा करता है, जा सकते हो आदि।
- पूर्वकालिक प्रत्यय 'कर' को क्रिया से मिलाकर लिखा जा सकता है।

  जैसे- बैठकर, गाकर, खाकर, पीकर आदि।
- द्वंद्व समास में पदों के बीच योजक चिह्न (-) लगाया जाता है।

  जैसे- माता-पिता, शिव-पार्वती, मां-बेटा आदि।
- जब वर्णमाला के किसी वर्ग के पंचम अक्षर के बाद उसी वर्ग से संबंधित प्रथम चारों वर्णों में से कोई वर्ण हो तो पंचम वर्ण के स्थान पर अनुस्वार () का प्रयोग होना चाहिए।

  जैसे- गंगा, नंदन इत्यादि।

  परंतु जब नासिक्य व्यंजन (वर्ग का पंचम वर्ण) उसी वर्ग के प्रथम चार वर्णों के अलावा अन्य किसी वर्ण के पहले प्रयोग होता है तो उसके साथ उस पंचम वर्ण का आधा रूप लिखा जाता है।

  जैसे- अन्य, निम्न, जन्म आदि।
- **अ, ऊ** एवं **आ** मात्रा वाले वर्णों के साथ अनुनासिक चिह्न (ँ) का प्रयोग किया जाता है।

  जैसे- जाँच, अँगना, पूँछ आदि।

  परंतु अन्य मात्राओं के साथ अनुस्वार का प्रयोग किया जाता है।

  जैसे- मैंने, नहीं, खींचना आदि।
- संस्कृत मूल के तत्सम शब्दों की वर्तनी में संस्कृत वाला रूप ही लिखा जाना चाहिए। कुछ शब्दों के नीचे हलंत लगाने का प्रचलन हिन्दी में कुछ समय से समाप्त हो चुका है जबकि उनके नीचे हलंत लगाया जाना चाहिए।

  जैसे- महान्, जगत्, विद्वान् आदि। क्योंकि संधि अथवा छंद को समझाने हेतु नीचे हलंत लगाना आवश्यक है, नहीं तो समस्या उत्पन्न होती है।

उदाहरण-

अशुद्ध	**शुद्ध**
अंगुर	अंगूर
सुर्य	सूर्य
पोधा	पौधा
अनभिग्य	अनभिज्ञ
उधाहरण	उदाहरण
कठिनाईयाँ	कठिनाइयाँ
क्षत्रीय	क्षत्रिय
घन्टे	घंटे/घण्टे
छूआछूत	छुआछूत
दवाईयाँ	दवाइयाँ
द्वंद	द्वंद्व
पुष्पांजली	पुष्पांजलि

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

प्रकृतिक	प्राकृतिक
प्रमाणिक	प्रामाणिक
प्रान	प्राण
बदाम	बादाम
भूखमरी	भुखमरी
महत्व	महत्त्व
मिठइयाँ	मिठाइयाँ
मैथली	मैथिली
यानि	यानी
रसायनिक	रासायनिक
रात्री	रात्रि
रामायन	रामायण
लिपी	लिपि
कौव्वा	कौआ/कौवा
तिथी	तिथि
बहुब्रीही	बहुव्रीहि

परीक्षोपयोगी महत्त्वपूर्ण शब्दों का संकलन

क्र.सं.	अशुद्ध	शुद्ध
1.	अभीष्ठ	अभीष्ट
2.	अध्यात्मिक	आध्यात्मिक
3.	आजीवीका	आजीविका
4.	अंगूठी	अँगूठी
5.	आकाषा	आकांक्षा
6.	अनाधिकार	अनधिकार
7.	अनुग्रहित	अनुगृहीत
8.	अनुसंगिक	आनुषंगिक
9.	अन्त्यक्षरी	अन्त्याक्षरी
10.	अभ्यस्य	अभ्यस्त
11.	अध्यन	अध्ययन
12.	अतिथी	अतिथि
13.	अनूचित	अनुचित
14.	अस्पृष्यता	अस्पृश्यता
15.	अक्षुण्य	अक्षुण्ण
16.	अरथ	अर्थ
17.	अर्थात	अर्थात्
18.	अतिश्योक्ति	अतिशयोक्ति
19.	अनुगृह	अनुग्रह
20.	आव्हान	आह्वान

क्र.सं.	अशुद्ध	शुद्ध
21.	आश्रीत	आश्रित
22.	आर्शीवाद	आशीर्वाद
23.	आधीन	अधीन
24.	आधोगिक	औद्योगिक
25.	इतिहासिक	ऐतिहासिक
26.	उज्जवल	उज्ज्वल
27.	उनहोने	उन्होंने
28.	उपाधी	उपाधि
29.	उपरोक्त	उपर्युक्त
30.	उत्तीण	उत्तीर्ण
31.	क्रांती	क्रांति
32.	कलस	कलश
33.	कैलाश	कैलास
34.	कोतुहल	कौतूहल
35.	कवियत्री	कवयित्री
36.	कालीदास	कालिदास
37.	क्लेष	क्लेश
38.	कुमूदनी	कुमुदिनी
39.	गत्यावरोध	गत्यवरोध
40.	गरिष्ट	गरिष्ठ
41.	ग्रहीत	गृहीत
42.	गुरू	गुरु
43.	गृहणी	गृहिणी
44.	चर्मोत्कर्ष	चरमोत्कर्ष
45.	चिन्ह	चिह्न
46.	छेड़छाँड़	छेड़छाड़
47.	जाहनवी	जाह्नवी
48.	जिजीविशा	जिजीविषा
49.	ज्योत्सना	ज्योत्स्ना
50.	तिरिस्कार	तिरस्कार
51.	तदोपरान्त	तदुपरान्त
52.	तत्कालिक	तात्कालिक
53.	दुग्रम	दुर्गम
54.	दोर्बल्य	दौर्बल्य
55.	दुरावस्था	दुरवस्था
56.	निरपराधी	निरपराध
57.	निद्रशन	निदर्शन
58.	क्षड़िक	क्षणिक
59.	पूज्यनीय	पूजनीय
60.	पुरूस्कार	पुरस्कार

Search On TG @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

क्र.सं.	अशुद्ध	शुद्ध
61.	परोच्छ	परोक्ष
62.	पड़ोसन	पड़ोसिन
63.	पोरुष	पौरुष
64.	परिक्षा	परीक्षा
65.	प्रजजवलित	प्रज्वलित
66.	प्रगती	प्रगति
67.	प्रदर्शिनी	प्रदर्शनी
68.	प्रतिद्विन्द	प्रतिद्वन्द्व
69.	प्राविधान	प्रावधान
70.	पर्फुल्ल	प्रफुल्ल
71.	प्रातकाल	प्रात:काल
72.	प्रार्दूभाव	प्रादुर्भाव
73.	बारात	बरात
74.	ब्रतन	बरतन
75.	भस्मिभूत	भस्मीभूत
76.	मध्यान्ह	मध्याह्न
77.	मैथलीशरण	मैथिलीशरण
78.	युधिष्ठर	युधिष्ठिर
79.	रचियता	रचयिता
80.	लघुत्तर	लघूत्तर
81.	विरहणी	विरहिणी
82.	वधु	वधू
83.	व्यवाहरिक	व्यावहारिक
84.	यथेष्ठ	यथेष्ट
85.	विदुषि	विदुषी
86.	वापिस	वापस
87.	विशिष्ठ	विशिष्ट
88.	वाँङमय	वाङ्मय
89.	शारीरीक	शारीरिक
90.	सदोपदेश	सदुपदेश
91.	सूचिपत्र	सूचीपत्र
92.	संसारीक	सांसारिक
93.	साहित्यक	साहित्यिक
94.	समाजिक	सामाजिक
95.	सश्लिश्ट	संश्लिष्ट
96.	स्वध्याय	स्वाध्याय
97.	सर्जन	सृजन
98.	सृष्टा	स्रष्टा
99.	सन्यासी	संन्यासी
100.	सुसुप्ति	सुषुप्ति

क्र.सं.	अशुद्ध	शुद्ध
101.	सीडी	सीढ़ी
102.	स्थाई	स्थायी
103.	सप्ताहिक	साप्ताहिक
104.	साशन	शासन
105.	सुश्रूषा	शुश्रूषा
106.	हस्ताक्षेप	हस्तक्षेप
107.	हिरण्यकश्यपु	हिरण्यकशिपु
108.	क्षत्रीय	क्षत्रिय
109.	श्रृष्टि	सृष्टि
110.	अगामी	आगामी
111.	चहरदीवारी	चहारदीवारी
112.	अजमाइश	आज़माइश
113.	ब्रह्मण	ब्राह्मण
114.	हाथिनी	हथिनी
115.	पुत्रि	पुत्री
116.	भागिरथी	भागीरथी
117.	बृटिश	ब्रिटिश
118.	रिषि	ऋषि
119.	पाकीस्तान	पाकिस्तान
120.	वेश्य	वैश्य
121.	अक्षोहिणी	अक्षौहिणी
122.	गोदवरि	गोदावरी
123.	समिक्षा	समीक्षा
124.	पिढ़ी	पीढ़ी
125.	तिर्थ	तीर्थ
126.	ईजन	इंजन
127.	किर्ति	कीर्ति
128.	झौपड़ी	झोंपड़ी
129.	दन्ड	दण्ड
130.	प्रोढ	प्रौढ़
131.	झांसी	झाँसी
132.	निशुल्क	नि:शुल्क
133.	सामर्थ	सामर्थ्य
134.	प्रन्तु	परन्तु
135.	कीचर	कीचड़
136.	बृज	ब्रज
137.	भैडिया	भेड़िया
138.	नबाब	नवाब
139.	ब्रत	व्रत
140.	कामायावी	कामयाबी

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

क्र.सं.	अशुद्ध	शुद्ध
141.	कुन्डली	कुण्डली
142.	अनाधिकृत	अनधिकृत
143.	अनष्ठि	अनिष्ट
144.	अनुष्टान	अनुष्ठान
145.	अनुशरण	अनुसरण
146.	अलोकिक	अलौकिक
147.	अहार	आहार
148.	अहिल्या	अहल्या
149.	अन्तर्ध्यान	अन्तर्धान
150.	अभिसाप	अभिशाप
151.	अध्यवसाई	अध्यवसायी
152.	अपभ्रंस	अपभ्रंश
153.	अवस्यमेव	अवश्यमेव
154.	अभीष्ठ	अभीष्ट
155.	आयू	आयु
156.	आरोज्ञ	आरोग्य
157.	आचांय	आचार्य
158.	आँसु	आँसू
159.	इक्षा	इच्छा
160.	इन्द्रीय	इन्द्रिय
161.	इसाई	ईसाई
162.	ईरसा	ईर्ष्या
163.	ईनाम	इनाम
164.	उदेश	उद्देश्य
165.	उत्कृष्ठ	उत्कृष्ट
166.	उपलक्ष	उपलक्ष्य
167.	उपाशक	उपासक
168.	उरमिला	उर्मिला
169.	रिद्धि	ऋद्धि
170.	ऐस्वर्य	ऐश्वर्य
171.	ओधोगिक	औद्योगिक
172.	अंर्तराष्ट्रीय	अन्तर्राष्ट्रीय
173.	माताए	माताएँ
174.	गंवार	गँवार
175.	इश्वर	ईश्वर
176.	कहानीयां	कहानियां
177.	कृत्यकृत्य	कृतकृत्य
178.	कियारी	क्यारी
179.	खंबा	खम्भा
180.	घनशाम	घनश्याम

क्र.सं.	अशुद्ध	शुद्ध
181.	घनिष्ट	घनिष्ठ
182.	चाकु	चाकू
183.	जागृत	जाग्रत
184.	जोति	ज्योति
185.	झन्डा	झण्डा
186.	टिप्पड़ी	टिप्पणी
187.	तपश्या	तपस्या
188.	त्यौहार	त्योहार
189.	देशभक्ती	देशभक्ति
190.	दैनीय	दयनीय
191.	देहिक	दैहिक
192.	द्रष्टिकोण	दृष्टिकोण
193.	धुरंदर	धुरंधर
194.	धोबन	धोबिन
195.	नराज	नाराज
196.	निर्दोषी	निर्दोष
197.	निरिक्षण	निरीक्षण
198.	नोकरी	नौकरी
199.	नोजवान	नौजवान
200.	परिशिष्ठ	परिशिष्ट
201.	पेचिदा	पेचीदा
202.	पैत्रिक	पैतृक
203.	प्रतीनिधि	प्रतिनिधि
204.	मरयादा	मर्यादा
205.	मनेजर	मैनेजर
206.	मान्यनीय	मान्य,माननीय
207.	मृत्योपरान्त	मृत्यूपरांत
208.	यर्थाथवाद	यथार्थवाद
209.	योवन	यौवन
210.	रूपया	रुपया
211.	शास्त्रिय	शास्त्रीय
212.	शारांश	सारांश
213.	सौन्दर्यता	सौन्दर्य
214.	हृदय	हृदय
215.	पुष्टी	पुष्टि
216.	क्षती	क्षति

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

परीक्षोपयोगी प्रश्न

1. शुद्ध वर्तनी बताएँ-
   (a) लालशा (b) शोणित
   (c) शौनित (d) मतस्य
2. निम्नलिखित शब्दों में से शुद्ध वर्तनी वाले शब्द को पहचानिए-
   (a) अवीष्कार (b) आविष्कार
   (c) अविष्कार (d) अविषकार
3. सही वर्तनी वाले शब्द का चयन कीजिए-
   (a) तात्कालिक (b) ततकालीक
   (c) तत्कालीक (d) तत्कालिक
4. सही वर्तनी वाले शब्द का चयन कीजिए-
   (a) प्रस्तूतीकरण (b) प्रस्तुतिकरन
   (c) प्रस्तुतीकरण (d) प्रस्तूतिकरन
5. सही वर्तनी वाले शब्द का चयन कीजिए-
   (a) सांसरिक (b) संसारिक
   (c) संसारक (d) सांसारिक
6. सही वर्तनी वाले शब्द का चयन करें-
   (a) परिस्थित (b) प्रस्थिति
   (c) परिस्थिति (d) पारिस्थिति
7. सही वर्तनी वाले शब्द का चयन करें-
   (a) कालिदास (b) कालीदास
   (c) कलिदास (d) कलीदास
8. सही वर्तनी वाले शब्द का चयन करें-
   (a) चतुष्कोन (b) चतुश्कोण
   (c) चतुस्कोण (d) चतुष्कोण
9. निम्नलिखित में से शुद्ध वर्तनी वाला शब्द कौन-सा है?
   (a) हाशिल (b) हाषिल
   (c) हासिल (d) हासील
10. सही वर्तनी वाले शब्द का चयन करें-
    (a) जबाव (b) कार्यकर्म
    (c) दसहरा (d) आराधना
11. सही वर्तनी वाले शब्द का चयन करें-
    (a) उज्जल (b) उज्ज्वल
    (c) उजला (d) उज्वल
12. निम्नलिखित में से शुद्ध वर्तनी वाला शब्द कौन-सा है?
    (a) प्रशंशा (b) प्रसंशा
    (c) प्रशंसा (d) प्रसंसा
13. सही वर्तनी वाले शब्द का चयन करें-
    (a) उन्मीलीत (b) उन्मिलित
    (c) उन्मीलित (d) उन्मिलीत
14. सही वर्तनी वाले शब्द का चयन कीजिए-
    (a) परिशिष्ट (b) परिशीष्ट
    (c) परीशिष्ट (d) परिशीष्ठ
15. सही वर्तनी वाले शब्द का चयन करें-
    (a) प्रियदर्शी (b) प्रियदरसी
    (c) प्रियदर्शि (d) प्रियदर्षी
16. सही वर्तनी वाले शब्द का चयन करें-
    (a) प्रमुख (b) पर्मुख्य
    (c) प्रमुखिया (d) प्रमुख्य
17. सही वर्तनी वाले शब्द का चयन करें-
    (a) कृशांगी (b) क्रिशान्गी
    (c) किरशांगी (d) कृिशांगी
18. सही वर्तनी वाले शब्द का चयन करें-
    (a) दिक्षा (b) दीक्शा
    (c) दीच्छा (d) दीक्षा
19. सही वर्तनी वाले शब्द का चयन करें-
    (a) लक्ष्मण (b) लच्छमन
    (c) लछमन (d) लक्षमण
20. सही वर्तनी वाले शब्द का चयन करें-
    (a) यासथाक्ती (b) जथाशक्ति
    (c) यशाशक्ति (d) यथाशक्ति
21. सही वर्तनी वाला शब्द कौन-सा है?
    (a) नछत्र (b) नच्छत्र
    (c) नक्षत्र (d) नक्छत्र
22. निम्नलिखित में से शुद्ध वर्तनी वाला शब्द कौन-सा है?
    (a) प्रज्जवलित (b) प्रज्जवलीत
    (c) प्रज्वलीत (d) प्रज्वलित
23. अशुद्ध वर्तनी वाला शब्द निम्न में से कौन-सा है?
    (a) पुरस्कार (b) आशिवाद
    (c) मयंक (d) प्रामाणिक
24. वर्तनी की दृष्टि से कौन-सा शब्द शुद्ध है?
    (a) आतिसबाजी (b) ऐतिहासिक
    (c) अत्याक्षरी (d) उत्तरदाई
25. सही वर्तनी वाले शब्द का चयन करें-
    (a) उत्कृष्ट (b) उतकृष्ठ
    (c) उतकृष्ट (d) उत्कृष्ठ
26. सही वर्तनी वाले शब्द का चयन करें-
    (a) पर्दाथ (b) पदाथ्र
    (c) पदार्थ (d) पर्दाथ्र

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

27. सही वर्तनी वाले शब्द का चयन करें-
(a) दुस्कर (b) दूष्कर
(c) दुश्कर (d) दुष्कर

28. निम्नलिखित में से शुद्ध वर्तनी वाला शब्द चुनें-
(a) परिणति (b) परिणती
(c) परीणती (d) परीणति

29. सही वर्तनी वाले शब्द का चयन करें-
(a) निष्पक्ष (b) निस्पक्ष
(c) निष्पच्छ (d) निश्पक्ष

30. निम्नलिखित में से शुद्ध वर्तनी वाला शब्द कौन-सा है?
(a) शुद्धिकरण (b) सुधिकरण
(c) शुद्धीकरण (d) सुद्धीकरण

31. सही वर्तनी वाले शब्द का चयन करें-
(a) खूबसूरती (b) खुबसुरती
(c) खुबसूरती (d) खूबसुर्ती

32. सही वर्तनी वाले शब्द का चयन करें-
(a) शुसमा (b) सूसमा
(c) सुसमा (d) सुषमा

33. सही वर्तनी वाले शब्द का चयन करें-
(a) व्यावसायिक (b) व्यवसायिक
(c) व्यावसायीक (d) व्यवसाईक

34. सही वर्तनी वाले शब्द का चयन कीजिए-
(a) हसित (b) हर्षित
(c) हरषित (d) हरसित

35. निम्नलिखित में से शुद्ध शब्द का चयन करें-
(a) विषाद (b) विसाद
(c) विशाद (d) वीषाद

36. निम्नलिखित में से शुद्ध वर्तनी वाले शब्द का चयन करें-
(a) हस्तक्षेप (b) हस्तछेप
(c) हस्ताक्षेप (d) हस्तच्छेप

37. सही वर्तनी वाले शब्द का चयन करें-
(a) अनिर्वचनीय (b) अर्निवचनीय
(c) अनिरव्यचीय (d) अनीर्वचनी

38. सही वर्तनी वाले शब्द का चयन करें-
(a) आधुनीकिकरण (b) आधुनिकीकर्ण
(c) आधूनिकीकरण (d) आधुनिकीकरण

39. सही वर्तनी वाले शब्द का चयन कीजिए-
(a) श्रृंगार (b) श्रंगार
(c) शृीगार (d) शृंगार

40. सही वर्तनी वाले शब्द का चयन करें-
(a) यवजीवन (b) याव्वजीवन
(c) यावज्जीवन (d) यावत्जीवन

41. सही वर्तनी वाले शब्द का चयन करें-
(a) पैतृक (b) पितृक
(c) पैत्रिक (d) पेतृक

42. सही वर्तनी वाले शब्द का चयन करें-
(a) सन्यास (b) संयास
(c) सनयास (d) संन्यास

43. निम्नलिखित में से शुद्ध वर्तनी वाला शब्द कौन-सा है?
(a) नीरीह (b) नीरिह
(c) निरिह (d) निरीह

44. सही वर्तनी वाले शब्द का चयन करें-
(a) वाल्मीकी (b) बाल्मीकी
(c) वाल्मीकि (d) बाल्मीकि

45. निम्नलिखित में से सही वर्तनी वाले शब्द का चयन कीजिए-
(a) विभीषिका (b) विभिषिका
(c) वीभीषिका (d) विभीषीका

46. निम्नलिखित में से सही वर्तनी वाले शब्द का चयन कीजिए-
(a) घनिष्ट (b) घनीष्ठ
(c) घनीष्ट (d) घनिष्ठ

47. सही वर्तनी का चयन करें-
(a) वांछनीय (b) वांक्षनीय
(c) वंक्षनीय (d) वंछनीय

48. सही वर्तनी का चयन करें-
(a) लीजीए (b) लिजिए
(c) लिजीये (d) लीजिए

49. सही वर्तनी का चयन करें-
(a) वीनति (b) विनती
(c) विनति (d) वीनती

50. सही वर्तनी का चयन करें-
(a) पौराणिक (b) पुराणिक
(c) पूराणिक (d) पौरानिक

51. सही वर्तनी वाले शब्द का चयन करें-
(a) कवयित्री (b) कवयीत्री
(c) कवियत्री (d) कवयित्रि

52. सही वर्तनी वाले शब्द का चयन करें-
(a) स्वादिशट (b) स्वादुष्ट
(c) सवादिष्ट (d) स्वादिष्ट

53. सही वर्तनी वाले शब्द का चयन करें-
(a) मौखिक (b) मोखिक
(c) मोखीक (d) मौखीक

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

54. सही वर्तनी वाले शब्द का चयन करें-
(a) शौकाकुल (b) शौककुल
(c) सोकाकुल (d) शोकाकुल

55. सही वर्तनी वाले शब्द का चयन करें-
(a) अजनम (b) आजनम
(c) अजन्मा (d) अजम्ना

56. सही वर्तनी वाले शब्द का चयन करें-
(a) सखभक्षी (b) सर्वभक्षी
(c) सर्वभक्षय (d) सखभक्शी

57. सही वर्तनी वाले शब्द का चयन करें-
(a) प्रतिबर्ष (b) प्रतिवर्ष
(c) प्रतिवर्श (d) परतीवर्ष

58. सही वर्तनी वाले शब्द का चयन करें-
(a) व्यवसथो (b) व्यावस्था
(c) वयवस्था (d) व्यवस्था

59. सही वर्तनी वाले शब्द का चयन करें-
(a) जनमाध (b) जन्मांद
(c) जन्मांध (d) जनमंध

60. सही वर्तनी वाले शब्द का चयन करें-
(a) अल्पायु (b) अल्पायू
(c) आलापायु (d) अलपायु

61. सही वर्तनी वाले शब्द का चयन करें-
(a) प्रकृतिक (b) प्राकृत्रिक
(c) पराकृतिक (d) प्राकृतिक

62. सही वर्तनी वाले शब्द का चयन करें-
(a) संस्कार (b) संश्कार
(c) संष्कार (d) संसकार

63. सही वर्तनी वाले शब्द का चयन करें-
(a) हिंदुत्व (b) हीन्दूत्व
(c) हिनदुत्व (d) हिंदूत्व

64. सही वर्तनी वाले शब्द का चयन करें-
(a) निराकार (b) निर्कार
(c) नीराकार (d) निरकार

65. सही वर्तनी वाले शब्द का चयन करें-
(a) निरामिष (b) नीरामीष
(c) निरामिश (d) निरामाईष

66. सही वर्तनी वाले शब्द का चयन करें-
(a) मुरलीदर (b) मर्लीधर
(c) मुरलीधर (d) मुरदिलर

67. सही वर्तनी वाले शब्द का चयन करें-
(a) पत्राकर (b) पत्रकार
(c) पत्रकार (d) पत्रकर

68. सही वर्तनी वाले शब्द का चयन करें-
(a) विकरेता (b) वीक्रेता
(c) वीकरेता (d) विक्रेता

69. सही वर्तनी वाले शब्द का चयन करें-
(a) लालिमा (b) लालीमा
(c) ललिमा (d) ललईमा

उत्तरमाला

1.	(b)	2.	(b)	3.	(a)	4.	(c)	5.	(d)	6.	(c)	7.	(a)	8.	(d)	9.	(c)	10.	(d)
11.	(b)	12.	(c)	13.	(c)	14.	(a)	15.	(a)	16.	(a)	17.	(a)	18.	(d)	19.	(a)	20.	(d)
21.	(c)	22.	(d)	23.	(b)	24.	(b)	25.	(a)	26.	(c)	27.	(d)	28.	(a)	29.	(a)	30.	(c)
31.	(a)	32.	(d)	33.	(a)	34.	(b)	35.	(a)	36.	(a)	37.	(a)	38.	(d)	39.	(d)	40.	(c)
41.	(a)	42.	(d)	43.	(d)	44.	(c)	45.	(a)	46.	(d)	47.	(a)	48.	(d)	49.	(b)	50.	(a)
51.	(a)	52.	(d)	53.	(a)	54.	(d)	55.	(c)	56.	(b)	57.	(b)	58.	(d)	59.	(c)	60.	(a)
61.	(d)	62.	(a)	63.	(a)	64.	(a)	65.	(a)	66.	(c)	67.	(b)	68.	(d)	69.	(a)		

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

8
अध्याय

अनेकार्थक शब्द एवं शब्द युग्म

परिचय

अनेकार्थी शब्द- जैसा कि नाम से ही स्पष्ट है अनेक अर्थ वाले शब्द।

वे शब्द जो एक से अधिक अर्थ रखते हैं, उन्हें अनेकार्थक शब्द कहते हैं।

अनेकार्थक शब्द

- अम्बर - वस्त्र, आकाश, कपास, एक इत्र, अभ्रक, एक नगर, मेघ।
- अरुण - सूर्य, रक्तवर्ण, लाल, सिंदूर, कुमकुम, बालसूर्य।
- अशोक - शोकरहित, अशोक-वृक्ष, सम्राट अशोक।
- अक्षर - वर्ण, नाशरहित, सत्य, मोक्ष, आकाश, आत्मा, नित्य।
- अज - बकरा, मेष राशि, शिव, दशरथ के पिता, ब्रह्मा, जिसका जन्म न हो (ईश्वर)।
- अधर - अंतरिक्ष, तुच्छ, होंठ, बिना आधार का, नीचे का।
- अंकुश - नियंत्रण, दबाव, हाथी को चलाने-रोकने का लोहे का अंकुड़ा।
- उत्पात - शरारत, दंगा, हो-हल्ला।
- उग्र - भयानक, क्रूर, तीव्र, कष्टदायक, प्रचण्ड, महादेव, गरम, सूर्य।
- उपचार - व्यवहार, प्रयोग, चिकित्सा, सेवा, धर्मानुष्ठान, घूस, खुशामद।
- ऋतु - सत्य, यथार्थ, वृत्ति-विशेष, मोक्ष, जल, मौसम।
- ऋजु - सीधा, सुगम, अनुकूल, प्रसन्न, सज्जन।
- और - अन्य, भिन्न, अधिक, विशेष, फिर।
- कर - किरण, हाथ, टैक्स, सूँड।
- कमल - एक फूल, एक मांसपिण्ड, जल, ताँबा।
- कुशल - खैरियत, चतुर, प्रवीण, प्रशिक्षित, क्षेम।
- कोट - किला, गढ़, पहनने का एक प्रकार का सिला हुआ वस्त्र।
- कंद - मिश्री, बिना रेशे की गूदेदार जड़, बादल, शकरकंद।
- कृष्ण - वेदव्यास, काला, कृष्ण भगवान, एक पक्ष, चन्द्रमा का धब्बा।
- केतु - ध्वज, एक ग्रह, पुच्छल तारा।
- करीब - समीप, लगभग।
- कर्त्ता - करने वाला, परिवार का मुखिया, पहला कारक।
- कलि - कलह, दुःख, पाप, चार युगों में चौथा युग, संग्राम, काला।
- कटक - सेना, शिविर, समूह, कड़ा, शृंखला, चटाई।
- कन्या - कुमारी, एक राशि, पुत्री, लड़की।
- खर - गधा, तिनका, एक राक्षस का नाम, दुष्ट, प्रखर।
- खण्डन - टुकड़े करना, प्रत्याख्यान, विरोध, हिस्सों में बाँटना।
- खराब - गंदा, बुरा, न चालू, बरबाद, नष्ट।
- ग्रहण - लेना, पकड़ना, सूर्य-चन्द्र पर राहु-केतु का प्रभाव।
- गति - हालत, मोक्ष, चाल, रफ्तार, रीति, स्पन्दन, वेश।
- गंदा - बुरा, अश्लील, मैला, घृणित, अशुद्ध।
- ग्रह - तारे, नौ की संख्या, अनुग्रह, कृपा, राहु।
- गोपाल - गाय पालने वाला, कृष्ण, ग्वाला, किसी लड़के का नाम।
- घट - शरीर, घड़ा, कम।
- घात - चोट, हत्या, गुणनफल, दाँव, अवसर।
- घोड़ा - एक पशु, बंदूक का खटका, शतरंज का एक मोहरा।
- चपला - बिजली, चंचल स्त्री, लक्ष्मी, वेश्या।
- चटकना - फूटना, खिलना, रूष्ट होना, चट-पट करना।
- चाप - परिधि का आधा, आलू की टिकिया, दबाव, धनुष।
- जन - लोग, प्रजा, गंवार, अनुचर, समूह।
- जलज - कमल, मोती, मछली, चन्द्रमा, सेवार, शंख।
- जरा - थोड़ा, बुढ़ापा।
- ठाकुर - देवता, ईश्वर, मालिक, क्षत्रिय, नाई, सरदार, जमींदार।
- डूबना - अस्त होना, पानी के नीचे जाना, नष्ट होना, समाप्त होना।
- तरंग - लहर, उमंग, स्वर लहरी।
- तलब - चाह, आवश्यकता, बुलावा, वेतन, खोज।
- तात - पिता, पूज्य, गुरु, भाई, मित्र, बड़ा।
- तार - तंतु, सूत।
- तीक्ष्ण - धारदार, तेज, प्रचंड, उग्र, चरपरा।
- तम - अंधकार, राहु, सूअर, पाप, क्रोध, अज्ञान, कालिख, नरक, मोह।
- तत्त्व - मूल, यथार्थ, सार, पञ्चभूत, ब्रह्मा।
- थान - ठिकाना, निवास स्थान, किसी देवी-देवता का स्थान, कपड़े का पूरा टुकड़ा (गट्ठर)।
- थल - भूमि, स्थान, वह जमीन जिस पर पानी न हो, बाघ की माँद, ऊँची धरती, रेगिस्तान।

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

- द्विज – अण्डज, प्राणी, पक्षी, ब्राह्मण, चन्द्रमा, दाँत, तारा।
- धात्री – माता, पृथ्वी, उपमाता, धाय, वह स्त्री जो किसी शिशु को स्तनपान कराए एवं उसका पालन-पोषण करे।
- नेपथ्य – वेशभूषा, सजावट, रंगमंच का पिछला भाग जहाँ रंगमंच के पात्र सजते हैं।
- नग – पर्वत, रत्न विशेष (नगीना), सूर्य, सर्प, वृक्ष, संख्या।
- नायक – सेनापति, छोटा सेनाधिकारी, मुखिया, नाटक का मुख्य पात्र।
- निशाचर – चोर, उल्लू, प्रेत, राक्षस, चक्रवाक, रात में निकलने वाला, गीदड़, सर्प।
- पोत – जहाज, बच्चा, वस्त्र, गुड़िया।
- पट – कपड़ा, परदा, देवमंदिर की किवाड़, गिरने अथवा मारने का शब्द।
- पति – स्वामी, दूल्हा, ईश्वर, प्रतिष्ठा।
- पत्र – किसी वृक्ष का पत्ता, चिट्ठी, पंख, समाचार पत्र, लिखा हुआ कागज।
- पतंग – सूर्य, पक्षी, गुड्डी, फतिंगा, नाव, कनकौआ, शरीर।
- पारावार – समुद्र, हद, सीमा।
- पर – पंख, ऊपर, दूसरा, किन्तु, पराया, प्रवृत्त।
- बढ़ना – उन्नत होना, अधिक होना, और आगे चलना, विस्तार, परिमाण में अधिक होना।
- बहना – अधिक व्यय होना, नष्ट होना, पानी का चलते रहना।
- बलि – राजा बलि, उपहार, बलिदान, चढ़ावा, कर।
- बहार – वसन्त ऋतु, आनंद, एक राग विशेष, प्रफुल्लता, शोभा।
- मधु – शराब, मदिरा, वसंत ऋतु, शहद, चैत्रमास, मीठा, फूल का रस, अमृत।
- मूक – चुप, विवश, अवाक्, गूँगा।
- मोहर – अशर्फी, छाप, ठप्पा।
- मानस – मनुष्य, मन, कामदेव, दूत, मन से उत्पन्न, मानसरोवर।
- योग – मेल, लगाव, ध्यान, कुल, जोड़, शुभ काल, मन की साधना, विधि।
- रश्मि – किरण, डोरी, घोड़े की लगाम, पलक के रोएँ।
- रंग – वर्ण, शोभा, मनोविनोद, रोब, नाच-गाना, ढंग, मन की उमंग, दशा।
- लगना – सटना, जुड़ना, चिपकना, चुभना, नियुक्त होना, आरंभ करना।
- विषय – भोग-विलास, प्रसंग, भौतिक पदार्थ, विवेचनार्थ बात।
- वर्ण – अक्षर, रंग, जाति, शब्द, सोना, रूप, चातुर्वर्ण्य (ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र)।
- वर – दूल्हा, श्रेष्ठ, वरण करने योग्य, वरदान, आशीर्वाद, पति, मनोरथ-सिद्धि।
- विभूति – वृद्धि, ऐश्वर्य, बहुतायत, दिव्य शक्ति, राख, महिमामय पुरुष, सृष्टि।
- सोम – एक देवता, चन्द्रमा, सोमवार, कुबेर, यम, अमृत, वायु, जल, स्वर्ग।
- हंस – प्राण, सूर्य, आत्मा, शिव, ब्रह्मा, विष्णु, पक्षी विशेष, माया से निर्लिप्त आत्मा।

शब्द-युग्म

परिचय

आपने पठन-पाठन या बोलचाल में बहुत से ऐसे शब्दों को जाना होगा, जिनके उच्चारण तो समान होते हैं परंतु अर्थ में भिन्नता होती है। इस प्रकार के शब्दों को ही 'समोच्चारित भिन्नार्थक शब्द' कहते हैं। इसे 'युग्म शब्द' या 'समानाभास शब्द' भी कहते हैं।

यहाँ ऐसे ही शब्दों का संकलन करके सूची बनाई जा रही है जो आपकी समान उच्चारण वाले शब्दों के अर्थ में भिन्नता की समझ को स्पष्ट करेंगे।

शब्द	अर्थ	शब्द	अर्थ
अगम	दुर्गम	आगम	उत्पत्ति, शास्त्र
अन्त	समाप्त	अन्त्य	नीचे का, अन्तिम
अंस	कन्धा	अंश	भाग, हिस्सा
अनल	अग्नि	अनिल	वायु
अन्न	अनाज	अन्य	दूसरा
अनिष्ट	अशुभ, बुरा	अनिष्ठ	निष्ठा-रहित
अवलम्ब	सहारा	अविलम्ब	शीघ्र
अपेक्षा	इच्छा, आशा	उपेक्षा	निरादर, अवहेलना
अभिज्ञ	जानने वाला, जानकार	अनभिज्ञ	अनजान, मूर्ख
आदि	आरंभ, इत्यादि	आदी	अभ्यस्त
आहुति	हवन सामग्री	आहूत	बुलाना
आभास	चमक	अभ्यास	बारम्बार प्रयत्न
आलोक	प्रकाश	अलोक	सुनसान
आद्य	पहला, प्रथम	अद्य	आज
आन	मर्यादा, मान	अन	बगैर
आगत	आया हुआ	अगत	जहाँ गति न हो
इत्र	सुगंध, पुष्पसार	इतर	दूसरा
इति	अन्त	ईति	विपत्ति, विघ्न
ऐहिक	सांसारिक	एहि	इसको
ओर	तरफ	और	एवं, तथा, अधिक
करि	गज, हाथी	कीर	सुग्गा, तोता
कंज	कमल	कुँज	बेलों का मण्डल

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

शब्द	अर्थ	शब्द	अर्थ
कान्तार	जंगल, वन	कान्ता	सुन्दर स्त्री
गर्भ	पेट	गर्व	अहंकार
गृह	घर	ग्रह	नक्षत्र
गण	समूह	गण्य	गिनने योग्य
गिरि	पर्वत, एक जाति	गिरी	बीज के अंदर का गूदा
गेय	गाने योग्य	ज्ञेय	जो जाना जा सके
चिर	प्राचीन, दीर्घकाल	चीर	वस्त्र
चूर	चूर्ण, कण	चूड़	चोटी
चपत	तमाचा	चम्पत	गायब
छत्र	छाता	क्षत्र	क्षत्रिय
छात्र	विद्यार्थी	क्षात्र	क्षत्रियों से संबंधित
छद्म	छल	छन्द	कवित्त, पद्य
जरा	बुढ़ापा	जरा	थोड़ा, अल्प
जलज	कमल	जलद	बादल
जरठ	बूढ़ा	जठर	पेट
जूठा	उच्छिष्ट भोजन	झूठा	असत्यवादी
जाया	पत्नी	जाया	बरबाद
झक	सनक, धुन	झख	तुच्छ कार्य
झंझट	लड़ाई, बखेड़ा	झंझर	झज्झर
झंझा	आँधी	झण्डा	पताका
टुक	थोड़ा	टूक	टुकड़ा
ठण्ड	शीत	ठूँठ	सूखा पेड़
डीठ, दीठ	दृष्टि	ढीठ	निडर
डोंगी	छोटी नाव	ढोंगी	पाखण्डी
तरणी	नौका	तरणि	सूर्य
तूणि	शीघ्र, तेज	तुणी	तरकश
तरंग	लहर	तुरंग	घोड़ा
तिक्त	तीता	तिग्म	तीक्ष्ण, प्रखर
तरु	वृक्ष	तर	गीला, भीगा
तुंद	पेट, प्रचण्ड	तुंड	चोंच, मुख
दिन	दिवस	दीन	निर्धन
द्विप	हाथी	द्वीप	टापू
दारु	लकड़ी	दारू	शराब
दशन	दाँत	दंशन	डंक मारना, दाँत से काटना

शब्द	अर्थ	शब्द	अर्थ
द्रव	रस, पिघला हुआ	द्रव्य	पदार्थ, धन
दंश	डंक	दस	दस का अंक
धुरा	अक्ष	धूर	धूल
नीर	पानी	नीड़	घोंसला
नारी	स्त्री	नाड़ी	नब्ज
नहर	जलमार्ग	नाहर	सिंह
नन्दी	शिव का बैल	नन्दि	आनंद, प्रसन्नता
निशाकर	चन्द्रमा	निशाचर	राक्षस
परुष	कठोर	पुरुष	मनुष्य, आदमी
फन	कला, हुनर	फण	साँप का सिर
बलि	बलिदान	बली	वीर, बलवान
बिना	रहित	वीणा	वाद्य-यंत्र विशेष
बास	दुर्गन्ध	वास	रहने का स्थान
बेश	अधिक, ज्यादा	वेश	हुलिया
भट	सिपाही, योद्धा	भाट	चारण
भीत/भीति	डर, भय	भित्ति	दीवार
मूल	जड़	मूल्य	कीमत
मनोज	कामदेव	मनुज	मानव
मल	गंदगी	मल्ल	पहलवान, योद्धा
मद	अहंकार	मद्य	शराब, मदिरा
मत	राय	मति	बुद्धि
रंग	वर्ण	रंक	गरीब, निर्धन
रन	झील, ताल	रण	युद्ध
रति	प्रेम	रत	लीन
रक्त	खून, रुधिर	रिक्त	खाली, शून्य
लक्ष	लाख	लक्ष्य	उद्देश्य,निशाना
लोटा	जल पात्र	लौटा	वापस
व्रण	घाव	वर्ण	रंग, अक्षर
विष	जहर	विस	कमल-नाल
शर	बाण	सर	तालाब
शूर	वीर	सूर	सूर्य, अन्धा
शुचि	पवित्र	शची	इन्द्राणी
शशधर	चन्द्रमा	शशिधर	महादेव, शिव
शुक	तोता	शूक	जौ आदि की बाल का नुकीला हिस्सा
शव	लाश	शिव	रात

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

शब्द	अर्थ	शब्द	अर्थ
सुत	पुत्र, बेटा	सूत	रूई का धागा
सुमन	फूल	स्वमन	अपना मन
सुर	देवता	सूर	सूर्य, सूरदास

शब्द	अर्थ	शब्द	अर्थ
हाड़	हड्डी	हाट	बाजार
हंसमुख	हंस का मुख	हँसमुख	मजाकिया

परीक्षोपयोगी प्रश्न

1. किस विकल्प में 'संग-संघ' युग्म का सही अर्थ-युग्म है? BSF (HCM) 17 Jun. 2023
(a) गीत - समूह (b) समूह - साथ
(c) साथ - समूह (d) साथ - घातक

2. कौन-सा शब्द 'चपला' का अनेकार्थी नहीं है- BSF (HCM) 17 Jun. 2023
(a) पार्वती (b) लक्ष्मी
(c) स्त्री (d) बिजली

3. कौन सा विकल्प 'वात-बात' युग्म का सही अर्थ-युग्म है? BSF (HCM) 17 Jun. 2023
(a) वचन - हवा (b) हवा - रोग
(c) रोग - वचन (d) हवा - वचन

4. 'कनक' का अनेकार्थी शब्द नहीं है- BSF (HCM) 17 Jun. 2023
(a) धतूरा (b) सोना
(c) रेणु (d) गेहूँ

5. 'कंगाल-कंकाल' समश्रुत भिन्नार्थक शब्द-युग्म के लिए क्रमशः सही अर्थ वाले विकल्प का चयन कीजिए- BSF (HCM) 18 Jun. 2023
(a) अस्थि - पंजर (b) निर्धन - ठठरी
(c) गरीब - हाथी (d) केसर - कंगन

6. 'तरुणी-तरणी' समश्रुत भिन्नार्थक शब्द-युग्म के लिए क्रमशः सही अर्थ वाले विकल्प का चयन कीजिए- BSF (HCM) 18 Jun. 2023
(a) युवती - सूर्य (b) सूर्य - नाव
(c) युवती - नाव (d) नाव- युवती

7. निम्नलिखित में से एक शब्द का अर्थ शेष तीन से बिल्कुल भिन्न है। उस विकल्प का चयन कीजिये- BSF (HCM) 18 Jun. 2023
(a) अमृत (b) जल
(c) अम्बर (d) दूध

8. निम्नलिखित में से एक शब्द का अर्थ शेष तीन से बिल्कुल भिन्न है। उस विकल्प का चयन कीजिये- BSF (HCM) 18 Jun. 2023
(a) तालाब (b) दूध
(c) बादल (d) पयोधर

9. 'गढ़ना-गड़ना' समश्रुत भिन्नार्थक शब्द-युग्म के लिए क्रमशः सही अर्थ वाले विकल्प का चयन कीजिए- BSF (HCM) 18 Jun. 2023
(a) जमाना - बनाना (b) सुडौल करना - चुभना
(c) गिनती - चुभना (d) पिरोना - गिनना

10. राक्षस, प्रेत, चोर किस शब्द के अनेकार्थी हैं? CISF (HCM) 30 Oct. 2023
(a) वानर (b) सेवार
(c) निशाचर (d) जलधर

11. जाला, फरेब, बुनावट किस शब्द के अनेकार्थी हैं? CISF (HCM) 30 Oct. 2023
(a) चाल (b) घना
(c) जाल (d) स्वभाव

12. जाति, रंग, अक्षर किस शब्द के अनेकार्थी हैं? CISF (HCM) 30 Oct. 2023
(a) पंख (b) अंश
(c) गति (d) वर्ण

13. निम्न विकल्पों में से सही अनेकार्थी शब्द समूह की पहचान करें- CISF (HCM) 30 Oct. 2023
(a) मान, दोस्त, रहित
(b) मान, इज्जत, अभिमान
(c) उत्तर, जवाब, जाति
(d) कनक, धतूरा, गहना

14. प्रश्न में अनेकार्थी शब्द दिया गया है। एक अर्थ शब्द के साथ ही लिखा है, दूसरा अर्थ बताइए?
पत्र - चिट्ठी
CISF (HCM) 30 Oct. 2023
(a) भार (b) अन्न
(c) पुष्प (d) पत्ता

15. प्रश्न में अनेकार्थी शब्द दिया गया है। एक अर्थ शब्द के साथ ही लिखा है, दूसरा अर्थ बताइए?
वर्ण - जाति
CISF (HCM) 31 Oct. 2023
(a) सर्प (b) भार
(c) रंग (d) पन्ना

16. निम्न विकल्पों में से सही अनेकार्थी शब्द समूह की पहचान करें- CISF (HCM) 31 Oct. 2023
(a) सरिता, नदी, इन्द्र
(b) वन, अमृत, गति

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

(c) कनक, धतूरा, सोना
(d) हीन, खल, बाण

17. इनमें से क्या 'महावीर' का अर्थ नहीं है?
(a) जैन तीर्थंकर (b) हनुमान
(c) महादेव (d) शक्तिशाली

18. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द अनेकार्थी शब्द है?
(a) पोत (b) जहाज
(c) हवाई जहाज (d) रेलगाड़ी

19. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द अनेकार्थी शब्द है?
(a) गाय (b) हरिण
(c) बंदर (d) भैंस

20. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द अनेकार्थी शब्द है?
(a) गुलाब (b) बेला
(c) चमेली (d) रातरानी

21. निम्नलिखित वाक्य में रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित एकार्थी शब्द से करें-
.... का प्रकोप सब कुछ उखाड़ देता है जबकि .... का प्रकोप सब कुछ जला देता है।
(a) सुंदर-तेज (b) अग्नि-मार्ग
(c) अनिल-अनल (d) अभिनेता-अग्नि

22. निम्नलिखित वाक्य में रिक्त स्थानों की पूर्ति उपयुक्त एकार्थी शब्द-युग्म द्वारा कीजिए।
आदमी की .... उसे सफल बनाती है, वहीं सफलता उसका .... योग है।
(a) शुभ मुहूर्त-नतीजा (b) दीपक-रोशनी
(c) लगन-लग्न (d) ताजा-सामान

23. निम्नलिखित वाक्य में रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित एकार्थी शब्द से करें-
.... बदलती नहीं है और .... हमेशा बदलती है।
(a) टूटा-सपना (b) झूठ-मौसम
(c) सत्य-सपना (d) ऋत-ऋतु

24. 'चास' का अर्थ है,'जुताई'। परंतु 'चाष' का अर्थ प्रकट करने वाले शब्द से निम्न वाक्य पूर्ण कीजिए।
हमने .... कभी नहीं देखा।
(a) शुतुरमुर्ग (b) नीलकंठ पक्षी
(c) काकतुआ (d) पंडुक पक्षी

25. निम्नलिखित वाक्य में रेखांकित एकार्थी शब्दों का सही अर्थ-युग्म क्या होगा?
द्यूत <u>प्रथा</u> का दुष्परिणाम पांडवों के साथ उनकी माता <u>पृथा</u> को भी भुगतना पड़ा।
(a) परंपरा-कुंती (b) परंपरा-अलग
(c) सहानुभूति-विश्वास (d) धारणा-परंपरा

26. निम्नलिखित वाक्य में रेखांकित एकार्थी शब्दों के उपयुक्त अर्थ बताइए।
बहुत से लोगों का <u>सकल</u> जीवन परमार्थ को समर्पित होता है, जिससे समाज <u>शकल</u> नहीं हो पाता।
(a) पूरा-साथ (b) एक-टुकड़ा
(c) कुछ भाग-आधा (d) संपूर्ण-टुकड़ा

27. निम्नलिखित वाक्य में रेखांकित एकार्थी शब्दों के उपयुक्त अर्थ बताइए।
शमशेर बहुत ही '<u>विदुर</u>' व्यक्ति हैं, अफसोस कि वे '<u>विधुर</u>' हैं।
(a) संन्यासी-पंडित
(b) जिसकी पत्नी मर गई हो-पंडित
(c) ज्ञानी-जिसकी पत्नी मर गई हो
(d) ज्ञानी-अज्ञानी

28. निम्नलिखित वाक्य में रेखांकित एकार्थी शब्दों के उपयुक्त अर्थ बताइए।
व्यक्ति के जीवन में '<u>शम</u>' होनी चाहिए और उसके व्यवहार में '<u>सम</u>' होना अति आवश्यक है।
(a) श्याम-रात
(b) कुछ-भाग
(c) शांति-समान
(d) सामान-गणित का प्रश्न

29. निम्नलिखित में से 'अपेक्षा' का अर्थ क्या नहीं होता है?
(a) विचार (b) इच्छा
(c) आशा (d) आवश्यकता

30. निम्न में से किस वाक्य में 'खून' के सही अनेकार्थी शब्द का प्रयोग हुआ है?
(a) कल विजय की हत्या हो गई।
(b) महेश ने शहर से पलायन किया।
(c) यह लाल फूल अत्यंत सुन्दर है।
(d) विकास वाचनालय में पढ़ रहा था।

उत्तरमाला

1.	(c)	2.	(a)	3.	(d)	4.	(c)	5.	(b)	6.	(c)	7.	(c)	8.	(b)	9.	(b)	10.	(c)
11.	(c)	12.	(d)	13.	(b)	14.	(d)	15.	(c)	16.	(c)	17.	(c)	18.	(a)	19.	(b)	20.	(b)
21.	(c)	22.	(c)	23.	(d)	24.	(b)	25.	(a)	26.	(d)	27.	(c)	28.	(c)	29.	(a)	30.	(a)

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

9
अध्याय

वाक्य शुद्धि

वाक्य शुद्धि के नियम और उदाहरण

सार्थक शब्दों का एक व्यवस्थित समूह जिससे एक अर्थ स्पष्ट हो, वाक्य कहलाता है।

वाक्य, भाषा की एक महत्त्वपूर्ण इकाई होती है, लिखने या बोलने के लिए इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि हमारे द्वारा जो लिखा जाए वह तार्किक रूप से स्पष्ट तथा व्याकरण की दृष्टि से सार्थक होना चाहिए।

वाक्य में संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया तथा अव्यय से संबंधित या अन्य प्रकार की अशुद्धि हो सकती है।

वाक्य शुद्धि के महत्त्वपूर्ण नियम

1. हिन्दी भाषा में विभक्ति चिह्न केवल सर्वनाम को छोड़कर शेष सभी शब्दों से अलग रखे जाते हैं।
   जैसे – नीरज को पेन दे दो।
2. यदि सर्वनाम के साथ विभक्ति चिह्न का प्रयोग हो तो उसे सर्वनाम में मिलाकर लिखा जाना चाहिए।
   जैसे – मुझसे, हमने, उसने, तुमसे, हमको, उसको, किसको, किसने आदि।
3. सर्वनाम के साथ दो विभक्ति चिह्नों का प्रयोग होने पर पहला विभक्ति चिह्न सर्वनाम में मिलाकर लिखा जायेगा।
   जैसे – आपमें से, हममें से आदि।
4. संयुक्त क्रियाओं में सभी अंगभूत क्रियाओं को अलग लिखा जाना चाहिए।
   जैसे – खा सकते हो, वह जगह वहाँ पड़ा करती है।
5. पूर्वकालिक प्रत्यय में **कर** को क्रिया से मिलाकर लिखा जाता है।
   जैसे – खाकर, उठकर, सोकर आदि।
6. द्वंद्व समास में पदों के बीच योजक चिह्न (-) लगाया जाना चाहिए।
   जैसे – माता-पिता, रात-दिन आदि।
7. जब वर्णमाला के किसी भी पाँचवें अक्षर के बाद उसी वर्णमाला के प्रथम चार वर्णों में से कोई भी वर्ण हो तो पंचम वर्ण के स्थान पर अनुस्वार का प्रयोग होता है।
   जैसे – गंगा, ठंड आदि।

संज्ञा-संबंधी अशुद्धियाँ

1. हिन्दी के प्रचार में आज भी बड़े-बड़े संकट हैं। — बड़ी-बड़ी बाधाएँ
2. कृषि हमारी व्यवस्था की रीढ़ है। — का आधार
3. नगर की सारी जनसंख्या भूखी है। — जनता
4. मुझे सफल होने की निराशा है। — आशा नहीं
5. गोलियों की बाढ़। — बौछार

लिंग-संबंधी अशुद्धियाँ

6. परीक्षा की प्रणाली बदलना चाहिए। — बदलनी
7. हिन्दी की शिक्षा अनिवार्य कर दिया गया। — दी गयी
8. मुझे मजा आती है। — आता
9. देश की सम्मान की रक्षा करो। — के

वचन-संबंधी अशुद्धियाँ

10. अच्छी पुस्तकें नहीं है। — पुस्तक
11. ऐसी एकाध बातें सुनकर दुःख होता है। — बात
12. वे विविध विषय से परिचित हैं। — विषयों

कारक-संबंधी अशुद्धियाँ

13. मैंने राम को पूछा। — से
14. जनता के अन्दर असंतोष फैल गया। — में
15. वह बस पर यात्रा कर रहा है। — से

सर्वनाम-संबंधी अशुद्धियाँ

16. मेरे से मत पूछो। — मुझसे
17. तेरे को अब जाना चाहिए। — तुझे
18. जो सोवेगा वह खोवेगा। — सो
19. वह सब भले लोग हैं। — वे

विशेषण-संबंधी अशुद्धियाँ

20. उसे भारी प्यास लगी है। — बहुत
21. मुझे बड़ी भूख लगी है। — बहुत
22. इस वीरान जीवन में। — नीरस
23. राजेश अग्रिम बुधवार को आएगा। — आगामी
24. वह डाल महीन है। — पतली

क्रिया-संबंधी अशुद्धियाँ

25. पगड़ी ओढ़कर आओ। — बाँधकर
26. छोटी उम्र शिक्षा लेने के लिए है। — पाने
27. अपने हस्ताक्षर लगा दो। — कर
28. हमें यह सावधानी लेनी होगी। — बरतनी
29. वहाँ घना अँधेरा घिरा था। — छाया

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

अनुपयुक्त शब्द-संबंधी अशुद्धियाँ

30. आसानीपूर्वक यह काम कर लिया। आसानी से
31. एकमात्र दो उपाय हैं। केवल
32. यह पत्र आपके अनुसार है। अनुरूप

पदक्रम-संबंधी अशुद्धियाँ

33. छात्रों ने मुख्य अतिथि को एक फूलों की माला पहनाई। फूलों की एक माला
34. भीड़ में चार पटना के व्यक्ति भी थे। पटना के चार व्यक्ति
35. कई बैंक के कर्मचारियों ने प्रदर्शन किया। बैंक के कई कर्मचारियों
36. आप जाएँगे क्या? क्या आप जाएँगे?

द्विरुक्ति/पुनरुक्ति-संबंधी अशुद्धियाँ

37. दरअसल में वह बहुत काइयाँ है। दरअसल/असल में
38. वह बहुत जल्दी वापस लौट आया। वापस/लौट
39. मेरे मना करने के बावजूद भी वह चला गया। बावजूद/बाद भी
40. वह अभी शैशव अवस्था में है। शैशव/शिशु अवस्था
41. मध्यकालीन युग में कलाओं की बहुत उन्नति हुई। मध्यकाल/मध्ययुग
42. प्रात:काल के समय टहलना चाहिए। प्रात:काल/सुबह के समय

अधिकपदत्व-संबंधी अशुद्धियाँ

निम्नलिखित वाक्यों में रंगीन अक्षरों में छपे पद अनावश्यक है-

43. मानव ईश्वर की सबसे उत्कृष्टतम कृति है।
44. सीता नित्य गीता को पढ़ती है।
45. उसने गुप्त रहस्य प्रकट कर दिए।
46. माली जल से पौधों को सींच रहा था।

शब्द ज्ञान-संबंधी अशुद्धियाँ

47. लाठी बड़ा उपयोगी अस्त्र है। शस्त्र
48. चिड़िया गा रही है। चहक
49. वह नित्य गाने की कसरत करता है। का अभ्यास/का रियाज
50. सोहन नित्य दण्ड मारता है। पेलता
51. इस समय सीता की आयु सोलह वर्ष है। उम्र/अवस्था

परीक्षोपयोगी प्रश्न

1. **निम्नलिखित में से किस वाक्य में सर्वनाम सम्बन्धी अशुद्धि है? उचित विकल्प का चयन कीजिये-**
BSF (HCM) 18 Jun. 2023
(a) आपको जो कुछ चाहिए, यह हमसे माँग लो।
(b) जिसकी लाठी उसकी भैंस।
(c) जो बेईमानी करेगा उसे नौकरी से निकाल दिया जाएगा।
(d) जो सोता है सो खोता है।

2. **निम्न में से कौन-सा वाक्य शुद्ध है?**
CISF (HCM) 30 Oct. 2023
(a) ज्ञान का अर्थ अहंकार नहीं बल्कि विनम्रता होते है।
(b) धर्म का मूल अर्थ परम शांति होते है।
(c) मनुष्य का जीवन कठिनाइयों से भरी है।
(d) जीवन का लक्ष्य सदैव सामाजिक कल्याण होना चाहिए।

3. **निम्नलिखित वाक्यों में से कौन-सा वाक्य शुद्ध है?**
CISF (HCM) 30 Oct. 2023
(a) वह गाने का अभ्यास कर रहा हूँ।
(b) श्याम ने केवल हिसवे बनाये है।
(c) मैं गाने का अभ्यास कर रहा हूँ।
(d) कई रेलवे के कर्मचारियों की गिरफ्तारी हुई।

4. **निम्नलिखित वाक्यों में से कौन-सा वाक्य अशुद्ध नहीं है?**
CISF (HCM) 30 Oct. 2023
(a) उसकी पत्नी सुंदर है।
(b) मैं आपका दर्शन करने आया हूँ।
(c) उसकी पत्नी लजीज है।
(d) यह काम आप पर निर्भर करती है।

5. **निम्न में से कौन-सा वाक्य शुद्ध नहीं है?**
CISF (HCM) 30 Oct. 2023
(a) आज मैंने रोटी खाया।
(b) सुरभि बहुत सुंदर है।
(c) महात्मा गाँधी एक महान व्यक्ति थे।
(d) विनम्रता सज्जन मनुष्य का गुण होता है।

6. **निम्न में से कौन-सा वाक्य शुद्ध नहीं है?**
CISF (HCM) 30 Oct. 2023
(a) पेड़ ने पत्ते गिरते है।
(b) हामिद ने अम्मी को चिमटा खरीद कर दिया।
(c) रामू एक ईमानदार इंसान है।
(d) मोहित स्कूटर चला रहा है।

7. **निम्नलिखित वाक्यों में से कौन-सा वाक्य अशुद्ध है?**
CISF (HCM) 30 Oct. 2023
(a) वे मेरे आराध्य हैं।
(b) हमारे शिक्षक प्रश्न करता है।
(c) हमारे शिक्षक प्रश्न करते हैं।
(d) यह काम आप पर निर्भर है।

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

8. **निम्नलिखित वाक्यों में से कौन-सा वाक्य शुद्ध है?**
CISF (HCM) 30 Oct. 2023
(a) शोक है कि आपने मेरे पत्रों का कोई उत्तर नहीं दिया।
(b) शोक है कि आपने मेरे पत्रों का कोई उत्तर नहीं दिये।
(c) पति-पत्नी के झगड़े का हेतु क्या हो सकता है।
(d) श्री कृष्ण के अनेक नाम हैं।

9. **निम्न में से कौन-सा वाक्य अशुद्ध है?**
CISF (HCM) 31 Oct. 2023
(a) क्या तुम सो चुके हो?
(b) नारी सम्मान की हकदार है।
(c) मैंने चोर से मारा।
(d) रोहित आज अच्छा खेल रहा है।

10. **निम्नलिखित वाक्यों में से कौन-सा वाक्य शुद्ध है?**
CISF (HCM) 31 Oct. 2023
(a) हमारे शिक्षक प्रश्न करता है।
(b) यह काम आप में निर्भर है।
(c) यह कहने आपकी भूल है।
(d) रवि एक नेक दिल पुरुष है।

11. **निम्न में से कौन-सा वाक्य शुद्ध है?**
CISF (HCM) 31 Oct. 2023
(a) रामधारी सिंह दिनकर ने एक अच्छा कवि है।
(b) अच्छे साहित्यिकार का कार्य समाज के मुद्दों को उजागर करना भी होता है।
(c) एक अच्छा राजनेता को कुर्सी का मोह नहीं होता है।
(d) अमिताभ का एक अच्छा अभिनेता है।

12. **निम्नलिखित वाक्यों में से कौन-सा वाक्य शुद्ध है?**
CISF (HCM) 31 Oct. 2023
(a) मेरा नाम आनंद कुमार है।
(b) प्रधानाध्यापक लड़के चुनेंगे।
(c) राम रावण को मारा हैं।
(d) यह कविता अनेक भावों प्रकट करती है।

13. **'यह सब उदाहरण देने का तात्पर्य यह है कि प्रयोजनमुलक भाषा की अपनी विशिष्टता है जिसमें अलग से दक्षता प्राप्त करनी पड़ती है।' इस वाक्य के किस भाग में वर्तनी की अशुद्धि है?**
CRPF (HCM) 22 Feb. 2023
(a) यह सब उदाहरण देने का तात्पर्य यह है
(b) कि प्रयोजनमुलक भाषा की अपनी विशिष्टता है
(c) प्राप्त करनी पड़ती है
(d) जिसमें अलग से दक्षता

14. **निम्नलिखित वाक्यों में से किस विकल्प में वाक्य-विन्यास शुद्ध है?**
CRPF (HCM) 22 Feb. 2023
(a) मानस-सिन्धु में उठने वाली स्मृति-तरंगें एक सन्देश अपनी भाषा में दे जाती हैं हमें।
(b) सच्चा जीवन ही है जीना साहस और आत्मविश्वास के साथ।
(c) दूसरों के लिए जीने में ही सच्चा आनंद और सुख है जीवन का।
(d) निराला और महादेवी के काव्य में गीति का सुन्दर विधान है।

15. **निम्नलिखित वाक्य के किस शब्द की वर्तनी अशुद्ध है?**
'इसका प्रमुख कारण अनुसाशनहीनता ही थी।'
CRPF (HCM) 22 Feb. 2023
(a) कारण (b) प्रमुख
(c) अनुसाशनहीनता (d) इसका

16. **निम्नलिखित वाक्य-खण्डों के शुद्ध क्रम में व्यवस्थित वाक्य का चयन करें:**
भारत माता के पैरों में,
बेड़ियाँ पड़ी रहीं,
कई सौ वर्षों तक,
पराधीनता की,
CRPF (HCM) 22 Feb. 2023
(a) बेड़ियाँ पड़ी रहीं भारत माता के पैरों में पराधीनता की कई सौ वर्षों तक
(b) कई सौ वर्षों तक भारत माता के पैरों में पराधीनता की बेड़ियाँ पड़ी रहीं
(c) बेड़ियाँ पड़ी रहीं पराधीनता की कई सौ वर्षों तक भारत माता के पैरों में
(d) पराधीनता की बेड़ियाँ पड़ी रहीं कई सौ वर्षों तक भारत माता के पैरों में

17. **निम्नलिखित वाक्यों में से शुद्ध वाक्य - विन्यास वाला विकल्प ज्ञात करें:**
CRPF (HCM) 22 Feb. 2023
(a) आदमी को एक ही काम पर अपना ध्यान और परिश्रम केंद्रित करना चाहिए।
(b) दीवार बालू की बनी आज गिर कल जाएगी।
(c) अपूर्ण आदमी हो तो ज्ञान अपनी विद्वता झाड़ता रहता है।
(d) नदियाँ समुद्र में लेकिन उछलती हैं तो गंभीरता होती है।

18. **शुद्ध पदक्रम में लिखे गए वाक्य का चयन करें:**
CRPF (HCM) 22 Feb. 2023
(a) कमीज खो गयी है मेरी कहीं सफेद वाली।
(b) मेरी कमीज कहीं सफेद वाली खो गयी है।
(c) मेरी सफ़ेद वाली कमीज कहीं खो गयी है।
(d) कहीं खो गयी है मेरी सफेद वाली कमीज।

19. **निम्नलिखित वाक्यों में एक प्रचलित कहावत के शुद्ध वाक्य विन्यास वाले विकल्प का चयन करें:**
CRPF (HCM) 22 Feb. 2023
(a) राजहंस बिन को करे नीर-क्षीर अलगाव
(b) नीर-क्षीर अलगाव राजहंस बिन को करे

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

(c) नीर-क्षीर बिन राजहंस अलगाव को करे
(d) राजहंस बिन नीर-क्षीर अलगाव को करे

20. 'व्यापार में मुझे हानी उठानी पड़ी थी।' वाक्य के किस अंश में वर्तनी अशुद्धि है?
CRPF (HCM) 22 Feb. 2023
(a) मुझे हानी (b) पड़ी थी।
(c) उठानी (d) व्यापार में

21. पदक्रम की दृष्टि से कौन-सा वाक्य सही है?
CRPF (HCM) 22 Feb. 2023
(a) हे बहन, लाज रखो मेरी।
(b) मेरी लाज रखो, हे बहन।
(c) लाज रखो मेरी, हे बहन।
(d) हे बहन, मेरी लाज रखो।

22. 'उनकी आपस में घनिष्ठ मैत्रता थी।' वाक्य के किस अंश में वर्तनी अशुद्धि है?
CRPF (HCM) 22 Feb. 2023
(a) उनकी (b) मैत्रता थी।
(c) घनिष्ठ (d) आपस में

23. पदक्रम की दृष्टि से कौन-सा वाक्य सही है?
CRPF (HCM) 22 Feb. 2023
(a) क्या आ रही है गीता?
(b) क्या गीता आ रही है?
(c) गीता क्या आ रही है?
(d) गीता आ रही है क्या?

24. 'खट्कोण में कितनी भुजाएँ होती हैं?' वाक्य के किस अंश में वर्तनी अशुद्धि है?
CRPF (HCM) 22 Feb. 2023
(a) भुजाएँ (b) होती हैं?
(c) खट्कोण (d) में कितनी

25. निम्नलिखित में से शुद्ध पदक्रम वाले विकल्प का चयन करें:
CRPF (HCM) 22 Feb. 2023
(a) कि वृक्ष पर बैठा हुआ है तोता बच्चा चिल्लाया
(b) गुड़िया की मुर्गी में घर रहती है।
(c) तुमने इस बार बहुत परिश्रम किया है इसलिए सफल भी हो जाओगे।
(d) पानी नहीं बरसा यदि सूखा पड़ जाएगा।

26. निम्नलिखित में से शुद्ध पदक्रम वाले वाक्य की पहचान करें।
CRPF (HCM) 22 Feb. 2023
(a) मैंने आज बाजार में चाट और छोले, मिठाई खाए।
(b) मैंने आज बाजार में छोले खाए और चाट, मिठाई।
(c) मैंने आज बाजार में छोले और चाट, मिठाई खाए।
(d) मैंने आज बाजार में चाट, मिठाई और छोले खाए।

27. 'मनुष्य इसलिए परीश्रम करता है कि उसे अपना पेट पालना है।'
उपर्युक्त वाक्य में किस भाग की वर्तनी अशुद्ध है?
CRPF (HCM) 22 Feb. 2023
(a) मनुष्य इसलिए (b) परीश्रम करता है
(c) पेट पालना है (d) कि उसे अपना

28. 'सभी प्राणियों में मनुष्य ही सबसे अधिक सामाजिक और सहकारिता-परायण जीव है।'
वाक्य के अशुद्ध वर्तनी वाले भाग की पहचान कीजिए: CRPF (HCM) 22 Feb. 2023
(a) सहकारिता-परायण जीव है
(b) सभी प्राणियों में
(c) मनुष्य ही सबसे अधिक
(d) सामाजिक और

29. निम्नलिखित वाक्यों में से शब्द चयन सम्बन्धी अशुद्धि वाले वाक्य का चयन करें।
CRPF (HCM) 22 Feb. 2023
(a) वाल्मीकि ने रामायण की रचना की।
(b) वह अपने वचन पर दृढ़ है।
(c) उसे भाषा-विज्ञान का अच्छा ज्ञान है।
(d) समारोह में मुख्य अतिथि को अभिनन्दन पत्र प्रदान किया गया है।

30. निम्नलिखित में से शुद्ध पदक्रम वाले वाक्य का चयन करें- CRPF (HCM) 23 Feb. 2023
(a) मनुष्य पर संगति का प्रभाव बहुत ज्यादा पड़ता है।
(b) संगति का प्रभाव बहुत मनुष्य पर ज्यादा पड़ता है।
(c) संगति पर मनुष्य का प्रभाव पड़ता है बहुत ज्यादा।
(d) संगति का प्रभाव बहुत ज्यादा मनुष्य पर पड़ता है।

31. '<u>भक्त प्रहलाद ने हिरण्यकश्यप राक्षस</u> का वध किया था।' - इस वाक्य के रेखांकित भाग में वर्तनी सम्बन्धी अशुद्धि है। शुद्ध भाग का चयन करें-
CRPF (HCM) 23 Feb. 2023
(a) भक्त प्रहलाद ने हिरणाकशिपु राक्षस
(b) भक्त प्रहलाद ने हिरण्यकश्यपु राक्षस
(c) भक्त प्रह्लाद ने हिरण्यकशिपु राक्षस
(d) भक्त प्रह्लाद ने हिरण्यकश्यपु राक्षस

32. निम्नलिखित में से शुद्ध पदक्रम वाले वाक्य का चयन करें- CRPF (HCM) 23 Feb. 2023
(a) अर्थ के अभाव में भाषा का कोई महत्त्व नहीं है।
(b) महत्त्व का कोई अर्थ भाषा के अभाव में नहीं है।
(c) भाषा का कोई अर्थ महत्त्व के अभाव में नहीं है।
(d) कोई अर्थ के अभाव में महत्त्व भाषा का नहीं है।

33. 'इस पूरे माहौल में एक उदासी सी व्यापित है।' - इस वाक्य में वर्तनी सम्बन्धी अशुद्धि है। शुद्ध वाक्य का चयन करें- CRPF (HCM) 23 Feb. 2023
(a) इस पूरे महौल में एक उदासी सी व्यापित है।
(b) इस पूरे माहौल में एक उदासी सी व्याप्त है।
(c) इस पूरे माहौल में एक उदासी सी व्यापित है।
(d) इस पूरे महौल में एक उदासी सी व्याप्त है।

34. 'अधजल गगरी छलखत जाए, भरी गगरिया चुपके जाए।'

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

उक्त कहावत के किस भाग में वर्तनी की अशुद्धि है?
CRPF (HCM) 23 Feb. 2023
(a) भरी गगरिया (b) छलखत जाए
(c) चुपके जाए (d) अधजल गगरी

35. **वाक्य विन्यास की दृष्टि से शुद्ध वाक्य का चयन करें-**
CRPF (HCM) 23 Feb. 2023
(a) जीवन-संघर्ष डॉ. अंबेडकर का है दलित साहित्य का वैचारिक आधार।
(b) दलित साहित्य का वैचारिक आधार डॉ. अंबेडकर का जीवन-संघर्ष है।
(c) डॉ. अंबेडकर का जीवन-संघर्ष है दलित साहित्य का वैचारिक आधार।
(d) दलित साहित्य का है वैचारिक आधार डॉ. अंबेडकर का जीवन-संघर्ष।

36. **दिये गए वाक्य के वर्तनी की दृष्टि से अशुद्ध अंश का चयन कीजिए-**
परीक्षा है, मैं पढ़ाई में व्यस्त हूँ, समय का दुरूपयोग नहीं कर सकता।
CRPF (HCM) 23 Feb. 2023
(a) परीक्षा (b) दुरूपयोग
(c) व्यस्त (d) पढ़ाई

37. **दिए गए वाक्य का कौन-सा शब्द वर्तनी की दृष्टि से अशुद्ध है?**
इस सरकारी पुस्तकालय में कोई सप्ताहिक पत्रिका नहीं आती। CRPF (HCM) 23 Feb. 2023
(a) सप्ताहिक (b) पत्रिका
(c) पुस्तकालय (d) सरकारी

38. **निम्नलिखित वाक्यों में से किस वाक्य में शब्द चयन सम्बन्धी अशुद्धि है?**
अशुद्ध वाक्य का चयन करें:
CRPF (HCM) 24 Feb. 2023
(a) मुझे आपके प्रतिकूल कुछ नहीं कहना है।
(b) मेरे लिए विज्ञान एक कठिन विषय है।
(c) उसने दण्ड पाने का काम किया है।
(d) महात्मा जी अपना शेष जीवन यहीं बिताएंगे।

39. **निम्नलिखित वाक्यों में से किस वाक्य में शब्द चयन सम्बन्धी अशुद्धि नहीं है?**
शुद्ध वाक्य का चयन करें:
CRPF (HCM) 24 Feb. 2023
(a) मंत्री जी के निधन से अपूर्ण क्षति हुई है।
(b) गीत की कुछ लड़ियाँ हमें भी सुना दो।
(c) कार्यक्रम की सभानेत्री कुमारी नमिता हैं।
(d) मेरा आपसे आग्रहपूर्वक निवेदन है।

40. **निम्नलिखित में से शुद्ध वाक्य का चयन करें:**
CRPF (HCM) 24 Feb. 2023
(a) मेरे मित्र जो छात्रावास में रहते थे उन्होंने मुझे एक गर्मियों की बात सुनाई।
(b) मेरे मित्र जो छात्रावास में रहते थे उन्होंने मुझे गर्मियों की एक बात सुनाई।
(c) छात्रावास में मेरे मित्र जो रहते थे उन्होंने एक गर्मियों की बात सुनाई मुझे।
(d) छात्रावास में जो रहते थे मेरे मित्र उन्होंने गर्मियों की एक बात मुझे सुनाई।

41. **क्रम की दृष्टि से कौन-सा वाक्य सही है?**
CRPF (HCM) 24 Feb. 2023
(a) खाई रोटी मैंने। (b) मैंने रोटी खाई।
(c) रोटी मैंने खाई। (d) नाव में नदी है।

42. **इनमें कौन-सा शब्द अशुद्ध नहीं है?**
CRPF (HCM) 24 Feb. 2023
(a) प्रज्वलित (b) उज्वल
(c) प्रज्ज्वलित (d) आजीवीका

43. **पद क्रम के अनुसार कौन-सा वाक्य सही है?**
CRPF (HCM) 24 Feb. 2023
(a) मित्र को चिट्ठी भेजी हमने अपने।
(b) हमने अपने मित्र को चिट्ठी भेजी।
(c) चिट्ठी भेजी मित्र को हमने अपने।
(d) चतुर मोहन जान पड़ता है।

44. **इनमें त्रुटि युक्त वाक्य नहीं है-**
CRPF (HCM) 24 Feb. 2023
(a) कोई होगा, तब काम चल जाएगा।
(b) कोई भी होगा, तब काम चल जाएगा।
(c) युद्ध द्वारा देश पर संकट छाता है।
(d) सुरेश से यह कार्य संपन्न हुआ।

45. **निम्नलिखित वाक्य मे रिक्त स्थान की पूर्ति, शुद्ध शब्द द्वारा कीजिए:**
'मीराबाई एक महान'............थी।
CRPF (HCM) 11 Mar. 2023
(a) कविवित्री (b) काव्यत्री
(c) कवियत्री (d) कवयित्री

46. **तुम तुम्हारे घर चले जाओ। वाक्य के किस अंश में त्रुटि है?**
CRPF (HCM) 24 Feb. 2023
(a) तुम्हारे (b) घर
(c) चले जाओ (d) तुम

47. **वर्तनी की दृष्टि से दिए गए वाक्य का कौन-सा शब्द अशुद्ध है।**
मध्ययुग में काबुल भारतीय साम्राज्य के आधीन था।
CRPF (HCM) 24 Feb. 2023
(a) भारतीय (b) साम्राज्य
(c) आधीन (d) मध्ययुग

48. **वाक्य विन्यास की दृष्टि से शुद्ध वाक्य का चयन कीजिए।**
CRPF (HCM) 24 Feb. 2023

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

(a) बड़ा काम नहीं छोड़ा जाता थोड़ी सी कठिनाई के कारण कोई।
(b) कारण थोड़ी सी कठिनाई के बड़ा काम नहीं छोड़ा जाता कोई।
(c) थोड़ी सी कठिनाई के कारण कोई बड़ा काम नहीं छोड़ा जाता।
(d) कोई बड़ा काम नहीं छोड़ा जाता थोड़ी सी कठिनाई के कारण।

49. वाक्य विन्यास की दृष्टि से शुद्ध वाक्य का चयन कीजिए। CRPF (HCM) 24 Feb. 2023
(a) उसका बुरा होता है अपना जो दूसरों का बुरा चाहता है।
(b) जो दूसरों का बुरा चाहता है उसका अपना बुरा होता है।
(c) जो दूसरों का बुरा चाहता है बुरा होता है उसका अपना।
(d) बुरा होता है उसका अपना जो दूसरों का बुरा चाहता है।

50. वाक्य विन्यास की दृष्टि से शुद्ध वाक्य का चयन कीजिए। CRPF (HCM) 24 Feb. 2023
(a) अभ्यर्थी की योग्यता के अनुसार वेतन किया जाएगा निश्चित।
(b) अभ्यर्थी की योग्यता के अनुसार वेतन निश्चित किया जाएगा।
(c) निश्चित किया जाएगा वेतन अभ्यर्थी की योग्यता के अनुसार।
(d) निश्चित वेतन किया जाएगा अभ्यर्थी की योग्यता के अनुसार।

51. वाक्य विन्यास की दृष्टि से शुद्ध वाक्य का चयन कीजिए। CRPF (HCM) 24 Feb. 2023
(a) परिश्रम करना चाहिए था उसे अपनी पूरी करने के लिए कमी।
(b) उसे अपनी कमी पूरी करने के लिए चाहिए था परिश्रम करना।
(c) उसे अपनी कमी पूरी करने के लिए परिश्रम करना चाहिए था।
(d) परिश्रम करना था चाहिए उसे कमी पूरी करने के लिए अपनी।

52. वर्तनी की दृष्टि से दिए गए वाक्य का कौन-सा शब्द अशुद्ध है।
पण्डितजी ने हवन के लिए आवश्यक सामिग्री मँगवाई है। CRPF (HCM) 24 Feb. 2023
(a) सामिग्री (b) आवश्यक
(c) पण्डितजी (d) मँगवाई

53. पदक्रम की दृष्टि से कौन-सा वाक्य सही है? CRPF (HCM) 26 Feb. 2023
(a) अँधेरी रात में चमकती है बिजली।
(b) बिजली रात में अँधेरी चमकती है।
(c) अँधेरी रात में बिजली चमकती है।
(d) बिजली चमकती है अँधेरी रात में।

54. 'लगता है कि वह मुझसे रुठ गया है।' वाक्य के किस अंश में वर्तनी अशुद्धि है? CRPF (HCM) 26 Feb. 2023
(a) लगता है (b) कि वह
(c) गया है। (d) मुझसे रुठ

55. पदक्रम की दृष्टि से कौन-सा वाक्य सही है? CRPF (HCM) 26 Feb. 2023
(a) हे भाई, देश की रक्षा करो।
(b) देश की रक्षा करो, हे भाई।
(c) रक्षा करो देश की, हे भाई।
(d) हे भाई, रक्षा करो देश की।

56. 'एक धनाड्य सेठ के यहाँ छापा मारा गया।' वाक्य के किस अंश में वर्तनी अशुद्धि है? CRPF (HCM) 26 Feb. 2023
(a) एक धनाड्य (b) यहाँ छापा
(c) सेठ के (d) मारा गया।

57. 'तुलसीदास यावत्जीवन बनारस में ही रहे।' वाक्य के किस अंश में वर्तनी अशुद्धि है? CRPF (HCM) 26 Feb. 2023
(a) यावत्जीवन (b) बनारस में
(c) तुलसीदास (d) ही रहे।

58. वर्तनी की दृष्टि से दिए गए वाक्य का कौन-सा शब्द अशुद्ध है।
थियेटर में अभीनेता का अभिनय अत्युत्तम था। CRPF (HCM) 26 Feb. 2023
(a) अभीनेता (b) थियेटर
(c) अत्युत्तम (d) अभिनय

59. वाक्य विन्यास की दृष्टि से शुद्ध वाक्य का चयन कीजिए। CRPF (HCM) 26 Feb. 2023
(a) लेखक और प्रकाशक में हुआ करार कि उन्हें इतनी रॉयल्टी मिलेगी।
(b) कि उन्हें इतनी रॉयल्टी मिलेगी लेखक और प्रकाशक में हुआ करार।
(c) करार हुआ कि उन्हें इतनी रॉयल्टी मिलेगी लेखक और प्रकाशक में।
(d) लेखक और प्रकाशक में क़रार हुआ कि उन्हें इतनी रॉयल्टी मिलेगी।

60. वर्तनी की दृष्टि से दिए गए वाक्य का कौन-सा शब्द अशुद्ध है
अस्वस्थ बच्चे को सदैव पौष्टिक अहार देना चाहिए CRPF (HCM) 26 Feb. 2023

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

(a) अहार (b) अस्वस्थ
(c) पौष्टिक (d) सदैव

61. वाक्य विन्यास की दृष्टि से शुद्ध वाक्य का चयन कीजिए। CRPF (HCM) 26 Feb. 2023
(a) निंदा करने से उसका कुछ नहीं बिगड़ता अच्छे आदमी की।
(b) निंदा करने से अच्छे आदमी की कुछ नहीं बिगड़ता उसका।
(c) अच्छे आदमी की निंदा करने से उसका कुछ नहीं बिगड़ता ।
(d) कुछ नहीं बिगड़ता उसका निंदा करने से अच्छे आदमी की।

62. 'ये..........बातें हैं, नेता लोग ही समझेंगे।' शुद्ध वर्तनी वाले शब्द से वाक्य में रिक्त स्थान की पूर्ति करें– CRPF (HCM) 26 Feb. 2023
(a) राजनीतीक (b) राजनैतिक
(c) राजनीतिक (d) राजनयिक

63. निम्नलिखित वाक्य के किस शब्द की वर्तनी में सन्धि-सम्बन्धी अशुद्धि है?
'इस गाँव के आखिरी छोर पर अत्यंत विशाल सरवर है।' CRPF (HCM) 26 Feb. 2023
(a) आखिरी छोर पर (b) अत्यंत विशाल
(c) इस गाँव के (d) सरवर है

64. कौन-सा वाक्य वर्तनी की दृष्टि में सही है? CRPF (HCM) 27 Feb. 2023
(a) वह मिथीला की रहने वाली है।
(b) आप यस्वसी बनिए।
(c) नारी का भूषण लज्या है।
(d) अचानक बच्ची मूर्च्छित अवस्था में आ गई।

65. वाक्य विन्यास की दृष्टि से शुद्ध वाक्य पहचानिए। CRPF (HCM) 27 Feb. 2023
(a) दोस्ती के लिए कोई अपना ईमान नहीं बेचता ।
(b) इन पाँच लड़कों में से कोई खाना बनाना जानते हैं।
(c) उन महिलाओं में कोई गाना-बजाना नहीं जानतीं।
(d) वहाँ कुछ न कुछ होंगे।

66. दिए गए वाक्य का कौन-सा शब्द वर्तनी की दृष्टि से अशुद्ध है?
इस विश्व प्रसिद्ध इमारत का एतिहासिक महत्त्व है। CRPF (HCM) 27 Feb. 2023
(a) इमारत (b) महत्त्व
(c) प्रसिद्ध (d) एतिहासिक

67. वर्तनी की दृष्टि से दिए गए वाक्य का कौन-सा शब्द अशुद्ध है।
रविवार को विद्यालय में अंत्यक्षरी प्रतियोगिता होगी। CRPF (HCM) 27 Feb. 2023
(a) अंत्यक्षरी (b) रविवार
(c) प्रतियोगिता (d) विद्यालय

68. पदक्रम की दृष्टि से कौन-सा वाक्य शुद्ध है? CRPF (HCM) 28 Feb. 2023
(a) केवल चार रुपये मात्र दीजिए।
(b) फूलों की एक माला चाहिए।
(c) ठण्डा घड़े का पानी पिलाइए।
(d) यह संभव हो सकता है।

69. निम्न विकल्पों में अशुद्ध वाक्य पहचानिए। CRPF (HCM) 28 Feb. 2023
(a) हिमालय पर बर्फ जमी रहती है।
(b) उन्होंने अपनी कविता पढ़कर सुनाई।
(c) वहाँ घमासान लड़ाई हो रही है।
(d) निरपराधी को दंड देना उचित नहीं।

70. निम्न वाक्य में रेखांकित पद की वर्तनी शुद्ध कीजिए।
'वह बहुत इर्षालू औरत है।' CRPF (HCM) 28 Feb. 2023
(a) वह बहुत ईर्ष्यालु औरत है।
(b) वह बहुत ईर्ष्याली औरत है।
(c) वह बहुत ईर्षालु औरत है।
(d) वह बहुत ईर्ष्यालू औरत है।

उत्तरमाला

1.	(a)	2.	(d)	3.	(c)	4.	(a)	5.	(a)	6.	(a)	7.	(b)	8.	(d)	9.	(c)	10.	(d)
11.	(b)	12.	(a)	13.	(b)	14.	(d)	15.	(c)	16.	(b)	17.	(a)	18.	(c)	19.	(a)	20.	(a)
21.	(d)	22.	(b)	23.	(b)	24.	(c)	25.	(c)	26.	(d)	27.	(b)	28.	(a)	29.	(d)	30.	(a)
31.	(c)	32.	(a)	33.	(b)	34.	(b)	35.	(b)	36.	(b)	37.	(a)	38.	(a)	39.	(c)	40.	(b)
41.	(b)	42.	(a)	43.	(b)	44.	(a)	45.	(d)	46.	(a)	47.	(c)	48.	(c)	49.	(b)	50.	(b)
51.	(c)	52.	(a)	53.	(c)	54.	(d)	55.	(a)	56.	(a)	57.	(a)	58.	(a)	59.	(d)	60.	(a)
61.	(c)	62.	(c)	63.	(d)	64.	(d)	65.	(a)	66.	(d)	67.	(a)	68.	(b)	69.	(d)	70.	(a)

Search on TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

10
अध्याय

उपसर्ग-प्रत्यय

उपसर्ग

परिभाषा

ऐसे शब्दांश जो किसी पूर्ण शब्द के आदि या शुरुआत में जुड़कर मूल शब्द के अर्थ में परिवर्तन या बदलाव तथा उस मूल शब्द में एक विशेषता ला दें, 'उपसर्ग' कहलाते हैं।

आइए परिभाषा को और आसान बनाते हुए समझते हैं-

कोई शब्द जिसका पहले से कोई मूल अर्थ हो, उससे पहले जब कोई शब्दांश जुड़ें जिससे उसके मूल अर्थ में बदलाव हो तथा मूल शब्द में विशेषताएँ आये वह शब्दांश 'उपसर्ग' होता है।

जैसे- जन्म, आगमन आदि से पहले 'पुनर्' शब्दांश जोड़ दिया जाए तो-

पुनर् + जन्म = पुनर्जन्म
पुनर् + आगमन = पुनरागमन

उपर्युक्त उदाहरण में 'जन्म' का अर्थ है- पैदा होना या उत्पन्न होना वही आगमन का अर्थ है- आना, परन्तु पुनर् शब्दांश के जुड़ने से इनके अर्थ में परिवर्तन एवं विशेषता क्रमशः 'फिर से पैदा या उत्पन्न होना' तथा 'फिर से आना' हो जाता है।

उपसर्ग का परिचय

उपसर्ग = उप (समीप) + सर्ग (सृष्टि करना)→समीप जुड़कर नई रचना करना।

उपसर्ग की उत्पत्ति या उपलब्धि में हिन्दी का कोई विशेष योगदान या सहयोग नहीं रहा है साथ ही साथ अन्य भाषाओं (अंग्रेजी, फारसी, उर्दू या विदेशी भाषा) का भी कोई योगदान नहीं रहा। उपसर्ग की उत्पत्ति या इसकी व्यापकता संस्कृत भाषा की विशेष उपलब्धि है। संस्कृत भाषा के उपसर्ग के विकृत रूप का प्रयोग हिन्दी में होता है हालांकि उपसर्ग में हिन्दी का विशेष योगदान नहीं है परन्तु 'उपसर्ग' का क्रियान्वयन हिन्दी में व्यापकता से हुआ।

उपसर्ग के लक्षण

1. उपसर्ग पूर्ण (स्वतंत्र) शब्द न होकर शब्दांश होता है।
2. उपसर्ग का प्रयोग शब्द के प्रारम्भ में होता है।
3. उपसर्ग शब्द के अर्थ में विशिष्टता ला देता है।
4. उपसर्ग का प्रयोग वाक्य में स्वतंत्र रूप से नहीं होता।

संस्कृत उपसर्ग

उपसर्ग	अर्थ	निर्मित शब्द
अप	बुरा, हीन, विरुद्ध अभाव, विपरीत	अपकीर्ति, अपभ्रंश, अपमान, अपव्यय, अपहरण, अपशब्द, अपशकुन
अति	अधिक, सीमा से परे	अत्यन्त, अतिक्रमण, अतिकाल, अत्यधिक, अतिरिक्त, अतिशय, अत्युत्कट (अति+उत्कट), अत्याचार
अधि	ऊपर, स्थान में श्रेष्ठ, अधिक	अध्यात्म, अध्यक्ष, अधिकरण, अधिकार, अधिपाठक, अधिष्ठाता, अधिशाषी, अधिभार
अनु	पीछे, समान	अनुक्रम, अनुचर, अनुज, अनुरूप, अनुस्वार
अभि	ओर, पास, सामने	अभिमुख, अभिलाष, अभिसार, अभ्यास, अभ्युदय, अभिमान
अव	नीचे, हीन, अभाव, पतन	अवगत, अवगाह, अवनत, अवसान, अवस्था
आ	तक, ओर, सब तरफ से	आकर्षण, आकार, आचरण, आजीवन, आरम्भ
अलम्	यथेष्ट, पर्याप्त	अलंकार, अलंकृत
आविर्/ आविस्	प्रकट, बाहिर	आविर्भाव, आविष्करण, आविष्कार, आविष्कृत
इति	ऐसा, यह अन्त या समाप्ति	इतिश्री (अंत), इतिवृत्त, इतिहास, इतिकर्तव्य
उत्, उद्	ऊपर, ऊँचा, श्रेष्ठ	उत्कर्ष, उत्तम, उन्नति, उत्पन्न, उल्लेख
उप	निकट, गौण, छोटा	उपकार, उपदेश, उपभेद, उपयोग, उपवेद, उपनिवेश, उपासना
तिरस्/तिर	हीन, तुच्छ	तिरस्कार, तिरोहित (छिपा हुआ), तिरोभाव (अंतर्धान)।
दुर्, दुस्	बुरा, दुष्ट, कठिन	दुराचार, दुष्कर्म, दुर्गम, दुर्दशा, दुर्लभ, दुर्जन
परि	आस-पास, चारों ओर, पूर्ण, अतिशय	परिभ्रमण, परिक्रमा, परिणाम, परिधि, परिशीलन
प्र	अधिक, आगे, ऊपर	प्रकाश, प्रख्यात, प्रचार, प्रबल, प्रस्थान
प्राक्	पहले का	प्राक्कथन, प्राक्कर्म, प्राक्तन, प्रागैतिहासिक
प्रादुर्	प्रकट, बाहिर	प्रादुर्भाव, प्रादुर्भूत

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

निर्, निस्, नि	बाहर, निषेध, भीतर, नीचे	निर्दोष, निर्भय, निरोग, निकृष्ट, निदर्शन, निपात, निबन्ध, निरूपण, निषेध, निराकरण, निर्वाह
सु	अधिक, अधिक अच्छा	सुकर्म, सुकृत, सुगम, सुलभ, स्वागत (सु+आगत), सुसंगठित

हिन्दी उपसर्ग

उपसर्ग	अर्थ	निर्मित शब्द
अन	अभाव, अनजान, निषेध	अनगढ़, अनमोल, अनपढ़, अनहित, अनिच्छा, अनसुनी,
अ	अभाव, निषेध	अचेतन, अजान, अथाह, अकर्म, अकथ, अकंटक
अध	आधा	अधखिला, अधजला, अधकच्चा, अधपका, अधसेरा, अधमरा, अधकचरा, अधकहा।
उ	अलग, बाहर	उजड़ना, उजड्ड, उचक्का
उन	एक कम	उनचास, उनसठ, उनहत्तर, उनतालीस, उनासी, उन्नीस, उनतीस।
औ (अव)	हीन, निषेध	औसर, औढर, औगुन, औघट, औघड़
कु (क)	खराब, हीन, बुरा	कुयोग, कुसमय, कुरूप, कुपात्र, कुपूत, कुसंगति
दु	बुरा, हीन	दुकाल, दुबला
नि	निषेध, अभाव, रहित, नहीं	निहंग, निहत्था, निकम्मा, निखरा, निडर, निधड़क
बिन	अभाव, रहित	बिनदेखा, बिनब्याहा, बिनजाने, बिनबोया, बिनखाया
भर	पूरा, ठीक	भर-पेट, भर-दौड़, भरपूर, भरसक, भरकम, भरमार, भरपाई
स	साथ, सहित	सरस, सगोत्र, सहित, सजग, सजीव सफल
सु	सुन्दर, अच्छा	सुचेत, सुलोचना, सुडौल, सुघड़, सुशील, सुयोग, सुजन, सुबुद्धि

उर्दू उपसर्ग (उर्दू-फारसी)

उपसर्ग	अर्थ	उपसर्ग से बने शब्द
चौ	चार	चौफटका, चौमासा, चौराहा, चौपाई
पर	अगली या दूसरी पीढ़ी/वंश	परदादा, परपोता, परनाना, परदादी
अल	निश्चित	अलगरज, अलबत्ता
ऐन	ठीक पूरा	ऐनजबानी, ऐनवक्त
कम	थोड़ा, हीन	कमअक्ल, कमसमझ, कमउम्र, कमजोर, कमबढ़त, कमबख्त, कमसिन, कमजात, कमदिमाग
खुश	अच्छा	खुशमिजाज, खुशखबरी, खुशबू, खुशदिल, खुश किस्मत, खुशहाल
गैर	भिन्न, विरुद्ध, अभाव, नहीं	गैरहाजिर, गैरमिजाज, गैरमुमकिन, गैरमुल्क, गैरवाजिब, गैर-सरकारी, गैरकानूनी, गैरजरूरी
दर	में	दरखास्त, दरहकीकत, दरअसल, दरकार, दरवेश, दरबार, दरमियान
ना	अभाव, नहीं	नापसन्द, नाराज, नालायक, नाउम्मीद, नादान, नामुमकिन, नासमझ, नाबालिग
फिल	में	फिलहाल
फी	प्रत्येक	फी सैकड़ा, फी आदमी
ब	ओर में, अनुसार	बदस्तूर, बदौलत, बनाम, बगैर, बकौल
बद	बुरा	बदमाश, बदतमीज, बदहवास, बदकार, बदकिस्मत, बदनाम, बदबू, बदहजमी, बदचलन, बदनियत
बर	ऊपर, पर	बरतरफ, बरखास्त, बरदाश्त
बा	साथ, अनुसार	बाकायदा, बामुलाइजा, बाकलम, बाइंसाफ
हर	प्रत्येक	हरतरफ, हरमौसम, हरचीज, हरसाल, हर आदमी, हररोज, हरमाह, हरएक, हरतरह

अंग्रेजी-उपसर्ग

उपसर्ग	अर्थ	उपसर्ग से बने शब्द
डिप्टी	उप, सहायक, नायब	डिप्टी कमीशनर, डिप्टी कलेक्टर, डिप्टी सी.एम.
सब	अधीन, भीतरी, छोटा	सब-रजिस्टार, सब-इंस्पेक्टर, सब-कमेटी, सब-ऑफिस
चीफ	प्रमुख, परम, मुख्य	चीफ इंजीनियर, चीफ वार्डन, चीफ मिनिस्टर, चीफ गेस्ट
हॉफ	आधा	हॉफ-कमीज, हॉफ मैड, हॉफ पैंट, हॉफ मर्डर
असिस्टेंट	सहायक	असिस्टेंट टीचर, असिस्टेंट प्रोफेसर, असिस्टेंट मैनेजर, असिस्टेंट क्लर्क
हेड	मुखिया, प्रमुख	हेड कान्स्टेबल, हेडमास्टर, हेडऑफिस, हेड पोस्ट ऑफिस

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

वाइस	उपाध्यक्ष, की जगह	वाइस चांसलर, वाइस कैप्टन, वाइस प्रिंसिपल, वाइस प्रेसीडेंट
जनरल	प्रमुख, सेनापति असीम	जनरल ऑफ इण्डियन आर्मी, जनरल सेक्रेटरी, जनरल मैनेजर, जनरल-मरचेंट

प्रत्यय

परिभाषा

शब्दों के बाद लगने वाले वे शब्दांश, अक्षर या अक्षर समूह, जो शब्दों के मूल में जुड़कर यौगिक या नए शब्दों की रचना करते हैं 'प्रत्यय' कहलाते हैं।

अर्थात् किसी मूलशब्द जैसे - 'मधुर' के बाद यदि ता, आई आदि शब्दांश को जोड़ दिया जाए जो मूलशब्द 'मधुर' में क्रमशः मधुरता, मधुराई इस तरह के परिवर्तन देखने को मिलते हैं। बाद में प्रयुक्त इन्हीं अविकारी शब्दांश या शब्द समूह को ही प्रत्यय कहते हैं।

प्रत्यय के लक्षण

1. प्रत्यय पूर्ण शब्द न होकर शब्दांश होते हैं।
2. प्रत्ययों का प्रयोग स्वतंत्र रूप से वाक्य में नहीं होता।
3. प्रत्यय या तो शब्द (संज्ञा, विशेषण आदि) में जुड़ते हैं या धातु (क्रिया) में।
4. प्रत्यय शब्द के बाद (पीछे) जुड़ते हैं।
5. शब्द में जुड़कर प्रत्यय नवीन शब्दों का निर्माण करते हैं जिसका अर्थ भी विशिष्ट या पूर्णतः भिन्न होता है।

प्रत्यय के प्रकार

प्रत्यय मूलतः दो प्रकार के होते हैं-

1. **कृत् या कृदंत प्रत्यय**
2. **तद्धित प्रत्यय**

कृत् प्रत्यय

(क) कर्तृवाचक कृदन्त (ख) भाववाचक कृदन्त
(ग) कर्मवाचक कृदन्त (घ) करणवाचक कृदन्त
(ङ) क्रियाद्योतक कृदन्त (च) गुणवाचक कृदन्त

तद्धित प्रत्यय

(क) भाववाचक तद्धित (ख) ऊनवाचक तद्धित
(ग) कर्तृवाचक तद्धित (घ) गुणवाचक तद्धित
(ङ) स्थानवाचक तद्धित (च) स्त्रीवाचक तद्धित
(छ) संबंधवाचक तद्धित (ज) अपत्यवाचक तद्धित

(1) कृदंत प्रत्यय

क्रियापद या धातु के अन्त में जुड़ने या प्रयुक्त होने वाले प्रत्यय को 'कृत प्रत्यय' तथा इनके संयोग या योग अथवा मेल से बनने वाले शब्द को 'कृदंत शब्द' कहते हैं।

अर्थात् क्रिया और धातु से जुड़कर ये प्रत्यय इनको नवीन रूप प्रदान करते हैं तथा संज्ञा और विशेषण के निर्माण में भी प्रत्यय सहायक होते हैं। कृत् प्रत्यय की भूमिका बहुत महत्त्वपूर्ण है। कृदंत प्रत्यय से निर्मित शब्द संज्ञा और विशेषण दोनों ही हो सकते हैं।

(क)	क्रिया	कृत-प्रत्यय	शब्द
	गाना	वाला	गानेवाला
	होना	हार	होनहार
	रखना, खेना	ऐया, वैया	रखैया, खेवैया
	छलना, जड़ना	इया	छलिया, जड़िया
(ख)	**धातु**	**कृत-प्रत्यय**	**शब्द**
	कृ	अक	कारक
	नी	अन	नयन
	शक्	ति	शक्ति

कृदंत के प्रकार

कृदंत के प्रकार को लेकर भी काफी मतभेद हैं, परन्तु हम लो... छः प्रकार के भेदों का अध्ययन करेंगे, जो परीक्षा की दृष्टि ... अत्यन्त महत्त्वपूर्ण हैं-

(क) कर्तृवाचक कृदंत

- अक्कड़- पियक्कड़, भुलक्कड़, कुदक्कड़, घुमक्कड़।
- अंकू- उड़ंकू, भिड़ंकू, लड़ंकू।
- आ- चढ़ा, रखा, कटा, भूँजा, फोड़ा, चूरा, झोंका, खटका, डेरा, ठेला, धड़का।
- अक- चालक, लेखक, पालक, पूजक, वाचक, साधक, पाठक, दीपक, मादक, गायक, उद्धारक, हानिकारक।
- आक- पैराक, तैराक, उड़ाक।
- आकू- लड़ाकू, उड़ाकू, पढ़ाकू।
- ओड़/ओड़ा- हँसोड़, हँसोड़ा, भगोड़ा।

(ख) भाववाचक कृदंत

- आन- उठान, पिसान, मिलान, लगान, मकान, खदान।
- आप- मिलाप, कलाप, अलाप, प्रलाप, विलाप।
- आव- उतराव, घुमाव, चलाव, चुनाव, बनाव, पड़ाव, चढ़ाव, दुराव, बचाव, खिंचाव, बहाव।
- आ- घाटा, घेरा, छापा, बोझा।
- आई- गढ़ाई, चराई, रुलाई, लिखाई, लड़ाई, चढ़ाई, पिटाई, खिंचाई।
- आस- निकास, हुलास, विकास, गिलास, विलास, प्यास।
- इया- बढ़िया, घटिया, मइया, भइया, गवइया।
- ई- खेती, गुणी, पहाड़ी, धनी, लोभी।

(ग) कर्मवाचक कृदंत

- आना- मिटाना, चलाना, पढ़ाना, बढाना।
- आवत- कहावत, बुलावत, निभावत।
- औना- बिछौना, खिलौना।
- औनी- मिचौनी, बिछौनी।
- ना- खाना, गाना, बोलना, रोना, पीना, लेना, देना, आना, टहलना, नहाना, सोना, लिखना, पढ़ना।
- नी- चटनी, सुँघनी, कहानी, ओढ़नी, छलनी, जननी, भरनी, करनी, मरनी।

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

(घ) करणवाचक कृदंत
- आ- झूला, मेला, फाँसा, पोता, घेरा।
- ई- रेती, फाँसी, खाँसी, चिमटी।
- ऊ- झाड़ू, चाकू।
- न- ढक्कन, बेलन, जामन।
- ना- बेलना, ढकना, ओढ़ना, घोटना।

(ङ) क्रियाद्योतक कृदंत
- ना- झरना, रमना, पालना, निभाना, बुलाना।
- औना- खिलौना, बिछौना, उढ़ौना।
- औनी- पहरौनी, ठहरौनी, मिचौनी।
- आवनी- छावनी, उठावनी।
- का- छिलका।
- की- फिरकी, झिड़की, डुबकी।

(च) गुणवाचक कृदंत
- आवना- सुहावना, लुभावना।
- ना- उड़ाना, हँसना, सुहाना, रोना, लदना।
- नी- कहनी, सुनी, ठगनी, नटनी, बेलनी।
- वाँ- ढलवाँ, कटवाँ, पिटवाँ, चुनवाँ, कतरवाँ, दसवाँ, नौवाँ, सौवाँ, पाँचवाँ।

(2) तद्धित प्रत्यय

संज्ञा, सर्वनाम और विशेषण के पीछे लगने वाले प्रत्यय से निर्मित शब्द अर्थात् धातु को छोड़कर शेष शब्दों के अन्त में प्रयुक्त होने वाले प्रत्यय को 'तद्धित प्रत्यय' कहते हैं।

जैसे-

एक + ता - एकता
मार + ना - मारना
भला + आई - भलाई

तद्धित प्रत्यय के प्रकार

एक अन्य तद्धित प्रत्यय का उल्लेख भी मिलता है, जिसका हम अध्ययन करेंगे, 'सम्बन्धवाचक तद्धित प्रत्यय'।

(क) भाववाचक तद्धित
- आवट- अमावट, महावट।
- आस- मिठास, खटास, निंदास।
- आहट- कड़वाहट, चिकनाहट, गरमाहट।
- आ- जोड़ा, चूरा, सराफा, बजाजा, बोझा।
- आइँद- कपड़ाइँद, सड़ाइँद, घिनाइँद, मधाइँद।
- आई- भलाई, बुराई, ढिठाई, चतुराई, पण्डिताई, मिठाई, ठकुराई।
- आन- ऊँचान, निचान, लम्बान, चौड़ान, बढ़ान।
- आयत- बहुतायत, पंचायत, तिहायत, अपनायत।
- औती- बपौती, बुढ़ौती।
- त- चाहत, रंगत, मिल्लत।
- ती- कमती, बढ़ती, घटती, चढ़ती।

(ख) ऊनतावाचक तद्धित
- इया- खटिया, फुड़िया, डिबिया, गठरिया, बिटिया।
- ई- पहाड़ी, घाटी, ढोलकी, डोरी, टोकरी, रस्सी।
- की- कनकी, टिमकी, छोटकी।
- टा- रोंगटा, कलूटा, चोट्टा।
- टी- चोटी, बहूटी, कलूटी।
- ड़ी- टँगड़ी, पलँगड़ी, पँखड़ी, लंगड़ी।
- ड़ा- चमड़ा, बछड़ा, दुखड़ा, मुखड़ा, टुकड़ा, लँगड़ा।
- री- कोठरी, छतरी, बाँसुरी, मोटरी।

(ग) कर्त्तृवाचक तद्धित
- आर- सुनार, लुहार, महार।
- इया- रसोइया, मुखिया, गड़रिया, आढ़तिया, मखनिया, घटिया, बढ़िया।
- ई- तेली, कुंभकारी।
- एरा- सँपेरा, कँसेरा।
- एड़ी- भँगेड़ी, गँजेड़ी।
- एली- हथेली।
- उआ - मछुआ, टहलुआ।
- हार- पनिहार, मनिहार, चूड़िहार।
- हारा- लकड़हारा, पनिहारा, घसिहारा।

(घ) गुणवाचक तद्धित
- आल- लठियाल, भठियाल।
- आऊ- अगाऊ, धराऊ, बटाऊ, पण्डिताऊ, कमाऊ।
- आ- भूखा, प्यासा, ठंडा, झूठा।
- आर- दुधार, गँवार।
- इक- कार्मिक, धार्मिक, तार्किक, कारुणिक, साम्प्रदायिक, पाश्विक, वार्षिक, दार्शनिक, आध्यात्मिक
- ई- भारी, ऊनी, देशी, धनी, क्रोधी, विदेशी।
- ईला- पथरीला, खर्चीला, गर्वीला, लजीला, चमकीला।
- ऊ - बाजारू, ढालू, पेटू, गरजू।
- उआ- मछुआ, फगुआ, टहलुआ।
- ऐल- खपरैल, दुधैल, दन्तैल, तोन्दैल।
- ऐला- वनैला, घुमैला, मुँछैला, कसैला, खपरैला, गंधैला।
- वन्त- गुणवन्त, धनवन्त, दयावन्त, शीलवन्त।

(ङ) स्थानवाचक तद्धित
- आना- राजपूताना, हिन्दुआना, अड़ियाना, पंडिताना।
- आड़ी- अगाड़ी, पिछाड़ी।
- इया- मथुरिया, कलकतिया, सरवरिया, कनौजिया, बम्बइया।

(च) स्त्रीवाचक तद्धित
- आनी- सेठानी, जेठानी, देवरानी, नौकरानी, मेहतरानी।
- इन- लुहारिन, नागिन, नातिन, पड़ोसिन, वियोगिन, मालकिन।
- नी-भीलनी, जाटनी, मोरनी, सिंहनी, महारानी, सजनी।
- इया- चुहिया, लुटिया, बँदरिया, बुढ़िया, गुड़िया, चिड़िया।

(छ) संबंधवाचक तद्धित

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

- हाल- ननिहाल, ददिहाल।
- दान- कलमदान, रौशनदान।
- आल- ससुराल।
- दार- दुकानदार, ईमानदार, चमकदार।
- एरा- मौसेरा, चचेरा, ममेरा, फुफेरा।

(ज) अपत्यवाचक तद्धित

- एय- गांगेय, कौन्तेय, राधेय, आंजनेय।
- आयन- रामायण, नारायण।
- अ- कौरव, वासुदेव, मानव, लाघव।
- ई- वैदेही, जानकी, गांधारी, वाल्मिकी।

परीक्षोपयोगी प्रश्न

1. "रोहन एक कमज़ोर छात्र है।" इस वाक्य में 'कमजोर' शब्द में किस उपसर्ग का उपयोग हुआ है?
CISF (HCM) 30 Oct. 2023
(a) क (b) का
(c) कम (d) कमज

2. "शैव" शब्द में कौन सा प्रत्यय उपयोग हुआ है?
CISF (HCM) 30 Oct. 2023
(a) व (b) वै
(c) अ (d) वा

3. 'परामर्श' शब्द में कौन-सा उपसर्ग है?
CISF (HCM) 30 Oct. 2023
(a) प (b) रा
(c) पर (d) परा

4. 'दैनिक' शब्द में कौन सा प्रत्यय है?
CISF (HCM) 30 Oct. 2023
(a) निक (b) इक
(c) क (d) एक

5. 'आकाश में बिल्कुल लालिमा छाई है' इस वाक्य में "लालिमा" शब्द में कौन सा प्रत्यय उपयोग हुआ है?
CISF (HCM) 31 Oct. 2023
(a) इमा (b) आ
(c) लिमा (d) मा

6. "इस कमरे की सजावट बहुत सुंदर है।" इस वाक्य के 'सजावट' शब्द में कौन सा प्रत्यय उपयोग हुआ है?
CISF (HCM) 31 Oct. 2023
(a) वाट (b) वट
(c) जावट (d) आवट

7. उचित उपसर्ग युक्त शब्द से वाक्य पूर्ण कीजिए।
उसकी..........से सब दु:खी हैं।
CRPF (HCM) 27 Feb. 2023
(a) अध:पतन (b) अधोमुख
(c) अधोगति (d) अधमरा

8. विकल्पों में से उपयुक्त उपसर्ग युक्त शब्द छाँटकर वाक्य पूर्ण कीजिए।
आजाद भारत माता के सच्चे..........थे।
CRPF (HCM) 11 Mar. 2023
(a) सपूत (b) सहृदय
(c) सुबुद्धि (d) सुचेत

9. 'इन' प्रत्यय युक्त शब्द से वाक्य पूर्ण कीजिए।
.............का सम्मान करना चाहिए।
CRPF (HCM) 11 Mar. 20
(a) चौबाइन (b) मचारिन
(c) बबुआइन (d) ललाइन

10. इनमे से 'लडाई' मे प्रयुक्त प्रत्यय कौन-सा है?
(a) ई (b) अइ
(c) इ (d) आई

11. निम्न में से हिंदी/संस्कृत का उपसर्ग कौन-सा है?
(a) बे (b) बिल
(c) हम (d) परा

12. प्रत्यय का प्रयोग इनमें से कहाँ किया जाता है?
(a) शब्दों के पहले
(b) शब्दों के बाद
(c) शब्दों के बीच में
(d) इनमें से कोई नहीं

13. इनमें से उर्दू का उपसर्ग कौन-सा है?
(a) उप (b) भर
(c) अन (d) अल

14. 'चतुराई' शब्द में कौन-सा प्रत्यय लगा है?
(a) राई (b) यी
(c) ई (d) आई

15. 'अध्ययन' शब्द में कौन-सा उपसर्ग लगा है?
(a) अध्य (b) अध
(c) अधि (d) आधी

16. परिवर्तन, परिवार में उपसर्ग है-
(a) परि (b) प्र
(c) पर् (d) पर

17. अलंकार में किस उपसर्ग का प्रयोग है?
(a) अलन् (b) अल्
(c) अल (d) अलम्

18. 'प्रख्यात' में कौन-सा उपसर्ग है?
(a) प्र (b) प
(c) पर (d) त

19. 'प्रति' उपसर्ग किस भाषा से आया है।
(a) अंग्रेजी (b) हिन्दी
(c) संस्कृत (d) फारसी

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

20. 'ब' उपसर्ग किसमें है?
(a) बदबू (b) बदनाम
(c) बदौलत (d) बदहजमी

21. 'उत्' से निर्मित शब्द है-
(a) अध्ययन (b) अपकार
(c) अवकाश (d) उच्चारण

22. 'लौकिक' शब्द में प्रत्यय है-
(a) लोइक् (b) किक
(c) अक (d) इक

23. निम्नलिखित में से किस शब्द में 'उपसर्ग' है?
(a) लालिमा (b) पराजय
(c) दशक (d) कारीगर

24. 'सावधानी' में कौन-सा प्रत्यय है?
(a) नी (b) धानी
(c) ई (d) आनी

25. 'जिंदगी' में कौन-सा प्रत्यय है?
(a) गी (b) ई
(c) दगी (d) यी

26. 'आंशिक' शब्द में प्रत्यय क्या है?
(a) अ (b) क
(c) इक (d) शिक

27. 'कहावत' शब्द में प्रयुक्त प्रत्यय है-
(a) हावत (b) वत
(c) कह (d) आवत

28. 'बहिर्मुखी' शब्द में कौन-सा उपसर्ग है?
(a) बहि (b) बहिर्
(c) बहिर (d) बहिस

29. 'अत्याचार' शब्द में उपसर्ग है-
(a) आ (b) अत्
(c) अति (d) अत्या

30. 'दुरात्मा' में कौन-सा उपसर्ग है?
(a) दुर (b) दुरा
(c) दुर् (d) दुस

31. 'धार्मिक' में प्रत्यय है-
(a) क (b) इक
(c) मिक (d) धर्म

32. 'प्रत्याशा' शब्द में उपसर्ग है-
(a) अ (b) प्र
(c) प्रति (d) प्रत्या

33. प्रत्यय होता है-
(a) शब्दांश (c) पदांश
(b) वाक्यांश (d) पद्यांश

34. 'लेखक' शब्द के अन्त में कौन-सा प्रत्यय लगा हुआ है?
(a) क (b) इक
(c) आक (d) अक

35. 'दुस्साहस' शब्द का उपसर्ग चुनिए-
(a) दुस् (b) दुर
(c) दु (d) स

36. 'सजावट' शब्द का प्रत्यय बताइए-
(a) आव (b) आवट
(c) आहट (d) टा

37. धातु में प्रत्यय जोड़ने से बने शब्द कहलाते हैं-
(a) विशेषण (b) कृदन्त
(c) क्रिया (d) तद्धित

38. निम्नांकित में किस शब्द का निर्माण उपसर्ग से नहीं हुआ है?
(a) भूखा (b) उन्नति
(c) सज्जन (d) प्रहार

39. निम्नलिखित में से किस शब्द में 'अप' उपसर्ग नहीं है?
(a) अपरोक्ष (b) अपहरण
(c) अपवाद (d) अपमान

40. 'इक' प्रत्यय लगाने पर "सप्ताह" का रूप क्या होगा?
(a) सप्ताहिक (b) साप्ताहिक
(c) साप्ताहीक (d) सप्तहिक

41. उपसर्ग का प्रयोग होता है-
(a) शब्द के आदि में (b) शब्द के मध्य में
(c) शब्द के अन्त में (d) इनमें से कोई नहीं

42. "अभ्यागत" शब्द में उपसर्ग है-
(a) अभि (b) अ
(c) अभ्य (d) अभ

43. 'अत्युक्ति' में उपसर्ग है-
(a) अधि (b) दुर
(c) अति (d) ऊन

44. 'समादर' व 'संरक्षण' में उपसर्ग है-
(a) सम् (b) प्रति
(c) वि (d) उ

45. 'पाण्डव' शब्द में कैसा प्रत्यय है-
(a) कृदन्त (b) तद्धित
(c) स्त्री (d) प्रत्यय नहीं है

उत्तरमाला

1.	(c)	2.	(c)	3.	(d)	4.	(b)	5.	(a)	6.	(d)	7.	(c)	8.	(a)	9.	(b)	10.	(d)
11.	(d)	12.	(b)	13.	(d)	14.	(d)	15.	(c)	16.	(a)	17.	(d)	18.	(a)	19.	(c)	20.	(c)
21.	(d)	22.	(d)	23.	(b)	24.	(c)	25.	(a)	26.	(c)	27.	(d)	28.	(b)	29.	(c)	30.	(c)
31.	(b)	32.	(c)	33.	(a)	34.	(d)	35.	(a)	36.	(b)	37.	(b)	38.	(a)	39.	(a)	40.	(b)
41.	(a)	42.	(a)	43.	(c)	44.	(a)	45.	(b)										

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

संधि

दो वर्णों के परस्पर योग या मेल से जिस विकार का जन्म हो, उस विकार को 'संधि' कहते हैं अर्थात् जब दो वर्ण परस्पर मिलकर कोई विकार या नए अर्थ की रचना करें उसे 'संधि' कहा जाता है।

ठीक इसी प्रकार वर्ण या अक्षर के मिलावट को समझकर वर्ण को पृथक करते हुए पदों को पृथक करने की प्रक्रिया 'संधि-विच्छेद' कहलाती है, अर्थात् संधि से निर्मित शब्दों को उनके पहले के रूप में तोड़ना 'संधि-विच्छेद' होता है।

संधि में पहले शब्द का अंतिम अक्षर तथा दूसरे शब्द के प्रथम अक्षर का मेल होता है।

जैसे-

सम् + हार = संहार
तत् + हित = तद्धित } इसे संधि कहते हैं।

पच्छेद = पद् + छेद
तल्लीन = तत् + लीन } शब्दों को उनके पूर्व रूप में तोड़ा गया है अर्थात् 'संधि-विच्छेद' हुआ।

शब्द निर्माण में उपसर्ग, समास तथा प्रत्यय की भाँति संधि का भी महत्त्वपूर्ण योगदान होता है। हालांकि संधि द्वारा संयुक्त शब्द लिखने की परम्परा में हिन्दी का नहीं वरन् संस्कृत का चलन है। चूँकि संस्कृत के बहुत से पद व तत्सम् हिन्दी में सम्मिलित हो गए, अत: संस्कृत के संधि संबंधी नियमों को हिन्दी व्याकरण में ग्रहण किया गया।

संधि के प्रकार

वर्णों के आधार पर संधि के तीन भेद होते हैं-

1. स्वर संधि
2. व्यंजन संधि
3. विसर्ग संधि

1. स्वर संधि

जैसा कि नाम से ही स्पष्ट है – "जब दो स्वरों के परस्पर योग या मेल से जो विकार या शब्द के रूप में बदलाव आए, उसे 'स्वर संधि' कहते हैं।"

जैसे- **भोजन + आलय = भोजनालय**

(यहाँ स्वर अ + आ का मेल हुआ; अत: स्वर संधि है।)

स्वर संधि के पाँच प्रकार हैं-

(क) दीर्घ स्वर संधि (ख) गुण स्वर संधि (ग) वृद्धि स्वर संधि (घ) यण स्वर संधि (ङ) अयादि स्वर संधि

स्वर संधि

- दीर्घ स्वर संधि
- गुण स्वर संधि
- वृद्धि स्वर संधि
- यण स्वर संधि
- अयादि स्वर संधि

(क) दीर्घ स्वर संधि

दो समान वर्ण (स्वर) के योग या मेल से दीर्घ स्वर संधि बन जाती है अर्थात् पहले शब्द के अन्तिम वर्ण में यदि ह्रस्व या दीर्घ स्वर आए तथा दूसरे शब्द के पहले वर्ण में यदि समान वर्ण हो, तो दोनों के मेल से दीर्घ बन जाता है, इसे 'दीर्घ स्वर संधि' कहते हैं।

नियम- अगर प्रथम शब्द का अन्तिम वर्ण अ, आ, इ, ई, उ, ऊ तथा ऋ हो और दूसरे शब्द के प्रथम वर्ण में यदि समान वर्ण (अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ) आये तो दीर्घ (आ, ई, ऊ, ॠ) हो जाता है।

जैसे-

अ + अ = आ, अ + आ = आ, आ + अ = आ,
आ + आ = आ,
इ + इ = ई, इ + ई = ई, ई + इ = ई, ई + ई = ई,
उ + उ = ऊ, उ + ऊ = ऊ, ऊ + उ = ऊ, ऊ + ऊ = ऊ,
ऋ + ऋ = ॠ

उदाहरण-

अन्न + अभाव = अन्नाभाव [अ + अ = आ]
गिरि + ईश = गिरीश [इ + ई = ई]
पितृ + ऋण = पितृण [ऋ + ऋ = ॠ]

(ख) गुण स्वर संधि

यदि पहले शब्द के अन्तिम वर्ण में 'अ' या 'आ' हो तथा दूसरे शब्द के प्रथम वर्ण में इ, ई, उ, ऊ हो, तो इनके मेल से उत्पन्न विकार को 'गुण स्वर संधि' कहते हैं।

नियम- यदि 'अ' या 'आ' के बाद 'इ' या 'ई' आए तो मेल के पश्चात् 'ए' हो जाएगा। इसी प्रकार 'अ' या 'आ' के बाद 'उ' या 'ऊ' का **'ओ'** तथा 'अ' या 'आ' के बाद 'ऋ' आए तो **'अर्'** हो जाता है।

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

जैसे-

अ + इ = ए, अ + ई = ए, आ + इ = ए, आ + ई = ए, अ + उ = ओ, अ + ऊ = ओ, आ + उ = ओ, आ + ऊ = ओ,

अ + ऋ = अर्, आ + ऋ = अर्

उदाहरण- देव + ईश = देवेश [अ + ई = ए]

महा + उत्सव = महोत्सव [आ + उ = ओ]

महा + ऋषि = महर्षि [आ + ऋ = अर्]

(ग) वृद्धि स्वर संधि

यदि पहले शब्द के अन्तिम वर्ण में 'अ' या 'आ' के बाद दूसरे शब्द के प्रथम वर्ण में यदि ए, ऐ, ओ और औ आए तो इसके मेल से उत्पन्न विकार को 'वृद्धि स्वर संधि' कहते हैं।

नियम- यदि 'अ' या 'आ' के बाद 'ए' या 'ऐ' आए, तो उनके स्थान पर 'ऐ' हो जाता है। इसी प्रकार 'अ' या 'आ' के बाद 'ओ' या 'औ' आए तो 'औ' हो जाता है।

जैसे- अ + ए = ऐ, अ + ऐ = ऐ, आ + ए = ऐ, आ + ऐ = ऐ, अ + ओ = औ, अ + औ = औ, आ + ओ = औ, आ + औ = औ

उदाहरण-

नव + ऐश्वर्य = नवैश्वर्य [अ + ऐ = ऐ]

महा + औषध = महौषध [आ + औ = औ]

सदा + एव = सदैव [आ + ए = ऐ]

(घ) यण स्वर संधि

यदि प्रथम शब्द के अन्त में इ, ई, उ, ऊ और 'ऋ' हो तथा दूसरे शब्द के प्रथम वर्ण में कोई भिन्न स्वर आए, तो इनके मेल से उत्पन्न विकार को 'यण स्वर संधि' कहते हैं।

नियम- यदि इ, ई, उ, ऊ, ऋ के बाद भिन्न स्वर हों, तो 'इ-ई' के स्थान पर य, या, यु, यू, ये, यै, यो और यौ हो जाता है तथा 'उ-ऊ' के स्थान पर व, वा, वि, वी, वे, वो, वौ हो जाता है। इसी प्रकार 'ऋ' का र् हो जाता है। इसके अंतर्गत 'य' से पहले आधा व्यंजन तथा 'व' से पहले आधा व्यंजन होता है।

जैसे-

इ + अ = य, इ + आ = या, इ + उ = यु,
इ + ऊ = यू, इ + ए = ये,
ई + अ = य, ई + आ = या,
ई + ऊ = यू, ई + उ = यु,
ई + ओ = यो,
उ + अ = व, उ + आ = वा, ऊ + इ = वि,
उ + ई = वी, उ + ओ = वो, उ + औ = वौ,
ऊ + अ = व, ऊ + आ = वा, ऊ + इ = वि,
ऊ + ई = वी, ऊ + ए = वे,
ऋ + अ = र, ऋ + आ = रा, ऋ + ए = रे,
ऋ + ओ = रो

उदाहरण-

अति + ऊष्म = अत्यूष्म [इ + ऊ = यू]

सु + आगत = स्वागत [उ + आ = वा]

गुरु + ओदन = गुर्वोदन [उ + ओ = वो]

पितृ + आदेश = पित्रादेश [ऋ + आ = रा]

(ङ) अयादि स्वर संधि

यदि प्रथम शब्द के अन्तिम वर्ण में ए, ऐ, ओ तथा औ के बाद दूसरे शब्द का प्रथम वर्ण कोई भिन्न स्वर हो तो इनके मेल से उत्पन्न विकार को 'अयादि स्वर संधि' कहते हैं।

नियम- यदि प्रथम शब्द के अन्त में ए, ऐ, ओ, औ हों तथा दूसरे शब्द के प्रथम वर्ण में भिन्न स्वर हो तो इनके स्थान पर क्रमशः 'अय्', 'आय्', 'अव्' तथा 'आव्', हो जाता है।

जैसे-

ए + अ = अय्, ऐ + अ = आय्,
ओ + अ = अव्, औ + अ = आव्,
ए + इ = अयि, ओ + इ = अवि,
औ + उ = आवु, ओ + ई = अवी

उदाहरण-

नै + इका = नायिका [ऐ + इ = आयि]

पो + इत्र = पवित्र [ओ + इ = अवि]

नौ + इक = नाविक [औ + इ = आवि]

भौ + इनी = भाविनी [औ + इ = आवि]

भौ + उक = भावुक [औ + उ = आवु]

2. व्यंजन संधि

व्यंजन के साथ व्यंजन या स्वर के योग से उत्पन्न विकार या परिवर्तन को 'व्यंजन संधि' कहते हैं।

अर्थात् यदि प्रथम शब्द का अंतिम वर्ण व्यंजन हो तथा दूसरे शब्द का प्रथम वर्ण व्यंजन या स्वर हो तो उनके मेल से जो विकार उत्पन्न होता है, उसे 'व्यंजन संधि' की संज्ञा दी गई है। व्यंजन संधि को संस्कृत में 'हल् संधि' भी कहते हैं।

जैसे- चित् + मय = चिन्मय

जगत् + ईश = जगदीश

यहाँ व्यंजन वर्ण के बाद व्यंजन और स्वर वर्ण के मेल से विकार हुआ, अतः यह 'व्यंजन संधि' है।

⇒ व्यंजन का वास्तविक रूप 'हलंत' होता है।

व्यंजन संधि संबंधी नियम

व्यंजन संधि संबंधी कुछ नियम बताए गए हैं, जिनके अभ्यास से व्यंजन-संधि संबंधी त्रुटियों को दूर किया जा सकता है।

नियम (i) क्, च्, ट्, त्, प् वर्ग संबंधी

यदि प्रथम शब्द के अन्तिम वर्ण में क्, च्, ट्, त्, प् हो तथा दूसरे शब्द के प्रथम वर्ण में इनमें से किसी वर्ग का

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

तृतीय या चतुर्थ वर्ण (ग, घ, ज, झ, ड, ढ, द, ध, ब, भ) अथवा य, र, ल, व हो तो क्, च्, ट्, त्, प् के स्थान पर इसी वर्ग का तृतीय वर्ण क्रमशः ग्, ज्, ड्, द्, ब् हो जाएगा।

उदाहरण-

दिक् + विजय = दिग्विजय [क् + व = ग् → क वर्ग]

अच् + अंत = अजंत [च् + अ = ज → च वर्ग]

षट् + रिपु = षड्रिपु [ट् + र = ड् → ट वर्ग]

भगवत् + भजन = भगवद्भजन [त् + भ = द् → त वर्ग]

सत् + भावना = सद्भावना [त् + भ = द् → त वर्ग]

सत् + गुण = सद्गुण [त् + ग = द् → त वर्ग]

अप् + ज = अब्ज [प् + ज = ब् → प वर्ग]

नियम (ii) क्, च्, ट्, त्, प् वर्ग के पंचम् वर्ण संबंधी

यदि प्रथम शब्द के अंतिम वर्ण में क्, च्, ट्, त्, प् के बाद दूसरे शब्द का प्रथम वर्ण 'न' या 'म' हो, तो क्, च्, ट्, त्, प् के स्थान पर इनके ही वर्ग अर्थात् स्वयं के वर्ग का पंचम वर्ण [ङ, ञ, ण, न्, म्] हो जाता है।

उदाहरण

उत् + मत्त = उन्मत्त [त् + म = न् → त वर्ग]

षट् + मुख = षण्मुख [ट् + म = ण् → ट वर्ग]

तत् + मय = तन्मय [त् + म = न् → त वर्ग]

नियम (iii) 'त्-द्' संबंधी

यहाँ 'त्-द्' संबंधी कुछ नियम बताए गए हैं, जिससे 'त्' या 'द्' के संधि संबंधी नियम का स्पष्टीकरण हो सकेगा-

[अ] यदि 'त्' या 'द्' के पश्चात् 'च' या 'छ' आए, तो 'त्-द् के स्थान पर 'च्' हो जाएगा-

उदाहरण-

उत् + चरित = उच्चरित [त् + च = च्]

जगत् + छाया = जगच्छाया [त् + छ = च्]

[आ] यदि प्रथम शब्द के अंतिम वर्ण 'त्' या 'द्' के बाद 'ज' अथवा 'झ' आए तो 'त्-द्' के स्थान पर 'ज्' हो जाएगा-

उदाहरण-

जगत् + जननी = जगज्जननी [त् + ज = ज्]

विपत् + जाल = विपज्जाल [त् + ज = ज्]

उद् + जयिनी = उज्जयिनी [त् + ज = ज्]

उत् + ज्वल = उज्ज्वल [त् + ज् = ज्]

तद् + जनित = तज्जनित [त् + झ = ज्]

उत् + झटिका = उज्झटिका [त् + झ = ज्]

[इ] यदि प्रथम शब्द के अन्तिम वर्ण 'त्-द्' के बाद 'ट' या 'ठ' आए, तो 'त्-द्' के स्थान पर 'ट्' हो जाएगा-

उदाहरण-

सत् + टीका = सट्टीका [त् + ट = ट्]

तत् + टीका = तट्टीका [त् + ट = ट्]

वृहत् + टीका = वृहट्टीका [त् + ट = ट्]

मित् + टी = मिट्टी [त् + ट = ट्]

[ई] यदि प्रथम शब्द के अन्तिम वर्ण 'त्-द्' के बाद 'ह' आए, तो 'त्-द्' के स्थान पर 'द्' तथा 'ह' के स्थान पर 'ध' हो जाएगा-

उदाहरण-

उत् + हत = उद्धत [त् + ह = द् + ध = द्ध]

पत् + हति = पद्धति [त् + ह = द् + ध = द्ध]

तत् + हित = तद्धित [त् + ह = द् + ध = द्ध]

उत् + हार = उद्धार [त् + ह = द् + ध = द्ध]

उत् + हरण = उद्धहरण [त् + ह = द् + ध = द्ध]

[उ] यदि प्रथम शब्द के अन्तिम वर्ण 'त्-द्' के बाद 'ड' आए, तो 'त्-द्' के स्थान पर 'ड्' हो जाएगा-

भवत् + डमरु = भवड्डमरु [त् + ड = ड्]

उत् + डीन = उड्डीन [त् + ड = ड्]

वृहत् + डमरू = वृहड्डमरु [त् + ड = ड्]

उत् + डयन = उड्डयन [त् + ड = ड्]

[ऊ] यदि प्रथम शब्द के अन्तिम वर्ण 'त्-द्' के बाद 'ल' आए, तो 'त्-द्' के स्थान पर 'ल्' हो जाएगा-

उदाहरण-

शरत् + लीला = शरल्लीला [त् + ल = ल्]

उत् + लास = उल्लास [त् + ल = ल्]

उत् + लंघन = उल्लंघन [त् + ल = ल्]

तत् + लीन = तल्लीन [त् + ल = ल्]

उत् + लेख = उल्लेख [त् + ल = ल्]

◈ **न् + ल = अनुनासिक के साथ 'ल्' हो जाता है-**

महान् + लाभ = महाँल्लाभ [न् + ल = ल् अनुनासिक]

[ऋ] यदि प्रथम शब्द के अन्तिम वर्ण 'त्-द्' के बाद 'श' आए, तो 'त्-द्' का 'च्' और श का 'छ' हो जाएगा अर्थात् (च्छ)

उदाहरण-

उत् + शिष्ट = उच्छिष्ट [त् + श = च्छ]

सत् + शासन = सच्छासन [त् + श = च्छ]

उत् + श्वास = उच्छ्वाश [त् + श = च्छ]

उत् + शृंखल = उच्छृंखल [त् + श = च्छ]

शरत् + शशि = शरच्छशि [त् + श = च्छ]

सत् + शास्त्र = सच्छास्त्र [त् + श = च्छ]

नियम (iv) 'म्' संबंधी

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

[अ] यदि प्रथम शब्द के अंतिम वर्ण 'म' के बाद 'क' से लेकर 'म' तक वर्ण आए, तो 'म्' के स्थान पर उसी वर्ग का अनुस्वार (पंचमाक्षर) हो जाएगा-

उदाहरण-

सम् + कलन = संकलन [म् + क = ङ् या अनुस्वार बिंदु]
सम् + चय = संचय [म् + च = न् या अनुस्वार बिंदु]
सम् + कल्प = संकल्प [म् + क = ङ् या अनुस्वार बिंदु]
सम् + गति = संगति [म् + ग = ङ् या अनुस्वार बिंदु]
परम् + तु = परंतु/परन्तु [म् + त = न् या अनुस्वार बिंदु]
सम् + पूर्ण = सम्पूर्ण/संपूर्ण [म् + प = म् या अनुस्वार बिंदु]
सम् + तोष = संतोष/सन्तोष [म् + त = न् या अनुस्वार बिंदु]
सम् + ताप = संताप/सन्ताप [म् + त = न् या अनुस्वार बिंदु]
पम् + चम = पंचम/पञ्चम [म् + च = ञ् या अनुस्वार बिंदु]

[आ] यदि प्रथम शब्द के अन्तिम वर्ण 'म्' के बाद य, र, ल, व, श, ष, स, ह आए, तो 'म्' अनुस्वार में बदल जाएगा-

उदाहरण-

सम् + यम = संयम
सम् + हार = संहार
सम् + वेग = संवेग
सम् + शय = संशय
किम् + वा = किंवा
सम् + विधान = संविधान
सम् + योग = संयोग
सम् + वाद = संवाद
सम् + रक्षक = संरक्षक
सम् + लाप = संलाप
सम् + सार = संसार

[यहाँ संधि में हमने देखा कि किस तरह 'म्' के बाद य, र, ल, व, श, ष, स, ह का अनुस्वार हुआ]

[इ] यदि प्रथम शब्द के अन्तिम वर्ण 'म्' के बाद 'म' आए, तो कोई परिवर्तन नहीं होता है, अर्थात 'म्' अपनी पूर्व स्थिति में ही रहता है।

नोट- परन्तु सुविधा के लिए वर्तमान में अनुस्वार का प्रयोग करने लगे हैं।

उदाहरण-

सम् + मान = सम्मान [म् + म = पूर्ववत् स्थिति]
सम् + मति = सम्मति [म् + म = पूर्ववत् स्थिति]
सम् + मोहन = सम्मोहन [म् + म = पूर्ववत् स्थिति]
सम् + मोहित = सम्मोहित [म् + म = पूर्ववत् स्थिति]

नियम (v) 'छ' संबंधी

यदि प्रथम शब्द के अन्त में कोई स्वर हो तथा दूसरे शब्द का प्रथम वर्ण 'छ' हो तो 'छ' के स्थान पर 'च्छ' हो जाएगा-

उदाहरण-

परि + छेद = परिच्छेद
आ + छादन = आच्छादन
अव + छेद = अवच्छेद
वृक्ष + छाया = वृक्षच्छाया
छत्र + छाया = छत्रच्छाया
स्व + छंद = स्वच्छंद
अनु + छेद = अनुच्छेद
वि + छेद = विच्छेद
शाला + छादन = शालाच्छादन
तरु + छाया = तरुच्छाया

जैसा कि हम जानते हैं कि व्यंजन वर्ण का मूल रूप हलन्त में होता है, स्वर जुड़कर उन्हें पूर्ण करते हैं अर्थात् स्वर के मिलने से हलन्त हट जाता है।

उपर्युक्त उदाहरणों में प्रथम शब्दों में हलन्त नहीं है, अर्थात् प्रत्येक में स्वर की उपस्थिति है। अतः 'छ' का 'च्छ' हो गया।

नियम (vi) ऋ, र, ष संबंधी

यदि शब्द के अन्त में ऋ, र्, ष् के बाद 'न' आए, भले ही बीच में कोई स्वर या व्यंजन क वर्ग, प वर्ग अथवा य, व, ह हो, तो 'न' का 'ण' हो जाएगा।, यहाँ परिवर्तन 'न' में 'ण' के रूप में होगा।

उदाहरण-

परि + नाम = परिणाम
प्र + मान = प्रमाण
भर् + अन = भरण
भूष् + अन = भूषण
र् + अन = रण
राम + अयन = रामायण
पोष् + अन = पोषण
तृष् + ना = तृष्णा
उत्तर + अयन = उत्तरायण

नियम (vii) 'स' संबंधी

जब पहले शब्द के अन्त में कोई स्वर हो तथा उसके बाद 'स' आए, तो 'स' के स्थान पर 'ष' हो जाता है।

अपवाद-

'अ' और 'आ' स्वर को छोड़कर अतिरिक्त स्वर ही इस नियम के अन्तर्गत आते हैं।

उदाहरण-

नि + सेध = निषेध
सु + सुप्त = सुषुप्त
युधि + स्थिर = युधिष्ठिर
अनु + संगी = अनुषंगी
अभि + सेक = अभिषेक
नि + सिद्ध = निषिद्ध
सु + समा = सुषमा
वि + सम = विषम

3. विसर्ग संधि

जब विसर्ग के बाद कोई स्वर या व्यंजन आए तब उनके मेल से जो विकार उत्पन्न होता है, उसे 'विसर्ग संधि' कहते हैं। यदि पहले शब्द के अंत में विसर्ग हो तथा दूसरे शब्द के

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

प्रथम वर्ण में स्वर या व्यंजन आए, तो उनके मेल से जो विकार उत्पन्न हो या जो परिवर्तन आए, उसे 'विसर्ग संधि' कहते हैं।

जैसे-

निः + चल = निश्चल

निः + ईक्षण = निरीक्षण

मनः + रथ = मनोरथ

यहाँ विसर्ग और स्वर या व्यंजन के मेल से विकार उत्पन्न हुआ, यही 'विसर्ग संधि' कहलाती है।

विसर्ग संधि संबंधी नियम

नियम (i)

यदि विसर्ग के बाद 'च-छ' आए, तो विसर्ग के स्थान पर 'श्' हो जाएगा। इसी प्रकार विसर्ग के बाद यदि 'ट्-ठ' आए तो विसर्ग 'ष्' हो जाएगा तथा विसर्ग के बाद यदि 'त-थ' आए, तो वहाँ विसर्ग 'श्' अथवा 'स' हो जाएगा।

उदाहरण-

निः + चिंत = निश्चिंत

हरिः + चंद्र = हरिश्चन्द्र

दुः + चरित्र = दुश्चरित्र

निः + छल = निश्छल

प्रायः + चित = प्रायश्चित

निः + चय = निश्चय

कः + चित् = कश्चित्

निः + छिद्र = निश्छिद्र

निः + ठुर = निष्ठुर

धनुः + टंकार = धनुष्टंकार

दुः + ट = दुष्ट

नमः + ते = नमस्ते

निः + तेज = निस्तेज

दुः + तर = दुस्तर

निः + तार = निस्तार

दुः + थकार = दुस्थकार

नियम (ii)

यदि विसर्ग के पहले 'अ' हो और उसके बाद किसी व्यंजन वर्ग का तृतीय, चतुर्थ या पंचम वर्ण आए अथवा य, र, ल, व, ह आए, तो विसर्ग का 'ओ' हो जाएगा-

उदाहरण-

यशः + धरा = यशोधरा

सरः + ज = सरोज

मनः + भाव = मनोभाव

पयः + धन = पयोधन

अपवाद-

पुनः तथा अंतः में विसर्ग का 'र्' हो जाएगा-

जैसे-

पुनः + जन्म = पुनर्जन्म

अंतः + धान = अंतर्धान

अंतः + अग्नि = अंतरग्नि

पुनः + मुद्रण = पुनर्मुद्रण

नियम (iii)

यदि विसर्ग के पहले 'अ-आ' के अतिरिक्त कोई अन्य स्वर हो तथा उसके बाद कोई स्वर या किसी वर्ग का तृतीय, चतुर्थ, पंचम वर्ण आए अथवा य, र, ल, व, ह आए, तो विसर्ग के स्थान पर 'र्' हो जाएगा-

उदाहरण-

निः + जल = निर्जल

निः + धन = निर्धन

निः + विकार = निर्विकार

दुः + नीति = दुर्नीति

आशीः + वाद = आशीर्वाद

निः + ईक्षण = निरीक्षण

निः + अपराध = निरपराध

निः + मम = निर्मम

नियम (iv)

यदि विसर्ग के पहले 'इ' या 'उ' हो तथा बाद में क, ख, या प, फ आए, तो मेल में विसर्ग के स्थान पर 'ष्' हो जाएगा-

उदाहरण-

आविः + कार = आविष्कार

बहिः + कार = बहिष्कार

चतुः + कोण = चतुष्कोण

दुः + परिणाम = दुष्परिणाम

निः + कारण = निष्कारण

नियम (v)

यदि विसर्ग के पहले 'इ-उ' हो तथा बाद में 'र' आए, तो मेल में 'इ-उ' के स्थान पर 'ई'-'ऊ' हो जाएगा अर्थात् 'इ'-उ का दीर्घ हो जाएगा-

उदाहरण-

दुः + राज = दूराज

निः + रोग = नीरोग

निः + रस = नीरस

निः + रव = नीरव

निः + रज = नीरज

नियम (vi)

यदि विसर्ग के पहले 'अ' तथा बाद में भी 'अ' आए, तो पहले 'अ' और विसर्ग का 'ओ' या 'आ' हो जाएगा।

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

[नियम नं.-ii की तरह] तथा विसर्ग के बाद वाले 'अ' का लोप होकर उसके स्थान पर लुप्ताकार (ऽ) का चिह्न प्रयुक्त हो जाएगा-

उदाहरण-

मन: + अभिलाषा = मनोऽभिलाषा
मन: + अनुकूल = मनोऽनुकूल
पंचम + अध्याय = पंचमोऽध्याय
प्रथम: + अध्याय = प्रथमोऽध्याय
नम: + अस्तु = नमोऽस्तु
कुशल: + अभिलाषी = कुशलाऽभिलाषी
तथ: + अपि = तथाऽपि
यश: + अभिलाषी = यशोऽभिलाषी

अपवाद- यदि विसर्ग के बाद 'अ' न आकर कोई अन्य स्वर आए तो उपर्युक्त नियम नहीं लागू होगा, केवल विसर्ग का लोप हो जाएगा।

जैसे-

अत: + एव = अतएव
तप: + उत्तम = तपउत्तम

नियम (vii)

यदि विसर्ग के पहले 'अ', 'इ', 'उ' हो तथा विसर्ग के बाद श, ष, स हो तो विसर्ग सुरक्षित यथास्थिति में बना रहेगा अथवा विसर्ग के बाद के श, ष, स का द्वित्व [विसर्ग के बाद के शब्द की पुनरावृत्ति] हो जाएगा-

उदाहरण-

दु: + शील = दु:शील, दुश्शील
नम: + शिवाय = नम:शिवाय, नमश्शिवाय
नि: + शंक = नि:शंक, निश्शंक
नि: + संदेह = नि:संदेह, निस्संदेह
दु: + शासन = दु:शासन, दुश्शासन
चतु: + षष्टि = चतु:षष्टि, चतुष्षष्टि
नि: + सार = नि:सार, निस्सार
हरि: + शेते = हरि:शेते, हरिश्शेते
दु: + साहस = दु:साहस, दुस्साहस
नि: + संताप = नि:संताप, निस्संताप

अपवाद-

नियम नं० (ii) के अपवाद की भाँति पुन: एवं अत: होने पर विसर्ग के स्थान पर 'र्' हो जाएगा।

नियम (viii)

यदि विसर्ग के पहले 'अ' हो [अ] तथा विसर्ग के बाद क, ख या प, फ आए, तो विसर्ग ज्यों का त्यों बना रहेगा, अर्थात् विसर्ग में कोई परिवर्तन नहीं होगा।

उदाहरण-

मन: + कल्पित = मन:कल्पित

परीक्षोपयोगी प्रश्न

1. **'कपीश' का सही संधि-विच्छेद रूप चुनिए-**
BSF (HCM) 17 Jun. 2023
(a) कपी + इश (b) कपि + इश
(c) कपी + ईश (d) कपि + ईश

2. **'दुर्गंध' का संधि विच्छेद करें-**
BSF (HCM) 17 Jun. 2023
(a) दु: + गंध (b) दुर्ग: + ध
(c) दु + गंध (d) दुर + गंध

3. **'भयंकर' का सही संधि-विच्छेद रूप नीचे दिए विकल्पों में से चुनिए-**
BSF (HCM) 17 Jun. 2023
(a) भय + कर (b) भयम् + कर
(c) भयन् + कर (d) भयंकर

4. **'पावक' का सही संधि-विच्छेद रूप चुनिए-**
BSF (HCM) 17 Jun. 2023
(a) पौ + वक (b) पा + अंक
(c) पौ + अक (d) पा + वक

5. **निम्नलिखित में से उस विच्छेद की पहचान कीजिए जिसमें व्यंजन सन्धि है?**
BSF (HCM) 18 Jun. 2023
(a) मातृ + छाया (b) धातु + इक
(c) मातृ + आदेश (d) अनु + उत्तर

6. **किस शब्द के विच्छेद में विसर्ग सन्धि है? सही विकल्प की पहचान कीजिए-**
BSF (HCM) 18 Jun. 2023
(a) चमकीला (b) उद्धार
(c) प्रमाण (d) दुर्जन

7. **'दिग्दर्शन' का संधि-विच्छेद होगा-**
(a) दिग + दर्शन (b) दिक + दर्शन
(c) दिग् + दर्शन (d) दिक् + दर्शन

8. **किस शब्द के विच्छेद में व्यंजन सन्धि है? सही विकल्प की पहचान कीजिए-**
BSF (HCM) 18 Jun. 2023
(a) पवन (b) अविंधन
(c) अत्यूष्म (d) निस्तार

9. **निम्नलिखित में से उस विच्छेद की पहचान कीजिए जिसमें 'यण् स्वर सन्धि' है?**
BSF (HCM) 18 Jun. 2023
(a) पितृ + ऋण (b) पितृ + आदेश
(c) मही + ईश (d) परि + छेद

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

10. निम्नलिखित में से सही संधि विच्छेद का चयन कीजिए।
(a) पत्र + अलय (b) मरण + असन्न
(c) वीर + अंगना (d) यथा + आर्थ
11. 'निरीह' का संधि विच्छेद इनमें से क्या है?
(a) निर + ईह (b) नि: + रीह
(c) नि: + ईह (d) निरि + ईह
12. 'राजेन्द्र' शब्द में सन्धि है-
(a) वृद्धि (b) गुण
(c) यण् (d) दीर्घ
13. 'निश्चय' शब्द में कौन-सी सन्धि है?
(a) गुण सन्धि (b) दीर्घ सन्धि
(c) यण सन्धि (d) विसर्ग सन्धि
14. 'नर + इन्द्र = नरेन्द्र' में सन्धि है-
(a) गुण सन्धि (b) दीर्घ सन्धि
(c) यण सन्धि (d) वृद्धि सन्धि
15. 'विपत् + जाल = विपज्जाल' में कौन-सी सन्धि है?
(a) स्वर सन्धि (b) व्यंजन सन्धि
(c) वृद्धि सन्धि (d) गुण सन्धि
16. 'संहार' का सही सन्धि-विच्छेद है-
(a) सन + हार (b) सन् + हार
(c) सम + हार (d) सम् + हार
17. 'महर्षि' शब्द का सही सन्धि विच्छेद बताइए।
(a) म + अहर्षि (b) मह + ऋषि
(c) महि + ऋषि (d) महा + ऋषि
18. 'निष्कपट' शब्द का सन्धि-विच्छेद क्या है?
(a) नि: + कपट (b) निष् + कपट
(c) नि + कपट (d) निश + कपट
19. 'शुभेच्छा' का संधि-विच्छेद है-
(a) सु + इच्छा (b) शुभ + इच्छा
(c) शुभ + येच्छा (d) शुभ + अच्छा
20. 'इत्यादि' शब्द का सही सन्धि-विच्छेद है-
(a) इति + आदी (b) इति + आदि
(c) ऐति + आदि (d) इत्य + आदि
21. 'दुस्तर' का सन्धि-विच्छेद क्या होगा?
(a) दुस् + तर (b) दुश् + तर
(c) दु: + तर (d) दुर् + तर
22. ई + आ = या। किस संधि में इस प्रकार का परिवर्तन होता है?
(a) गुण संधि (b) अयादि संधि
(c) यण संधि (d) वृद्धि संधि
23. पौ + अन किस स्वर संधि का उदाहरण है?
(a) गुण (b) अयादि
(c) वृद्धि (d) यण
24. 'वाग्जाल' का सन्धि विच्छेद होगा-
(a) वाक् + जाल (b) वाक + जाल
(c) वाग् + जाल (d) वाग: + जाल
25. 'सत्याग्रह' का सही संधि-विच्छेद है-
(a) सत्या + ग्रह (b) सत + आग्रह
(c) सत्य + ग्रह (d) सत्य + आग्रह
26. 'उच्छिष्ट' का शुद्ध संधि-विच्छेद है-
(a) उत + शिष्ट (b) उत् + शिष्ट
(c) उत् + सिष्ट (d) उ + च्छिष्ट
27. निम्नलिखित में से कौन-सी विसर्ग संधि है?
(a) निरन्तर (b) दिग्गज
(c) जगदीश (d) महीश
28. संधि कितने प्रकार की होती है?
(a) 2 (b) 3
(c) 4 (d) 6
29. 'दुराशा' का संधि-विच्छेद है?
(a) दुरा + आशा (b) दुरा + शा
(c) दु: + आशा (d) दुर + आशा
30. 'अभि + उदय' की संधि कीजिए?
(a) अभ्युदय (b) अभ्योदय
(c) अभीउदय (d) अभिउदय
31. 'यद्यपि' का संधि विच्छेद-
(a) यद्य + आपि (b) य + द्यपि
(c) यदि + अपि (d) यद्या + आपि
32. 'मतैक्य' किस संधि का उदाहरण है?
(a) गुण संधि (b) यण संधि
(c) वृद्धि संधि (d) व्यंजन संधि
33. किसमें व्यंजन संधि नहीं है?
(a) उद्धरण (b) तद्धित
(c) वाग्जाल (d) रसायन
34. 'सरोज' का संधि-विच्छेद होगा?
(a) स + रोज (b) सर: + ज
(c) सरो + ज (d) सर + ओज
35. 'उज्ज्वल' में प्रयुक्त संधि है-
(a) गुण संधि (b) व्यंजन संधि
(c) विसर्ग संधि (d) दीर्घ संधि
36. 'अन्वेषण' का शुद्ध सन्धि-विच्छेद है-
(a) अन्वेष + ण (b) अन्वे + षण
(c) अनु + वेषण (d) अनु + एषण
37. 'नवोढ़ा' का संधि विच्छेद है-
(a) नव + उढ़ा (b) नवो + ढ़ा
(c) नव + ऊढ़ा (d) न + ओढ़ा
38. 'यशोदा' का संधि-विच्छेद है?
(a) यशो + दा (b) यश + दा
(c) यश: + दा (d) य + शोदा
39. 'प्रत्यक्ष' में संधि है-
(a) गुण संधि (b) दीर्घ संधि
(c) अयादि संधि (d) यण संधि
40. 'सदाशय' का सही संधि-विच्छेद होगा-

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

(a) सद + आशय (b) सतत + आशय
(c) सत् + आशय (d) सदा + आशय

41. 'रीत्यनुसार' शब्द का सन्धि-विच्छेद क्या होगा?
(a) रीति + अनुसार (b) रीत्य + अनुसार
(c) रीतु + अनुसार (d) रीत + अनुसार

42. निम्न में संधि है-'एतन्मुरारी'
(a) व्यंजन संधि (b) स्वर संधि
(c) विसर्ग संधि (d) अयादि संध

43. 'तथैव' शब्द का संधि-विच्छेद है-
(a) तथ + एव (b) तथे + एव
(c) तथा + ऐव (d) तथा + एव

44. 'निर्धन' में कौन-सी संधि है?
(a) व्यंजन संधि (b) विसर्ग संधि
(c) अयादि संधि (d) यण संधि

45. 'सन्मार्ग' में प्रयुक्त संधि कौन-सी है?
(a) विसर्ग सन्धि (b) स्वर सन्धि
(c) व्यंजन सन्धि (d) इनमें से कोई नहीं

46. 'अक्षौहिणी' का संधि विच्छेद है-
(a) अक्ष: + हिणी (b) अक्ष + ऊहिनी
(c) अक्षो + अहिणी (d) अक्ष + ओहिणी

47. 'सख्यागमन' का सही संधि-विच्छेद है-
(a) सखी + आगमन (b) सखि + आगमन
(c) सखी + गमन (d) सख्या + गमन

48. 'पयोधि' का संधि विच्छेद होगा-
(a) पय: + धि (b) पय: + दधि
(c) पय: + उदधि (d) पय: + दधी

49. 'द्रावपि' का संधि-विच्छेद होगा-
(a) द + आवपि (b) द्रौ + अपि
(c) दव + अयापि (d) इनमें से कोई नहीं

उत्तरमाला

1.	(d)	2.	(a)	3.	(b)	4.	(c)	5.	(a)	6.	(d)	7.	(d)	8.	(b)	9.	(b)	10.	(c)
11.	(c)	12.	(b)	13.	(d)	14.	(a)	15.	(b)	16.	(d)	17.	(d)	18.	(a)	19.	(b)	20.	(b)
21.	(c)	22.	(c)	23.	(b)	24.	(a)	25.	(d)	26.	(b)	27.	(a)	28.	(b)	29.	(c)	30.	(a)
31.	(c)	32.	(c)	33.	(d)	34.	(b)	35.	(b)	36.	(d)	37.	(c)	38.	(c)	39.	(d)	40.	(c)
41.	(a)	42.	(a)	43.	(d)	44.	(b)	45.	(c)	46.	(b)	47.	(a)	48.	(a)	49.	(b)		

Search on TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

12
अध्याय

समास

परिभाषा

पं. कामताप्रसाद गुरु के अनुसार, "दो या दो से अधिक शब्दों या पदों का परस्पर संबंध बताने वाले शब्दों अथवा प्रत्ययों का लोप होने पर उन दो या दो से अधिक शब्दों से जो एक स्वतंत्र शब्द बनता है, उस शब्द को 'सामासिक शब्द' कहते हैं तथा उन दो या दो से अधिक शब्दों (पदों) का योग होता है, वह 'समास' कहलाता है।"

जैसे - पीला है वस्त्र जिसका = पीताम्बर

जल में मग्न = जलमग्न

उपर्युक्त उदाहरणों में आपने देखा कि कैसे दो या दो से अधिक शब्दों (पदों) को संक्षिप्त करने के साथ-साथ पूर्ण अर्थ विदित हो रहा है, यही प्रक्रिया 'समास' कहलाती है तथा इस प्रक्रिया से बने शब्द 'पीताम्बर और जलमग्न' सामासिक शब्द कहलाते हैं।

समास विग्रह

समस्त या समास युक्त पद के सभी पदों को पृथक किए जाने की विधि या प्रक्रिया 'समास विग्रह' या 'व्यास' कहलाती है।

जैसे- घनश्याम = घन की तरह श्याम है जो

माँ-बाप = माँ और बाप

[यहाँ हमनें समासयुक्त पदों का 'समास विग्रह' देखा।]

समास के प्रकार

वर्तमान हिन्दी में समास के छः प्रकार हैं, जबकि अन्य पुस्तकों में अभी भी चार प्रकार बताए गए हैं। कुछ पुस्तकों में 'कर्मधारय समास' तथा 'द्विगु समास' को 'तत्पुरुष' के उपभेद के रूप में लिखा गया है।

समास के छः प्रकार निम्नलिखित है- (1) अव्ययीभाव समास, (2) तत्पुरुष समास, (3) कर्मधारय समास, (4) द्विगु समास, (5) बहुव्रीहि समास, (6) द्वंद्व समास

(1) अव्ययीभाव समास

वह समास जिसमें पहला पद या खण्ड प्रधान हो और सामासिक पद अव्यय हो जाए, 'अव्ययीभाव समास' कहलाता है।

अव्ययीभाव समास से संबंधित प्रमुख तथ्य-

(i) सामासिक पद या समस्त पद अव्यय की भाँति प्रयुक्त होता है।

(ii) संस्कृत में अव्ययीभाव समास के लिए यह आवश्यक है कि प्रथम पद अव्यय ही होता है, परन्तु हिन्दी में पूर्व पद अव्यय के अतिरिक्त संज्ञा या विशेषण भी हो सकता है। जैसे- भरपेट, हाथोंहाथ, हरघड़ी में क्रमशः **भर** अव्यय है, **हाथों** संज्ञा है और **हर** विशेषण है।

(iii) अव्ययीभाव समास केवल दो पदों से ही बनता है। पहले पद को पूर्व पद और दूसरे पद को उत्तर पद कहते हैं। दोनों पदों का अनुक्रम निम्नानुसार हो सकता है-

(अ) पहला पद संज्ञा, दूसरा पद अव्यय परन्तु समस्त पद अव्यय। जैसे- जीवन-पर्यन्त, वर्षभर आदि।

(ब) दोनों पद संज्ञा, किन्तु समस्त पद अव्यय। जैसे- कानोंकान, रातोंरात आदि।

(स) पहला पद अव्यय, दूसरा पद संज्ञा तथा समस्त पद अव्यय। जैसे- यावज्जीवन, यथासाध्य आदि।

(द) दोनों पद अव्यय तथा समस्त पद भी अव्यय। जैसे- पहलेपहल, बीचोंबीच आदि।

(iv) द्विरुक्त शब्द (दो बार कहा हुआ शब्द) बहुधा अव्ययीभाव ही होते हैं। जैसे- घर-घर, पल-पल, क्षण-क्षण आदि।

(v) अव्ययीभाव समास में पहला पद जैसे- भर, हर, प्रति, अ... में से कोई एक प्रायः होता है।

(2) तत्पुरुष समास

जिस समास का अंतिम अर्थात् उत्तर पद प्रधान होता है, उ... तत्पुरुष समास कहते हैं। इस समास में पूर्वपद गौण होता है तथा दोनों पदों के बीच के कारक चिह्न का लोप हो जाता है।

जैसे - राजपुत्र = राजा का पुत्र

नेत्रहीन = नेत्र से हीन

तत्पुरुष समास के उपभेद

तत्पुरुष समास के छः (6) उपभेद हैं-

(i) कर्म तत्पुरुष समास [**विभक्ति-'को'**] - इसमें कर्मकारक की विभक्ति 'को' का लोप हो जाता है।

उदाहरण-

मुँहतोड़	=	मुँह को तोड़ (प्रतिउत्तर)
शरणागत	=	शरण लेने को आया हुआ
परलोकगमन	=	परलोक को गमन
कष्टापन्न	=	कष्ट को आपन्न (प्राप्त)

(ii) करण तत्पुरुष समास [**विभक्ति-'से, के द्वारा'**] इसमें करण कारक की विभक्ति 'से', 'के द्वारा' का लोप हो जाता है।

उदाहरण-

ईश्वरदत्त = ईश्वर द्वारा दिया हुआ

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

वाग्युद्ध = वाक् से युद्ध

तुलसीकृत = तुलसी द्वारा कृत

शराहत = शर से आहत

कष्टसाध्य = कष्ट से साध्य

मुँहमाँगा = मुँह से माँगा हुआ

(iii) सम्प्रदान तत्पुरुष समास [विभक्ति-के लिए] - इसमें सम्प्रदान कारक की विभक्ति 'के लिए' का लोप हो जाता है।

उदाहरण-

भूतबलि = भूत के लिए बलि

कन्याविद्यालय = कन्या के लिए विद्यालय

कृष्णार्पण = कृष्ण के लिए अर्पण

हथकड़ी = हाथ के लिए कड़ी

बलिपशु = बलि के लिए पशु

आरामकुर्सी = आराम के लिए कुर्सी

(iv). अपादान तत्पुरुष समास [विभक्ति-'से' (अलगाव का भाव)] - इसमें अपादान कारक की विभक्ति 'से' (अलगाव के भाव में) का लोप हो जाता है।

उदाहरण-

रोगमुक्त = रोग से मुक्त

जन्मांध = जन्म से अंधा

रणविमुख = रण से विमुख

धर्मभ्रष्ट = धर्म से भ्रष्ट

धर्मविमुख = धर्म से विमुख

(v) संबंध तत्पुरुष समास [विभक्ति-का, के, की] - संबंध कारक की विभक्ति 'का', 'के', 'की' का लोप हो जाता है।

उदाहरण-

विद्याभ्यास = विद्या का अभ्यास

सेनापति = सेना का पति (नायक)

रामानुज = राम का अनुज

राजदरबार = राजा का दरबार

राजपुत्र = राजा का पुत्र

गंगाजल = गंगा का जल

अन्नदाता = अन्न का दाता

(vi) अधिकरण तत्पुरुष समास [विभक्ति-में, पर] - इसमें अधिकरण कारक की विभक्ति 'में, पर' का लोप हो जाता है।

उदाहरण-

स्नेहमग्न = स्नेह में मग्न

गृहप्रवेश = गृह (घर) में प्रवेश

विद्याप्रवीण = विद्या में प्रवीण

कविश्रेष्ठ = कवियों में श्रेष्ठ

हरफनमौला = हरफन में मौला (हर हुनर का जानकार)

वाहनारूढ़ = वाहन पर आरूढ़

तत्पुरूष समास के अन्य भेद

(i) अलुक् तत्पुरूष समास-इस समास के प्रथम पद में विभक्ति का लोप न होकर प्रथम पद में ही समाहित होती है।

उदाहरण-

युधिष्ठिर = युद्ध में स्थिर

मनसिज = मन में उत्पन्न

खेचर = आकाश में विचरण करने वाला

(ii) नञ् तत्पुरूष समास-इस समास में पूर्वपद संस्कृत का अ, अन् तथा उर्दू का ना, गैर उपसर्ग होते हैं जो नकारात्मक अर्थ प्रकट करते हैं।

उदाहरण-

अनपढ़, अनजान, अनावश्यक, असंभव, अव्यय, अधर्म, अकारण, नापसंद, नापाक, गैरहाजिर, नासमझ आदि।

(3) कर्मधारय समास

जब समस्त पद का उत्तर पद प्रधान हो तथा पूर्वपद व उत्तरपद विशेषण-विशेष्य अथवा उपमान-उपमेय संबंध हो, तो वह 'कर्मधारय समास' होता है।

अर्थात् इस समास में एक पद विशेषण तथा दूसरा विशेष्य (उत्तर पद) होता है तथा उत्तरपद की प्रधानता होती है। इसे 'समानाधिकरण तत्पुरुष' भी कहते हैं, क्योंकि विग्रह पर इसके दोनों पद या खण्ड एक ही विभक्ति या कारक में होते हैं।

उदाहरण-

महादेव = महान है जो देव

महाजन = महान है जो जन

परमेश्वर = परम है जो ईश्वर

भलामानस = भला है जो मानस

नीलगाय = नीली है जो गाय

कमलनयन = कमल के समान नयन

चन्द्रमुख = चन्द्र के समान मुख

(4) द्विगु समास

वह समास जिसका पहला खण्ड (पूर्व पद) संख्यावाचक विशेषण होता है तथा समस्त पद किसी समूह का बोध कराता है, द्विगु समास कहलाता है।

उदाहरण-

चौराहा = चार राहों का समाहार

अठन्नी = आठ आनों का समाहार

नवग्रह = नौ ग्रहों का समाहार

पंचवटी = पाँच वटों का समाहार

दोपहर = दो पहरों का समाहार

(5) बहुव्रीहि समास

जब समास में आए पूर्वपद या उत्तरपद को छोड़कर, किसी अन्य शब्द या पद की प्रधानता हो अर्थात् समस्त पद की प्रधानता न होकर किसी अन्य पद की प्रधानता का संकेत हो, तो वह 'बहुव्रीहि समास' कहलाता है।

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

सरल शब्दों में, बहुव्रीहि समास में किसी पद की प्रधानता न होकर समस्त पद किसी अन्य पद की विशेषता बताते हैं।

उदाहरण-

त्रिलोचन = तीन हैं लोचन जिसके अर्थात् (शिव)
नीलकंठ = नीला है कंठ जिसका अर्थात् (शिव)
विषधर = विष को धारण करने वाला अर्थात् (सर्प)
दशानन = दस हैं आनन जिसके अर्थात् (रावण)
पीताम्बर = पीत है अम्बर जिसका अर्थात् (श्रीकृष्ण)
चन्द्रशेखर = चन्द्र है सिर पर जिसके अर्थात् (शंकर)
वीणापाणि = वीणा है पाणि में जिसके अर्थात् (सरस्वती)

(6) द्वंद्व समास

जिस समस्त पद के दोनों पद प्रधान हों; दोनों संज्ञाएँ या विशेषण हों, वह 'द्वंद्व समास' होता है।

इसके विग्रह में 'दो पदों के मध्य - 'और', 'एवं', 'अथवा', 'या' लगता है तथा पहचान हेतु दो पदों के मध्य योजक चिन्ह (-) का प्रयोग हुआ रहता है।

उदाहरण-

राम-लक्ष्मण = राम और लक्ष्मण
रात-दिन = रात या दिन, रात और दिन
राजा-प्रजा = राजा और प्रजा

द्वंद्व समास के भेद

द्वंद्व समास के मुख्यत: तीन भेद हैं-

(i) इतरेतर द्वंद्व समास - वह द्वंद्व समास, जिसमें दोनों पद 'और' से जुड़े हुए हों, तथा प्रत्येक पद स्वयं का अस्तित्व भी रखता हो 'इतरेतर द्वंद्व समास' कहलाता है।

उदाहरण-

गौरीशंकर = गौरी और शंकर
सीताराम = सीता और राम
शिवपार्वती = शिव और पार्वती
रामलक्ष्मण = राम और लक्ष्मण

(ii) समाहार द्वंद्व समास - 'समाहार' का अर्थ है, समूह या समष्टि।

इसमें ऐसे शब्द युग्म निर्मित होते हैं जिससे उसके पदों के अलावा कुछ और भी मिलता-जुलता अर्थ निकलता है 'समाहार द्वंद्व' होता है।

यहाँ समास के दोनों पद 'और' समुच्चयबोधक से बिना पृथक-पृथक अस्तित्व रखे जुड़े होते हैं तथा समूह का बोध कराते हैं।

उदाहरण-

रुपया-पैसा = रुपया और पैसा
घर-आँगन = घर और आँगन
नाक-कान = नाक और कान
नहाया-धोया = नहाया और धोया
कागज-पत्र = कागज और पत्र
कूड़ा-कचरा = कूड़ा और कचरा
बड़ा-बूढ़ा = बड़ा और बूढ़ा

(iii) वैकल्पिक द्वंद्व समास - जिस द्वंद्व समास में दो पदों के मध्य 'या', 'अथवा' आदि विकल्प सूचक अप्रत्यक्ष रूप से निहित या विद्यमान हों, उसे 'वैकल्पिक द्वंद्व समास' कहते हैं। इसमें दोनों पद सामान्यत: विरोधी होते हैं।

उदाहरण-

पाप-पुण्य = पाप या पुण्य
भला-बुरा = भला या बुरा
लाभालाभ = लाभ या अलाभ

इसी प्रकार- पाप-पुण्य, धर्माधर्म, आय-व्यय, इधर-उधर, जीवन-मरण, यश-अपयश, हानिलाभ।

परीक्षोपयोगी प्रश्न

1. **'यथाशीघ्र' में कौन सा समास है?**
BSF (HCM) 17 Jun. 2023
(a) द्विगु (b) द्वंद्व
(c) तत्पुरुष (d) अव्ययीभाव

2. **'पंसेरी' में कौन सा समास है?**
BSF (HCM) 17 Jun. 2023
(a) अव्ययीभाव (b) द्वंद्व
(c) तत्पुरुष (d) द्विगु

3. **'स्वर्गप्राप्त' में कौन सा समास है?**
BSF (HCM) 17 Jun. 2023
(a) करण तत्पुरुष (b) कर्म तत्पुरुष
(c) अपादान तत्पुरुष (d) सम्प्रदान तत्पुरुष

4. **'रामकहानी' में कौन सा समास है?**
(a) अव्ययीभाव (b) तत्पुरुष
(c) द्विगु (d) द्वंद्व

5. **'श्रमदान' का सही समास विग्रह क्या है?**
BSF (HCM) 17 Jun. 20...
(a) श्रम से दान (b) श्रम के लिए दान
(c) श्रम का दान (d) श्रम को दान

6. **निम्नलिखित में से किस विकल्प के विग्रह में 'द्विगु समास' है?**
BSF (HCM) 18 Jun. 2...
(a) दुमट (b) परमात्मा
(c) नलकूप (d) सपूत

7. **निम्नलिखित में से किस सामासिक शब्द में 'अव्ययीभाव समास' है?**

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

(a) प्रतिलिपि (b) पथभ्रष्ट
(c) चौखट (d) सचिवालय

8. निम्नलिखित में से किस सामासिक शब्द में 'कर्मधारय समास' है?
BSF (HCM) 18 Jun. 2023
(a) मयूरवाहन (b) रामायण
(c) वसुंधरा (d) सज्जन

9. निम्नलिखित में से कौन सा विकल्प 'द्वंद्व समास' का विग्रह है?
BSF (HCM) 18 Jun. 2023
(a) एकदंत-एक है दन्त जिसके वह
(b) श्वेताम्बर-श्वेत है जो अम्बर
(c) तिरेसठ-तीन और साठ
(d) लोकसभा-लोक की सभा

10. निम्नलिखित में से किस विग्रह में बहुव्रीहि समास है? उचित विकल्प का चयन करें-
BSF (HCM) 18 Jun. 2023
(a) कीर्तिलता-लता रूपी कीर्ति
(b) शेषशायी-जो शेष पर शायी करते हैं वे
(c) श्यामवर्ण-श्याम है जो वर्ण
(d) सत्याग्रह-सत्य के लिए आग्रह

11. समस्तपद 'राजद्रोह' में कौन सा समास है? उचित विकल्प का चयन कीजिए-
BSF (HCM) 18 Jun. 2023
(a) तत्पुरुष समास (b) अव्ययीभाव समास
(c) द्वंद्व समास (d) कर्मधारय समास

12. 'गोपाल' शब्द में कौन-सा समास है?
CISF (HCM) 30 Oct. 2023
(a) अधिकरण तत्पुरुष (b) द्विगु समास
(c) बहुव्रीहि समास (d) संबंध तत्पुरुष

13. 'राहखर्च' शब्द में कौन-सा समास है?
CISF (HCM) 30 Oct. 2023
(a) तत्पुरुष समास (b) अपादान तत्पुरुष
(c) अधिकरण तत्पुरुष (d) संबंध तत्पुरुष

14. 'भारतरत्न' शब्द का समास विग्रह निम्न में से कौन सा है?
CISF (HCM) 30 Oct. 2023
(a) भारत और रत्न (b) भारत को रत्न
(c) भारत का रत्न (d) भारत के लिए रत्न

15. दो अथवा दो से अधिक शब्दों से मिलकर बने हुए नए सार्थक शब्द को क्या कहते हैं?
CISF (HCM) 30 Oct. 2023
(a) अव्यय (b) संधि
(c) छंद (d) समास

16. 'गंगातट' शब्द में कौन-सा समास है?
CISF (HCM) 30 Oct. 2023
(a) बहुव्रीहि समास (b) संबंध तत्पुरुष
(c) अपादान तत्पुरुष (d) अधिकरण तत्पुरुष

17. निम्न में से 'भयभीत' का समास विग्रह कौन सा है?
CISF (HCM) 30 Oct. 2023
(a) भय का भीत (b) भय और भीत
(c) भय से भीत (d) भय के लिए भीत

18. 'चारपाई' शब्द में कौन-सा समास है?
CISF (HCM) 30 Oct. 2023
(a) तत्पुरुष समास (b) द्विगु समास
(c) बहुव्रीहि समास (d) कर्मधारय समास

19. 'मरणासन्न' शब्द में कौन-सा समास है?
CISF (HCM) 30 Oct. 2023
(a) कर्म तत्पुरुष समास (b) द्विगु समास
(c) बहुव्रीहि समास (d) कर्मधारय समास

20. 'घुड़दौड़' का समास विग्रह निम्न में से कौन सा है?
CISF (HCM) 30 Oct. 2023
(a) घोड़ों की दौड़
(b) घोड़ा जैसी तेज दौड़
(c) दौड़ने वाला घोड़ा
(d) घोड़ा और दौड़

21. जिस समास के दोनों पद अप्रधान होते है, परंतु वे एक खास अर्थ को बताते हैं, वहां पर कौन-सा समास होता है?
CISF (HCM) 30 Oct. 2023
(a) तत्पुरुष (b) बहुव्रीहि
(c) द्विगु (d) द्वंद्व

22. 'समास' का शाब्दिक अर्थ निम्न में से कौन सा है?
CISF (HCM) 30 Oct. 2023
(a) संक्षेप (b) विग्रह
(c) विच्छेद (d) विस्तार

23. शब्द 'जन्म-मरण' में निम्न में से कौन-सा समास है?
BSF (HCM) 30 Oct. 2023
(a) तत्पुरुष (b) द्वंद्व
(c) बहुव्रीहि (d) कर्मधारय

24. शब्द 'अमीर-गरीब' में कौन-सा समास है?
CISF (HCM) 31 Oct. 2023
(a) द्वंद्व (b) द्विगु
(c) बहुव्रीहि (d) तत्पुरुष

25. निम्न में से 'यशप्राप्त' के समास विग्रह का चयन करें?
CISF (HCM) 31 Oct. 2023
(a) यश से प्राप्त (b) यश जैसा प्राप्त
(c) यश के लिए प्राप्त (d) यश को प्राप्त

26. निम्न में से 'महाजन' में कौन-सा समास है?
CISF (HCM) 31 Oct. 2023
(a) बहुव्रीहि (b) कर्मधारय
(c) तत्पुरुष (d) द्विगु

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

27. शब्द 'दोपहर' में कौन-सा समास है?
CISF (HCM) 31 Oct. 2023
(a) द्वंद्व (b) द्विगु
(c) तत्पुरुष (d) बहुव्रीहि

28. 'कनफटा' किस समास भेद का उदाहरण है?
(a) बहुव्रीहि (b) द्वन्द्व
(c) अव्ययीभाव (d) कर्मधारय

29. 'जलमग्न' शब्द में समास होगा-
(a) द्वंद्व (b) अव्ययीभाव
(c) तत्पुरुष (d) कर्मधारय

30. 'वज्रपाणि' शब्द में कौन-सा समास है?
(a) तत्पुरुष (b) बहुव्रीहि
(c) द्वंद्व (d) द्विगु

31. 'भरपेट' में समास है-
(a) अव्ययीभाव (b) तत्पुरुष
(c) कर्मधारय (d) द्वंद्व

32. 'यथासंभव' में कौन-सा समास है?
(a) अव्ययीभाव (b) कर्मधारय
(c) तत्पुरुष (d) द्विगु

33. 'परमेश्वर' में कौन-सा समास है?
(a) द्वंद्व (b) कर्मधारय
(c) अव्ययीभाव (d) तत्पुरुष

34. निम्न शब्द के लिए उपयुक्त समास का चयन कीजिए-
'सुख-दुख'
(a) द्वंद्व (b) द्विगु
(c) अव्ययीभाव (d) कर्मधारय

35. 'चौराहा' में कौन-सा समास है?
(a) बहुव्रीहि (b) द्वंद्व
(c) द्विगु (d) तत्पुरुष

36. जिस समास में अर्थ की दृष्टि से उत्तर पद प्रधान और पूर्व पद गौण हो, उसे कहते हैं-
(a) द्विगु समास (b) कर्मधारय समास
(c) अव्ययीभाव समास (d) तत्पुरुष समास

37. 'नीलोत्पलम्' में कौन-सा समास है-
(a) कर्मधारय (b) बहुव्रीहि
(c) अव्ययीभाव (d) तत्पुरुष

38. 'सप्तर्षि' में समास है-
(a) तत्पुरुष (b) अव्ययीभाव
(c) द्विगु (d) द्वंद्व

उत्तरमाला

1.	(d)	2.	(d)	3.	(b)	4.	(b)	5.	(c)	6.	(a)	7.	(a)	8.	(d)	9.	(c)	10.	(b)
11.	(a)	12.	(c)	13.	(a)	14.	(c)	15.	(d)	16.	(b)	17.	(c)	18.	(b)	19.	(a)	20.	(a)
21.	(b)	22.	(a)	23.	(b)	24.	(a)	25.	(d)	26.	(b)	27.	(b)	28.	(a)	29.	(c)	30.	(b)
31.	(a)	32.	(a)	33.	(b)	34.	(a)	35.	(c)	36.	(d)	37.	(a)	38.	(c)				

Search on TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

13 अध्याय

विराम चिह्न

वाक्यांशों के मूल भाव की स्पष्टता की स्थिरता के लिए विराम चिह्न की आवश्यकता होती है। भाषा-विज्ञान को सही अर्थों में सार्थकता प्रदान करने के उद्देश्य से 'विराम चिह्नों' का बहुत महत्त्व है।

परिभाषा

शब्दों और वाक्यों के बीच आपसी संबंध और किसी विषय को उनके अर्थानुसार भिन्न-भिन्न भागों में बाँटने तथा पढ़ते समय आवश्यक विराम के लिए, रचनाओं में जिन चिह्नों का प्रयोग किया जाता है, उन्हें 'विराम चिह्न' कहते हैं; अर्थात् किसी वाक्य या वाक्यांश के उच्चारण में अर्थों की भिन्नता के अनुसार जीभ को कुछ ठहराव के साथ-साथ कहीं-कहीं विश्राम करना पड़ता है।

रचनाओं, लेखों आदि में विश्राम को सूचित करने के लिए कई तरह के चिह्नों का प्रयोग किया जाता है, जिसे व्याकरण में 'विराम चिह्न' कहते हैं।

हिंदी में प्रयुक्त विराम-चिह्न के प्रकार

उपयोग को लेकर हिंदी में प्रयुक्त विराम-चिह्नों के प्रकार को भी लेकर मतभेद हैं। कामता प्रसाद गुरु ने विराम चिह्न 20 माने हैं। विराम चिह्नों में पूर्ण विराम (।) को छोड़कर सभी अंग्रेजी से लिए माने गए हैं।

कुछ प्रमुख विराम चिह्न इस प्रकार हैं-

- **पूर्ण विराम (।)**

जैसा कि नाम के अर्थ से ही स्पष्ट है, पूरी तरह रूक जाना। जहाँ वाक्य की गति अंतिम रूप ले ले, विचार के तार एकदम टूट जाए, वहाँ पूर्ण विराम चिह्न प्रयुक्त होता है।

जैसे- मैं जाता हूँ। वह बहुत सुन्दर है। यह घोड़ा है।

- **अल्प विराम (,)**

जैसा कि नाम से ही स्पष्ट हो रहा है कि क्षण भर या थोड़ी देर का विराम या विश्राम। अर्थात् पढ़ते-लिखते समय थोड़ी देर के लिए रूकना या ठहरना। इस ठहराव के लिए 'अल्प विराम (,)' चिह्न का प्रयोग करते हैं।

जैसे- मुझे, तुम्हें और उसको भी विद्यालय जाना चाहिए।
राम, लक्ष्मण, सीता और हनुमान वन से अयोध्या आए।
उपर्युक्त उदाहरणों में दो या दो से अधिक पदों में अलगाव के लिए अल्प विराम चिह्न का प्रयोग किया गया है।

- **अर्द्धविराम (;)**

किसी वाक्य में कई स्वतंत्र वाक्य होने पर उन्हें अलग रखने एवं स्पष्ट विराम स्थल दर्शाने के लिए अर्द्ध विराम (;) का प्रयोग किया जाता है। अल्प विराम की अपेक्षा अर्द्ध विराम अधिक समय के ठहराव को दर्शाने के लिए प्रयुक्त होता है।

जैसे- सूर्यास्त हुआ; आकाश लाल हुआ; वगह पोखरों से उठकर घूमने लगे; मोर पंख फैलाकर नाचने लगे; चिड़िया भी चहचहाने लगीं।

- **प्रश्नवाचक विराम (?)**

जैसा कि नाम से ही स्पष्ट है; प्रश्नबोधक वाक्य में प्रश्न विराम (?) लगता है। एक ही वाक्य में एक से अधिक प्रश्न हों, तो प्रश्न विराम या तो अंतिम प्रश्न के बाद लगेगा या प्रत्येक प्रश्न के अंत में लगा सकते हैं।

जैसे- क्या आप दिल्ली से आ गए?
आप अयोध्या कब जाओगे?

- **विस्मयादिबोधक विराम (!)**

विस्मयादिबोधक विराम का प्रयोग आश्चर्य, भय, हर्ष और तीव्र मनोवेग प्रदर्शित करने के लिए होता है और वाक्य का प्रयोजन उत्तर पाने का न होकर भाव के प्रकटीकरण का होता है। इसका संबंध मन वेग के आधिक्य से होता है, न कि सिर्फ संबोधन के लिए।

जैसे-वाह! वाह! कितना अच्छा बोलते हो।

- **अवतरण विराम/उद्धरण चिह्न (' '/ " ")**

अवतरण/उद्धरण चिह्न के दो रूप हैं-
(क) एकल (' ') (ख) युगल (दुहरा) (" ")
इनके प्रयोग निम्नलिखित स्थितियों में किए जाते हैं-
जहाँ किसी पुस्तक से कोई वाक्य या अवतरण ज्यों-का-त्यों उतार लिए जाए या किसी के पूरे कथन का उद्धरण हो, वहाँ युगल उद्धरण चिह्न (" ") का प्रयोग होता है।
और जहाँ वाक्य के एक अंश अथवा शब्द का उद्धरण हो, वहाँ एकल उद्धरण चिह्न (' ') का प्रयोग होता है।

जैसे - महात्मा ने कहा, "मनुष्य नश्वर है।"
'कामायनी' की कथा संक्षेप में लिखिए।

- **उपविराम/अपूर्ण विराम (:)**

इस विराम का प्रयोग अत्यंत आकस्मिक होने पर अथवा किसी उद्धरण द्वारा कोई अभिप्राय व्यक्त करने की दशा में अथवा किसी कथन में एक से अधिक उदाहरण देने पर उद्धरण के पहले प्रयुक्त होता है।

'अर्द्धविराम' की अपेक्षा 'अपूर्ण विराम' में कुछ अधिक देर रूकना पड़ता है।

जैसे- उदाहरण : राम घर जाता है।
(उदाहरण के बाद अपूर्ण विराम लगाया)
विज्ञान : वरदान या अभिशाप।
तुलसीदास : एक अध्ययन।

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

- **समतामूलक चिह्न (=)**
समानता के अर्थ में प्रयुक्त चिह्न को समतामूलक चिह्न या तुल्यता सूचक चिह्न कहते हैं।
जैसे- दिन = दिवस, रात्रि = निशा, अचला = पृथ्वी।

- **तारक चिह्न (*)**
तारक चिह्न फुटनोट अथवा पाद चिह्न देने में लगाए जाते हैं और उन्हें रखकर ऊपर के शब्द अथवा वर्क वाक्यांश अथवा वाक्य से संबंध रखने वाले अंश को पृष्ठ के नीचे लिखते हैं। जैसे–*/**/+ इत्यादि।

- **त्रुटि विराम (^)**
इस चिह्न को हंस पद भी कहते हैं। जब किसी शब्द अथवा अक्षर अथवा वाक्य का प्रकाशन किया जाता है और लेख में जहाँ छूटा हुआ भाग दिखाई देता है वही पर त्रुटि विराम (^) लगाकर वाक्य के ऊपर अथवा पृष्ठों के किनारे हाशिए में उसे लिख देते हैं।
जैसे- श्याम आज ^ लकड़ी काटेगा। (ही)

- **कोष्ठक चिह्न ( )**
कोष्ठक '( )' के भीतर मुख्यत: उस सामग्री को रखते हैं; जैसे– क्रिया के भेद (सकर्मक और अकर्मक) के उदाहरण दीजिए। किसी कठिन शब्द को स्पष्ट करने के लिए; जैसे- आप की सामर्थ्य (शक्ति) को मैं जानता हूँ। नाटक में अभिनय आदि प्रकट करने हेतु; जैसे–मेघनाद (कुछ आगे बढ़कर) लक्ष्मण यदि सामर्थ्य है तो सामने आओ। विषय, विभाग सूचक अंकों अथवा अक्षरों को प्रकट करने के लिए; जैसे–संज्ञा के तीन भेद (व्यक्तिवाचक, जातिवाचक और भाववाचक) हैं।

- **लाघव चिह्न (॰)**
इसे संक्षेप में सूचक चिह्न भी कहते हैं। संक्षिप्त शब्दों के बाद लाघव विराम के चिह्न का प्रयोग होता है।
जैसे- आई॰आई॰टी॰, पं॰ जवाहरलाल नेहरू इत्यादि।

- **योजक/संयोजक चिह्न (-)**
यह सामान्यत: दो शब्दों को जोड़ता है, पर उनका स्वतंत्र अस्तित्व बना रहता हैं यह शब्द संधि की तरह मिलकर एक शब्द नहीं बन जाते।
व्याकरण में वह चिह्न (-) जो शब्दों, पदों, उपवाक्यों आदि को जोड़ता है, योजक चिह्न कहलाता है। उदाहरण के लिए लाभ-हानि, लेनी-देनी आदि।
संज्ञा का दोहराव करते हुए भी योजक चिह्न (-) का प्रयोग होता है। जैसे–घर-घर, जंगल-जंगल, कोना-कोना आदि।

- **लोपसूचक चिह्न (........)**
लेखक लिखते समय कुछ अंश छोड़ देता है तो उस छोड़े हुए के स्थान पर XXX या ...... लगा देता है।
जैसे- "तुम्हारा सब काम करूँगा। .... बोलो, बड़ी माँ .... तुम गाँव छोड़कर चली तो नहीं जाओगी?

- **विवरण चिह्न (:-)**
किसी कही हुई बात को स्पष्ट करने या उसका विवरण प्रस्तुत करने के लिए वाक्य के अंत में इसका प्रयोग होता है।
जैसे- पुरुषार्थ चार हैं :- धर्म, अर्थ, काम एवं मोक्ष।

- **समाप्तिबोधक चिह्न (-0--)**
किसी अध्याय या ग्रंथ की समाप्ति पर इस चिह्न का प्रयोग करते हैं। इसे -0-- चिह्न से प्रदर्शित करते हैं।

- **पुनरावृत्ति चिह्न (" " " ")**
जब ऊपर लिखी किसी बात को ज्यों का त्यों नीचे लिखना हो तो उसके नीचे पुन: वही न लिखकर इस चिह्न का प्रयोग करते हैं।
जैसे- राम घर जाता है।
श्याम " " "

- **निर्देशक चिह्न (—)**
किसी शब्द की पुनरावृत्ति होने पर एवं शब्द युग्मों के मध्य आदि में इस चिह्न का प्रयोग होता है।
जैसे- अध्यापक — तुम खा सकते हो।

परीक्षोपयोगी प्रश्न

1. **निम्नलिखित में से 'संयोजक चिह्न' कौन-सा है ?**
CISF (HCM) 30 Oct. 2023
(a) (-) (b) (:)
(c) (=) (d) (:-)

2. **निम्नलिखित में से 'अल्पविराम चिह्न' कौन-सा है?**
CISF (HCM) 30 Oct. 2023
(a) (,) (b) (-)
(c) (?) (d) (!)

3. **निम्नलिखित में से 'कोष्ठक चिह्न' कौन-सा है?**
(a) ( ) (b) ;
(c) - (d) :
CISF (HCM) 30 Oct. 2023

4. **निम्नलिखित में से 'लोप सूचक चिह्न' कौन-सा है?**
CISF (HCM) 30 Oct. 2023
(a) (.....) (b) (?)
(c) (;;;) (d) (!)

5. **निम्नलिखित में से 'लाघव चिह्न' कौन-सा है?**
CISF (HCM) 30 Oct. 2023
(a) (?) (b) (-)
(c) (?) (d) (॰)

6. **निम्नलिखित में से 'विस्मयादिबोधक चिह्न' कौन-सा है?**
CISF (HCM) 30 Oct. 2023
(a) (...) (b) (;)
(c) (!) (d) (॰)

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

7. निम्नलिखित में से 'निर्देशक चिह्न' कौन-सा है?
CISF (HCM) 31 Oct. 2013
(a) (?) (b) (—)
(c) (॰) (d) (:)

8. निम्नलिखित में से 'विवरण चिन्ह' कौन-सा है?
CISF (HCM) 31 Oct 2023
(a) (॰) (b) (;)
(c) (:-) (d) (?)

9. किसी पद, उपवाक्य आदि की विशेषता दिखाने के लिए शब्द के नीचे एक रेखा खींचते हैं, उसे कहते हैं-
(a) प्रश्नवाचक चिह्न (b) अधोरेख चिह्न
(c) कोष्ठक चिह्न (d) तिर्यक चिह्न

10. मुझे बाहर जाना है। रेखांकित चिह्न को पहचानिए-
(a) पूर्ण विराम (b) प्रश्नवाचक चिह्न
(c) अल्प विराम (d) लाघव चिह्न

11. प्रश्न चिह्न कौन-सा है?
(a) । (b) ?
(c) ! (d) .

12. विवरण चिह्न को पहचाने-
(a) " " (b) :-
(c) 0 (d) ----

13. 'अल्प विराम' का चिह्न है-
(a) ; (b) .
(c) । (d) !

14. निम्नलिखित चिह्नों में से पूर्ण विराम को पहचानिए-
(a) (।) (b) (;)
(c) (-) (d) (?)

15. (........) चिह्न कौन-सा है?
(a) लोपसूचक चिह्न (b) स्थानसूचक चिह्न
(c) समाप्ति सूचक चिह्न (d) टीका सूचक चिह्न

16. संज्ञा की द्विरुक्ति हो तो उनके बीच कौन-सा चिह्न रहता है?
(a) अवतरण (b) योजक
(c) कोष्ठक (d) निर्देशक

17. भूल सुधारने अथवा शब्द में किसी त्रुटि को सही दिखाने के लिए किस कोष्ठक का प्रयोग किया जाता है-
(a) ( ) (b) [ ]
(c) { } (d) इनमें से कोई नहीं

18. जब वाक्य में एक समान अधिकरण का प्रयोग होता है तो किस विराम चिह्न का प्रयोग होता है?
(a) अल्प विराम (b) अर्द्धविराम
(c) संकेत चिह्न (d) लाघव चिह्न

19. मिश्रित तथा संयुक्त वाक्यों में विरोध का भाव प्रकट करने के लिए किस विराम चिह्न का प्रयोग किया जाता है?
(a) अर्द्ध विराम (b) उपविराम
(c) योजक चिह्न (d) कोष्ठक

20. करणवाचक क्रिया विशेषण में किस प्रकार के विराम चिह्न का प्रयोग होता है?
(a) उप विराम (b) विवरण चिह्न
(c) उद्धरण चिह्न (d) अर्द्ध विराम

21. आशीष राहुल राजा शुक्ल और वैभव अपने कार्य में संलग्न हैं। इस वाक्य में उचित विराम चिह्न है-
(a) . (b) ;
(c) । (d) :

22. 'आनंद घर आया थोड़ी देर रुका और चला गया' इस वाक्य में उचित विराम होगा-
(a) . (b) ;
(c) । (d) ?

23. मैं कृष्ण के घर पहुँचा परंतु वह नहीं मिला' इस वाक्य में कौन-सा विराम चिह्न लगेगा?
(a) . (b) :
(c) ; (d) ?

24. पूर्ण विराम का प्रयोग किया जाता है-
(a) वाक्य के प्रारंभ में (b) वाक्य के अंत में
(c) वाक्य में मध्य में (d) इनमें से कोई नहीं

25. किस स्थिति में पूर्ण विराम चिह्न का प्रयोग नहीं किया जाता है-
(a) वाक्य के अंत में
(b) कहानी उपन्यास लिखने में
(c) छंद के चरणों की समाप्ति पर
(d) छंदों के एक चरण की समाप्ति पर

26. समानाधिकरण शब्दों के मध्य में किस विराम चिह्न का प्रयोग होता है?
(a) ; (b) .
(c) : (d) !

27. वाक्य में जब एक ही प्रकार की कई संज्ञाएँ आयें तो उनके बीच किस प्रकार का विराम चिह्न लगता है?
(a) ; (b) .
(c) ' ' (d) -

28. 'तुम कब आओगे' इस वाक्य में उचित विराम का प्रयोग करें।
(a) पूर्ण विराम (b) प्रश्नवाचक चिह्न
(c) उपविराम (d) कोष्ठक

29. छंदों में एक चरण की समाप्ति पर किस विराम चिह्न का प्रयोग होता है?
(a) . (b) :
(c) ; (d) ' '

30. 'अहा तुम्हें पाकर कितना आनंद आ रहा है' वाक्य में उचित विराम चिह्न का प्रयोग करें।
(a) प्रश्नवाचक चिह्न (b) विस्मयादि बोधक चिह्न
(c) उप विराम (d) पूर्ण विराम

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

31. 'रामू जो बड़ा अच्छा खिलाड़ी है कल उसकी टाँग टूट गयी' वाक्य में उचित विराम का प्रयोग करें।
(a) अल्प विराम (,) (b) अर्द्ध विराम (;)
(c) विवरण चिह्न (' ') (d) लाघव चिह्न (.)

32. 'कबीर वाणी के डिक्टेटर थे' इस वाक्य में किस विराम चिह्न का प्रयोग हुआ है?
(a) उद्धरण चिह्न (b) पुनरुक्तिसूचक चिह्न
(c) लाघव चिह्न (d) टीका सूचक

33. 'जाना है तो जल्दी जाओ' वाक्य में उचित विराम चिह्न का प्रयोग करें।
(a) अल्प विराम (b) अर्द्ध विराम
(c) लाघव चिह्न (d) विवरण चिह्न

34. संयोजक चिह्न (-) को किस अन्य नाम से जानते हैं?
(a) सामासिक चिह्न (b) कोष्ठक
(c) अवतरण चिह्न (d) इनमें से कोई नहीं

35. किसी कठिन शब्द को स्पष्ट करने के लिए किस विराम चिह्न का प्रयोग होता है?
(a) विवरण चिह्न (b) निर्देशक
(c) उप विराम (d) कोष्ठक

36. निम्न में से कौन विराम चिह्न का प्रकार नहीं है?
(a) निर्देशक (b) लाघव
(c) उपदेशक (d) विवरण

37. जहाँ वाक्य की गति अंतिम रूप ले ले, विचार के तार टूट जाएँ, वहाँ किस चिह्न का प्रयोग किया जाता है?
(a) योजक (b) अल्प विराम
(c) उद्धरण चिह्न (d) पूर्ण विराम

38. समाप्ति सूचक चिह्न की पहचान करें।
(a) -0- या --- (b) ^
(c) ÷ (d) इनमें से कोई नहीं

39. श्री कामता प्रसाद गुरु जी के अनुसार विराम चिह्नों की संख्या कितनी है?
(a) 20 (b) 18
(c) 17 (d) 6

40. श्री कामता प्रसाद गुरु जी के अनुसार विराम चिह्नों को किस भाषा से लिया हुआ माना जाता है?
(a) अरबी (b) अंग्रेजी
(c) फ्रेंच (d) चीनी

41. विराम का अर्थ है-
(a) चलना (b) ठहरना या रुकना
(c) बिछुड़ना (d) स्वर

42. कोष्ठांकित विराम चिह्न का नाम क्या है? (;)
(a) योजना-विराम (b) अर्द्ध विराम
(c) अल्प विराम (d) निर्देशक चिह्न

43. '=' विराम चिह्न प्रयुक्त होता है-
(a) विराम चिह्न (b) तुल्यता चिह्न
(c) लाघव चिह्न (d) संयोजक चिह्न

44. पुनरुक्ति व लाघव चिह्न को पहचाने-
(a) " " " व 0 (b) --- व -
(c) . व 0 (d) ÷ व .

45. किस शब्द में 'ए' स्वर नहीं है?
(a) वैदिक (b) एटा
(c) स्नेह (d) एकदन्त

46. किसी बड़े अंश का संक्षिप्त रूप दर्शाने के लिए किस चिह्न का प्रयोग किया जाता है?
(a) लाघव चिह्न या संक्षेप सूचक चिह्न
(b) अल्प विराम
(c) अर्द्ध विराम
(d) कोष्ठक

47. हंस पद किस विराम का एक अन्य नाम है?
(a) लोप विराम (b) अल्प विराम
(c) पूर्ण विराम (d) त्रुटि विराम

48. पाद चिह्न श्री कामता प्रसाद गुरु जी ने किस नाम से अभिविहित किया है?
(a) रेखा (b) ध्वनि
(c) पंक्ति (d) इनमें से कोई नहीं

उत्तरमाला

1.	(a)	2.	(a)	3.	(a)	4.	(a)	5.	(d)	6.	(c)	7.	(b)	8.	(c)	9.	(b)	10.	(a)
11.	(b)	12.	(b)	13.	(b)	14.	(a)	15.	(a)	16.	(b)	17.	(b)	18.	(b)	19.	(a)	20.	(d)
21.	(a)	22.	(a)	23.	(c)	24.	(b)	25.	(d)	26.	(b)	27.	(b)	28.	(b)	29.	(a)	30.	(b)
31.	(a)	32.	(a)	33.	(a)	34.	(a)	35.	(d)	36.	(c)	37.	(d)	38.	(a)	39.	(a)	40.	(b)
41.	(b)	42.	(b)	43.	(b)	44.	(a)	45.	(a)	46.	(a)	47.	(d)	48.	(a)				

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

14 अध्याय

मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ

परिभाषा

आमतौर पर कुछ लोग मुहावरे को 'रोजमर्रा', 'बोलचाल', 'तर्जेकलाम' या 'इस्तलाह' भी कहते हैं, परंतु इनमें से किसी भी शब्द को 'मुहावरे' के पूर्ण पर्यायवाची के रूप में परिभाषित नहीं किया जा सकता है।

विभिन्न विद्वानों ने विभिन्न प्रकार से 'मुहावरे' की परिभाषा दी है-

"हिन्दी-उर्दू में लक्षणा अथवा व्यंजना द्वारा सिद्ध वाक्यों को ही मुहावरा कहते हैं।" **- डॉ. उदय नारायण तिवारी**

"किसी भाषा की अभिव्यंजना के विशिष्ट रूप को मुहावरा कहते हैं।" **- ऑक्सफोर्ड कन्साइज डिक्शनरी**

"मुहावरा शब्दों का वह क्रम या समूह है जिसमें सभी शब्दों का अर्थ एक साथ मिलाकर लिखा जाता है।" **- ए. एस. हॉर्नबी**

मुहावरे रूप की दृष्टि से पदबंध जैसे होते हैं किन्तु उनमें और साधारण पदबंध में बहुत अंतर होता है। मुहावरे के सतत् प्रयोग के कारण अपने शब्दार्थ को छोड़कर विशेष रूप से भाषा जीवंत और प्रभावशाली प्रतीत होती है। इनके प्रयोग से भाषा में रोचकता, रंजकता, प्रवाह व लालित्य के गुण का सृजन होता है।

'मुहावरा' शब्द अरबी भाषा से लिया गया है, जिसका अर्थ है- अभ्यास। हिन्दी भाषा में मुहावरों का प्रयोग भाषा को सुंदर, प्रभावशाली, संक्षिप्त तथा सरल बनाने के लिए किया जाता है। ये प्रायः वाक्यांश होते हैं। इनका प्रयोग करते समय इनका शाब्दिक अर्थ न लेकर विशेष अर्थ लिया जाता है।

उदाहरण-

1. **रस्सी का साँप बनाना** - बात का बतंगड़ बनाना।
2. **रस्सी जल गई पर ऐंठन न गई** - सर्वनाश हो गया पर घमंड नहीं गया।
3. **राम मिलाई जोड़ी, एक अंधा एक कोढ़ी** - बराबर का मेल हो जाना।
4. **लंका में सब बावन गज के** - एक से बढ़कर एक।
5. **लातों के भूत बातों से नहीं मानते** - दुष्ट लोगों से कड़ाई से पेश आना पड़ता है।
6. **लाल गुदड़ी में नहीं छिपते** - उत्तम प्रकृति के लोगों का पता चल ही जाता है।
7. **लेना एक न देना दो** - किसी से कुछ मतलब न रखना।
8. **वहम की दवा लुकमान हकीम के पास भी नहीं है** - वहम सबसे बुरा रोग है।
9. **शक्ल चुड़ैल की, मिज़ाज परियों का** - बेकार का नखरा।
10. **शेरों का मुँह किसने धोया** - सामर्थ्यवान् के लिए कोई उपाय नहीं।
11. **सखी न सहेली, भली अकेली** - अकेले रहना अच्छा।
12. **साँच को आँच नहीं** - सच्चे आदमी को कोई खतरा नहीं।
13. **साँप मरे लाठी न टूटे** - बिना बल प्रयोग के काम हो जाना।
14. **सावन हरे न भादों सूखे** - सदा एक सी दशा।
15. **सिर मुँड़ाते ही ओले पड़ना** - शुरू में ही विघ्न पड़ना।
16. **सौ दिन चोर के, एक दिन साह का** - चोरी एक न एक दिन पकड़ी ही जाती है।
17. **सौ सुनार की एक लोहार की** - निर्बल के मुकाबले बलवान का प्रभाव अधिक होता है।
18. **हथेली पर सरसों नहीं जमती** - कठिन काम इतनी जल्दी नहीं हो जाता।

BSF (HCM) की परीक्षानुरूप महत्त्वपूर्ण मुहावरों का संकलन

मुहावरे/लोकोक्तियाँ	अर्थ
अंगूठा दिखाना	इनकार करना
अंधे की लकड़ी	एकमात्र सहारा
अंधे के आगे रोना	व्यर्थ प्रयत्न करना
अंधे के हाथ बटेर लगना	अनायास ही मिलना
अक्ल के पीछे लट्ठ लिए फिरना	मूर्खतापूर्ण कार्य करना
अक्ल का अंधा/अक्ल का दुश्मन	महामूर्ख होना
अपने मुँह मियाँ मिट्ठू बनना	आत्मप्रशंसा करना
आँख मूँदना	मर जाना/अनदेखी करना

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

मुहावरे/लोकोक्तियाँ	अर्थ
आँखों में धूल झोंकना	धोखा देना
आकाश पाताल एक करना	कठिन परिश्रम करना
उँगली पर नचाना	वश में रखना
उड़ती चिड़िया पहचानना	दूरदर्शी होना
ऊधो का न लेना न माधो का देना	किसी से किसी प्रकार का संबंध न रखना
एक तीर से दो शिकार	एक कार्य से दो उद्देश्यों की पूर्ति करना
औंधे मुँह गिरना	पराजित होना
औकात पहचानना	यह जानना कि किसी में कितना सामर्थ्य है।
कलेजे पर पत्थर रखना	धैर्य धारण करना
कूपमण्डूक होना	सीमित ज्ञान
काँटों पर लेटना	बेचैन होना
काँटा दूर होना	बाधा दूर होना
कमर कसना	तैयार होना
कदम उखड़ना	भाग खड़े होना
कालिख पोतना	बदनामी करना
कंगाली में आटा गीला होना	अभाव में और भी अभाव होना
गागर में सागर भरना	थोड़े में बहुत कुछ कहना
चोली दामन का साथ	अत्यन्त निकटता
चैन की बंशी बजाना	बेफिक्र हो जाना
चिराग तले अँधेरा	अपना दोष स्वयं दिखाई नहीं देता
चोर की दाढ़ी में तिनका	अपराधी सदैव सशंक रहता है
चेहरे पर हवाइयाँ उड़ना	आश्चर्य होना/घबरा जाना
घाट-घाट का पानी पीना	बहुत अनुभव प्राप्त करना
टूट पड़ना	आक्रमण करना
टेढ़ी खीर	कठिन काम या बात
ठन-ठन-गोपाल	पैसा पास न होना
तेली का बैल	हर समय काम में लगे रहना
दाहिना हाथ	बहुत बड़ा सहायक होना
जूतियों में दाल बाँटना	अनबन होना/अपमान करना
धूप में बाल सफेद होना	अनुभवहीन होना
नाक में नकेल डालना	वश में करना
नाकों-चने चबाना	बहुत तंग करना
फूँक-फूँक कर पाँव रखना	सतर्कता से कार्य करना

मुहावरे/लोकोक्तियाँ	अर्थ
फट पड़ना	एक दम गुस्से में हो जाना
बखिया उधेड़ना	भेद खोलना
बाँए हाथ का खेल	अति सरल काम
भैंस के आगे बीन बजाना	बेसमझ आदमी को उपदेश देना
भगीरथ प्रयत्न करना	कठोर परिश्रम
मुँह की खाना	हार जाना/अपमानित होना
मुँह पकड़ना	बोलने न देना
मुट्ठी गरम करना	रिश्वत देना
मिट्टी का माधो	बहुत ही मूर्ख
लंगोटी में फाग खेलना	दरिद्रता में आनन्द मनाना
लोहे के चने चबाना	कठिनाइयों का सामना करना
लाल पीला होना	गुस्से में होना
श्री गणेश करना	कार्य आरम्भ करना
साँप छछूँदर की गति होना	असमंजस की दशा में होना
सब्ज बाग दिखाना	लालच देकर बहकाना
हाथ-पाँव फूल जाना	डर से घबरा जाना
अँगूठा चूमना	खुशामद करना/चापलूसी करना
आँखें चार होना	देखा-देखी होना या प्रेम होना
आँखें थकना	प्रतीक्षा में निराश होना
आँख दिखाना	क्रोध प्रकट करना
आँखों का पानी ढल जाना	लज्जा रहित हो जाना
आँखों मे चर्बी छाना	घमण्डी होना
आठ-आठ आँसू रोना	अत्यधिक विलाप करना
आग में कूद पड़ना	खतरा मोल लेना
अंडे का शहजादा	अनुभवहीन
अपनी डफली आप बजाना	अपने मन की करना
आग उगलना	क्रोध प्रकट करना
आग में घी डालना	झगड़ा बढ़ाना/क्रोध भड़काना
आग पानी का बैर	स्वाभाविक शत्रुता
अपना उल्लू सीधा करना	अपना स्वार्थ साधना
ऐड़ी चोटी का पसीना एक करना	खूब परिश्रम करना
कलम तोड़ना	बहुत अच्छा लिखना

Search on TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

मुहावरे/लोकोक्तियाँ	अर्थ
काँटों में घसीटना	संकट में डालना
करवटें बदलना	बेचैन रहना
काला अक्षर भैंस बराबर	अनपढ़/निरा मूर्ख
नीम हकीम खतरा-ए-जान	अनुभवहीन व्यक्ति के हाथों काम बिगड़ सकता है।
कोल्हू का बैल	खूब परिश्रमी
कटे पर नमक छिड़कना	दुखी को और दुखी करना
किस खेत की मूली	अधिकारहीन/शक्तिहीन
खटाई में पड़ना	झमेले में पड़ना
खरी-खोटी सुनाना	भला-बुरा कहना
खून का प्यासा	जान से मारने पर उतारू
गुड़ गोबर करना	बनाया काम बिगाड़ना
गीदड़ भभकी	मन में डरते हुए भी ऊपर से दिखावटी क्रोध करना
गुरु घंटाल	बहुत चालाक
गड़े मुर्दे उखाड़ना	दबी हुई बात फिर से उभारना
गूलर का कीड़ा	सीमित दायरे में भटकना
गुदड़ी का लाल	गरीब के घर गुणवान का होना
घोड़े बेचकर सोना	बेफिक्र होकर सोना
चार दिन की चाँदनी	क्षणिक सुख
चाँद पर थूकना	किसी बड़े पुरुष पर कलंक लगाना
चुल्लू भर पानी में डूब मरना	अत्यन्त लज्जित होना
चम्पत हो जाना	भाग जाना
चकमा देना	धोखा देना
छाती पर मूँग दलना	कष्ट देना
छाती पर पत्थर रखना	असह्य दु:ख को दिल में दबा लेना
छोटे मुँह बड़ी बात	योग्यता से बढ़कर बोलना
छाती पर साँप लोटना	ईर्ष्या से हृदय जलना
पैरों तले जमीन खिसकना	होश उड़ना।
जलती आग में तेल डालना	और झगड़ा बढ़ाना
जी का जंजाल होना	अच्छा न लगना/व्यर्थ का झंझट
जान पर खेलना	प्राण संकट में डालना
डींग हाँकना/शेखी बघारना	बढ़-चढ़कर बातें करना

मुहावरे/लोकोक्तियाँ	अर्थ
तिल का ताड़ करना	छोटी बात को बड़ी बनाना
तेवर बदलना	क्रोध करना/व्यवहार बदलना
तूती बोलना	प्रसिद्ध होना/खूब चलना
दूध के दाँत न टूटना	अनुभव का न होना
दायें-बायें देखना	सावधान होना
धरती पर पाँव न रखना	घमंडी होना
हींग लगे न फिटकरी रंग भी चोखा हो	साधारण मेहनत से अच्छा काम कर लेना
हाथ का दिया आड़े आए	अपना कर्म ही फल देता है।
धाक जमाना	रोब दिखाना या होना
नेकी और पूछ-पूछ	बिना कहे ही भलाई करना
नौ दो ग्यारह होना	भाग जाना
पानी-पानी होना	अधिक लज्जित होना
पानी-पानी करना	लज्जित करना
पानी में आग लगाना	असंभव कार्य करना
पोल खोलना	रहस्य प्रकट करना
पापड़ बेलना	बहुत संघर्ष करना
पौ बारह होना	खूब लाभ होना
पीठ ठोंकना	साहस बढ़ाना
पीठ दिखाना	पलायन करना
फूला न समाना	काफी खुश होना
फूटी आँखों न भाना	तनिक भी न सुहाना
बगुला भगत	कपटी व्यक्ति/ढोंगी व्यक्ति
बहती गंगा में हाथ धोना	समय का लाभ उठाना
बगलें झाँकना	बचाव का रास्ता ढूँढ़ना
बाग-बाग होना	खुश होना
बाँसों उछलना	काफी खुश होना
भीगी बिल्ली बनना	लाचार होना/डर जाना
भनक पड़ना	उड़ती हुई खबर सुनना
भाड़ झोंकना	समय नष्ट करना
मन फट जाना	विराग होना
मिट्टी के मोल बिकना	बहुत सस्ता होना
मीन-मेख करना	व्यर्थ तर्क

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

मुहावरे/लोकोक्तियाँ	अर्थ
मैदान मारना	विजय प्राप्त करना
रंगा सियार होना	धोखेबाज व्यक्ति
मुर्गी को तकवे का घाव भी बहुत है	कमजोर आदमी थोड़ा सा कष्ट भी नहीं सह सकता।
होश उड़ जाना	घबरा जाना
हक्का-बक्का रह जाना	आश्चर्यचकित होना
हवा लगना	प्रभाव पड़ना/असर पड़ना
हथियार डाल देना	हार मान लेना
हड़प जाना	हज़म कर जाना
अंक भरना/लगाना	गले लगाना/आलिंगन करना
अंग-अंग खिल उठना	प्रसन्न हो जाना
अंग-अंग ढीला होना	फुर्ती न रहना
अंग-अंग फूले न समाना	बहुत आनंदित होना
अंग टूटना	थकावट से शरीर में दर्द होना
अंगूठी का नगीना	सजीला और सुंदर
अंटी मारना	चाल चलना
अंडा फूट जाना	भेद खुल जाना
अंडे सेना	घर में बेकार बैठे रहना
अंधेर खाता	अन्याय/अव्यवस्था
अंगार/अंगारे बरसना	कड़ी धूप होना
अंगारों पर पैर रखना	जोखिम मोल लेना
अंदर होना	जेल में बंद होना
अंधेर नगरी	जहाँ धाँधली हो
अँधेरे घर का उजाला	इकलौता बेटा
अँधेरे में रखना	भेद छिपाना
बोए पेड़ बबूल के आम कहाँ से होय	जैसा कर्म करोगे वैसा ही फल मिलेगा
अक्ल पर पत्थर/परदा पड़ना	बुद्धि भ्रष्ट होना
अटकलें भिड़ाना	उपाय सोचना
अठखेलियाँ सूझना	हँसी दिल्लगी करना
बूढ़ी घोड़ी लाल लगाम	बुढ़ापे में जवानी का शृंगार या नखरे
अंधा बनाना	मूर्ख बनाकर धोखा देना
अढ़ाई चावल की खिचड़ी अलग पकाना	सबसे अलग सोच-विचार रखना/स्वार्थी होना

मुहावरे/लोकोक्तियाँ	अर्थ
अढ़ाई दिन की बादशाहत	थोड़े दिन की शान-शौकत
अधर में लटकना या झूलना	दुविधा में पड़े रह जाना
अन्न जल उठ जाना	किसी जगह से चले जाना
अपना-अपना राग अलापना	अपनी ही बातें कहना
अपना-सा मुँह लेकर रह जाना	लज्जित होना
अपनी खाल में मस्त रहना	अपनी दशा से संतुष्ट रहना
अपनी खिचड़ी अलग पकाना	अलग-थलग रहना
अबे-तबे करना	आदर से न बोलना
अपने पैरों पर खड़ा होना	स्वावलंबी होना
अब-तब करना	टाल देना
आपे में न रहना	संयम में न रहना
आँख आना	आँख दुखना
आँख का काँटा	शत्रु
आँख का काजल	अत्यंत प्रिय
आँखें पथरा जाना	आँखें थक जाना
आँखों का काजल चुराना	बड़ी सफाई से चोरी करना
आँखें फेर लेना	प्रतिकूल होना
बिन रोए तो माँ भी दूध नहीं पिलाती	बिना यत्न किये कुछ भी नहीं मिलता।
आँखों में खून उतरना	गुस्से से आँखें लाल हो जाना
आँखों में धूल झोंकना	धोखा देना
आँखों से गिरना	आदर भाव घट जाना
आँच न आने देना	जरा सा भी कष्ट न होने देना
आँचल पकड़ना	सहारा लेना
आँधी के आम	सस्ती चीजें
आँसू पोंछना	ढाढस बँधाना/धैर्य प्रदान करना
आकाश-कुसुम	अनहोनी या असंभव बात
आग पर तेल छिड़कना	और भड़काना
आग पर पानी डालना	झगड़ा मिटाना
आग बबूला होना	बहुत गुस्सा होना

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

मुहावरे/लोकोक्तियाँ	अर्थ
आग लगाकर तमाशा देखना	झगड़ा पैदा करके खुश होना
आटे-दाल का भाव मालूम होना	दुनियादारी का ज्ञान होना
आसमान टूट पड़ना	अचानक विपत्ति आ पड़ना
आसमान पर चढ़ा देना	बहुत तारीफें करना
आसमान सिर पर उठाना	बहुत शोर करना
आस्तीन का साँप	विश्वासघाती मित्र
इशारों पर नाचना	किसी की इच्छाओं का तुरंत पालन करना
ईंट से ईंट बजाना	विनाश करना
ईद का चाँद होना	बहुत दिनों बाद दिखाई देना
उधेड़-बुन में पड़ना/रहना	सोच-विचार करते रहना
उबल पड़ना	एकदम गुस्सा हो जाना
उल्टी गंगा बहाना	प्रतिकूल कार्य करना
उल्टी माला फेरना	अहित सोचना
ऊँचे-नीचे पैर पड़ना	बुराई में पड़ जाना
एक घाट का पानी पीना	एकता और सहनशीलता होना
एक ही थाली के चट्टे-बट्टे	एक जैसे चरित्र और विचार के लोग
ओखली में सिर देना	जोखिम मोल लेना
औंधी खोपड़ी	मूर्ख
कंधे से कंधा छिलना	भारी भीड़ होना
कच्चा चिट्ठा खोलना	सब भेद खोल देना
कटे पर नमक छिड़कना	दु:खी को और दु:खी करना
कमर कसना	तैयार हो जाना
कलम का धनी	अच्छा लेखक
कलेजा मुँह को आना	दु:ख होना
कलेजा ठंडा होना	मन को शांति मिलना
कलेजे पर साँप लोटना	डाह से कुढ़ना
काँटे बिछाना	अड़चने पैदा करना
बाप न मारे मेंढकी, बेटा तीरंदाज	बड़े से छोटे का आगे निकल जाना।
कागजी घोड़े दौड़ाना	केवल लिखा-पढ़ी करते रहना
काठ का उल्लू	महामूर्ख

मुहावरे/लोकोक्तियाँ	अर्थ
कान कतरना	बहुत चालाक होना
कान खोलना	सावधान कर देना
कान भरना	चुगली करना
काफूर होना	गायब हो जाना/चंपत होना
काम तमाम करना	मार डालना
काला नाग	खोटा या घातक व्यक्ति
काले कोसों	बहुत दूर
कीचड़ उछालना	निंदा करना/लांछन लगाना
कुँए में गिरना	विपत्ति में पड़ना
उठा न रखना	कोई कसर न छोड़ना
कूच कर जाना	चले जाना/मर जाना
कोई दम भर का मेहमान होना	मरने के करीब होना
कोर दबना	दबाव में होना
कौड़ी-कौड़ी पर जान देना	कंजूस होना
बाँझ क्या जाने प्रसव की पीड़ा	जिस पर बीतती है वही जानता है
खाक छानना	मारा-मारा फिरना/भटकना
खाक में मिलाना	नष्ट करना
खुले हाथ	उदारता से
खून खौलना/उबलना	जोश आना/क्रोधित होना
खून-पसीना एक करना	कड़ी मेहनत करना
खेत आना/रहना	रणभूमि में मारा जाना
गंगा नहाना	कठिन कार्य पूरा होना
गठरी मारना	सामान चुरा लेना
गढ़ जीतना	बहुत कठिन काम करना
गले पड़ा ढोल बजाना	सिर पर पड़ी जिम्मेदारी को मजबूरन पूरा करना
गले मढ़ना	जबरदस्ती सौंपना
गहरा हाथ मारना	बहुत कुछ हथिया लेना
गाँठ में बाँधना	खूब याद रखना
गाजर मूली समझना	तुच्छ समझना
गाढ़े का साथी	संकट का साथी
गाल फुलाना	रूठना
गिरगिट की तरह रंग बदलना	एक बात पर स्थिर न रहना
बड़े बोल का सिर नीचा	जो घमंड करता है उसको नीचा देखना पड़ता है।
गुल खिलाना	कोई बखेड़ा खड़ा करना

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

मुहावरे/लोकोक्तियाँ	अर्थ
गूलर का फूल	दुर्लभ वस्तु
गोबर गणेश	बिल्कुल बुद्धू
घड़िया गिनना	बेचैनी से प्रतीक्षा करना
घर काटे खाना	घर में कोई न होने से अकेलापन अखरना
घर का न घाट का	कहीं का नहीं
घर फूँक तमाशा देखना	अपनी हानि करके मौज उड़ाना
घाव हरा करना	भूले हुए दुख को याद दिलाना
घास काटना	फूहड़ काम करना
घास छीलना	व्यर्थ समय गँवाना
घी के दिये जलाना	खुशी मनाना
घोघा बसंत	मूर्ख
चंडाल चौकड़ी	निकम्मे बदमाश लोग
चचा बनाकर छोड़ना	खूब मरम्मत करना
चप्पा-चप्पा छान मारना	हर जगह ढूँढ लेना
चलता पुर्जा	चालाक और व्यवहार-कुशल
चलता बनना	खिसक जाना
चल बसना	मर जाना
चाँदी का जूता	रिश्वत का धन
चाँदी काटना	खूब धन अर्जित करना
चार चाँद लगना	शोभा बढ़ाना
चिकना घड़ा	बेशर्म
बंदर क्या जाने अदरक का स्वाद	अज्ञानी व्यक्ति गुणवान वस्तु की कद्र नहीं जानता
चुल्लुओं लहू पीना	बहुत परेशान करना
चूड़ियाँ पहनना	कायर बनना
चूना लगाना	धोखा देना
चूलें ढीली होना	अधिक थकावट होना
छक्के छूटना	बुद्धि चकरा जाना
छप्पर फाड़कर देना	बिना परिश्रम एकदम लाभ होना
छाँह न छूने देना	पास तक न आने देना
जड़ काटना	समूल नष्ट करना
जबान काट कर देना	वादा करना
जबान में लगाम न होना	बेमतलब बोलते जाना
जमीन आसमान का फर्क	बहुत भारी अंतर
जहर उगलना	कड़वी बातें कहना

मुहावरे/लोकोक्तियाँ	अर्थ
जहर की पुड़िया	झगड़ालू औरत
जान में जान आना	चैन मिलना
आपे से बाहर होना	अति क्रुद्ध होना
जी खट्टा होना	विरक्ति उत्पन्न होना/मन में वैराग पैदा होना
जीती मक्खी निगलना	जानते हुए भी धोखा खाना
जी भर आना	दुखी होना
झाड़ू फेरना	नष्ट करना
टका-सा जवाब देना	साफ इन्कार करना
फलूदा खाते दाँत टूटे तो टूटे	स्वाद के लिए नुकसान भी मंजूर है।
टट्टू पार होना	काम निकल जाना
टाँग अड़ाना	बाधा पैदा करना
टेढ़ी खीर	कठिन काम
ठीकरा फोड़ना	दोष लगाना
डकार जाना	माल पचा जाना
पेट में दाढ़ी होना	छोटी सी उम्र में ही बहुत ज्ञान होना
डेढ़ चावल की खिचड़ी पकाना	बहुमत से अलग रहना
ढाई घड़ी का आना	अचानक मर जाना
तख्ता उलटना	सरकार बदलना
तलवा खुजलाना	यात्रा के संकेत का स्पष्ट होना
तलवे चाटना	खुशामद करना
तारे गिनना	नींद न आना
तीन पाँच करना	टाल-मटोल करना
तेवर चढ़ाना	गुस्सा होना
थूक कर चाटना	वचन से फिरना
दमड़ी के तीन होना	बहुत तुच्छ या सस्ता होना
दम भरना	दावा करना
दाँत खट्टे करना	हरा देना
दाई से पेट छिपाना	जानकार से बात छिपाना
हीजड़े के घर बेटा हुआ	असंभव बात
दाल का न गलना	सफल न होना
दिन में तारे दिखाई देना	परेशानी में पड़ना
दिन पहाड़ होना	दिन काटे न कटना
दिनों का फेर होना	भाग्य का चक्कर

Search on TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

मुहावरे/लोकोक्तियाँ	अर्थ
दिल भर आना	शोकाकुल होना
दूज का चाँद होना	बहुत दिनों बाद दिखाई देना
देवता कूचकर जाना	अत्यन्त भयभीत हो जाना
दो दिन के मेहमान	मरणासन्न होना
धज्जियाँ उड़ाना	दुर्गति करना
नब्ज पहचानना	स्वभाव जानना
नस-नस फड़क उठना	बहुत उत्साहित होना
नाक कटना	बदनामी होना
नाक रगड़ना	गिड़गिड़ाना
नाच नचाना	मनचाही करवाना
अंजर-पंजर ढीला होना	अंग-अंग ढीला होना या बहुत थक जाना
पगड़ी उछालना	बेइज्जत करना
पगड़ी बदलना	पक्की मित्रता होना
पट्टी पढ़ाना	बुरी सलाह देना
पलक लगना	नींद आ जाना
पसीना-पसीना होना	बहुत थक जाना
पानी का बुलबुला होना	क्षणभंगुर होना
पाँव उखड़ना	हारकर भाग जाना
पानी पी-पीकर कोसना	बद्दुआ देना
पानी फेर देना	बिगाड़ देना
पुट्ठे पर हाथ न रखने देना	पास न भटकने देना
पेट का हल्का	बात को अपने तक न रख सकने वाला
प्राणों पर खेलना	अपने जीवन को जोखिम में डालकर कोई काम करना
बंदर घुड़की	प्रभावहीन धमकी
बच्चों का खेल	सरल काम
फूलकर कुप्पा होना	बहुत खुश या बहुत नाराज होना
प्यासा कुँए के पास जाता है	जिसे जरूरत होती है वही दूसरों के पास जाता है।
बड़े घर की हवा खाना	जेल जाना
बत्तीसी बंद होना	चुप हो जाना
बाएँ हाथ का खेल	अति सरल काम
बाजार गर्म होना	काम धंधा तेज होना
बाल की खाल निकालना	बहुत मीन-मेख निकालना

मुहावरे/लोकोक्तियाँ	अर्थ
बाल बाँका न कर सकना	कुछ भी हानि न पहुँचा पाना
पानी पीकर जात पूँछना	काम करने के बाद उसके अच्छे-बुरे पहलुओं पर विचार करना।
मक्खियाँ मारना	बेकार बैठे रहना
मजा किरकिरा होना	आनन्द में विघ्न पड़ना
पैसा गाँठ का, जोरू साथ की	अपने पास पैसा और पत्नी हो तो जीवन सुखी रहता है।
मीठी छुरी चलाना	विश्वासघात करना
मुँह पर बसंत फूलना या खिलना	भयभीत होना
मुट्ठी में करना	वश में करना
रंग में भंग पड़ना	मजा किरकिरा होना
रास्ता देखना	प्रतीक्षा करना
रास्ते पर लाना	सुधार करना
ललाट में लिखा होना	भाग्य में लिखा होना
लहू के आँसू पीना	दुख/क्रोध सह लेना
लाले पड़ना	बहुत कमी हो जाना
लोहा मानना	श्रेष्ठता स्वीकार करना
शान में बट्टा लगना	शान घटना
शैतान की आँत	लम्बी बात या वस्तु
सफेद झूठ	बिल्कुल झूठ
साँचे में ढ़ल जाना	रूपवान होना
साँप सूँघ जाना	एकदम चुप हो जाना
सिन्दूर चढ़ना	लड़की का विवाह होना
सिर पर भूत सवार होना	धुन लग जाना
सुबह-शाम करना	टाल-मटोल करना
आँख के अंधे नाम नैनसुख	गुण के विरुद्ध नाम का होना।
आटे के साथ घुन भी पिसता है	दोषी व्यक्ति का साथी निर्दोष भी मारा जाता है।
आम के आम गुठलियों के दाम	दोहरा लाभ
उल्टा चोर कोतवाल को डाँटे	दोषी होने पर भी धौंस जमाना।
ऊँची दुकान फीका पकवान	केवल बाहरी दिखावा
कहाँ राजा भोज कहाँ गंगू तेली	छोटे आदमी के साथ बड़े आदमी की क्या तुलना

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

मुहावरे/लोकोक्तियाँ	अर्थ
खिसियानी बिल्ली खंभा नोचे	किसी बात पर लज्जित होकर क्रोध करना
थोथा चना बाजे घना	कम ज्ञान या गुण रखने वाला बातें बढ़-चढ़कर करता है।
बिल्ली के भागों छीका टूटा	अकस्मात् कोई काम बन जाना
भागते भूत की लँगोटी ही सही	जहाँ कुछ न मिलने की आशंका हो वहाँ थोड़े में ही संतोष कर लेना चाहिए।
साझे की हाँडी चौराहे फूटी	जिम्मेदारी एक व्यक्ति पर होनी चाहिए, नहीं तो काम खराब हो जाता है।
अंत भला तो सब भला	परिणाम अच्छा हो तो सब कुछ अच्छा माना जाता है।
अंधा क्या चाहे, दो आँखें	आवश्यक वस्तु की चाह सबको होती है।
अंधी पीसे कुत्ता खाए	मूर्खों की कमाई व्यर्थ नष्ट होती है।
यह मुँह और मसूर की दाल	अपनी औकात से बढ़कर पाने की इच्छा होना
अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ सकता	अकेला व्यक्ति कोई बड़ा काम नहीं कर सकता।
अक्ल बड़ी या भैंस	शारीरिक शक्ति का महत्त्व कम है, बुद्धि का अधिक।
अटका बनिया देय उधार	गरज आ पड़े तो आदमी सब कुछ मान जाता है।
अपनी गली में कुत्ता शेर	अपने घर में सबका जोर होता है।
अपनी नींद सोना, अपनी नींद जागना	पूर्ण स्वतंत्र होना।
अपनी पगड़ी अपने हाथ	अपनी इज्जत और मान-सम्मान अपने हाथ में होता है।
आई मोज फकीर की दिया झोंपड़ा फूंक	मोजी और विरक्त आदमी किसी चीज की परवाह नहीं करता।
आठ कनौजिया नौ चूल्हे	अलगाव की स्थिति।
आधा तीतर आधा बटेर	बेमेल चीजों का सम्मिश्रण।

मुहावरे/लोकोक्तियाँ	अर्थ
आम खाने से काम, पेड़ गिनने से क्या काम	अपने मतलब की बात करो।
आए थे हरिभजन को ओटन लगे कपास	उच्च लक्ष्य लेकर चलना पर निम्न स्तर के कार्य करना
आसमान से गिरा खजूर पर अटका	एक विपत्ति से छूटकर दूसरी में पड़ना।
इधर कुआँ उधर खाई	हर हालत में मुसीबत।
इस हाथ ले उस हाथ दे	कर्मफल तुरंत मिलना
ईद का चाँद	बहुत दिनों बाद दिखाई देने वाला
उल्टी गंगा पहाड़ को चली	असंभव या विपरीत कार्य होना
ऊँट किस करवट बैठता है	निर्णय किसके पक्ष में होता है।
ऊँट के मुँह में जीरा	आवश्यकता से बहुत कम मिलना।
एक अनार सौ बीमार	वस्तु कम व मांग अधिक होना।
एक और एक ग्यारह होते हैं	एकता में बल है।
एक तो करेला दूजे नीम चढ़ा	एक के साथ दूसरा दोष
एक तो चोरी दूसरे सीना जोरी	अपराध करके उल्टे रोब झाड़ना
एक हाथ से ताली नहीं बजती	झगड़े के लिए दोनों पक्ष जिम्मेदार होते हैं।
ओखली में सिर दिया तो मूसल से क्या डर	कठिन कार्य हाथ में लेने पर कठिनाइयों से नहीं डरना चाहिए।
कल किसने देखा है	भविष्य में क्या होगा, कौन जानता है
कहे से कुम्हार गधे पर नहीं चढ़ता	मनमानी करने वाला दूसरों की बात नहीं मानता।
कहीं की ईंट कहीं का रोड़ा, भानुमती ने कुनबा जोड़ा	बेमेल चीजें जोड़-जाड़कर कुछ बना लेना।
काठ की हाँडी एक ही बार चढ़ती है	धोखेबाजी हर बार नहीं चल सकती।
काम का न काज का दुश्मन अनाज का	निकम्मा आदमी।

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

मुहावरे/लोकोक्तियाँ	अर्थ
कानी के ब्याह को सौ जोखिम	एक दोष होने पर लोग अनेक दोष निकाल देते हैं।
कुत्ते को घी हजम नहीं होता	नीच आदमी उच्च पद पाकर इतराने लगता है।
कोयले की दलाली में हाथ काले	बुरों के साथ से कलंक लगता है।
खरबूजे को देखकर खरबूजा रंग बदलता है	देखा-देखी काम करना।
खुदा की लाठी में आवाज नहीं	कोई नहीं जानता कि भगवान कब, कैसे, क्या कर देते हैं।
खोदा पहाड़ निकली चुहिया	परिश्रम बहुत लाभ कम
गंगा गए गंगादास, जमुना गए जमुनादास	अपने सिद्धान्त बदलने वाला
गवाह चुस्त मुद्दई सुस्त	जिसका काम है वह तो आलस्य करे दूसरे फुर्ती दिखाएँ।
गुड़ खाय गुलगुलों से परहेज	झूठ और ढोंग रचना।
बगल में छोरा शहर में ढिंढोरा	वस्तु पास में और खोज दूर तक।
घर आए कुत्ते को भी नहीं निकालते	घर में आने वाले का सत्कार करना चाहिए।
घर का जोगी जोगड़ा आन गाँव का सिद्ध	अपने लोगों में आदर नहीं होता।
घर की मुर्गी दाल बराबर	अपनी चीज या अपने आदमी की कद्र नहीं।
घोड़ा घास से यारी करे तो खाए क्या	पेशेवर को किसी की रू-रियायत नहीं करनी चाहिए।
चट मँगनी पट ब्याह	तत्काल कार्य होना।
चमड़ी जाए पर दमड़ी न जाए	बहुत कंजूसी।
चार दिन की चाँदनी फिर अँधेरी रात	सुख थोड़े ही दिन का होता है।
चित भी मेरी पट भी मेरी	हर हालत में मेरा ही लाभ।
चुड़ैल पर दिल आ जाए तो वह भी परी है	जो चीज पसंद हो वह सबसे अच्छी मान लेना।

मुहावरे/लोकोक्तियाँ	अर्थ
चोर-चोर मौसेरे भाई	एक व्यवस्था या स्वभाव वालो में जल्दी मेल हो जाता है।
पढ़े तो हैं पर गुने नहीं	पढ़-लिखकर भी अनुभवहीन।
छछूँदर के सिर में चमेली का तेल	अयोग्य व्यक्ति को अच्छी चीज देना।
छोटे मियाँ तो छोटे मियाँ, बड़े मियाँ सुभान अल्लाह	छोटे से बड़ा अवगुणों में भारी।
जंगल में मोर नाचा किसने देखा	ऐसे स्थान पर गुण प्रदर्शन न करें जहाँ कद्र न हो।
जल में रहकर मगर से बैर	किसी के आश्रय में रहकर उससे शत्रुता करना
जहाँ चार बासन होंगे, वह खटकेंगे भी	जहाँ कुछ व्यक्ति एक जगह होते हैं वहाँ कभी-कभी झगड़ा हो ही जाता है।
जहाँ न पहुँचे रवि, वहाँ पहुँचे कवि	कवि कल्पनाशील होता है।
जिस थाली में खाना, उसी में छेद करना	जो उपकार करे उसका अहित करना।
जिसकी जूती उसी के सिर	जिसकी करनी उसी को फल।
जिसकी लाठी उसी की भैंस	शक्ति संपन्न आदमी अपना काम बना लेता है।
झूठ के पाँव नहीं होते	झूठा आदमी एक बात पर पक्का नहीं रह पाता।
डूबते को तिनके का सहारा	विपत्ति में थोड़ी-सी सहायता भी उबार देती है।
ढाक के वही तीन पात	सदा एक-सी स्थिति बने रहना
हराम की कमाई हराम में गँवाई	बेईमानी का पैसा बुरे कामों में लग जाता है।
तीन में न तेरह में	महत्त्वहीन
तुम्हारे मुँह में घी-शक्कर	तुम्हारी बात सच हो।
तू डाल-डाल, मैं पात-पात	एक से बढ़कर दूसरा चालाक।
थका ऊँट सराय ताकता	थकने पर विश्राम चाहिए।
दाग लगाए लँगोटिया यार	आदमी अपनों से ही धोखा खाता है।

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

मुहावरे/लोकोक्तियाँ	अर्थ
दाल-भात में मूसलचंद	बीच में दखल देने वाला
दिनभर चले अढ़ाई कोस	सुस्त होना/बहुत आलसी होना
दीवार के भी कान होते हैं	किसी गुप्त बात के प्रकट होने का खतरा
दुधारू गाय की लात भी सहनी पड़ती है	जिससे लाभ हो उसकी दो बातें सहना
दूध का दूध पानी का पानी	उचित निर्णय करना

मुहावरे/लोकोक्तियाँ	अर्थ
देशी कुतिया विलायती बोली	किसी की नकल में अपनापन छोड़ना।
दोनों हाथों से ताली बजती है	लड़ाई-झगड़े के जिम्मेदार दोनों पक्ष होते हैं।
न अंधे को न्योता देते न दो जने आते	गलत आदमी को बुलावा देना।
घड़ी में तोला घड़ी में माशा	चंचल मन वाला

परीक्षोपयोगी प्रश्न

1. 'इधर न उधर, यह बला किधर'-लोकोक्ति का अर्थ है-
BSF (HCM) 17 Jun. 2023
(a) हर हाल में मुसीबत
(b) यहाँ सब कुछ विचित्र है
(c) दुष्टता के बदले अधिक दुष्टता
(d) अचानक विपत्ति आ पड़ना

2. 'माथा ठनकना' मुहावरे का अर्थ निम्न में से होगा-
BSF (HCM) 17 Jun. 2023
(a) सर दर्द होना (b) क्रोधित होना
(c) संशय होना (d) पागल होना

3. 'अपनी नींद सोना, अपनी नींद जगना' लोकोक्ति का अर्थ निम्न में से होगा-
BSF (HCM) 17 Jun. 2023
(a) बेपरवाह होना (b) स्वार्थी होना
(c) पूर्ण स्वतंत्र होना (d) निकम्मा होना

4. मुहावरा 'अंधे को दिया दिखाना' का उचित अर्थ क्या होगा?
BSF (HCM) 17 Jun. 2023
(a) सत्य को न पहचानना
(b) सहायता करना
(c) अंधा होना
(d) व्यर्थ कार्य करना

5. निम्नलिखित में से किस मुहावरे का अर्थ 'कहीं का न होना' है?
BSF (HCM) 18 Jun. 2023
(a) घर में गंगा आना
(b) घर का न घाट का
(c) घर-फूँक तमाशा देखना
(d) घास छीलना

6. 'नंगा बड़ा परमेश्वर से' लोकोक्ति का क्या अर्थ है?
BSF (HCM) 18 Jun. 2023
(a) कठोरता से कार्य सिद्ध होना
(b) निर्लज्ज होकर कुछ पाना
(c) निर्लज्ज से सब डरते हैं
(d) न पूरी होने वाली बात

7. निम्नलिखित में से किस मुहावरे का अर्थ 'सीधी बात को घुमा-फिरा कर कहना' है?
BSF (HCM) 18 Jun. 2023
(a) द्रोपदी का चीर होना
(b) द्राविड़ प्राणायाम करना
(c) दौरी में पैर डालना
(d) दो-दो चोंचें होना

8. 'पानी पीकर जात पूछना' लोकोक्ति का क्या अर्थ है? उचित विकल्प का चयन कीजिए-
BSF (HCM) 18 Jun. 2023
(a) अपनी चाल-ढाल छोड़कर दूसरों का अनुकरण करना
(b) काम कर चुकने के बाद उसका विचार करना
(c) बहुत जलील कर डालना
(d) क्षणभंगुर वस्तु

9. 'बात चलाना' मुहावरे का अर्थ निम्न में से क्या होगा?
CISF (HCM) 30 Oct. 2023
(a) परेशान करना (b) बहाना बनाना
(c) बहस करना (d) प्रारंभ करना

10. 'अपनी बुराई नहीं दिखती' के लिए सही लोकोक्ति निम्न में से कौन-सी है?
CISF (HCM) 30 Oct. 2023
(a) नाच ना आवे आँगन टेढ़ा
(b) चिराग तले अँधेरा होना
(c) एक पन्थ दो काज
(d) आगे नाथ न पीछे पगहा

11. 'पीछे पड़ना' के लिए सही मुहावरा निम्न में से क्या होगा?

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

CISF (HCM) 30 Oct. 2023

(a) सिर से पैर तक (b) सिर पकड़ना
(c) सिर भारी होना (d) सिर पर सवार होना

12. निम्न में से 'प्रभाव उत्पन्न करना' के लिए सही मुहावरा क्या होगा?

CISF (HCM) 30 Oct. 2023

(a) रंग रोगन करना (b) रंग बदलना
(c) रंग जमाना (d) रंग लाना

13. 'अधजल गगरी छलकत जाय' लोकोक्ति का अर्थ निम्न में से क्या होगा?

CISF (HCM) 30 Oct. 2023

(a) घड़े में कम पानी का होना
(b) अकेला आदमी लाचार होता है
(c) मूर्ख धनवान
(d) थोड़े ज्ञान के बावजूद उसका प्रदर्शन

14. निम्न में से 'कान खोलना' मुहावरे का अर्थ क्या होगा?

CISF (HCM) 30 Oct. 2023

(a) सावधान होना (b) धोखा देना
(c) परेशान करना (d) चर्चा करना

15. 'गर्दन उठाना' मुहावरे का अर्थ निम्न में से क्या होगा?

CISF (HCM) 30 Oct. 2023

(a) संकट मोलना (b) विरोध करना
(c) स्वार्थी होना (d) कसर न छोड़ना

16. 'अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ सकता' लोकोक्ति का अर्थ क्या होगा?

CISF (HCM) 30 Oct. 2023

(a) परिश्रम का फल अवश्य मिलता है।
(b) काम न जानना
(c) अकेला आदमी बड़ा काम करने में सक्षम नहीं होता है।
(d) काम के प्रति कुषाण नहीं होना

17. 'गहरी दोस्ती' के लिए सही मुहावरा निम्न में से क्या होगा? CISF (HCM) 30 Oct. 2023

(a) दाँत काटना (b) दाँत काटी रोटी
(c) दाँत दिखाना (d) दाँत गिनना

18. 'कुछ न सुनना' के लिए सही मुहावरा निम्न में से क्या होगा?

CISF (HCM) 31 Oct. 2023

(a) कान लगाना
(b) कान भरना
(c) कान में तेल डालना
(d) अंक भरना

19. निम्न में से 'बात का धनी' मुहावरे का अर्थ क्या होगा?

CISF (HCM) 31 Oct. 2023

(a) बहस छिड़ जाना (b) वायदे का पक्का
(c) बहाना करना (d) अतिशीघ्र

20. 'अन्धों में काना राजा' लोकोक्ति का अर्थ निम्न में से क्या होगा?

CISF (HCM) 31 Oct. 2023

(a) मूर्खों में कुछ पढ़ा-लिखा व्यक्ति
(b) मूर्ख धनवान
(c) अंधे लोगों के समूह में एक कम देखने वाला व्यक्ति
(d) काम न जानना

21. 'न पूरी होने वाली शर्त' के लिए उपयोग में लायी जाने वाली सही लोकोक्ति कौन सी है?

CRPF (HCM) 22 Feb. 2023

(a) न नौ मन तेल होगा न सीता नाचेगी
(b) न सौ मन तेल होगा न सीता नाचेगी
(c) न नौ मन तेल होगा न राधा नाचेगी
(d) न सौ मन तेल होगा न राधा नाचेगी

22. 'व्यक्ति का स्वभाव कभी नहीं बदलता' इस अर्थ वाली कहावत का चयन कीजिए।

CRPF (HCM) 22 Feb. 2023

(a) गंगा गए गंगादास, जमुना गए जमुनादास
(b) कोयला होय न ऊजरो, सौ मन साबुन लाय
(c) अपनी-अपनी ढपली, अपना-अपना राग
(d) बिंध गया सो मोती

23. निम्नलिखित खण्डों के उचित क्रम का चयन कर सही लोकोक्ति की पहचान करें-
कभी मुट्ठी भर चना,
कभी वो भी मना,
कभी घी घना

CRPF (HCM) 23 Feb. 2023

(a) कभी मुट्ठी भर चना, कभी घी घना, कभी वो भी मना
(b) कभी घी घना, कभी मुट्ठी भर चना, कभी वो भी मना
(c) कभी घी घना, कभी वो भी मना, कभी मुट्ठी भर चना,
(d) कभी वो भी मना, कभी मुट्ठी भर चना, कभी घी घना

24. 'चिकने मुँह का ठग होना' मुहावरे के उचित अर्थ का चयन करें-

CRPF (HCM) 23 Feb. 2023

(a) ऐसा व्यक्ति जो देखने और बात करने में भला मानस हो
(b) ऊपर से मीठी बातें करने वाला किन्तु अन्दर से धोखेबाज
(c) ऐसा व्यक्ति जो बड़ी-बड़ी बातें बनाने में माहिर हो
(d) दो व्यक्तियों को आपस में लड़ाने वाला

25. निम्न में से शुद्ध मुहावरे का चयन करें-

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

CRPF (HCM) 23 Feb. 2023

(a) पुट्ठे पर पैर न रखने देना
(b) पुट्ठे पर हाथ न रखने देना
(c) सर पर हाथ न रखने देना
(d) पुट्ठे पर उँगली न रखने देना

26. **निम्न में से शुद्ध लोकोक्ति का चयन करें-**

CRPF (HCM) 23 Feb. 2023

(a) कागज की नाव नहीं चलती
(b) लकड़ी की नाव नहीं चलती
(c) लोहे की नाव नहीं चलती
(d) मिट्टी की नाव नहीं चलती

27. **'नील का खेत होना' मुहावरे का क्या अर्थ है?**

CRPF (HCM) 24 Feb. 2023

(a) चेहरे का रंग बिगड़ जाना
(b) बहुत गुस्से से देखना
(c) दोष या कलंक की जगह होना
(d) बदनाम होना

28. **'नाव में धूल उड़ाना' मुहावरे का अर्थ है-**

CRPF (HCM) 24 Feb. 2023

(a) सम्बंध समाप्त कर देना
(b) भारी विपत्ति आ जाना
(c) होश न रहना
(d) व्यर्थ बदनाम करना

29. **निम्नलिखित में से सही लोकोक्ति का चयन करें-**

CRPF (HCM) 26 Feb. 2023

(a) कहने से धोबी गधे पर नहीं चढ़ता
(b) कहने से धोबी हाथी पर नहीं चढ़ता
(c) कहने से धोबी घोड़े पर नहीं चढ़ता
(d) कहने से धोबी ऊँट पर नहीं चढ़ता

30. **'आँख की चिरमिरी होना।' इस मुहावरे का रेखांकित अंश अशुद्ध है। मुहावरे के शुद्ध भाग का चयन करें-**

CRPF (HCM) 26 Feb. 2023

(a) फिटकिरी होना (b) रौशनी होना
(c) काजल होना (d) किरकिरी होना

31. **'चिड़िया को जुकाम होना'-सही शब्द चुनकर मुहावरे के रेखांकित शब्द को प्रतिस्थापित करें-**

CRPF (HCM) 26 Feb. 2023

(a) बतख (b) मगर
(c) मेंढकी (d) मछली

32. **'जिसके पेट में बात न पचे'**
इसके लिए उचित मुहावरा चुनिए-

CRPF (HCM) 27 Feb. 2023

(a) मुँह का कच्चा होना
(b) मुँह चिढ़ाना
(c) मुँह के बल गिरना
(d) मुँह में खून लगना

33. **'उँगली पकड़कर पहुँचा पकड़ना'- इस मुहावरे का अर्थ बताइए।**

CRPF (HCM) 27 Feb. 2023

(a) पूर्ण विश्वास दिलाना
(b) थोड़ा झटककर अधिक झटकने का प्रयास करना
(c) दिल मजबूत करना
(d) कुछ भी ध्यान देना

34. **शुद्ध लोकोक्ति का चयन करें।**

CRPF (HCM) 27 Feb. 2023

(a) गधा धोने से गाय नहीं हो जाता
(b) गधा धोने से घोड़ा नही हो जाता
(c) गधा धोने से बैल नहीं हो जाता
(d) गधा धोने से बछड़ा नहीं हो जाता

35. **शुद्ध मुहावरे का चयन करें।**

CRPF (HCM) 27 Feb. 2023

(a) चोली आँचल का साथ
(b) लहँगा चोली का साथ
(c) चोली दामन का साथ
(d) चोली चुनरी का साथ

36. **शुद्ध लोकोक्ति का चयन करें।**

CRPF (HCM) 27 Feb. 2023

(a) नौ कनौजिया नौ चूल्हे
(b) आठ कनौजिया दस चूल्हे
(c) आठ कनौजिया नौ चूल्हे
(d) आठ कनौजिया सात चूल्हे

37. **'दिनों का फेर होना' मुहावरे का अर्थ होगा-**

CRPF (HCM) 27 Feb. 2023

(a) दिन काटे न कटना
(b) बहुत जल्दी-जल्दी होना
(c) भाग्य का चक्कर
(d) धोखा देना

38. **हल्दी लगे न फिटकरी, रंग भी चोखा होय-लोकोक्ति का अर्थ बताइए।**

CRPF (HCM) 27 Feb. 2023

(a) दुष्ट व्यक्ति भय या त्रास से बात मानते हैं।
(b) खर्च भी न हो और काम भी बन जाए।
(c) हाथ का सामान्य आभूषण जिसमें दर्पण जड़ा होता है।
(d) शारीरिक यातना

39. **'अविश्वसनीय और असंभव बात का होना'- इस अर्थ को प्रकट करने वाला कौन-सा मुहावरा है?**

CRPF (HCM) 28 Feb. 2023

(a) अंबर के तारे डिगना
(b) अंबर के तारे देखना
(c) अंबर के तारे चुनना
(d) अंबर के तारे गिनना

40. **'अपने मतलब की बात करो'-यह अर्थ निम्नलिखित में से किस लोकोक्ति से अभिव्यंजित होता है?**

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

CRPF (HCM) 28 Feb. 2023

(a) आपा तजे तो हरि को भजे
(b) इतना खाए जितना पचे
(c) आ बैल गले लग
(d) आम खाने से काम, पेड़ गिनने से क्या काम

41. **अंजर पंजर ढीला करना**
उपर्युक्त मुहावरे का अर्थ विकल्पों में से चुनिए।
CRPF (HCM) 01 Mar. 2023

(a) बहुत प्रेम करना
(b) खूब मारना
(c) बदन में दर्द होना
(d) क्रोध से लाल हो जाना

42. **'बड़े घर की <u>हवा देना</u>।'- सही विकल्प चुनकर मुहावरे के रेखांकित अंश को प्रतिस्थापित करें-**
CRPF (HCM) 01 Mar. 2023

(a) संपत्ति देना (b) हवा रोकना
(c) हवा खाना (d) घुड़की देना

43. **'दलदल में <u>हाथ रखना</u>'-इस मुहावरे का रेखांकित अंश अशुद्ध है। सही भाग का चयन करें-**
CRPF (HCM) 01 Mar. 2023

(a) पाँव तोड़ना (b) हाथ फँसना
(c) पाँव फँसना (d) हाथ तोड़ना

44. **निम्न में से शुद्ध लोकोक्ति का चयन करें-**
CRPF (HCM) 11 Mar. 2023

(a) अंधे के हाथ तीतर लगना
(b) अंधे के हाथ मुर्गी लगना
(c) अंधे के हाथ बटेर लगना
(d) अंधे के हाथ मैना लगना

45. **निम्न में से शुद्ध मुहावरे का चयन करें-**
CRPF (HCM) 11 Mar. 2023

(a) खून-आँसू एक करना
(b) खून-पानी एक करना
(c) खून-पसीना एक करना
(d) खून-थूक एक करना

46. **निम्न में से शुद्ध मुहावरे का चयन करें-**
CRPF (HCM) 11 Mar. 2023

(a) रंगा शेर होना (b) रंगा बिल्ला होना
(c) रंगा सियार होना (d) रंगा भेड़िया होना

47. **इस लोकोक्ति का अर्थ कौन-से विकल्प में है?**
चर्सी यार किसके, दम लगाई खिसके
CRPF (HCM) 11 Mar. 2023

(a) संगत के अनुरूप वस्तुएँ जँचती हैं।
(b) स्वार्थी व्यक्ति किसी का साथ नहीं देता।
(c) भाग्यहीन व्यक्ति को सफलता नहीं मिलती।
(d) शांत स्वभाव का व्यक्ति सबको हरा देता है।

उत्तरमाला

1.	(d)	2.	(c)	3.	(c)	4.	(d)	5.	(b)	6.	(c)	7.	(b)	8.	(b)	9.	(d)	10.	(b)
11.	(d)	12.	(d)	13.	(d)	14.	(a)	15.	(b)	16.	(c)	17.	(b)	18.	(c)	19.	(b)	20.	(a)
21.	(c)	22.	(b)	23.	(b)	24.	(b)	25.	(b)	26.	(a)	27.	(c)	28.	(d)	29.	(a)	30.	(d)
31.	(c)	32.	(a)	33.	(b)	34.	(d)	35.	(c)	36.	(c)	37.	(c)	38.	(b)	39.	(a)	40.	(d)
41.	(b)	42.	(c)	43.	(c)	44.	(c)	45.	(c)	46.	(c)	47	(b)						

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

15
अध्याय

संज्ञा एवं सर्वनाम

संज्ञा

संसार में उपलब्ध समस्त वस्तु, व्यक्ति (जीव), भाव, स्थान आदि का कोई न कोई नाम अवश्य होता है, अर्थात् नाम ही संज्ञा है। संज्ञा के बिना पहचान या भाषा का प्रयोग संभव नहीं है।

परिभाषा

'संज्ञा' उस विकारी शब्द को कहते हैं जिससे किसी प्राणी, वस्तु, स्थान या भाव आदि का बोध हो।

उदाहरण - सूरज इलाहाबाद विश्वविद्यालय में शिक्षक है।

उपर्युक्त वाक्य में **सूरज, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, शिक्षक** संज्ञाएँ हैं क्योंकि ये हमें क्रमशः किसी व्यक्ति, स्थान तथा पद का बोध करा रहे हैं।

संज्ञा के भेद

संज्ञा के पाँच प्रकार होते हैं-

(1) व्यक्तिवाचक संज्ञा (2) जातिवाचक संज्ञा (3) समूहवाचक संज्ञा (4) द्रव्यवाचक संज्ञा (5) भाववाचक संज्ञा

नोट - आधुनिक हिंदी में संज्ञा के तीन भेद माने गए हैं क्योंकि समूहवाचक एवं द्रव्यवाचक संज्ञाएँ सामान्यतः जातिवाचक संज्ञा के अंतर्गत ही आती हैं।

(1) व्यक्तिवाचक संज्ञा

जिस शब्द से किसी विशेष व्यक्ति, वस्तु या स्थान के नाम का बोध हो, उसे व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं।

जैसे - महात्मा गाँधी, दिल्ली, रामायण आदि।

(2) जातिवाचक संज्ञा

जिस शब्द से किसी एक जाति या वर्ग के सभी प्राणियों अथवा वस्तुओं का बोध हो, उसे जातिवाचक संज्ञा कहते हैं।

जैसे - लड़का, नदी, पर्वत आदि।

(3) समूहवाचक संज्ञा

जिन संज्ञा शब्दों से किसी समूह या समुदाय का बोध होता है, उन्हें समूह या समुदायवाचक संज्ञा कहते हैं।

जैसे - कक्षा, सभा, सेना, पुलिस आदि।

(4) द्रव्यवाचक संज्ञा

वे संज्ञाएँ जिन्हें मापा या तोला जा सकता है परन्तु गिना नहीं जा सकता, उन्हें द्रव्यवाचक संज्ञा कहते हैं।

जैसे - सोना, चाँदी, पानी, दूध, तेल आदि।

(5) भाववाचक संज्ञा

जिन शब्दों से किसी प्राणी अथवा पदार्थ के गुण, भाव या अवस्था आदि का बोध होता है, उन्हें भाववाचक संज्ञा कहते हैं।

जैसे - प्यार, गुस्सा, निराशा, उत्साह, क्रोध आदि।

सर्वनाम

वाक्यों में एक संज्ञा प्रयुक्त होने के बाद यदि उसी संज्ञा के प्रयोग की आवश्यकता हो तो संज्ञा के स्थान पर वह, उसका, आप आदि शब्दों का प्रयोग किया जाता है अर्थात् 'सर्वनाम' उस विकारी शब्द को कहते हैं जो संज्ञा के स्थान पर उसी संज्ञा के संबंध में प्रयुक्त हो।

जैसे - वह, उसका, तुम, मैं आदि।

सर्वनाम के भेद

सर्वनाम के छः भेद हैं, हिन्दी में ग्यारह सर्वनाम शब्द हैं- मैं, तू, आप, जो, सो, यह, वह, क्या, कौन, कोई, कुछ।

प्रयोगानुसार सर्वनाम के छः भेद और तीन पुरुषवाचक उपभेद भी हैं-

(1) पुरुषवाचक (2) निजवाचक
(3) निश्चयवाचक (4) अनिश्चयवाचक
(5) संबंधवाचक (6) प्रश्नवाचक

(1) पुरुषवाचक सर्वनाम

जिस सर्वनाम का प्रयोग वक्ता या लेखक द्वारा स्वयं के लिए अथवा अन्य व्यक्ति के लिए किया जाता है, उसे पुरुषवाचक सर्वनाम कहते हैं।

जैसे - मैं, तुम, यह, वह आदि।

उदाहरण वाक्य -

मैं कल दिल्ली जाऊँगा।

तुम एक बहादुर लड़के हो।

पुरुषवाचक सर्वनाम के तीन उपभेद हैं।

(क) उत्तम पुरुष - जिस सर्वनाम का प्रयोग वक्ता स्वयं के बारे में बताने के लिए करता है।

जैसे - मैं, हम।

(ख) मध्यम पुरुष - जिस सर्वनाम का प्रयोग वक्ता सुनने वाले व्यक्ति के लिए करता है।

जैसे - तू, तुम, आप।

(ग) अन्य पुरुष - जिस सर्वनाम का प्रयोग वक्ता किसी तीसरे व्यक्ति के बारे में बताने हेतु करता है।

जैसे - यह, वह, ये, वे।

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

(2) निजवाचक सर्वनाम

जिन सर्वनाम शब्दों का प्रयोग वक्ता स्वयं (खुद) के लिए करता है, उन्हें निजवाचक सर्वनाम कहते हैं।

जैसे - आप, स्वयं, अपने आप आदि।

उदाहरण वाक्य -

तुम्हें यह काम **स्वयं** करना होगा।
मैं **अपने आप** से ही हिंदी सीख गया।

(3) निश्चयवाचक सर्वनाम

जिस सर्वनाम से वक्ता की किसी वस्तु का निश्चित बोध हो, चाहे वह वस्तु पास हो या दूर, निश्चयवाचक सर्वनाम कहलाता है।

जैसे - यह, वह, वे आदि।

उदाहरण वाक्य -

यह पुस्तक है। (पास की वस्तु)
वह अच्छी पुस्तक है। (दूर की वस्तु)
वह पैन मेरा नहीं है।

(4) अनिश्चयवाचक सर्वनाम

जैसा कि नाम से ही स्पष्ट है, जिस सर्वनाम से किसी व्यक्ति या वस्तु का निश्चित या स्पष्ट बोध न हो, उसे अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं।

जैसे - कोई, कुछ।

उदाहरण वाक्य -

ऐसा न हो कि **कोई** आ जाए।
घी में **कुछ** मिला है।
कोई आ रहा है।

(5) संबंधवाचक सर्वनाम

जिस सर्वनाम से दो व्यक्ति या वस्तु के बीच परस्पर (एक-दूसरे) सम्बन्ध स्थापित या प्रकट हो, उसे संबंधवाचक सर्वनाम कहते हैं।

जैसे - जो-सो, जिसको-उसको आदि।

उदाहरण वाक्य -

जो बोओगे **सो** काटोगे।
वह कौन है **जो** रो रहा है।
जो कल आयेगा **सो** इनाम पायेगा।

(6) प्रश्नवाचक सर्वनाम

प्रश्न करने के लिए, जिन सर्वनामों का प्रयोग हो अर्थात् जिस सर्वनाम से प्रश्न का बोध हो, उसे प्रश्नवाचक सर्वनाम कहते हैं।

जैसे - कौन, कहाँ, क्या आदि।

उदाहरण वाक्य -

तुम **कहाँ** जा रहे हो?
वहाँ **कौन** खड़ा है?
तुम **क्या** खा रहे हो?

परीक्षोपयोगी प्रश्न

1. **व्यक्तिवाचक संज्ञा चुनिए-**
मोहन एक परिश्रमी और ईमानदार बालक है।
(a) मोहन (b) बालक
(c) परिश्रमी (d) ईमानदार

2. **निम्न में संज्ञा शब्द है-**
(a) गंगा (b) पुराना
(c) नीला (d) मोटा

3. **निम्नलिखित में जातिवाचक संज्ञा शब्द नहीं है-**
(a) दिल्ली (b) देश
(c) शहर (d) नगर

4. **'पशु चर रहे हैं।' इस वाक्य में 'पशु' कौन-सी संज्ञा है?**
(a) व्यक्तिवाचक संज्ञा (b) जातिवाचक संज्ञा
(c) भाववाचक संज्ञा (d) द्रव्यवाचक संज्ञा

5. **निम्नलिखित में से कौन-सी जातिवाचक संज्ञा है?**
(a) मजदूर (b) यश
(c) शत्रुता (d) सेना

6. **'गाय' कौन-सी संज्ञा है?**
(a) व्यक्तिवाचक (b) जातिवाचक
(c) भाववाचक (d) द्रव्यवाचक

7. **'राज्यपाल' में कौन-सी संज्ञा है-**
(a) व्यक्तिवाचक (b) भाववाचक
(c) जातिवाचक (d) समूहवाचक

8. **इनमें से व्यक्तिवाचक संज्ञा नहीं है-**
(a) त्रिपिटक (b) लेखक
(c) भारत (d) गंगा

9. **'यमुना' किस प्रकार की संज्ञा है?**
(a) द्रव्यवाचक (b) समूहवाचक
(c) जातिवाचक (d) व्यक्तिवाचक

10. **जातिवाचक संज्ञा शब्द है-**
(a) रसीला (b) कामायनी
(c) वकील (d) राम

11. **निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो रिक्त स्थान के लिए सही भाववाचक संज्ञा वाला विकल्प हो।**
विकास की आवाज में बहुत .... है।
(a) प्यास (b) मिठास
(c) खटास (d) दर्दनाक

12. **निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो रिक्त स्थान के लिए सही भाववाचक संज्ञा वाला विकल्प हो।**

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

आज भी लोग जय और वीरू की..........का उदाहरण देते हैं।
(a) माता (b) अध्यापक
(c) सेवक (d) दोस्ती

13. निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो रिक्त स्थान के लिए सही भाववाचक संज्ञा वाला विकल्प हो।
माँ ने आज जो दही जमाया है उसमें बहुत ज्यादा ....है।
(a) खट्टी (b) मीठी
(c) खटास (d) पतली

14. रिक्त स्थान की पूर्ति उचित संज्ञा शब्द से करें।
.........तरल अवस्था में होता है।
(a) सुन्दरी (b) वह
(c) कुछ (d) पारा

15. हमें किसी बूढ़े व्यक्ति के .... का तिरस्कार नहीं करना चाहिए।
उचित भाववाचक संज्ञा से वाक्य पूर्ण कीजिए।
(a) मोटापे (b) बूढ़ा
(c) बुढ़ापे (d) चाल-चलन

16. निम्न वाक्य में रिक्त स्थान की पूर्ति उचित संज्ञा शब्द से करें।
वह अभी-अभी .... के घर गया है।
(a) किसी (b) लोकेश
(c) कोई (d) दूसरे

17. तपस्वी ने बहुत <u>तपने</u> के पश्चात यह सिद्धि प्राप्त की है।
वाक्य में रेखांकित शब्द के स्थान पर भाववाचक संज्ञा शब्द होगा-
(a) तपोवन (b) तपस्या
(c) तपन (d) तपभूमि

18. निम्न वाक्य में रिक्त स्थान की पूर्ति उपयुक्त संज्ञा शब्द से करें।
जीवन में .... होना अति आवश्यक है।
(a) आप (b) मधुरता
(c) अपना (d) कोई

19. निम्नलिखित किस विकल्प में भाववाचक, समूहवाचक और जातिवाचक संज्ञा का शब्दक्रम सही है?
(a) चाँदी, पानी, दौड़
(b) कावेरी, दीवाली, वर्षा
(c) दासत्व, घौद, जुलाहा
(d) मकान, मैना, काला सागर

20. निम्न वाक्य में द्रव्यवाचक संज्ञा का गलत प्रयोग हुआ है, त्रुटि पहचानिए।
घर में घी पीसा गया।
(a) पीसा (b) गया
(c) घी (d) घर में

21. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द भाववाचक संज्ञा नहीं है?
(a) आलस्य (b) समृद्धि
(c) सज्जन (d) लघुता

22. <u>क्षेत्र</u> को लेकर भारत में संघर्ष अब आम बात हो गई है।
उपर्युक्त वाक्य में रेखांकित शब्द के स्थान पर भाववाचक संज्ञा शब्द क्या होगा?
(a) क्षत्रिय (b) क्षेत्रीयता
(c) क्षेत्रित (d) क्षेत्रीय

23. निम्नलिखित वाक्य के रिक्त स्थान की पूर्ति उचित संज्ञा शब्द से करें।
डॉक्टर .... का परीक्षण करता है।
(a) रोगी (b) नीरस
(c) अपने-आप (d) कुछ

24. निम्नलिखित शब्दों में से कौन-सा शब्द द्रव्यवाचक संज्ञा शब्द है?
(a) कोयला (b) साहस
(c) सूरज (d) विद्यार्थी

25. निम्नलिखित विकल्पों में से कौन-सा एक वाक्य प्रश्नवाचक सर्वनाम से संबंधित नहीं है?
(a) यह मूर्खता किसने की है?
(b) किसी ने जोर से चीत्कार की?
(c) संसार का संचालन और नियमन कौन करता है?
(d) यह गाड़ी किसकी है?

26. निम्नलिखित विकल्पों में से कौन-सा एक वाक्य सम्बन्धवाचक सर्वनाम का उदाहरण नहीं है?
(a) जो व्यक्ति आपत्ति में विचलित नहीं होता, वह अवश्य अपनी मंजिल पाता है।
(b) यह अच्छा विचार है।
(c) जो दूसरों के लिए गड्ढा खोदता है, वह स्वयं उसमें गिरता है।
(d) जिसे चोट लगती है, वही पीर समझता है।

27. निम्नलिखित में से किस विकल्प में सर्वनाम शब्द त्रुटिपूर्ण है?
(a) तुम तो बहुत व्यस्त हो।
(b) उसने अपने माली को काम से निकाल दिया।
(c) हमारे से अब यह सब नहीं होता।
(d) आप लोग बहुत बड़े आदमी हैं।

28. निम्नलिखित में से 'सम्बन्धवाचक सर्वनाम' सम्बन्धी अशुद्धि वाले वाक्य की पहचान कीजिए।
(a) यह वही आदमी है, जिसका पुत्र परीक्षा में अव्वल आया है।
(b) जो मेहनत करते हैं, वे सफल होते हैं।
(c) यह वही फिल्म है, जिसे तुम देखना चाहते हो।
(d) मेरी वह किताब खो गयी एक मैंने कल पुस्तक मेले से खरीदा था।

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

29. **निम्नलिखित विकल्पों में से कौन-सा एक वाक्य संकेतवाचक सर्वनाम का नहीं है?**
(a) नदी में पानी नहीं है।
(b) ये मेरी पुस्तकें हैं।
(c) यह लड़का इस कक्षा का मॉनीटर है।
(d) वह आदमी एक विदेशी जासूस है।

30. **निम्नलिखित विकल्पों में से कौन-सा एक निजवाचक सर्वनाम का वाक्य नहीं है?**
(a) आप कुछ पूछना चाहते हैं?
(b) ये फाइलें मैं अपने आप देखूँगा।
(c) वे अपने आप ही यह जिम्मेदारी सँभालने को तैयार हो गए।
(d) यह सब वे अपने आप देख लेंगे।

31. **निम्नलिखित में से किस वाक्य में 'सर्वनाम' सम्बन्धी अशुद्धि है?**
(a) मुझे पता है कि आज वह यहाँ आएगा।
(b) तुम्हारे लिए मैं कुछ भी करने को तैयार हूँ।
(c) वह तो बिल्कुल पत्थर बन गया।
(d) तुम तेरा घर स्वय खुद संभालो।

32. **'वह गाड़ी के पास सो रहा है।'**
अनिश्चयवाचक सर्वनाम का प्रयोग कर इस वाक्य को पुनः लिखिए।
(a) कोई गाड़ी के पास सो रहा है।
(b) वह स्वयं गाड़ी के पास सो रहा है।
(c) वे गाड़ी के पास सो रहे हैं।
(d) कौन गाड़ी के पास सो रहा है?

उत्तरमाला

1.	(a)	2.	(a)	3.	(a)	4.	(b)	5.	(a)	6.	(b)	7.	(c)	8.	(b)	9.	(d)	10.	(c)
11.	(b)	12.	(d)	13.	(c)	14.	(d)	15.	(c)	16.	(b)	17.	(b)	18.	(b)	19.	(c)	20.	(c)
21.	(c)	22.	(b)	23.	(a)	24.	(a)	25.	(b)	26.	(b)	27.	(c)	28.	(d)	29.	(a)	30.	(a)
31.	(d)	32.	(a)																

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

16
अध्याय

लिंग, वचन एवं कारक

लिंग

जैसा कि हम जानते हैं कि **'संज्ञा'** किसी व्यक्ति या वस्तु के नाम को कहते हैं और उसकी कोई-न-कोई जाति अवश्य होगी चाहे वह **पुरुष जाति** हो या **स्त्री जाति** और वस्तु की उस जाति के बोध को ही लिंग कहते हैं अर्थात् संज्ञा के उस रूप को, जिससे वस्तु या व्यक्ति के **पुरुष जाति** या **स्त्री जाति** का बोध हमें होता है, व्याकरण में उसे **लिंग** कहते हैं।

'लिंग' शब्द का अर्थ है **चिह्न** या **पहचान**। लिंग शब्द संस्कृत भाषा का शब्द है। कोई भी वस्तु सजीव हो या निर्जीव उसकी जाति अवश्य होती है।

जैसे- कुर्सी, प्याली, शेर, कोयल, पेड़, लोटा, कलम इत्यादि।

लिंग के प्रकार

लिंग दो प्रकार के होते हैं-

(i) पुल्लिंग

(ii) स्त्रीलिंग

उभयलिंग; जैसे- मंत्री, डॉक्टर, प्रधानमंत्री, मैनेजर, इंजीनियर आदि।

हिन्दी में दो ही लिंग की मान्यता है- (i) **पुल्लिंग**, (ii) **स्त्रीलिंग**। हिन्दी में इन्हीं दो लिंगों के आधार पर ही समस्त सजीव या निर्जीव पदार्थवाचक शब्दों को विभक्त करते हैं।

हिन्दी में नपुंसकलिंग को स्थान नहीं दिया गया है।

प्रयोग के आधार पर लिंग निर्णय

कोई शब्द स्त्रीलिंग है या पुल्लिंग; इसे जानने के लिए शब्द के साथ सर्वनाम, विशेषण, क्रिया एवं कारक चिह्न को आधार बनाया जा सकता है। जैसे-

(1) सर्वनाम का प्रयोग करके:-

यह मेरी पुस्तक है। (पुस्तक स्त्रीलिंग है)

यह मेरा खिलौना है। (खिलौना पुल्लिंग है)

(2) विशेषण का प्रयोग करके:-

किताब अच्छी है। (स्त्रीलिंग)

ग्रंथ अच्छा है। (पुल्लिंग)

(3) क्रिया का प्रयोग करके:-

किताब खो गयी। (स्त्रीलिंग)

ग्रंथ खो गया। (पुल्लिंग)

(4) कारक चिह्न 'का', 'की' का प्रयोग करके:-

मोहन का ग्रन्थ (पुल्लिंग)

मोहन की किताब (स्त्रीलिंग)

पुल्लिंग शब्द

पुरुष जाति बोधक शब्द पुल्लिंग होते हैं।

पुल्लिंग शब्दों की पहचान :-

- **महासागरों के नाम पुल्लिंग होते हैं-**
  प्रशान्त महासागर, हिंद महासागर, अटलांटिक महासागर आदि।
- **जल, स्थल और भूमण्डल के भागों के नाम पुल्लिंग होते हैं-**
  देश, नगर, समुद्र, द्वीप, भारत, चीन, जापान, रेगिस्तान, सरोवर आदि।
  अपवाद - श्री लंका (स्त्रीलिंग)
- **वृक्षों/पेड़ों के नाम पुल्लिंग होते हैं-**
  शीशम, नीम, पीपल, आम, बरगद आदि।
  अपवाद - इमली, खेजड़ी, तुलसी (स्त्रीलिंग)
- **ग्रहों/तारों के नाम पुल्लिंग होते हैं-**
  मंगल, शनि, चंद्रमा, सूर्य, बुध, शुक्र, राहु, केतु आदि।
  अपवाद- पृथ्वी (स्त्रीलिंग)
- **अनाजों के नाम पुल्लिंग होते हैं-**
  गेहूँ, चना, जौ, बाजरा, चावल आदि।
  अपवाद - ज्वार, मक्का, सरसों, अरहर (स्त्रीलिंग)
- **धातु/रत्नों के नाम पुल्लिंग होते हैं-**
  सोना, ताँबा, लोहा, हीरा, मोती, पन्ना, मूँगा आदि।
  अपवाद - चाँदी, मणि (स्त्रीलिंग)
- **वार/माह के नाम पुल्लिंग होते हैं-**
  सोमवार, रविवार, मार्च, अप्रैल, चैत्र, आषाढ़, जून आदि।
  अपवाद - जनवरी, फरवरी, मई, जुलाई (स्त्रीलिंग)
- **वर्णमाला के अक्षर प्रायः पुल्लिंग होते हैं-**
  अ, आ, उ, ए ..... आदि।
  अपवाद - इ, ई, ऋ (स्त्रीलिंग)
- **द्रव पदार्थों के नाम पुल्लिंग होते हैं-**
  पानी, दूध, तेल, घी, जूस, शरबत, दही आदि।

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

अपवाद - चाय, लस्सी, शराब, कॉफी (स्त्रीलिंग)

- **पर्वतों के नाम पुल्लिंग होते हैं-**

  हिमालय, विंध्याचल, रॉकी पर्वत, अरावली पर्वत आदि।

- **शरीर के अवयवों के नाम पुल्लिंग होते हैं-**

  मुँह, कान, गला, हाथ, पैर, मस्तक, दाँत आदि।

  अपवाद - गर्दन, चोटी, कमर, नाक आदि (स्त्रीलिंग)

- **ना, आव, पन, त्व, आपा आदि प्रत्ययों वाले शब्द प्रायः पुल्लिंग होते हैं-**

  जागना, सोना, हँसना, तनाव, बहाव, सीधापन, बचपन, महत्त्व, मानवत्व, बुढ़ापा, मोटापा आदि।

- **त्योहार सामूहिक रूप से पुल्लिंग होते हैं जबकि व्यक्तिगत रूप से त्योहारों का लिंग परिवर्तित हो जाता है।**

  जैसे- दिपावली आ गयी।, होली आ गयी।

  दशहरा आ गया।, ईद आ गयी।

स्त्रीलिंग शब्द

स्त्री जाति बोधक शब्द स्त्रीलिंग श्रेणी में आते हैं।

स्त्रीलिंग शब्दों की पहचान :-

- **नदियों/झीलों के नाम स्त्रीलिंग होते हैं-**

  गंगा, यमुना, सरयू, रावी, ताप्ती, डल झील, चिल्का झील आदि।

  अपवाद - सिंधु, सोन, ब्रह्मपुत्र (पुल्लिंग)

- **तिथियों/नक्षत्रों के नाम स्त्रीलिंग होते हैं-**

  प्रथमा, द्वितीया, तृतीया, ..., पूर्णिमा, अमावस्या, रोहिणी, अश्विनी आदि।

- **ऋतुओं के नाम स्त्रीलिंग होते हैं-**

  बसंत ऋतु, शरद ऋतु, ग्रीष्म ऋतु आदि।

- **भाषाएँ, बोलियाँ एवं लिपियाँ प्रायः स्त्रीलिंग होती हैं-**

  हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत, ब्रज, भोजपुरी, अवधी, देवनागरी, अरबी, फारसी, ब्राह्मी आदि।

- **आहारों के नाम स्त्रीलिंग होते हैं-**

  पूड़ी-सब्जी, रोटी, खिचड़ी, चटनी, दाल, खीर, टिक्की आदि।

  अपवाद - सलाद, दलिया, परांठा आदि (पुल्लिंग)

- **किराने की वस्तुएँ प्रायः स्त्रीलिंग होती हैं-**

  सौंफ, हल्दी, इलायची, लौंग, हींग, कालीमिर्च आदि।

  अपवाद - जीरा, नमक, जायफल (पुल्लिंग)

- **ट, आई, वट, हट, आस आदि प्रत्यय युक्त शब्द प्रायः स्त्रीलिंग होते हैं-**

  खाट, मिठाई, खटाई, कढ़ाई, बनावट, सजावट, मुस्कराहट, चिकनाहट, मिठास, खटास आदि।

वचन

संज्ञा, सर्वनाम और विशेषण की जिस प्रकृति या रूप से हमें उसकी संख्या का भाव या बोध हो उसे **वचन** कहते हैं अर्थात् संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया और विशेषण के रूप से एक या अधिक का संख्याबोध ही **'वचन'** कहलाता है।

वचन के प्रकार

अंग्रेजी की भाँति हिन्दी में भी वचन दो प्रकार के होते हैं-

(i) एकवचन (ii) बहुवचन

(i) **एकवचन**

जिस विकारी शब्द के कारण किसी व्यक्ति, वस्तु, प्राणी, पदार्थ आदि के **एक** होने का पता चले, उसे एकवचन कहते हैं।

जैसे- नदी, लड़का, माला, गधा, बच्चा, घोड़ा आदि।

उदाहरण वाक्य -

पुस्तक अच्छी है। (**पुस्तक** एकवचन है)

गधा बैठा है। (**गधा** एकवचन है)

(ii) **बहुवचन**

जिस विकारी शब्द के कारण किसी व्यक्ति, वस्तु, प्राणी, पदार्थ आदि के **एक से अधिक** अथवा **अनेक** होने का पता चले, उसे बहुवचन कहते हैं।

जैसे - नदियाँ, लड़के, मालाएँ, गधे, बच्चे, घोड़े आदि।

उदाहरण वाक्य -

पुस्तकें बहुत मोटी हैं। (**पुस्तकें** बहुवचन हैं)

गायें दौड़ रही हैं। (**गायें** बहुवचन हैं)

- **वे शब्द जो सदा एकवचन रहते हैं-**

  जनता, आग, पानी, वर्षा, दूध, सोना, लोहा, ताँबा, घी, तेल, दही, क्रोध, सत्य आदि।

- **वे शब्द जो सदैव बहुवचन रहते हैं-**

  हस्ताक्षर, प्राण, अनेक, आँसू, दाम, लोग, दर्शन, रोंगटे, नेत्र, तेवर, होश, अक्षत, समाचार आदि।

कारक

परिभाषा

(i) संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से वाक्य के शब्दों के साथ उनके संबंध का बोध हो, उस रूप को **कारक** कहते हैं। अर्थात् वाक्य में प्रयुक्त शब्द आपस में सम्बद्ध होते हैं, उनके अर्थ में संबंध की सार्थकता बताने का कार्य 'कारक' करते हैं।

(ii) संज्ञा अथवा सर्वनाम के जिस रूप से उनका (संज्ञा या सर्वनाम का) संबंध वाक्य के किसी दूसरे शब्द के साथ विशेषतः क्रिया के साथ होता है, उसे **कारक** कहते हैं।

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

जैसे- राजन शैली देखता है।→राजन शैली **को** देखता है।
(**को** कारक चिह्न का प्रयोग)
नीरज भीड़ अलग हो गया।→नीरज भीड़ **से** अलग हो गया
(**से** कारक चिह्न का प्रयोग)

उपर्युक्त उदाहरणों से स्पष्ट हो रहा है कि बिना **'कारक चिह्न'** के वाक्य के अर्थ स्पष्ट नहीं हो रहे हैं। अत: **'कारक चिह्न'** के प्रयोग के साथ ही वाक्य का अर्थ स्पष्ट और उनके बीच के संबंध की सार्थकता का भी स्पष्टीकरण हो जाता है।

जब संज्ञा और सर्वनाम के आगे ने, को, से, के लिए आदि विभक्तियाँ लगती हैं, तब उनका रूप **'कारक'** कहलाता है, तभी वे वाक्य के अन्य शब्दों से संबंध रखने योग्य **'पद'** बनते हैं और पद की अवस्था में ही वे वाक्य के दूसरे शब्दों से या क्रिया से जुड़ाव रख पाते हैं।

विभक्ति (परसर्ग/कारक-चिह्न)

कारक को सूचित करने के लिए संज्ञा या सर्वनाम के साथ जो चिह्न लगाया जाता है, उसे विभक्ति कहते हैं।

जैसे- ने, को, के लिए, से, के द्वारा आदि।

कारक के भेद

कारक **आठ** प्रकार के होते हैं, जो अपनी विभक्तियों के साथ इस प्रकार हैं-

कारक	कारक-चिह्न/परसर्ग
कर्त्ता	ने
कर्म	को
करण	से, के द्वारा
सम्प्रदान	को, के लिए
अपादान	से (अलगाव के अर्थ में)
संबंध	का, के, की, रा, रे, री, ना, नी, ने
अधिकरण	में, पर
संबोधन	हे! हो! अरे!, अजी!, अहो!

कर्त्ता कारक

वाक्य में जो शब्द काम करने या क्रिया करने के लिए प्रयुक्त होता है अर्थात् क्रिया करने वाले के अर्थ में आता है, उसे **कर्त्ता कारक** कहते हैं।

कर्त्ता कारक की विभक्ति ने होती है।

जैसे- राम **ने** खाना खाया।
योगेश **ने** जीतू को चाँटा मारा था।

कर्म कारक

संज्ञा तथा सर्वनाम के जिस रूप पर क्रिया का फल पड़ता है, उसे **कर्म कारक** कहते हैं। इसकी विभक्ति **को** है।

जैसे- गोपाल ने सीमा **को** मारा।
रामू ने घोड़े **को** पानी पिलाया।
माँ ने बच्चे **को** खाना खिलाया।
अध्यापक छात्रों **को** पीटता है।

करण कारक

जिस शब्द या साधन के द्वारा क्रिया पूर्ण की जाती है या वाक्य में जो साधन या शब्द क्रिया के संबंध का बोध कराता है, **करण कारक** कहलाता है।

इसकी विभक्ति **से, के द्वारा** हैं।

जैसे- आकांक्षा ने गुलेल **से** फल तोड़ा।
(**से** साधन के रूप में करण कारक)
अक्षिता कलम **से** किताब लिखती है।
(**से** साधन के रूप में करण कारक)

सम्प्रदान कारक

वे शब्द जो वाक्य में किसी के लिए कुछ करने या कुछ देने का बोध कराएँ, उन शब्द रूप को **सम्प्रदान कारक** कहते हैं।

जैसे- राजन लाडो **के लिए** चॉकलेट लाता है।
विशाल बच्चे **के लिए** गेंद लाओ।
प्यासों **को** जल देना चाहिए।

अपादान कारक

संज्ञा के जिस रूप से किसी वस्तु के अलगाव या पृथक् होने का भाव प्रकट होता है, उसे **अपादान कारक** कहते हैं। इसकी विभक्ति **से** है।

जैसे- हिमालय **से** गंगा निकलती है।
अंकित छत **से** गिरा।
राहुल घर **से** बाहर आया।

संबंध कारक

संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से उसका दूसरे शब्दों के साथ संबंध या जुड़ाव (लगाव) प्रदर्शित हो, उसे **संबंध कारक** कहते हैं।

इस कारक के विभक्ति चिह्न **का, के, की** आदि हैं।

जैसे- नीरज **की** घड़ी खो गई।
मोहन **का** भाई अच्छा है।

अधिकरण कारक

संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से **क्रिया के आधार** का बोध होता है, उसे **अधिकरण कारक** कहते हैं। इसकी विभक्ति **में, पर** हैं।

जैसे- मेज **पर** पुस्तक है।
मुम्बई **में** ताज होटल है।

संबोधन कारक

जिस शब्द से किसी को पुकारने, संबोधित करने अथवा सावधान करने का बोध हो, उसे **संबोधन कारक** कहते हैं।

- हिन्दी में यह कर्त्ता से पृथक् कारक माना जाता है जबकि संस्कृत में इसे कर्त्ता कारक से अलग नहीं मानते।

जैसे- **हे ईश्वर!** मुझ पर कृपा कीजिए।
अजी! सुनते हो।

संबोधन कारक की कोई विभक्ति नहीं होती। इसे **हे!, अरे!,** रे! आदि शब्दों से प्रकट करते हैं।

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

परीक्षोपयोगी प्रश्न

1. 'हम आँखों.........देखते हैं।' वाक्य में रिक्त स्थान के लिए 'करण कारक' की विभक्ति का चयन कीजिए-
BSF (HCM) 17 Jun. 2023
(a) में (b) को
(c) से (d) पर

2. 'बिल्ली छत..........चढ़ रही है।' वाक्य के रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए उचित कारक का चयन करें-
BSF (HCM) 17 Jun. 2023
(a) में (b) से
(c) पर (d) को

3. निम्नलिखित में से कौन सा वाक्य 'सम्प्रदान कारक' का उदाहरण है? उचित विकल्प का चयन कीजिये-
BSF (HCM) 18 Jun. 2023
(a) याचक को अन्न दे दो
(b) भिखारी को भगा दो
(c) प्रदीप ने खाना पकाया
(d) माँ ने बच्चे को पढ़ाया

4. निम्नलिखित में से कौन-सा वाक्य 'अपादान कारक' का उदाहरण है? उचित विकल्प का चयन कीजिये-
BSF (HCM) 18 Jun. 2023
(a) मैंने इस कलम से पूरी कहानी लिख डाली
(b) वृद्धों को मत सताओ
(c) छात्रों का कल्याण हो
(d) बच्चे चूहों से डरते हैं

5. निम्नलिखित में से कौन सा वाक्य 'अधिकरण कारक' का उदाहरण है? उचित विकल्प का चयन कीजिये-
BSF (HCM) 18 Jun. 2023
(a) बच्चे बन्दर से डरते हैं
(b) इस जगह पूर्ण शांति है
(c) माँ ने बच्चे को लड्डू दिए
(d) यह इस लड़के की पुस्तक है

6. निम्नलिखित में से अधिकरण कारक युक्त वाक्य का चयन कीजिये-
CRPF (HCM) 22 Feb. 2023
(a) तुम बगिया को साफ करो।
(b) हिमाचल में बहुत शांति है।
(c) मधुर गुरुजी से नृत्य सीख रहा है।
(d) मैं तुमसे निवेदन कर रहा था।

7. उपयुक्त विकल्प चुनकर 'सम्प्रदान कारक' में वाक्य पूर्ण करें-
'माँ ने बाजार से आकर..........।'
CRPF (HCM) 23 Feb. 2023
(a) बच्चे को खिलौने दिए
(b) बच्चे को खेलते देखा
(c) बच्चे को बुलाया
(d) बच्चे को मारा

8. निम्न वाक्य में 'की' किस कारक को इंगित कर रहा है?
'यहाँ से सौ मीटर की दूरी पर मेरा घर है'।
CRPF (HCM) 23 Feb. 2023
(a) सम्बन्ध (b) सम्प्रदान
(c) कर्म (d) अपादान

9. उचित कारक चिह्न से वाक्य पूर्ण करें-
रानी बाज़ार..........सामान लाती है।
CRPF (HCM) 23 Feb. 2023
(a) ने (b) से
(c) को (d) पर

10. निम्नलिखित में से किस वाक्य में विभक्ति चिह्न 'से' करण कारक है?
CRPF (HCM) 24 Feb. 2023
(a) बच्चे जानवरों से डरते हैं।
(b) मैं कल से टहलने निकलूंगी।
(c) मैं इस कलम से एक किताब लिखूँगी।
(d) चंचल सविता से लम्बी है।

11. 'तुम्हारे घर पर चार आदमी हैं।' वाक्य में कारक है-
CRPF (HCM) 24 Feb. 2023
(a) अपादान कारक (b) अधिकरण कारक
(c) सम्प्रदान कारक (d) सम्बोधन कारक

12. मेरे घर.........दो बच्चे हैं। वाक्य के रिक्त स्थान के लिए उपयुक्त कारक है-
CRPF (HCM) 26 Feb. 2023
(a) को (b) के लिए
(c) पर (d) में

13. 'वह द्वार-द्वार पर भीख माँगता चलता है।' वाक्य में कारक है-
CRPF (HCM) 26 Feb. 2023
(a) अपादान कारक (b) सम्बंध कारक
(c) अधिकरण कारक (d) सम्बोधन कारक

14. वाक्य में उपयुक्त स्त्रीलिंग शब्द भरिए।
..........में दूल्हा सुंदर लगता है।
CRPF (HCM) 27 Feb. 2023
(a) चोली (b) चुनरी
(c) कुर्ता (d) पगड़ी

15. कौन से कारक की विभक्ति 'से' है?
CRPF (HCM) 27 Feb. 2023
(a) संप्रदान और अपादान
(b) कर्ता और संबंध

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

(c) कर्म और अधिकरण
(d) करण और अपादान

16. उचित कारक चिह्न से वाक्य पूर्ण करें।
गुरु...........शिष्यों को शिक्षा दी।
CRPF (HCM) 27 Feb. 2023
(a) ने (b) को
(c) से (d) द्वारा

17. निम्न विकल्पों में कौन-सा वाक्य कारक के अनुसार सही है?
CRPF (HCM) 27 Feb. 2023
(a) हिमालय में गंगा निकलती है।
(b) हे भगवान! मेरी रक्षा कीजिए।
(c) वह भूख में बेचैन है।
(d) माँ ने बच्चे से सुलाया।

18. निम्न वाक्य में रेखांकित पद का कारक बताइए।
गुरु ही <u>शिष्य को</u> ज्ञान देता है।
CRPF (HCM) 01 Mar. 2023
(a) संबंध कारक (b) कर्ता कारक
(c) करण कारक (d) संप्रदान कारक

19. उपयुक्त विकल्प चुनकर 'अधिकरण कारक' में वाक्य पूर्ण करें-
'सोहन.............है।'
CRPF (HCM) 01 Mar. 2023
(a) मेरा भाई (b) छत पर
(c) बच्चे को मारता है (d) पेड़ से कूदा

20. 'यमुनोत्री से यमुना निकलती है।' वाक्य में कारक है-
CRPF (HCM) 11 Mar. 2023
(a) कर्म कारक (b) अपादान कारक
(c) सम्प्रदान कारक (d) करण कारक

21. निम्नलिखित वाक्य में कौन सा कारक है?
'हिमालय पर्वत से गंगा निकलती है।'
CRPF (HCM) 11 Mar. 2023
(a) कर्ता (b) करण
(c) अपादान (d) सम्बन्ध

22. किस शब्द का प्रयोग सदा बहुवचन में होता है?
(a) वधू (b) प्राण
(c) घोड़ा (d) लड़का

23. 'शिक्षक' का बहुवचन होगा-
(a) शिक्षिका (b) शिक्षकों
(c) शिक्षिकाएँ (d) शिक्षकगण

24. निम्न में पुल्लिंग शब्द कौन-सा है?
(a) घटना (b) रीति
(c) क्षमा (d) क्षेत्र

25. निम्न में कौन-सा शब्द स्त्रीलिंग है?
(a) प्रभाव (b) भाषा
(c) निर्माण (d) विवाह

26. वचन की दृष्टि से कौन-सा जोड़ा सही नहीं है?
(a) लता-लताएँ (b) घोड़ा-घोड़े
(c) सखी-सखीयाँ (d) किताब-किताबें

27. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द दोनों वचनों में समान रहता है?
(a) कुटी (b) सरसों
(c) कथा (d) लता

28. निम्नलिखित में कौन-सा शब्द पुल्लिंग है?
(a) वर्षा (b) विधुर
(c) रात (d) दीमक

29. निम्नलिखित में से पुल्लिंग शब्द छाँटिए?
(a) आहार (b) रंगत
(c) चाहत (d) मेहनत

30. निम्न में कौन-सा शब्द स्त्रीलिंग है?
(a) गृह (b) सभा
(c) पत्ता (d) चंदन

31. 'कवि' शब्द किस शब्द का एकवचन है?
(a) कवि लोग (b) कवि वृंद
(c) कवि दल (d) कवि समूह

उत्तरमाला

1.	(c)	2.	(c)	3.	(a)	4.	(d)	5.	(b)	6.	(b)	7.	(a)	8.	(a)	9.	(b)	10.	(c)
11.	(b)	12.	(d)	13.	(c)	14.	(d)	15.	(d)	16.	(a)	17.	(b)	18.	(d)	19.	(b)	20.	(b)
21.	(c)	22.	(b)	23.	(d)	24.	(d)	25.	(b)	26.	(c)	27.	(b)	28.	(b)	29.	(a)	30.	(b)
31.	(b)																		

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

17 अध्याय

विशेषण एवं अव्यय

परिभाषा

जो शब्द **संज्ञा या सर्वनाम** की विशेषता बताए, उसे **विशेषण** कहते हैं तथा **जिसकी विशेषता** बताई जाए, वह **विशेष्य** कहलाता है।

अर्थात् शब्दों में विशेषण ऐसा **विकारी शब्द** है जो हमेशा संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताता है।

- विशेषण से संज्ञा का गुण अथवा विशेषता प्रकट होती है, इसके प्रयोग से **जातिवाचक संज्ञा** की व्यापकता सीमित हो जाती है।

  जैसे - **कुत्ता** संज्ञा से कुत्ता जाति के सभी प्राणियों का बोध होता है, पर **'काला कुत्ता'** कहने से केवल काले कुत्ते का बोध होता है, सभी तरह के कुत्तों का नहीं। यहाँ **'काला'** विशेषण से **'कुत्ता'** संज्ञा की व्यापकता सीमित (मर्यादित) हो गई।

विशेषण के भेद

विशेषण के मुख्यत: चार भेद हैं-

1. सार्वनामिक विशेषण
2. गुणवाचक विशेषण
3. संख्यावाचक विशेषण
4. परिमाणवाचक विशेषण

1. **सार्वनामिक विशेषण**

   निजवाचक और पुरुषवाचक सर्वनाम (मैं, तू) के अतिरिक्त अन्य सर्वनाम जब किसी संज्ञा के पूर्व आते हैं, तब वे **सार्वनामिक विशेषण** कहलाते हैं।

   जैसे- **यह** आदमी अच्छा नहीं है।
   वह नौकर नहीं आया।

उपर्युक्त उदाहरणों में **आदमी** और **नौकर** संज्ञाओं के पहले विशेषण के रूप में **यह** और **वह** सर्वनाम आए हैं। अत: ये सार्वनामिक विशेषण हैं।

2. **गुणवाचक विशेषण**

   जिन विशेषणों से संज्ञा के गुण, रंग, आकार, स्वभाव, दशा आदि का बोध होता है, उन्हें **गुणवाचक विशेषण** कहते हैं।

विशेषणों में इनकी संख्या अपेक्षाकृत अधिक है। कुछ मुख्य रूप निम्नलिखित हैं-

- **स्थानबोधक** - शहरी, ग्रामीण, भारतीय, रूसी, क्षेत्रीय, बिहारी, पंजाबी आदि।
- **रंगबोधक** - काला, लाल, नीला, हरा, बैंगनी, नारंगी, सुनहरा आदि।
- **कालबोधक** - पुराना, नया, ताजा, मौसमी, नवीन, पिछला, प्राचीन, अगला आदि।
- **दशा/अवस्थाबोधक** - गरीब, उद्यमी, दुबला, पतला, पिघला, गीला, रोगी, युवा, वृद्ध, स्वस्थ आदि।
- **आकारबोधक** - सुडौल, चौड़ा, समान, गोल, तिरछा, नुकीला, लंबा आदि।
- **गुणबोधक** - बुरा, भला, दयालु, निर्दयी, झूठा, सच्चा, शांत, सीधा, दुष्ट, पापी आदि।
- **विचार दृष्टि** - गुणवाचक विशेषण में 'सा' सादृश्यवाचक पद जोड़कर गुणों को कम या सीमित भी किया जा सकता है।

  जैसे - छोटा-सा, बड़ी-सी, पीला-सा आदि।

3. **संख्यावाचक विशेषण**

   जिन विशेषणों से संज्ञा या सर्वनाम की संख्या प्रदर्शित हो, उसे 'संख्यावाचक विशेषण' कहते हैं।

   जैसे - तीन दिन, चार कुत्ते, दस गुने लोग, पंचम वर्ण आदि।

संख्यावाचक विशेषण के मुख्यत: **दो** भेद हैं-

(क) निश्चित संख्यावाचक विशेषण
(ख) अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण

(क) निश्चित संख्यावाचक विशेषण- इस विशेषण से किसी व्यक्ति या वस्तु की निश्चित संख्या का बोध होता है।

जैसे- दो लड़के, चार लोग, बीस रुपये आदि।

(i) **क्रमबोधक:** पहला, दूसरा, तीसरा, ... हजारवाँ आदि।
(ii) **आवृत्तिबोधक:** दोगुना, तिगुना, चौगुना आदि।
(iii) **समुदायबोधक:** तीनों, चारों, पाँचों आदि।
(iv) **प्रत्येकबोधक:** एक-एक, दो-दो, हर-एक आदि।
(v) **गणनाबोधक:**

पूर्णांकबोधक - एक, दो, नौ, हजार आदि।
अपूर्णांकबोधक - पाव, आधा, पौन, सवा, डेढ़ आदि।

(ख) अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण- इसमें व्यक्ति या वस्तु की संख्या का निश्चित बोध नहीं होता है।

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

जैसे- कई आदमी, कुछ लोग, थोड़े बच्चे, सैंकड़ों छात्र आदि।

4. **परिमाणवाचक विशेषण**

किसी पदार्थ या वस्तु की मात्रा, परिमाण, नाप या तौल का बोध कराने वाले शब्दों को परिमाणवाचक विशेषण कहते हैं।

जैसे- सारा दूध, थोड़ा घी इत्यादि।

परिमाणवाचक विशेषण के **दो** भेद होते हैं-

(क) निश्चित परिमाणवाचक विशेषण

(ख) अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण

(क) निश्चित परिमाणवाचक विशेषण- किसी वाक्य में संज्ञा अथवा सर्वनाम शब्दों की निश्चित मात्रा, परिमाण, नाप या तौल का बोध कराने वाले शब्दों को निश्चित परिमाणवाचक विशेषण कहते हैं।

जैसे- तीन किलो अनाज, चार मीटर कपड़ा, चार किलो आलू आदि।

(ख) अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण- किसी वाक्य में संज्ञा अथवा सर्वनाम शब्दों की अनिश्चित मात्रा, परिमाण, नाप या तौल का बोध कराने वाले शब्दों को अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण कहते हैं।

जैसे- थोड़ा अनाज, कुछ फल, थोड़ी नमकीन, बहुत दूध आदि।

अव्यय

परिभाषा

जिन शब्दों में लिंग, वचन, काल और कारक से कोई विकार उत्पन्न नहीं होता तथा शब्द रूप सदैव एक-से बने रहते हैं, उन्हें 'अव्यय' या 'अविकारी' शब्द कहते हैं। चूँकि इनका व्यय नहीं होता, अत: ये अव्यय हैं।

जैसे - सलमान **धीरे** चलता है।

तुम **धीरे** चलते हो।

उक्त में **'धीरे'** शब्द सभी अवस्थाओं में एक समान है-**अव्यय** है।

अव्यय के भेद

सामान्यत: अव्यय के चार भेद होते हैं- (1) क्रियाविशेषण (2) संबंधबोधक (3) समुच्चयबोधक (4) विस्मयादिबोधक।

1. **क्रिया-विशेषण**

जो अव्यय क्रिया की विशेषता प्रकट या प्रदर्शित करे अर्थात् जिस अव्यय से क्रिया, विशेषण या अन्य क्रियाविशेषण की विशेषता प्रकट हो, उसे **'क्रिया-विशेषण'** कहते हैं।

जैसे- जितेन्द्र **तेज** दौड़ता है।

राज **अभी** टहलता है।

यहाँ क्रिया **'दौड़ना'** और **'टहलना'** की विशेषता क्रमश: **'तेज'** और **'अभी'** है- अत: ये **क्रिया-विशेषण** हैं।

इसके अतिरिक्त, क्रिया-विशेषण दूसरे क्रिया-विशेषण की विशेषता को भी प्रकट करता है।

जैसे- शिवकुमार बहुत धीरे चलता है।

इस उदाहरण वाक्य में **'बहुत'** क्रिया-विशेषण है, वहीं यह दूसरे क्रिया-विशेषण **'धीरे'** की भी विशेषता प्रकट कर रहा है।

क्रिया-विशेषण के भेद-

अर्थ के आधार पर क्रिया-विशेषण के मुख्यत: चार भेद होते हैं।

(i) **स्थितिवाचक क्रिया-विशेषण**- जिस क्रिया-विशेषण से स्थान और दिशा की सूचना मिलती है, उसे स्थितिवाचक (स्थानवाचक) क्रिया-विशेषण कहते हैं।

जैसे- इधर, उधर, ऊपर, नीचे, दायें, बायें आदि।

(ii) **कालवाचक क्रिया-विशेषण**- जिस क्रिया विशेषण से काल या समय की सूचना मिले, उसे कालवाचक क्रिया-विशेषण कहते हैं।

जैसे- आज, कल, परसों, अब, कब आदि।

(iii) **परिमाणवाचक क्रिया-विशेषण**- वे अव्यय शब्द जो क्रिया के परिमाण अर्थात् नाप-तौल का बोध कराते हैं, परिमाणवाचक क्रिया-विशेषण कहलाते हैं।

बहुत, खूब, अत्यंत, अति - **अधिकताबोधक**

जरा, थोड़ा, किंचित, कुछ - **न्यूनताबोधक**

बस, काफी, ठीक, यथेष्ट - **पर्याप्तिबोधक**

कम, अधिक, इतना, उतना - **तुलनाबोधक**

थोड़ा-थोड़ा, तिल-तिल, बारी-बारी - **श्रेणीबोधक**

(iv) **रीतिवाचक क्रिया-विशेषण**- वे अव्यय शब्द जो क्रिया के होने का प्रकार दर्शाते हैं, रीतिवाचक क्रिया-विशेषण कहलाते हैं।

जैसे- एकाएक, अचानक, जरूर, आकस्मिक, धीरे-धीरे आदि।

2. **संबंधबोधक**

जो अव्यय, संज्ञा अथवा सर्वनाम का संबंध वाक्य के दूसरे शब्द से प्रदर्शित करता है, वह **'संबंधबोधक'** कहलाता है अर्थात् जो संबंध का बोध कराए, संबंधबोधक अव्यय कहलाता है।

जैसे- के बाद, के बिना, के साथ, के सामने, के भीतर आदि।

यदि वाक्य में संज्ञा न हो तो वही अव्यय क्रिया-विशेषण कहलाएगा।

उदाहरण वाक्य-

ज्ञान **के बिना** किसी का काम नहीं चलता।

दिन **भर** घूमना अच्छा नहीं होता।

उपर्युक्त उदाहरण वाक्य में **'के बिना'** और **'भर'** संबंधबोधक हैं। इन वाक्यों में **'के बिना'** शब्द **'ज्ञान'** संज्ञा

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

का संबंध 'चलता' क्रिया से जोड़ता है। इसी तरह 'भर' 'दिन' को 'घूमना' क्रियार्थक संज्ञा से जोड़ता है।

संबंधबोधक के भेद-

प्रयोग, व्युत्पत्ति और अर्थ के अनुसार संबंधबोधक अव्यय के निम्नलिखित भेद हैं।

प्रयोग के अनुसार- प्रयोग के अनुसार संबंधबोधक अव्यय के दो भेद हैं-

(i) **संबद्ध संबंधबोधक अव्यय-** संबंधबोधक अव्यय जो संज्ञा की विभक्तियों के बाद या पीछे आते हैं, **'संबद्ध संबंधबोधक अव्यय'** होते हैं।

(ii) **अनुबद्ध संबंधबोधक अव्यय-** ऐसे संबंधबोधक अव्यय जो संज्ञाओं के विकृत रूप के बाद आते हैं, **'अनुबद्ध संबंधबोधक अव्यय'** कहलाते हैं।

व्युत्पत्ति के अनुसार- व्युत्पत्ति के आधार पर संबंधबोधक अव्यय के दो भेद होते हैं-

(i) **मूल संबंधबोधक अव्यय-** बिना, पूर्वक, पर्यंत इत्यादि।

(ii) **यौगिक संबंधबोधक अव्यय-**

संज्ञा से - अपेक्षा, मारफत, लेखे, पलटे आदि।

विशेषण से - उल्टा, ऐसा, तुल्य, समान, योग्य आदि।

क्रिया से - कर, जाने, लिए, मारे, चलते आदि।

क्रिया-विशेषण से - पीछे, परे, पास आदि।

अर्थ के अनुसार- अर्थ के अनुसार संबंधबोधक अव्यय के तेरह (13) भेद निम्नलिखित हैं-

(i)	कालवाचक	(ii)	स्थानवाचक
(iii)	दिशावाचक	(iv)	साधनवाचक
(v)	हेतुवाचक	(vi)	विषयवाचक
(vii)	व्यतिरेकवाचक	(viii)	विनिमयवाचक
(ix)	सादृश्यवाचक	(x)	विरोधवाचक
(xi)	साहचर्यवाचक	(xii)	संग्रहवाचक
(xiii)	तुलनावाचक		

3. **समुच्चयबोधक अव्यय**

ऐसे अव्यय जो दो शब्दों अथवा दो वाक्यों को जोड़ते हैं, वे **'समुच्चयबोधक अव्यय'** कहलाते हैं।

जैसे- मैं आया **और** वह चला गया।

यहाँ **'और'** समुच्चयबोधक अव्यय है, क्योंकि **'मैं आया'** तथा **'वह चला गया'** को जोड़ता है।

इसी तरह समुच्चयबोधक अव्यय दो पदों को भी जोड़ता है।

जैसे- नौ **और** दो ग्यारह होते हैं।

समुच्चयबोधक के भेद-

समुच्चयबोधक अव्यय के मुख्यत: दो भेद होते हैं तथा इनके अन्य उपभेद भी हैं।

(i) समानाधिकरण समुच्चयबोधक अव्यय

(ii) व्यधिकरण समुच्चयबोधक अव्यय

(i) **समानाधिकरण समुच्चयबोधक अव्यय-** मुख्य वाक्य जोड़ने में सहायक पद या अव्यय, अर्थात् जिन अव्ययों या पदों के द्वारा मुख्य वाक्य जोड़े जाते हैं, **'समानाधिकरण समुच्चयबोधक अव्यय'** कहलाते हैं।

इसके **चार** उपभेद हैं, जो निम्नलिखित हैं-

(क) संयोजक - एवं, तथा, और।

(ख) विभाजक - व, अथवा, या किंवा, चाहे ....चाहे कि, न....... न, नहीं तो।

(ग) विरोधबोधक - किन्तु, परन्तु, वरन्, पर, लेकिन, मगर।

(घ) परिणामबोधक - अतएव, इसलिए, अत:।

(ii) **व्यधिकरण समुच्चयबोधक अव्यय** - जिन अव्ययों या पदों के मेल से मुख्य वाक्य में एक या अधिक आश्रित वाक्य जोड़े जाते हैं, उन्हें **'व्यधिकरण समुच्चयबोधक अव्यय'** कहते हैं।

इसके **चार** उपभेद हैं-

(क) कारणवाचक - चूँकि, इसलिए कि, क्योंकि।

(ख) उद्देश्यवाचक - कि, जोकि, ताकि।

(ग) संकेतवाचक - यदि-तो, जो-सो, यद्यपि-तथापि।

(घ) स्वरूपवाचक - अर्थात्, यानी कि।

4. **विस्मयादिबोधक अव्यय**

जिन अव्ययों से भाव (हर्ष, आश्चर्य, शोक आदि) सूचित हों, पर उनका संबंध किसी विशेष पद या वाक्य से न हो, **'विस्मयादिबोधक अव्यय'** कहलाते हैं।

जैसे- **अरे!** ये तुमने क्या किया।

इसमें **'अरे!'** विस्मय प्रकट कर रहा है तथा इनका अपने वाक्य या किसी पद से कोई संबंध नहीं है।

विस्मयादिबोधक अव्ययों का व्याकरण में कोई विशेष महत्व नहीं है। इनका प्रयोग मनोभावों को तीव्रता से प्रकट करने के लिए होता है।

जैसे- तुम क्या करोगे? → हाय! तुम क्या करोगे?

इसके कुछ मुख्य भेद निम्नलिखित हैं-

(i) **हर्षबोधक** - धन्य-धन्य!, जय!, शाबाश!, अहा!,वाह-वाह!

(ii) **आश्चर्यबोधक** - हैं!, ऐं!, ओहो!, क्या!

(iii) **स्वीकारबोधक** - जी हाँ!, हाँ जी!, बहुत अच्छा!, ठीक!

(iv) **तिरस्कारबोधक** - चुप!, अरे!, हट!

(v) **शोकबोधक** - आह!, हा-हा!, त्राहि-त्रहि!, हाय!

(vi) **अनुमोदनबोधक** - वाह!, अच्छा!, ठीक!, हाँ-हाँ!

(vii) **संबोधनबोधक** - अरे!, रे!, अहो!, हे!, अजी!

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

परीक्षोपयोगी प्रश्न

1. 'दिन दूनी रात चौगुनी प्रगति हो रही है।' वाक्य के रेखांकित अंशों में संख्यावाचक विशेषण का कौन सा प्रकार है?

BSF (HCM) 17 Jun. 2023

(a) समुदायवाचक (b) आवृत्तिवाचक
(c) गणनावाचक (d) क्रमवाचक

2. निम्नलिखित में से 'सार्वनामिक विशेषण' युक्त वाक्य का चयन कीजिये-

BSF (HCM) 18 Jun. 2023

(a) सूखी घास में पैर मत रखो
(b) यह वायलिन टूट गया
(c) विद्यार्थी बहुत व्यवहारकुशल है
(d) उसे मेरे पास बुलाओ

3. निम्नलिखित में से कौन-सा समुच्चयबोधक शब्द है?

CISF (HCM) 30 Oct. 2023

(a) बिना (b) अरे
(c) संग (d) इसलिए

4. निम्न में से कौन-सा 'संबंधबोधक' शब्द है?

CISF (HCM) 30 Oct. 2023

(a) मगर (b) ताकि
(c) नीचे (d) अच्छा

5. निम्न में से कौन-सा 'दिशावाचक अव्यय' शब्द है?

CISF (HCM) 30 Oct. 2023

(a) नहीं (b) यहाँ
(c) ही (d) सामने

6. निम्नलिखित में से कौन-सा विस्मयादिबोधक शब्द है?

CISF (HCM) 30 Oct. 2023

(a) संग (b) हाय
(c) मनो (d) इसलिए

7. वे अव्यय शब्द जिनसे घृणा, सुख, दुःख, तिरस्कार आदि का बोध होता है, निम्नलिखित में से कौन सा है?

CISF (HCM) 30 Oct. 2023

(a) समुच्चयबोधक अव्यय
(b) विस्मयादिबोधक अव्यय
(c) संबंधबोधक अव्यय
(d) क्रियाविशेषण अव्यय

8. निम्न में से किस वाक्य में संबंधबोधक अव्यय का प्रयोग हुआ है?

CISF (HCM) 30 Oct. 2023

(a) वह पढता तो है परन्तु पास नहीं होता है।
(b) वह वहाँ जायेगा।
(c) पार्क के चारों ओर लोग इकट्ठे हो गए थे।
(d) बाप रे! उस कमरे में तो शेर है।

9. निम्न में से कौन-सा समुच्चयबोधक अव्यय है?

CISF (HCM) 31 Oct. 2023

(a) अथवा (b) धीरे-धीरे
(c) उफ़ (d) अरे

10. 'अव्यय' के कितने भेद होते हैं?

CISF (HCM) 31 Oct. 2023

(a) 06 (b) 03
(c) 07 (d) 04

11. निम्नलिखित में से किस वाक्य में दिशावाचक सम्बन्धबोधक अव्यय का प्रयोग किया गया है?

CRPF (HCM) 22 Feb. 2023

(a) वह मेरी ओर आ रही है।
(b) मेरे बदले तुम चले जाओ।
(c) वह एक सप्ताह बाद आया।
(d) तुम्हारे अतिरिक्त यहाँ कोई नहीं है।

12. निम्नलिखित में से किस वाक्य में परिमाणवाचक क्रियाविशेषण है?

CRPF (HCM) 22 Feb. 2023

(a) यह अवश्य ही मेरा पर्स है।
(b) उसने यथासंभव मेरी मदद की।
(c) सभी को यथेष्ट दक्षिणा दी गयी।
(d) आज तुम अचानक कैसे आये?

13. निम्नलिखित में से किस वाक्य में विस्मयादिबोधक अव्यय है?

CRPF (HCM) 23 Feb. 2023

(a) अच्छा! तुम दस साल पहले यहाँ आये थे?
(b) प्राय: ऐसे लोग जल्दी साथ छोड़ जाते हैं।
(c) अब मैं क्या करूं?
(d) चलो अच्छा हुआ कि तुम्हारी बात मान ली।

14. स्थानवाचक अव्यय शब्द से वाक्य पूर्ण करें-
रामू ....नहीं आया है।

CRPF (HCM) 23 Feb. 2023

(a) पहले (b) ऊपर
(c) यहाँ (d) निकट

15. निम्नलिखित में से किस वाक्य में समुच्चयबोधक अव्यय नहीं है?

CRPF (HCM) 24 Feb. 2023

(a) यदि तुम कहो तो मैं ये आम ले लूँ।
(b) मुझे रात भर जागना पड़ता है।
(c) हवा चली और पानी बरसना बंद हो गया।
(d) वह आये या तुम जाओ।

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

16. इनमें कौन-सा अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण है?
CRPF (HCM) 24 Feb. 2023
(a) बहुत आदमी (b) पूरा आनंद
(c) सब जंगल (d) बहुत दूध

17. निम्न में से स्थानवाचक अव्यय शब्द है-
CRPF (HCM) 24 Feb. 2023
(a) अभी तभी (b) कल
(c) आजकल (d) इधर-उधर

18. निम्न में से कालवाचक सम्बंधबोधक अव्यय शब्द है-
CRPF (HCM) 26 Feb. 2023
(a) अलावा (b) कारण
(c) निरन्तर (d) आरपार

19. निम्नलिखित वाक्यों में समुच्चयबोधक अव्यय प्रयुक्त वाक्य पहचानिए।
CRPF (HCM) 26 Feb. 2023
(a) तुम कभी हमारे घर पर आ सकते हो।
(b) इसके अलावा आप क्या कर पाएँगे?
(c) उसने खूब परिश्रम किया ताकि उसे अच्छे अंक मिले।
(d) सारे काम ध्यान से करो।

20. कौन-सा वाक्य व्यक्तिवाचक विशेषण का उदाहरण है?
CRPF (HCM) 27 Feb. 2023
(a) नागपुरी केले मीठे होते हैं।
(b) उस लड़के को निकाल दो।
(c) मेरे सौ रुपए कहाँ गए?
(d) प्रत्येक छात्र को किताब दो।

21. विस्मयादिबोधक अव्यय किस वाक्य में नहीं है?
CRPF (HCM) 27 Feb. 2023
(a) छि:! ऐसा घिनौना काम।
(b) मैंने कहा कि वह नहीं जाएगा।
(c) बाप रे! इतना झूठ।
(d) वाह-वाह! क्या कर दिखाया।

22. संबंधबोधक अव्यय कौन-से विकल्प में प्रयोग हुआ है?
CRPF (HCM) 28 Feb. 2023
(a) यद्यपि वह गरीब है तथापि है ईमानदार।
(b) वह दाएँ गया।
(c) दरवाजे के पीछे बैठ जाओ।
(d) रमेश बाहर चला आया।

23. निम्न विकल्प में स्थितिवाचक अव्यय छाँटिए।
CRPF (HCM) 01 Mar. 2023
(a) नीचे, ऊपर, भीतर, सामने
(b) नित्य, आजकल, कभी कभी
(c) जहाँ, कहाँ, इधर-उधर
(d) आरपार, बाएँ, दाहिने

24. निम्न में से विभाजक समानाधिकरण समुच्चयबोधक अव्यय शब्द है-
CRPF (HCM) 11 Mar. 2023
(a) अतएव (b) किंतु
(c) एवं (d) किंवा

25. उचित स्थितिवाचक अव्यय शब्द से वाक्य पूर्ण करें-
गीता का फ्लैट मेरे फ्लैट के..........है।
CRPF (HCM) 11 Mar. 2023
(a) भीतर (b) इधर
(c) ऊपर (d) दाहिने

उत्तरमाला

1.	(b)	2.	(b)	3.	(d)	4.	(c)	5.	(d)	6.	(b)	7.	(b)	8.	(c)	9.	(a)	10.	(d)
11.	(a)	12.	(c)	13.	(a)	14.	(c)	15.	(b)	16.	(a)	17.	(d)	18.	(c)	19.	(c)	20.	(a)
21.	(b)	22.	(c)	23.	(a)	24.	(d)	25.	(c)										

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

18 अध्याय

क्रिया, काल एवं वाच्य

क्रिया

परिभाषा

जिन शब्दों से किसी काम के करने या होने का बोध हो उन्हें, **क्रिया** कहते हैं। **क्रिया** का अर्थ है-कार्य का होना या करना।

क्रिया एक **विकारी शब्द** है, जिसके रूप वचन, लिंग एवं पुरुष के अनुसार बदलते रहते हैं। क्रिया की यह अपनी विशेषता है।

जैसे - खाना, पढ़ना, खेलना, पीना, जाना, करना आदि।

उदाहरण वाक्य -

रुपाली को **कूदना** पसन्द है।

आशुवेन्द्र को भोपाल **जाना** है।

कर्म के आधार पर क्रिया के भेद

कर्म के आधार पर क्रिया के सामान्यतः दो भेद हैं -

सकर्मक क्रिया

सकर्मक क्रिया के व्यापार का फल कर्म पर पड़ता है या कर्म की सम्भावना होती है, अर्थात् वह क्रिया जिसका कर्म हो या जिसके साथ कर्म होने की सम्भावना हो, **सकर्मक क्रिया** कहलाती है।

यहाँ क्रिया के व्यापार का संचालन तो होता है, लेकिन इसका फल या प्रभाव किसी दूसरे व्यक्ति या वस्तु पर, अर्थात् कर्म पर पड़ता है।

जैसे - श्रेया फल खाती है।

इस वाक्य में **श्रेया** कर्ता है, **खाने** के साथ उसका कर्तृरूप से संबंध है, श्रेया के खाने का प्रभाव 'फल' अर्थात् कर्म पर पड़ता है। अतः यहाँ, **खाना** क्रिया सकर्मक है।

अकर्मक क्रिया

जिन क्रियाओं का व्यापार और फल कर्ता पर हो, न कि कर्म पर, उसे **अकर्मक क्रिया** कहते हैं।

चूँकि अकर्मक क्रियाओं में कर्म नहीं होता, तो क्रिया का व्यापार और फल कर्ता पर पड़ता है।

उदाहरण वाक्य -

रश्मि सोती है।

इस वाक्य में **सोना** क्रिया अकर्मक है। **रश्मि** कर्ता है, **सोने** की क्रिया रश्मि द्वारा पूर्ण होती है। अतः सोने का फल भी कर्ता पर ही पड़ता है, इसलिए 'सोना' अकर्मक क्रिया है।

प्रयोग एवं संरचना के आधार पर क्रिया के भेद

प्रेरणार्थक क्रिया

जिस क्रिया शब्द से इस बात का बोध हो कि कर्त्ता स्वयं कार्य न करके किसी दूसरे को कार्य करने के लिए प्रेरित करता है, वह **प्रेरणार्थक क्रिया** कहलाती है।

उदाहरण वाक्य -

राहुल मोहन से किताब लिखवाता है।

यहाँ राहुल (कर्त्ता) स्वयं किताब न लिखकर **मोहन से** दूसरे व्यक्ति को लिखने के लिए प्रेरित करता है।

नामधातु क्रिया

संज्ञा, सर्वनाम तथा विशेषण से बनने वाली क्रिया को **नामधातु क्रिया** कहते हैं।

जैसे - हाथ से हथियाना, बात से बतियाना, चिकना से चिकनाना, लाठी से लठियाना, लात से लतियाना इत्यादि।

पूर्वकालिक क्रिया

जब कर्त्ता एक कार्य को समाप्त करके तुरंत दूसरे काम में लग जाता है तब जो क्रिया पहले ही समाप्त हो जाती है, उसे **पूर्वकालिक क्रिया** कहते हैं।

उदाहरण वाक्य -

पुजारी ने **नहाकर** पूजा की।

चोर सामान **चुराकर** भाग गया।

संयुक्त क्रिया

जो क्रिया भिन्न-भिन्न क्रियाओं के मेल से बनकर एक क्रिया का निर्माण करती है, उसे संयुक्त क्रिया कहते हैं।

उदाहरण वाक्य -

सीमा खाना **बना रही** है।

सुरेश ने खाना **खा लिया**।

सहायक क्रिया

जो क्रिया मुख्य क्रिया की सहायता करती है, उसे सहायक क्रिया कहते हैं।

उदाहरण वाक्य -

मोहन पुस्तक पढ़ता **है**।

सोहन ने अपनी पुस्तक मेज पर रख **दी**।

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

सजातीय क्रिया

जिस वाक्य में कर्म और क्रिया एक ही धातु से बने होते हैं, उसे सजातीय क्रिया कहते हैं।

उदाहरण वाक्य -

वह अच्छी **लिखाई लिख** रहा है।

भारत ने **लड़ाई लड़ी**।

सामान्य क्रिया

जिस वाक्य में एक ही क्रिया होती है उसे सामान्य क्रिया कहते हैं।

उदाहरण वाक्य -

सीता आई।, राम गया।

काल

परिभाषा

क्रिया के जिस रूप से उसके होने के समय का बोध होता है, उसे **काल** कहते हैं।

जैसे - राम **पढ़ता** है।

राजन जा **चुका** होगा।

काल के भेद

काल के तीन भेद हैं-

(1) वर्तमान काल (2) भूतकाल (3) भविष्य काल

वर्तमान काल

क्रियाओं के व्यापार की निरंतरता को **वर्तमान-काल** कहते हैं अर्थात् क्रिया का वह रूप जो वर्तमान समय का बोध कराता है, उसे वर्तमान काल कहते हैं।

जैसे- आकांक्षा पढ़ती है।

अन्नू खेल रही है।

वर्तमान काल के भेद - वर्तमान काल के पाँच भेद हैं-

(i) सामान्य वर्तमान

(ii) तात्कालिक वर्तमान/अपूर्ण वर्तमान

(iii) पूर्ण वर्तमान

(iv) संदिग्ध वर्तमान

(v) संभाव्य वर्तमान

(i) **सामान्य वर्तमान**- क्रिया का वह रूप जिससे क्रिया का सामान्य रूप से वर्तमान काल में होना पाया जाए 'सामान्य वर्तमान' कहलाता है।

जैसे- वह जाता है।

मैं पढ़ता हूँ।

(ii) **तात्कालिक वर्तमान**- क्रिया का वह रूप जिससे पता चले कि क्रिया वर्तमान काल में हो रही है अर्थात् कार्य जारी है।

जैसे- अक्षिता खेल रही है।

राज पढ़ रहा है।

(iii) **पूर्ण वर्तमान**- क्रिया का वह रूप जिससे वर्तमान काल में कार्य की पूर्ण सिद्धि का बोध होता है।

जैसे- कपिल आ चुका है।

विशाल पुस्तक पढ़ चुका है।

(iv) **संदिग्ध वर्तमान**- क्रिया का वह रूप जिससे क्रिया के होने में संदेह प्रकट हो, पर उसकी वर्तमानता में सन्देह न हो।

जैसे- सपना पढ़ती होगी।

मानस खाता होगा।

(v) **संभाव्य वर्तमान**- क्रिया का वह रूप जिससे वर्तमान काल में काम के पूरा होने की संभावना रहती है।

जैसे- वे गए हों।

वह लौटा हो।

भूतकाल

क्रिया के जिस रूप से कार्य की समाप्ति का बोध बीते हुए समय में हो, उसे **भूतकाल** कहते हैं।

जैसे- भोलू आया था।

मैंने खाया।

भूतकाल के भेद - भूतकाल के छः भेद हैं-

(i) सामान्य भूत	(ii) आसन्न भूत
(iii) पूर्ण भूत	(iv) अपूर्ण भूत
(v) संदिग्ध भूत	(vi) हेतुहेतुमद् भूत

(i) **सामान्य भूत**- जिससे भूतकाल की क्रिया के विशेष समय का ज्ञान न हो।

जैसे- श्रेया आयी।

श्रेयश गया।

(ii) **आसन्न भूत**- क्रिया के इस रूप से क्रिया की समाप्ति निकट भूत में या तत्काल ही सूचित होती है।

जैसे- मैंने खाना खाया है।

तुमने पुस्तक पढ़ी है।

(iii) **पूर्ण भूत**- क्रिया के उस रूप को पूर्ण भूत कहते हैं, जिससे क्रिया की समाप्ति के समय का स्पष्ट बोध होता है कि क्रिया को समाप्त हुए काफी समय बीत चुका है।

जैसे- उसने शिवांक को मारा था।

तुमने मेरा घर देखा था।

(iv) **अपूर्ण भूत**- क्रिया के इस रूप से यह ज्ञात होता है कि क्रिया भूतकाल में सम्पन्न हो रही थी, परन्तु उसकी समाप्ति का पता नहीं चलता।

जैसे- ममता गीत गा रही थी।

शैला सो रही थी।

(v) **संदिग्ध भूत**- क्रिया के इस रूप से भूतकाल में काम के पूरा होने में संदेह का बोध होता है।

जैसे- संध्या ने खाना खाया होगा।

ट्रेन छूट गई होगी।

(vi) **हेतुहेतुमद् भूत**- क्रिया के इस रूप से यह पता चलता है

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

कि क्रिया भूतकाल में होने वाली थी, पर किसी वजह से न हो सकी।

जैसे- यदि वर्षा होती तो फसल अच्छी होती।
यदि तुम परिश्रम करते तो सफल हो जाते।

भविष्य-काल

भविष्य में होने वाली क्रिया को **भविष्य-काल** कहते हैं।

जैसे- आकांक्षा स्कूल जाएगी।
भोलू फुटबॉल खेलेगा।

भविष्य-काल के भेद - भविष्य-काल के तीन भेद हैं-

(i) सामान्य भविष्य (ii) संभाव्य भविष्य
(iii) हेतुहेतुमद् भविष्य

(i) **सामान्य भविष्य**- क्रिया के इस रूप से सामान्यत: यह प्रकट होता है कि क्रिया भविष्य में होगी।

जैसे- मैं जाऊँगा।
वंश कबड्डी खेलेगा।

(ii) **संभाव्य भविष्य**- क्रिया के जिस रूप से भविष्य में किसी कार्य के होने की संभावना हो।

जैसे- शायद कृष्णा कल आएगी।
लगता है, बारिश होगी।

(iii) **हेतुहेतुमद् भविष्य**- जब भविष्य में एक क्रिया का होना दूसरी क्रिया के होने पर निर्भर करता है, तो उसे हेतुहेतुमद् भविष्य-काल कहते हैं।

जैसे- वह आए तो मैं जाऊँ।
आप कमाएँ तो हम खाएँ।

वाच्य

परिभाषा

क्रिया का वह रूपान्तर या परिवर्तन, जिससे इस बात का बोध हो कि वाक्य में कर्त्ता, कर्म अथवा भाव - इनमें से किसकी प्रधानता है तथा इनमें किसके अनुसार क्रिया के लिंग, वचन तथा पुरुष आदि आए हैं; **वाच्य** कहलाता है।

अर्थात् कर्त्ता, कर्म या भाव के अनुसार क्रिया के लिंग, वचन, पुरुष का होना बाध्य है।

जैसे- रश्मि खाती है। [**रश्मि** कर्त्ता के अनुसार क्रिया **खाती है** स्त्रीलिंग, एकवचन, अन्य पुरुष]

मैं पुस्तक पढ़ता हूँ। [**मैं** कर्त्ता के अनुसार क्रिया **पढ़ता हूँ** पुल्लिंग, एकवचन, प्रथम पुरुष]

वाच्य के प्रयोग

वाक्य में क्रिया के लिंग, वचन और पुरुष का अध्ययन **प्रयोग** कहलाता है। ऐसा पाया जाता है कि वाक्य की क्रिया का लिंग, वचन और पुरुष कभी **कर्त्ता** तो कभी **कर्म** के अनुसार होता है लेकिन कभी-कभी वाक्य की क्रिया कर्त्ता या कर्म के अनुसार न होकर एकवचन, पुल्लिंग तथा अन्यपुरुष होती है, इसी को प्रयोग कहते हैं।

वाच्य के भेद

वाच्य के तीन भेद हैं-

(i) कर्तृवाच्य (ii) कर्मवाच्य (iii) भाववाच्य

(i) **कर्तृवाच्य** - क्रिया का वह रूपान्तर, जिससे वाक्य में कर्त्ता की प्रधानता का बोध हो अर्थात् कर्त्ता के लिंग, वचन और पुरुष के अनुसार क्रिया का रूप बदलता है, **कर्तृवाच्य** कहलाता है।

जैसे- आकांक्षा पुस्तक पढ़ती है।
लड़का खाता है।

यहाँ **पढ़ती है, खाता है** क्रियाओं के कर्त्ता क्रमश: 'आकांक्षा', 'लड़का' वाक्य का उद्देश्य हैं।

(ii) **कर्मवाच्य** - क्रिया का वह रूपांतर, जिससे वाक्य में कर्म की प्रधानता का बोध हो, **कर्मवाच्य** कहलाता है।

जैसे- किताबें पढ़ी जाती हैं।
सेब खाया जाता है।

यहाँ कर्म **किताबें, सेब** के अनुसार क्रिया का रूपान्तर हुआ है।

(iii) **भाववाच्य** - क्रिया का वह रूपांतर, जिससे वाक्य में क्रिया या भाव की प्रधानता का बोध हो, उसे **भाववाच्य** कहते हैं।

जैसे - लाडो से पढ़ा नहीं जाता।
सर्दी में उससे खेला नहीं जाता।

यहाँ कर्त्ता **'लाडो, उससे'** की प्रधानता न होकर भाव [**पढ़ा नहीं जाता, खेला नहीं जाता**] की प्रधानता है।

विचार-दृष्टि-यहाँ यह दृष्टव्य है कि कर्तृवाच्य में क्रिया **सकर्मक** और **अकर्मक** दोनों हो सकती हैं, किन्तु **कर्मवाच्य** में केवल सकर्मक क्रिया तथा भाववाच्य में केवल **अकर्मक क्रिया** होती है।

परीक्षोपयोगी प्रश्न

1. **निम्नलिखित में से 'अकर्मक क्रिया' वाले वाक्य का चयन कीजिये-**

BSF (HCM) 18 Jun. 2023

(a) छात्रा लिख रही है।
(b) रमाकांत सोता है।
(c) किरण फुटबाल खेलता है।
(d) मैं आगरा जाऊँगा।

2. **'श्वेता पढ़ रही थी।' वाक्य में किस काल की क्रिया का प्रयोग हुआ है?**

BSF (HCM) 17 Jun. 2023

(a) पूर्ण भूत (b) सामान्य भूत
(c) संदिग्ध भूत (d) अपूर्ण भूत

3. **निम्न में से संदिग्ध वर्तमान काल के वाक्य का चयन कीजिए?**

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

CRPF (HCM) 22 Feb. 2023

(a) अत्यधिक स्नेह से बच्चे बिगड़ जाते हैं।
(b) दिल्ली में बहुत बरसात होती होगी।
(c) मैं सप्ताह में एक दिन व्यायाम से अवकाश लेती हूँ।
(d) वह सोने की तैयारी कर रहा है।

4. **निम्नलिखित में से किस वाक्य में पूर्वकालिक क्रिया है?**
CRPF (HCM) 22 Feb. 2023

(a) पैदल चलना स्वास्थ्य के लिए हितकर है।
(b) तुम चल सकते हो।
(c) उसने खेलकर खाना खाया।
(d) सब काम मुझे करना पड़ता है।

5. **निम्न वाक्यों में से सामान्य वर्तमान काल के वाक्य का चयन कीजिए-**
CRPF (HCM) 22 Feb. 2023

(a) मैंने यह पुस्तक पढ़ी है।
(b) सावंत अभी आ रहा है।
(c) मैं शास्त्रीय संगीत तल्लीनता से सुनती हूँ।
(d) उसने वर्ष पर्यंत परिश्रम किया है।

6. **मैं क्रिकेट............। वाक्य के रिक्त स्थान को इच्छाबोधक संयुक्त क्रिया से पूर्ण करें।**
CRPF (HCM) 22 Feb. 2023

(a) खेलना चाहता हूँ (b) खेल सकता हूँ
(c) खेल चुका हूँ (d) खेला करता हूँ

7. **संदिग्ध भूत काल का वाक्य कौन सा है?**
CRPF (HCM) 22 Feb. 2023

(a) नौकर आया था। (b) नौकर आता होगा।
(c) नौकर आया। (d) नौकर आया होगा।

8. **सामान्य वर्तमान काल का वाक्य कौन सा है?**
CRPF (HCM) 22 Feb. 2023

(a) गायक गीत गाता है।
(b) गायक गीत गा चुका है।
(c) गायक गीत गा रहा है।
(d) गायक ने गीत गाया है।

9. **निम्नलिखित में से अपूर्ण भूत काल के वाक्य का चयन कीजिए-**
CRPF (HCM) 22 Feb. 2023

(a) तुम बाजार जाते तो घर का सभी सामान आ जाता।
(b) कल तुम यहाँ आये थे।
(c) सुधा कल फुटबाल खेल रही थी।
(d) मैंने खाना खा लिया है।

10. **निम्न वाक्यों में से हेतुहेतुमद् भूतकाल के वाक्य का चयन कीजिए-**
CRPF (HCM) 22 Feb. 2023

(a) अगर उसने मेहनत की होती तो अवश्य नौकरी मिल गयी होती।
(b) डॉ. वासुदेवनंदन प्रसाद ने हिन्दी व्याकरण पर पुस्तक लिखी थी।
(c) मैंने हमेशा से यही सुना है कि जो सत्य बोलता है वह सफल होता है।
(d) मैं कल फुटबाल का मैच देखने जा रही थी।

11. **'वह अपने तिरस्कार को.........।' संदिग्ध भूत काल की क्रिया का चयन करके रिक्त स्थान की पूर्ति करें-**
CRPF (HCM) 23 Feb. 2023

(a) भूल चुका है (b) भूल चुका होगा
(c) भूल चुका था (d) भूल चुका होता

12. **निम्न वाक्यों में से पूर्ण भूतकाल के वाक्य का चयन कीजिए-**
CRPF (HCM) 23 Feb. 2023

(a) हो सकता है वह यहाँ आया ही न हो।
(b) यदि तुम कश्मीर जाते तो बर्फबारी देखने को मिलती।
(c) मैंने उसकी कविता सुनी थी।
(d) मेरे घर के सामने निर्माण कार्य चल रहा था।

13. **निम्न में से अपूर्ण भूत काल का उदाहरण है-**
CRPF (HCM) 23 Feb. 2023

(a) राम उस रात को भूल चुका।
(b) रूस ने यूक्रेन पर बम गिराया होगा।
(c) लोग जानते हैं कि पृथ्वी सूर्य की परिक्रमा करती है।
(d) दिल्ली में तेज वर्षा हो रही थी।

14. **निम्नलिखित में से 'संयुक्त क्रिया' वाले विकल्प का चयन कीजिए-**
CRPF (HCM) 24 Feb. 2023

(a) यह भाषा किस प्रदेश में बोली जाती है?
(b) मैं प्राय: उससे मिल लिया करती हूँ।
(c) बच्चे मुस्कुरा रहे हैं।
(d) अध्यापिका छात्राओं को हिन्दी पढ़ा रही थी।

15. **निम्नलिखित में से हेतुहेतुमद् भविष्य काल के वाक्य का चयन कीजिए-**
CRPF (HCM) 24 Feb. 2023

(a) विज्ञान कहता है कि पृथ्वी के तापमान में वृद्धि होगी।
(b) यदि तुमने यह गीत गाया होगा तो अवश्य पुरस्कार मिला होगा।
(c) यदि तुम समय से यह पत्र भेज देती तो आज यह परेशानी न हुई होती।
(d) यदि सब कुछ यूँ ही चलता रहे तो एक दिन सारा समाज बदल जाए।

16. **निम्नलिखित में से सम्भाव्य भविष्य काल के वाक्य का चयन कीजिए-**

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

CRPF (HCM) 24 Feb. 2023
(a) मैं गाड़ी लेकर अभी आती हूँ।
(b) वह विद्यालय जाएगी।
(c) मैं यह किताब पढ़ूँगा, इसे यहीं रख दो।
(d) उसका घर बंद है, हो सकता है वह अभी आ जाए।

17. **निम्न में से कौन-सा वाक्य अपूर्ण भूत का उदाहरण है?**
CRPF (HCM) 24 Feb. 2023
(a) रंजना सफल होने की खुशी में झूम-झूम कर नाच रही होगी।
(b) रंजना सफल होने की खुशी में झूम-झूम कर नाच चुकी थी।
(c) रंजना सफल होने की खुशी में झूम-झूम कर नाच रही है।
(d) रंजना सफल होने की खुशी में झूम-झूम कर नाच रही थी।

18. **सामान्य भूत काल का वाक्य कौन सा है?**
CRPF (HCM) 26 Feb. 2023
(a) वर्षा हुई थी। (b) वर्षा हुई है।
(c) वर्षा हुई। (d) वर्षा हुई होगी।

19. **किशोर............। वाक्य के रिक्त स्थान को शक्तिबोधक संयुक्त क्रिया से पूर्ण करें।**
CRPF (HCM) 26 Feb. 2023
(a) खेलना चाहता है
(b) खेला-कूदा करता है
(c) खेल सकता है
(d) खेला करता है

20. **निम्न में से कौन-सा वाक्य सम्भाव्य वर्तमान का उदाहरण है?**
CRPF (HCM) 26 Feb. 2023
(a) वह बहुत थका था सो गया।
(b) वह बहुत थका था शायद लेटा हो।
(c) वह बहुत थका था लेटा होगा।
(d) वह बहुत थका था सोता है।

21. **निम्न में से पूर्वकालिक क्रिया किस वाक्य में प्रयुक्त हुई है?**
CRPF (HCM) 26 Feb. 2023
(a) वह भोजन करके नहाया।
(b) मैं चल सकता हूँ।
(c) पड़ोसियों से बराबर मिलते-जुलते रहो।
(d) टहलना स्वास्थ्य के लिए अच्छा है।

22. **निम्न में से कौन-सा वाक्य हेतुहेतुमद् भविष्य का उदाहरण है?**
CRPF (HCM) 26 Feb. 2023
(a) वे चले जाएँ तो मैं बैठूँ।
(b) राम स्कूल जायेगा।
(c) लगता है, राजेश कल आये।
(d) हिमांशु गीत गायेगा।

23. **'पहाड़ों पर बर्फ............।' अपूर्ण भूत काल की क्रिया का चयन करके रिक्त स्थान की पूर्ति करें।**
CRPF (HCM) 26 Feb. 2023
(a) गिर रही थी (b) गिरती थी
(c) गिर चुकी है (d) गिर चुकी थी

24. **'संयुक्त क्रिया' युक्त वाक्यांश चुनकर निम्न वाक्य पूर्ण करें।**
'शिक्षक ने छात्रों को..............।'
CRPF (HCM) 26 Feb. 2023
(a) हिन्दी की पुस्तक दी
(b) हिन्दी सिखा डाली
(c) हिन्दी में कहानी लिखवायी
(d) हिन्दी में कविता सुनायी

25. **निम्न विकल्पों में तात्कालिक वर्तमान काल का वाक्य पहचानिए।**
CRPF (HCM) 27 Feb. 2023
(a) सोहन मैदान में खेलता होगा।
(b) वह आठवीं कक्षा में दाखिला लेगा।
(c) गीता कुर्सी पर बैठकर खाना खा रही है।
(d) उसने मोहन को कक्षा में ही मारा।

26. **विकल्पों में से कौन-सा संभाव्य भविष्यत काल का वाक्य नहीं है?**
CRPF (HCM) 27 Feb. 2023
(a) संभव है पिताजी कल आएँ।
(b) राम आए तो मैं उसके साथ जाऊँ।
(c) कदाचित आज श्याम आए।
(d) वे कल दिल्ली जाएँ।

27. **निम्नलिखित वाक्यों में से सामान्य वर्तमान काल का उदाहरण है-**
CRPF (HCM) 27 Feb. 2023
(a) अभी अमेरिका में दिन हो रहा होगा।
(b) सुशील जी तन-मन से भूगोल पढ़ा रहे हैं।
(c) वह प्रतिदिन रात को देर से घर लौटता है।
(d) वे सभी कारें आज शाम में नीलाम हो जायेंगी।

28. **निम्न वाक्यों में से अभ्यासबोधक संयुक्त क्रिया पहचानिए-**
CRPF (HCM) 27 Feb. 2023
(a) वह पढ़ा करता है।
(b) घर जल गया।
(c) लड़का गिर पड़ा।
(d) पानी बरसने लगा।

29. **हेतुहेतुमद् भविष्य काल का वाक्य कौन-सा नहीं है?**
CRPF (HCM) 27 Feb. 2023
(a) वह आए तो मैं जाऊँ।
(b) संभव है, आज मेरा मित्र मुंबई से लौटे।
(c) तुम आओगे तो मैं जाऊँगा।
(d) बिजली चमकेगी तो वर्षा होगी।

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

30. निम्न में से कौन-सा वाक्य आसन्न भूत का उदाहरण है?

CRPF (HCM) 28 Feb. 2023

(a) मैंने आज अपनी पसंद का खाना खाया था।
(b) मैंने आज अपनी पसंद का खाना खाया है।
(c) मैंने आज अपनी पसंद का खाना खाया होगा।
(d) मैं आज अपनी पसंद का खाना खा चुका हूँ।

31. निम्न में से नित्यताबोधक संयुक्त क्रिया का उदाहरण है-

CRPF (HCM) 28 Feb. 2023

(a) पानी बरसने लगा।
(b) वह खा चुका है।
(c) हवा चल रही है।
(d) वह जान न पाया।

32. हेतुहेतुमद् भूतकाल का वाक्य छाँटिए-

CRPF (HCM) 28 Feb. 2023

(a) महेश ने रोटी खाई।
(b) लड़कों ने अच्छा काम किया है।
(c) रामचंद्र ने लंका पर चढ़ाई की थी।
(d) यदि तुम समय पर न पहुँचते तो पैसा न मिलता।

33. निम्न में से कौन-सा वाक्य तात्कालिक वर्तमान का उदाहरण है?

CRPF (HCM) 01 Mar. 2023

(a) बूढ़ा आदमी अपनी किस्मत पर रो चुका है।
(b) बूढ़ा आदमी अपनी किस्मत पर रो रहा होगा।
(c) बूढ़ा आदमी अपनी किस्मत पर रो रहा था।
(d) बूढ़ा आदमी अपनी किस्मत पर रो रहा है।

34. कौन-सा वाक्य सामान्य भूतकाल जैसा प्रतीत होता है, पर वह वर्तमान काल का होता है, भूतकाल का नहीं?

CRPF (HCM) 01 Mar. 2023

(a) कवि जिस तरफ झुक गए, झुक गए।
(b) वह पढ़ता तो उसे अंक मिलता।
(c) गीतांजलि अच्छी हिंदी जानती है।
(d) वह गाँव जा चुकी थी।

35. निम्न में से प्रेरणार्थक क्रिया शब्द है-

CRPF (HCM) 01 Mar. 2023

(a) जिलवाना (b) हथियाना
(c) जीना (d) गिरना

36. संभाव्य भविष्यत काल का वाक्य पहचानिए।

CRPF (HCM) 11 Mar. 2023

(a) क्या वे मेरी बात सुनेंगे?
(b) आज शायद पानी बरसे।
(c) जहाँ तुम जाइएगा वहाँ मैं भी जाऊँगा।
(d) आप वहाँ न जाओ।

37. निम्न में से कौन-सा वाक्य संदिग्ध भूत का उदाहरण है?

CRPF (HCM) 11 Mar. 2023

(a) रूस ने यूक्रेन पर बम गिराया होगा।
(b) रूस ने यूक्रेन पर बम गिराया है।
(c) रूस ने यूक्रेन पर बम गिराया था।
(d) रूस ने यूक्रेन पर बम गिरा दिया।

38. निम्नलिखित में से तात्कालिक वर्तमान काल का उदाहरण वाक्य है-

CRPF (HCM) 11 Mar. 2023

(a) धीरे-धीरे कुछ नहीं मिलता है सिर्फ मौत मिलती है।
(b) आप तो सुबह से शाम तलक ऐसे ही बातें बनाते हैं।
(c) वह इस समय रियाज कर रहा है, उसे परेशान मत कीजिए।
(d) वे बच्चे उस पहाड़ी के पीछे की घाटी में क्रिकेट खेलते हैं।

39. निम्नलिखित वाक्य का काल भेद बताइए-
मैं तो सुबह का नाश्ता कर चुकी हूँ।

CRPF (HCM) 11 Mar. 2023

(a) भविष्यकाल (b) तात्कालिक वर्तमानकाल
(c) भूतकाल (d) पूर्ण वर्तमानकाल

40. संज्ञा, विशेषण और सर्वनाम से बनने वाली धातु को क्या कहते हैं?

CRPF (HCM) 11 Mar. 2023

(a) अकर्मक क्रिया (b) प्रेरणार्थक क्रिया
(c) संयुक्त क्रिया (d) नामधातु क्रिया

41. निम्नलिखित वाक्य का काल भेद बताइए-
उसने अपने पालतू कुत्ते को मारा था।

CRPF (HCM) 11 Mar. 2023

(a) पूर्ण भूतकाल (b) संदिग्ध भूतकाल
(c) अपूर्ण भूतकाल (d) संभाव्य वर्तमानकाल

उत्तरमाला

1.	(b)	2.	(d)	3.	(b)	4.	(c)	5.	(c)	6.	(a)	7.	(d)	8.	(a)	9.	(c)	10.	(a)
11.	(b)	12.	(c)	13.	(d)	14.	(b)	15.	(d)	16.	(d)	17.	(d)	18.	(c)	19.	(c)	20.	(b)
21.	(a)	22.	(a)	23.	(a)	24.	(b)	25.	(c)	26.	(b)	27.	(c)	28.	(a)	29.	(b)	30.	(b)
31.	(c)	32.	(d)	33.	(d)	34.	(a)	35.	(a)	36.	(b)	37.	(a)	38.	(c)	39.	(d)	40.	(d)
41.	(a)																		

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

19
अध्याय

रस

रस

कविता, कहानी अथवा नाटक आदि को पढ़ते या देखते समय जो भाव हमारे हृदय में आते हैं उनकी अनुभूति को हिंदी साहित्य में **रस** के नाम से जाना जाता है।

रस की परिभाषा आचार्यों ने अपने-अपने अनुसार दी है। रस की निष्पत्ति के संदर्भ में भरत मुनि की परिभाषा ज्यादा प्रचलित है। भरतमुनि ने 'रस' का उल्लेख अपने प्रसिद्ध ग्रंथ 'नाट्यशास्त्र' में इस प्रकार किया है-

"विभावानुभाव व्यभिचारि संयोगाद्रस निष्पत्तिः।"
(नाट्यशास्त्र, अ.-6)

अर्थात् विभाव, अनुभाव एवं व्यभिचारी भावों के संयोग से रस की निष्पत्ति होती है।

उपर्युक्त परिभाषा तथा उसकी व्याख्या में कई पारिभाषिक शब्द आए, इन पारिभाषिक शब्दों के आशय को समझना अत्यन्त आवश्यक है, यही 'रस' के मूलभूत आधार हैं - (1) विभाव, (2) अनुभाव, (3) संचारी या व्यभिचारी भाव, (4) स्थायीभाव

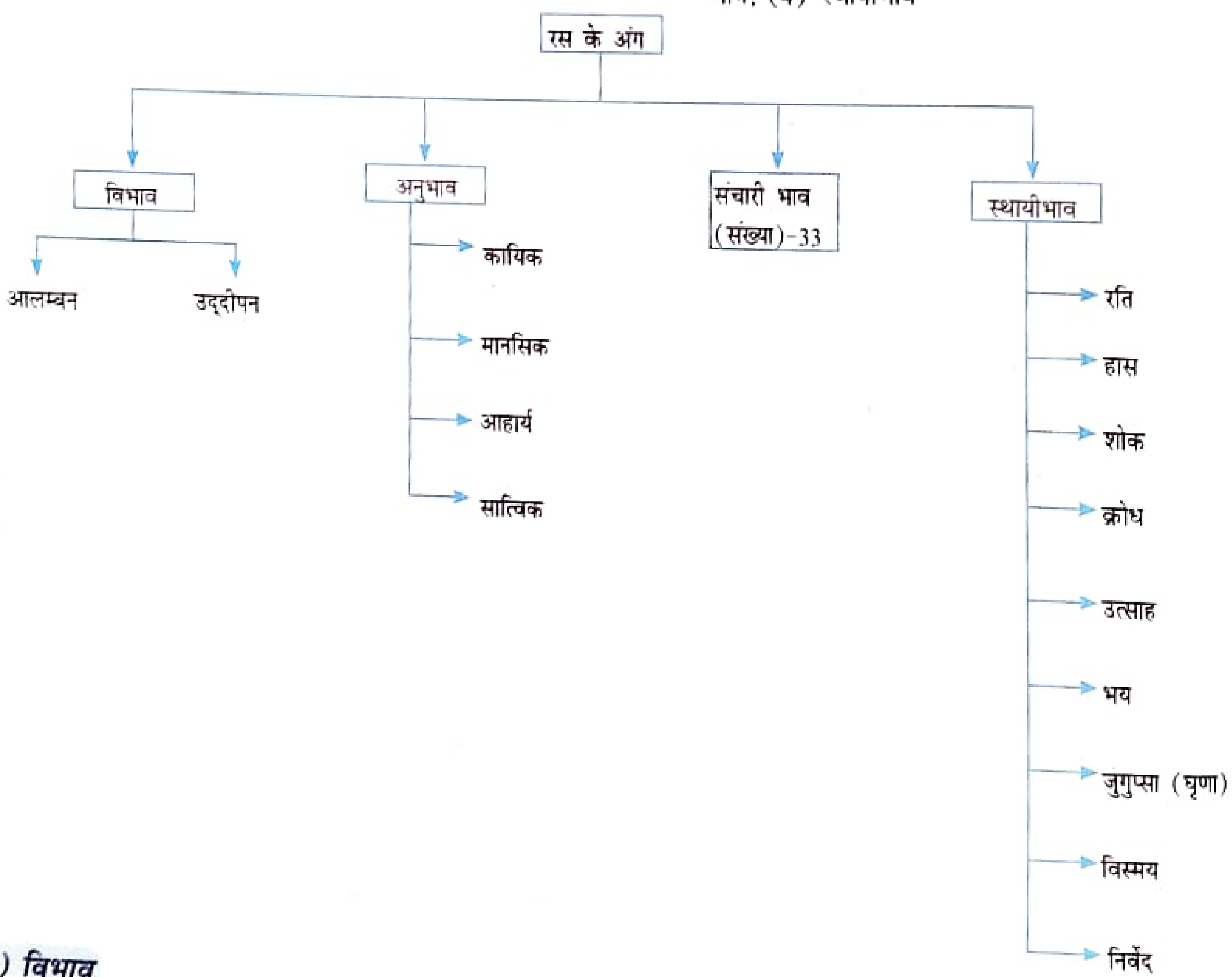

(1) विभाव

जब किसी व्यक्ति, पदार्थ या बाह्य विकार से किसी अन्य व्यक्ति में भावोद्दीप (भाव उत्पन्न होना) हो और जिन कारकों या कारणों से भाव उत्पन्न होता है, उसे 'विभाव' कहते हैं।

इन कारणों से विभाव के दो भेद उत्पन्न होते हैं-

(i) आलम्बन विभाव- जिन वस्तुओं या विषयों पर आलम्बित होकर मन में भाव उत्पन्न होते हैं, उन्हें आलम्बन विभाव कहते हैं।

जैसे- नायक-नायिका को प्रेम करता देख उत्पन्न भाव।

आलम्बन को दो भागों में बाँटा गया है-

◈ आश्रयालंबन (जिसके मन में भाव उत्पन्न हो)

Search on TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

◈ विषयालंबन (जिसके प्रति या जिसके कारण मन में भाव उत्पन्न हो)

(ii) उद्दीपन विभाव- स्थायीभाव को तीव्र करने वाले कारक उद्दीपन विभाव कहलाते हैं।

जैसे- युद्ध के नगाड़े, गर्जना-तर्जना आदि।

(2) अनुभाव

अनु+भाव (भावों का अनुसरण करने वाला)=अनुभाव

आलंबन एवं उद्दीपन विभाव के कारण उत्पन्न मनोगत भावों को बाहर व्यक्त करने वाली शारीरिक और मानसिक चेष्टाएँ 'अनुभाव' कहलाती हैं अर्थात् वह शारीरिक और मानसिक चेष्टा जिसके माध्यम से मन में उत्पन्न भाव बाहर प्रकाशित हों, 'अनुभाव' कहलाता है।

जैसे-

गुस्से से मुँह लाल होना।

डर से पसीना आना।

अनुभाव मुख्यत: चार प्रकार के होते हैं-

(i) कायिक (यत्नज) - जब आश्रय द्वारा जानबूझकर यत्न पूर्वक कोई आंगिक चेष्टा या क्रिया की जाती है, तब ऐसे अनुभाव को कायिक या यत्नज अनुभाव कहते हैं।

जैसे- उच्छ्वास, कटाक्ष आदि।

(ii) सात्विक (अयत्नज) - जब आश्रय द्वारा बिना कोई यत्न किए स्वाभाविक रूप से कोई चेष्टा या क्रिया होती है, तब ऐसे अनुभाव को सात्विक या अयत्नज अनुभाव कहते हैं। इनकी संख्या 8 मानी गई है।

◈ स्वेद - लाज, प्रेम या भय के कारण पसीना आना।

◈ रोमांच - भय, प्रेम, काम, हर्ष आदि के कारण रोंगटे खड़े हो जाना।

◈ वैवर्ण्य - भय, काम, लज्जा, दुख आदि के कारण चेहरे का रंग फीका पड़ जाना।

◈ वेपथु (कंपन) - अत्यधिक प्रसन्नता, भय, काम आदि के कारण शरीर में कम्पन होना।

◈ अश्रु - खुशी, दुख, प्रेम आदि कारणों से अश्रुप्रवाह होना।

◈ स्वर-भंग - हर्ष, शोक, भय आदि के कारण अटक-अटक कर बोलना।

◈ स्तम्भ - भय, लज्जा, प्रेम आदि के कारण शरीर का गतिहीन हो जाना।

◈ प्रलय - अत्यंत दुख, भय या प्रेम में इन्द्रियों का संज्ञाशून्य हो जाना।

(iii) मानसिक- आंतरिक वृत्तियों से उत्पन्न प्रमोद आदि भाव को मानसिक अनुभाव कहते हैं।

(iv) आहार्य- बनावटी वेश रचना को आहार्य अनुभाव कहते हैं।

(3) संचारी या व्यभिचारी भाव

मन में संचरण करने वाले वे अल्पकालीन भाव जो स्थायीभाव के सहायक के रूप में आकर या स्थायीभाव की पुष्टि करके गायब हो जाते हैं, 'संचारी भाव (व्यभिचारी भाव)' कहलाते हैं।

भरतमुनि एवं अन्य आचार्यों के मतानुसार, "ये पानी में उठने वाले और स्वत: विलीन होने वाले बुलबुलों की भाँति होते हैं।"

इनकी संख्या 33 है-

(1) निर्वेद (2) आवेग (3) दैन्य (4) श्रम (5) मद (6) जड़ता (7) उग्रता (8) मोह (9) शंका (10) चिंता (11) ग्लानि (12) विषाद (13) व्याधि (14) आलस्य (15) अमर्ष (16) हर्ष (17) गर्व (18) असूया (19) धृति (20) मति (21) चापल्य (22) व्रीड़ा (लज्जा) (23) अवहित्था (हर्ष, भय आदि भावों को छिपाना) (24) निद्रा (25) स्वप्न (26) विबोध (27) उन्माद (28) अपस्मार (मिरगी) (29) स्मृति (30) औत्सुक्य (31) त्रास (32) वितर्क (33) मरण

(4) स्थायीभाव

'विकारो मानसो भाव:' अर्थात् मन का विकार ही 'भाव' है। आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के अनुसार- 'भाव' का जहाँ 'स्थायित्व' हो, उसे ही 'स्थायीभाव' कहते हैं।

मनुष्य के हृदय में स्थायी रूप से विद्यमान वे भाव जिन्हें रोका या दबाया न जा सके और विभाव आदि से जुड़ने पर रस के रूप में प्रकट हों उस आनन्द के बुनियादी भाव को ही 'स्थायीभाव' कहते हैं।

स्थायीभाव के भेद - (i) रति (ii) हास (iii) शोक (iv) उत्साह (v) भय (vi) क्रोध (vii) जुगुप्सा (घृणा) (viii) विस्मय (ix) निर्वेद

रस के भेद

भरतमुनि के अनुसार 'आठ' तथा अभिनय गुप्त ने 'नौ' रस माने। आगे चलकर 'दो' और रसों की कल्पना हुई, जो हैं - वात्सल्य रस तथा भक्ति रस।

इन रसों के नाम व इनके स्थायीभाव निम्नलिखित हैं-

रस-प्रतिष्ठापक	रस	स्थायीभाव
भरत मुनि	शृंगार रस	रति
भरत मुनि	करुण रस	शोक
भरत मुनि	अद्भुत रस	विस्मय
भरत मुनि	रौद्र रस	क्रोध
भरत मुनि	वीर रस	उत्साह
भरत मुनि	हास्य रस	हास
भरत मुनि	भयानक रस	भय
भरत मुनि	वीभत्स रस	घृणा (जुगुप्सा)
उद्भट	शांत रस	निर्वेद
विश्वनाथ	वात्सल्य रस	स्नेह
रूप गोस्वामी	भक्ति रस	अनुराग या देव विषयक रति

नोट - 'वात्सल्य' एवं 'भक्ति' रस शृंगार रस के व्यापक दायरे में आते हैं, अत: रसों की संख्या 'नौ' ही मानी जाती है।

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

(1) शृंगार रस

जहाँ नायक-नायिका के प्रेम के सम्बंध में तथा उनका सौंदर्य संबंधी वर्णन हो वहाँ 'शृंगार रस' होता है। प्रेम में मिलना, बिछड़ना, हंसी, रूठना-मनाना आदि प्रकरण भी सम्मिलित होते हैं।

अतः शृंगार रस के दो भेद हैं-

(i) संयोग या सम्भोग शृंगार

जहाँ पर नायक-नायिका का मिलन अनुहार (हंसी-मजाक, छिना-झपटी, तंग करना) और शारीरिक या मानसिक मिलन हो जाए। वहाँ 'संयोग या सम्भोग शृंगार' होता है।

पहचान - नायक-नायिका का परस्पर मिलना, देखना या बातें करना।

संयोग शृंगार के भी दो भेद होते हैं-

(क) नायक रब्ध (नायक प्रेम की शुरुआत करता है)

(ख) नायिका रब्ध (नायिका प्रेम की शुरुआत करती है)

उदाहरण-

देखि रूप लोचन ललचाने। हरषे जनु निज निधि पहिचाने॥
थके नयन रघुपति छवि देखी। पलकन हू परहरी निमेखी॥
अधिक सनेह देह भई भोरी। सरद-ससिहि जनु चितव चकोरी॥
लोचन-मग रामहिं उर आनी। दीन्हें पलक-कपाट सयानी।

(ii) वियोग शृंगार

नायक-नायिका के विरह-वियोग अर्थात अलग हो जाने पर, वियोग शृंगार होता है।

उदाहरण-

हे खग मृग हे मधुकर श्रेनी।
तुम्ह देखी सीता मृगनैनी॥

(2) हास्य रस

जब किसी घटना को देखने, सुनने या समझने के बाद मानव हृदय में हँसी का भाव उत्पन्न हो जाए तो वहाँ 'हास्य रस' होता है।

पहचान - मन में हंसी का भाव, चेहरे पर खिलखिलाहट का भाव आदि।

भरतमुनि हास्य रस के आठ भेद मानते हैं- स्मित, हसित, विहसित, अपहसित, अवहिसित, अतिहसित, आत्मस्थ, परस्थ।

उदाहरण-

(1)

सीस पर गंगा हसै, भुजनि में भुजंगा हसै।
हास ही को दंगा भयो, नंगा के विवाह में॥

(2)

बुरे समय को देखकर, गंजे तू क्यों रोय।
किसी भी हालत में तेरा, बाल न बाँका होय॥

(3) करुण रस

जहाँ किसी घटना को सुनकर, देखकर या अपने किसी प्रिय व्यक्ति के मरण या हमेशा के लिए दूर होने से मन में शोक उत्पन्न हो, वहाँ 'करुण-रस' होता है।

पहचान -किसी युवक की मृत्यु होना, शोकपूर्ण वातावरण होना, उसके परिवार वालों द्वारा उसके प्रिय-जन की लाश पर रोना।

उदाहरण- (1)

हाय राम कैसे झेलें अपनी लज्जा अपना शोक
गया हमारे ही हाथों से अपना राष्ट्र पिता परलोक॥

(2)

अभी तो मुकुट बँधा था माथ, हुए कल ही हल्दी के हाथ।
खुले भी न थे लाज के बोल, खिले थे चुम्बन शून्य कपोल॥

(4) वीर रस

जहाँ किसी घटना को देखकर या सुनकर मन में उत्साह का भाव उत्पन्न हो जाए, वहाँ 'वीर-रस' होता है।

पहचान - मन में उमंग का भाव, चेहरे पर उत्साह की लालिमा, बाहों का बार-बार उठना आदि।

उदाहरण- (1)

मैं सत्य कहता हूँ सखे! सुकुमार मत जानों मुझे,
यमराज से भी युद्ध में, प्रस्तुत सदा मानो मुझे।
है और कि तो बात क्या, गर्व मैं करता नहीं,
मामा तथा निज तात से भी युद्ध में डरता नहीं॥

(2)

रण बीच चौकड़ी भर भर कर
चेतक बन गया निराला था।
राणा प्रताप के घोड़े से
पड़ गया हवा का पाला था॥

(5) भयानक रस

जहाँ किसी घटना को देखकर मन में भय या डर का भाव उत्पन्न हो, वहाँ 'भयानक रस' का संचरण होता है।

पहचान-भूत-प्रेत की उपस्थिति, खण्डर या वीराना का होना, बिल्ली का रोना, उल्लू-चमगादड़ का बोलना आदि।

उदाहरण- (1)

रुरुआ चहुँदिसि ररत।
डरत सुनिके नर-नारी॥

(2)

एक ओर अजगरहि लखि, एक ओर मृगराय।
विकल बटोही बीच ही, परयों मूरछा खाय॥

(6) अद्भुत रस

जहाँ किसी घटना को देखकर मन में आश्चर्य या विस्मय का भाव उत्पन्न हो, वहाँ 'अद्भुत रस' होता है।

पहचान - मन में भौचक्केपन का भाव आना, चेहरे पर चकपकाहट का भाव पैदा होना आदि।

उदाहरण- (1)

एक अचम्भा देखा रे भाई।
ठाढ़ा सिंह चरावै गाई॥
पहिले पूत पीछे भई माई।
चेला के गुरु लागैं पाँई॥

(2)

देख यशोदा शिशु के मुख में, सकल विश्व की माया।
क्षणभर को वह बनी अचेतन, हिल न सकी कोमल काया॥

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

(7) वीभत्स रस

जहाँ किसी घटना को देख या सुनकर मन में घृणा, निन्दा आदि का भाव उत्पन्न हो, वहाँ 'वीभत्स रस' होता है।

पहचान - दुर्गंधपूर्ण वातावरण का होना, माँस का सड़ना आदि।

उदाहरण- (1)

सिर पै बैठ्यो काग, आँख दोउ खात निकारत।
खैंचत जीभहिं स्यार, अतिहि आनन्द उर धारत॥
गीध जाँघ को खोदि-खोदि के माँस उचारत।
स्वान आँगुरिन काटि काटि के खान विचारत॥

(2)

आँखें निकालकर उड़ जाते, क्षण भर उड़ कर आ जाते।
शव जीभ खींचकर कौवे, चुभला-चभला कर खाते।
भोजन में श्वान लगे मुरदे थे भू पर लेटे।
खा माँस चाट लेते थे, चटनी सैम बहते बेटे।

(8) रौद्र रस

जहाँ किसी घटना को देख या सुनकर मन में क्रोध का भाव उत्पन्न हो, वहाँ 'रौद्र रस' होता है।

पहचान - चेहरा टमटमाना, आँखें लाल होना, दाँत-पीसना, होठ-चबाना।

उदाहरण- (1)

खून उसका उबल रहा था।
मनुष्य से वह दैत्य में बदल रहा था॥

(2)

उस काल मारे क्रोध के तन काँपने उसका लगा।
मानो हवा के जोर से सोता हुआ सागर जगा॥

(3)

सुनत लखन के बचन कठोर। परसु सुधरि धरेउ कर घोरा।
अब जनि देर दोसु मोहि लोगू। कटुबादी बालक बध जोगू॥

(9) शान्त रस

जहाँ किसी घटना को देखकर मन में निर्वेद, वैराग्य या तटस्थता का भाव उत्पन्न हो, वहाँ 'शान्त-रस' होता है।

पहचान - मन में पूर्व स्थिति का बने रहना (स्थिरता)

उदाहरण- (1)

देखी मैंने आज जरा।
हो जावेगी क्या ऐसी ही मेरी यशोधरा।
हाय! मिलेगा मिट्टी में वह वर्ण-सुवर्ण खरा।
सूख जावेगा मेरा उपवन जो है आज हरा।

(2)

जब मैं था तब हरि नहीं अब हरि है मैं नाहीं।
सब अंधियारा मिट गया जब दीपक देख्याँ माहीं॥

(10) वात्सल्य रस

जहाँ किसी घटना को देखकर मन में बाल्य (बचपन) का प्रेमभाव उत्पन्न या प्रकट हो, वहाँ 'वात्सल्य रस' होता है।

पहचान - माँ-पुत्र के बीच उत्पन्न भाव, बालक की क्रीड़ा देखकर उसकी अवस्था में जाने का भाव आदि।

'सूरदास जी' को वात्सल्य रस का सम्राट माना जाता है।

उदाहरण- (1)

किलकत कान्ह घुटुरुवनि आवत॥
मनिमय कनक नन्द कै आंगन॥
बिम्ब पकरिबै धावत॥ (सूरदास)

(2)

यशोदा हरि पालने झुलावै।
हलरावै दुलरावै जोई-सोई कुछ गावै॥

(11) भक्ति रस

जहाँ किसी घटना को देखकर मन में भक्ति भाव आए अथवा ईश्वर की अनुरक्ति और अनुराग का वर्णन हो, वहाँ 'भक्ति रस' होता है।

पहचान - ईश्वर के प्रति आस्था, ईश्वर के प्रति प्रेम आना, साधना करना।

उदाहरण- (1)

अब के राखि लेहु भगवान॥
हौं अनाथ बैठ्यो द्रुम डरिया॥
पारधि साधे बान॥ (सूरदास)

(2)

मेरे तो गिरधर गोपाल दूसरो न कोई।
जाके सिर है मोरपखा मेरो पति सोई॥

(3)

अँसुवन जल सिंची-सिंची प्रेम-बेलि बोई
मीरा की लगन लागी, होनी हो सो होई॥

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

परीक्षोपयोगी प्रश्न

1. वीर रस का स्थायी भाव है-
   (a) भय (b) क्रोध
   (c) उत्साह (d) विस्मय
2. शास्त्रकारों ने रसराज की उपाधि किस रस को प्रदान की है?
   (a) अद्‌भुत (b) करुण
   (c) श्रृंगार (d) वीर
3. जो भाव मन में केवल अल्पकाल तक संचरण करके चले जाते हैं, उन्हें कहा जाता है-
   (a) विभाव (b) अनुभाव
   (c) संचारी भाव (d) स्थायीभाव
4. निम्न में से कौन-सा सात्विक अनुभाव नहीं है?
   (a) रोमांच (b) कम्पन
   (c) विषाद (d) प्रलय
5. निम्न में कौन-सा सुमेलित नहीं है?
   (a) शान्त रस - निर्वेद
   (b) भयानक रस - जुगुप्सा
   (c) अद्‌भुत रस - विस्मय
   (d) रौद्र रस - क्रोध
6. 'शोक' किस रस का स्थायीभाव है?
   (a) शांत रस (b) करुण रस
   (c) हास्य रस (d) वीर रस
7. किस रस का स्थायीभाव 'रति' है?
   (a) भक्ति रस (b) श्रृंगार रस
   (c) दोनों का (d) दोनों का नहीं
8. हिन्दी काव्य-रसों की कुल संख्या है-
   (a) ग्यारह (b) दस
   (c) नौ (d) आठ
9. किलक अरे मैं नेह निहारूँ,
   इन दाँतों पर मोती वारूँ।
   इन पंक्तियों में कौन-सा रस है?
   (a) वीर रस (b) शांत रस
   (c) वात्सल्य रस (d) हास्य रस
10. रौद्र रस का स्थायी भाव है-
   (a) क्रोध (b) विस्मय
   (c) शोक (d) भय
11. निम्न पंक्तियों में किस रस का निरुपण हुआ है?
   एक ओर अजगरहिं लखि एक ओर मृगराय।
   विकल बटोही बीच ही परयो मूरछा खाय॥
   (a) भयानक रस (b) अद्‌भुत रस
   (c) हास्य रस (d) वीभत्स रस
12. रस का सम्बन्ध किस धातु से माना जाता है?
   (a) सृ (b) कृ
   (c) पृ (d) मृ
13. 'जब पहुँची चपला बीच धार, छिप गया चाँदनी का कगार' में कौन-सा रस है?
   (a) वात्सल्य रस (b) संयोग श्रृंगार रस
   (c) वीर रस (d) अद्‌भुत रस
14. ऊधौं मोहिं ब्रज बिसरत नाहीं।
   हंससुता की सुन्दर कगरी और द्रुमन की छांही।
   इन पंक्तियों में कौन-सा रस है?
   (a) श्रृंगार रस (b) हास्य रस
   (c) वीर रस (d) करुण रस
15. हिन्दी साहित्य का नौवाँ रस कौन-सा है?
   (a) भक्ति रस (b) वात्सल्य रस
   (c) शांत रस (d) करुण रस
16. कवि बिहारी मुख्यत: किस रस के कवि हैं?
   (a) करुण रस (b) भक्ति रस
   (c) श्रृंगार रस (d) वीर रस
17. संचारी भावों की संख्या है-
   (a) 9 (b) 33
   (c) 16 (d) 99
18. भरतमुनि के अनुसार रसों की संख्या है-
   (a) आठ (b) नौ
   (c) ग्यारह (d) दस
19. साहित्य में रस का क्या अर्थ है?
   (a) किसी रस का आनंद
   (b) साहित्य की मिठास
   (c) साहित्य से मिलने वाली आनंदानुभूति
   (d) किसी फल का स्वाद
20. भरत के 'रससूत्र' में निम्नलिखित में से किसका उल्लेख नहीं है?
   (a) स्थायीभाव (b) अनुभाव
   (c) विभाव (d) संचारी भाव
21. वीभत्स रस का स्थायी भाव है-
   (a) भय (b) निर्वेद
   (c) जुगुप्सा (d) क्रोध
22. भाव जिसके हृदय में रहते हैं उसे कहते हैं-
   (a) उद्दीपन
   (b) आलंबनजन्य उद्दीपन
   (c) आश्रय
   (d) आलंबन

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

23. **स्थायी भावों को अनुभूति के योग्य कौन बनाता है?**
(a) अनुभाव (b) आश्रय
(c) संचारी भाव (d) विभाव

24. **सूरदास के पदों में कौन-सा रस नहीं पाया जाता?**
(a) वात्सल्य रस (b) भयानक रस
(c) शृंगार रस (d) शान्त रस

25. **"निस दिन बरसत नैन हमारे" - पंक्ति में कौन-सा रस है?**
(a) संयोग शृंगार
(b) वियोग शृंगार
(c) अद्‌भुत रस
(d) वात्सल्य रस

26. **"खीचंत जीभहिं स्यार अतिहि आनंद उर धारत।" पंक्ति में रस है-**
(a) वीभत्स (b) रौद्र
(c) वीर (d) अद्‌भुत

27. **"तू दयाल दीन हौं तू दानि हौं भिखारी।" पंक्ति में रस है-**
(a) भक्ति (b) वात्सल्य
(c) भयानक (d) वीर

28. **"सीस पर गंगा हँसै, भुजनि भुजंगा हँसै, हास ही को दंगा भयो नंगा के विवाह में।" में कौन-सा रस है?**
(a) रौद्र रस (b) करुण रस
(c) शान्त रस (d) हास्य रस

29. **जब मैं था हरि नहीं, अब हरि हैं मैं नाहिं।
सब अँधियारा मिटि गया, जब दीपक देख्या माहिं॥
इन पंक्तियों में कौन-सा रस निहित है?**
(a) वियोग शृंगार रस
(b) वीर रस
(c) शान्त रस
(d) वात्सल्य रस

30. **वाणी और अंगों के अभिनय द्वारा जिनसे अर्थ प्रकट हो, वे हैं-**
(a) संचारी भाव (b) विभाव
(c) अनुभाव (d) भाव

31. **अनुभावों के कितने भेद होते हैं?**
(a) 2 (b) 3
(c) 4 (d) 6

32. **'वेपथु' कैसा अनुभाव है?**
(a) आंगिक (b) वाचिक
(c) सात्विक (d) बौद्धिक

33. **वात्सल्य रस का सम्राट किस कवि को कहा जाता है?**
(a) सूरदास (b) तुलसीदास
(c) बिहारी (d) नंददास

34. **कबीर की उलटवाँसियों में कौन-सा रस प्रमुख है?**
(a) वीभत्स रस (b) अद्‌भुत रस
(c) करुण रस (d) शांत रस

उत्तरमाला

1.	(c)	2.	(c)	3.	(c)	4.	(c)	5.	(b)	6.	(b)	7.	(b)	8.	(c)	9.	(c)	10.	(a)
11.	(a)	12.	(a)	13.	(b)	14.	(a)	15.	(c)	16.	(c)	17.	(b)	18.	(a)	19.	(c)	20.	(a)
21.	(c)	22.	(c)	23.	(d)	24.	(b)	25.	(b)	26.	(a)	27.	(a)	28.	(d)	29.	(c)	30.	(c)
31.	(c)	32.	(c)	33.	(a)	34.	(b)												

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

20
अध्याय

छंद

परिचय

छंद शब्द 'छद' धातु से बना है जिसका अर्थ होता है- आह्लादित करना, खुश रखना।

छन्द का सर्वप्रथम उल्लेख 'ऋग्वेद' में हुआ। छंद को 'पिंगल' भी कहते हैं, क्योंकि छंदशास्त्र के आदि प्रणेता 'पिंगल ऋषि' थे। जिन्होंने छंदसूत्र में छन्द का सुसम्बद्ध वर्णन किया।

जिस प्रकार गद्य व्याकरण द्वारा अनुशासित होता है उसी प्रकार पद्य, छन्द द्वारा अनुशासित होता है। अर्थात् यह मात्रा या वर्ण की नियमित संख्या के विन्यास से प्रकट होता है। एक पंक्ति में कहें तो- **जैसे एक स्त्री के सौन्दर्य के लिए उचित वस्त्र, आभूषण या उचित आवरण की आवश्यकता होती है, ठीक उसी प्रकार पद्य की रचना सौन्दर्य के लिए 'छन्द' की आवश्यकता होती है।**

परिभाषा

तुक, मात्रा, लय, क्रम, गणना, यति-गति आदि की नियमित एवं अनुशासित पद्य रचना 'छन्द' कहलाती है अर्थात् मात्रा, वर्ण, लय आदि के विचार से होने वाली वाक्य रचना 'छन्द' कहलाती है।

छंद के अंग

1. पाद या चरण	2. मात्रा और वर्ण
3. लघु और गुरु	4. संख्या और क्रम
5. गण	6. यति
7. गति	8. तुक

1. पाद या चरण- छन्द में प्रायः चार चरण होते हैं। पहले और तीसरे चरण को विषम चरण तथा दूसरे और चौथे चरण को सम चरण कहा जाता है।
2. मात्रा और वर्ण- मात्रिक छन्द में मात्राओं को गिना जाता है और वार्णिक छन्द में वर्णों को। दीर्घ स्वरों के उच्चारण में ह्रस्व स्वर की तुलना में दुगुना समय लगता है। ह्रस्व स्वर की एक मात्रा एवं दीर्घ स्वर की दो मात्राएँ गिनी जाती हैं।

◈ ध्वनि के उच्चारण-काल को 'मात्रा' कहते हैं अर्थात् किसी वर्ण के उच्चारण में जो समय लगता है उसे ही मात्रा कहते हैं। छंद शास्त्र में 'ह्रस्व-दीर्घ' को ही मात्रा कहते हैं।

◈ वर्णों की गणना में ह्रस्व या दीर्घ दोनों को एक-एक ही वर्ण माना जाता है, मात्राओं की तरह गणना नहीं की जाती। निम्नलिखित उदाहरण सारणी से स्पष्टीकरण में सुविधा होगी। जैसे- मेरी भव बाधा हरौ।

वर्ण	मे	री	भ	व	बा	धा	ह	रौ	कुल
वर्ण गणना	1	1	1	1	1	1	1	1	= 8 वर्ण
मात्रा	ए	ई	अ	अ	आ	आ	अ	औ	
मात्रा गणना	2	2	1	1	2	2	1	2	=13 मात्रा

इसी प्रकार - राधा→ दो वर्ण तथा चार मात्राएँ हैं।

नोट - बिना स्वर वाली ध्वनि अर्थात् हलन्त् (क्, ख्, ग् आदि) को वर्ण नहीं माना जाता है।

3. लघु एवं गुरु- छन्द शास्त्र में ये दोनों वर्णो के भेद हैं। ह्रस्व को लघु वर्ण एवं दीर्घ को गुरु कहा जाता है। ह्रस्व अक्षर का चिह्न (।) है, जबकि दीर्घ का चिह्न (ऽ) है।

नियम:-

* लघु - (अ, इ, उ, ऋ) इन स्वरों तथा इनसे युक्त व्यंजन (क, कि, कु, कृ) या संयुक्त व्यंजन को 'लघु' समझा जाता है।

जैसे - नयन → 3 वर्ण → 3 मात्राएँ → ।।। (मात्रिक चिह्न)

◈ चन्द्र बिन्दु वाले ह्रस्व स्वर भी लघु ही होते हैं।

जैसे - कँ → 1 वर्ण → 1 मात्रा → । (मात्रिक चिह्न)

◈ संयुक्त व्यंजन भी लघु होते हैं।

जैसे-

त्य → 1 मात्रा → । (मात्रिक चिह्न)

* गुरु - (आ, ई, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ) इन दीर्घ स्वरों तथा इनसे युक्त व्यंजनों (का, की, कू, के, कै, को, कौ) को 'गुरु' की श्रेणी में रखा गया है।

जैसे - मामा → 2 वर्ण → 4 मात्राएँ → ऽऽ (मात्रिक चिह्न)

औरत → 3 वर्ण → 4 मात्राएँ → ऽ।।

◈ विसर्गयुक्त वर्ण गुरु होते हैं।

स्वतः - 'तः' को गुरु अर्थात् 'ऽ' मात्रिक चिह्न से व्यक्त करते हैं।

◈ हलन्त के पहले का वर्ण गुरु होगा।

जैसे - राजन् में 'ज' गुरु है।

◈ संयुक्त वर्ण के पहले का लघु वर्ण 'गुरु' होता है। जैसे- धर्म → ऽ।, चक्र → ऽ।

◈ अनुस्वार वर्ण भी गुरु होते हैं, जैसे- कं, मं आदि।

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

4. संख्या एवं क्रम- जैसा कि नाम से ही स्पष्ट है, मात्राओं एवं वर्णों की गणना को संख्या कहते हैं तथा 'लघु-गुरु' के स्थानों को निर्धारित करना क्रम कहलाता है।

5. गण - 'गण' का आशय है - समूह।
गण में मात्रा तीन वर्णों का समूह होता है। मात्राओं एवं वर्णों की 'संख्या एवं क्रम' की सुविधा हेतु तीन वर्णों का एक-एक 'समूह या गण' माना गया।
गणों की संख्या आठ है। इन्हें याद करने के लिए एक सूत्र है- य मा ता रा ज भा न स ल गा
इसके आधार पर गण, उसकी वर्ण योजना लघु-दीर्घ आदि की जानकारी आसानी से हो जाती है। जैसे-

गण	सूत्र-संकेत	उदाहरण	वर्ण-क्रम	मात्रिक चिह्न/मात्राएँ
यगण	यमाता	नहाना	लघु-गुरु-गुरु	।ऽऽ
मगण	मातारा	आबादी	गुरु-गुरु-गुरु	ऽऽऽ
तगण	ताराज	आहार	गुरु-गुरु-लघु	ऽऽ।
रगण	राजभा	नीरजा	गुरु-लघु-गुरु	ऽ।ऽ
जगण	जभान	जवान	लघु-गुरु-लघु	।ऽ।
भगण	भानस	भानस	गुरु-लघु-लघु	ऽ।।
नगण	नसल	नयन	लघु-लघु-लघु	।।।
सगण	सलगा	समता	लघु-लघु-गुरु	।।ऽ

6. यति - 'यति' का आशय है, विश्राम, ठहराव या विराम। जैसे-

किसको पुकारे यहाँ रोकर अरण्य के बीच।
चाहे जो करो शरण्य शरण तिहारे हैं॥

उपर्युक्त उदाहरण में 'बीच' शब्द के बाद (।) तथा हैं के बाद (॥) 'यति' है।

7. गति - 'गति' से आशय है-लय का प्रवाह।
उदाहरण-

रहिमन पानी राखिये, बिन पानी सब सून।
पानी गये न ऊबरे, मोती मानुष चून॥

उपर्युक्त उदाहरण में मात्रा एवं क्रम के ठीक होने पर हमें इसके पाठन में स्वत: लय या प्रवाह का बोध होता है।

8. तुक - चरणों के अंत में प्रयुक्त वर्णों की आवृत्ति 'तुक' कहलाती है। अर्थात् चरण के अन्त में प्रयुक्त समान स्वर-व्यंजन की स्थापना को ही 'तुक' कहते हैं। जैसे-

मेरी भव बाधा हरौ, राधा नागरि सोइ।
जा तन की झाईं परे, स्याम हरित दुति होइ॥

उपर्युक्त उदाहरण में 'सोइ-होइ' तुक हैं।

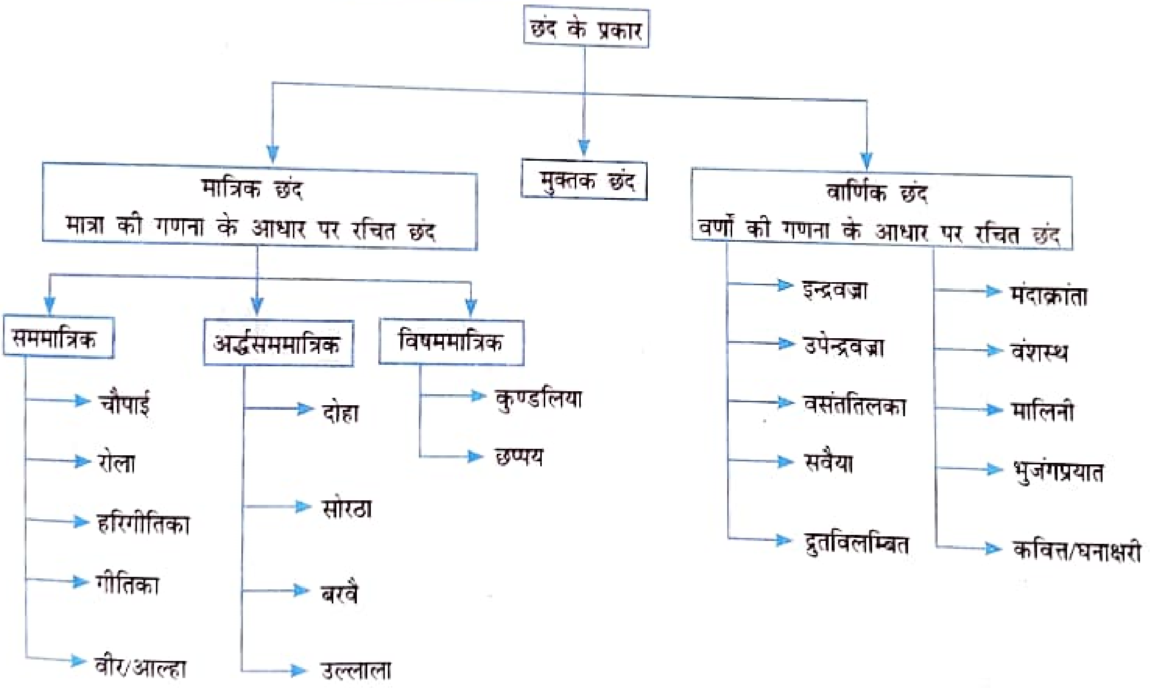

प्रमुख मात्रिक छंद

चौपाई

चौपाई में चार चरण होते हैं तथा प्रत्येक चरण में सोलह (16) मात्राएँ होती हैं तथा चरण के प्रथम-द्वितीय तथा तृतीय-चतुर्थ के अंतिम अक्षर समान अर्थात् तुक में होते हैं। इनमें प्रत्येक चरण के अन्त में विराम (यति) होता है तथा चरण के अन्त में दो 'गुरु' (ऽऽ) शुभ माने जाते हैं।

चरण के अन्त में जगण (।ऽ।) तगण (ऽऽ।) नहीं होता, न ही चरण के अन्त में गुरु के बाद लघु वर्ण आते हैं।
उदाहरण-

ऽ।। ।। ।। ।।। ।ऽऽ ।।। ।ऽ। ।।। ।।ऽऽ
बंदउ गुरु पद पदुम परागा। सुरुचि सुबास सरस अनुरागा॥
।।। ऽ।।। ऽ।। ऽऽ ।।। ।।। ।। ।। ।।ऽऽ
अमिय मूरिमय चूरन चारू। समन सकल भव रुज परिवारू॥

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

रोला

इसमें चार चरण होते हैं। प्रत्येक चरण में 24 मात्राएँ होती हैं। 11वीं और 13वीं पर यति होती है। उदाहरण-

। । S । । । । S । S। S ।। S S ।।
नव उज्ज्वल जलधार, हार हीरक सी सोहति।
। । । । । । । । S। S । S S । । S । ।
बिच बिच छहरति बूंद, मध्य मुक्ता मनि पोहति॥

हरिगीतिका

यह सम मात्रिक छंद है। इसमें प्रत्येक चरण में अट्ठाईस (28) मात्राएँ 16 और 12 के विराम (यति) से होती हैं तथा अंत में लघु-गुरु के प्रयोग होते हैं।

उदाहरण-

IIS IS S SIS S SI II S II IS
कहती हुई यों उत्तरा के नेत्र जल से भर गए।
हिम के कणों से पूर्ण मानों हो गए पंकज नए॥

गीतिका छंद

यह सम मात्रिक छंद है। प्रत्येक चरण में 14 और 12 के विराम (यति) से 26 (छब्बीस) मात्राएँ होती हैं तथा चरण के अन्त में लघु-गुरु का प्रयोग प्रचलित है। उदाहरण-

SI S II S ISS S IS IIS IS
धर्म के मग में अधर्मी, से कभी डरना नहीं।
चेत कर चलना कुमारग, में कदम धरना नहीं॥
शुद्ध भावों में भयानक, भावना भरना नहीं।
बोध वर्धक लेख लिखने, में कमी करना नहीं॥

वीर (आल्हा) छन्द

यह सम मात्रिक छन्द है जिसके प्रत्येक चरण में 31 मात्राएँ होती हैं। 16 और 15 पर यति और अन्त में गुरु लघु (SI) का विधान होता है। उदाहरण-

SII III S III SS II SII S IS ISI
बारह बरस लौ कुकुर जीवै, अरु सोरह लौ जियै सियार।
III ISII SS SS SS SS S SSI
बरस अठारह क्षत्री जीवै, आगे जीवै को धिक्कार॥

दोहा

दोहा के प्रथम व तृतीय चरण में तेरह-तेरह (13-13) मात्राएँ तथा द्वितीय व चतुर्थ चरण में ग्यारह-ग्यारह (11-11) मात्राएँ होती हैं और 'तुक' सम चरणों (द्वितीय-चतुर्थ) में होती है। उदाहरण-

SS II SS IS SS SII SI
मेरी भव बाधा हरौ, राधा नागरि सोइ।
S II S SS IS SI III II SI
जा तन की झाईं परे, स्याम् हरित दुति होइ॥

सोरठा

यह अर्द्धसम मात्रिक छंद है। यह दोहे के विपरीत होता है। इसके प्रथम व तृतीय चरण में ग्यारह-ग्यारह (11-11) तथा द्वितीय व चतुर्थ चरण में तेरह-तेरह (13-13) मात्राएँ होती हैं। इसके विषम चरण (प्रथम व तृतीय) में तुक होती है।

उदाहरण-

II SII S SI SI ISS IIS
सुनि केवट के बैन, प्रेम लपेटे अटपटे।
IIS IISSI III SIS III II
बिहसे करुणाएन, चितइ जानकी लखन तन॥

बरवै

यह अर्द्धसम मात्रिक छंद है। इसके प्रथम व तृतीय चरण में 12-12 तथा द्वितीय व चतुर्थ चरण में 7-7 मात्राएँ होती हैं। द्वितीय तथा चतुर्थ चरणों में जगण (ISI) या तगण (SSI) प्रचलित है।

उदाहरण-

III IS S II II S II SI
अवधि शिला का उस पर, था गुरु भार।
तिल तिल काट रही थी, दृग जल धार॥

उल्लाला

यह अर्द्धसम मात्रिक छंद है। इसके विषम चरणों (प्रथम-तृतीय) में पंद्रह-पंद्रह (15-15) मात्राएँ तथा सम चरणों (द्वितीय-चतुर्थ) में तेरह-तेरह (13-13) मात्राएँ होती हैं अर्थात् एक पूर्ण पंक्ति में 28 मात्राएँ होती हैं तथा द्वितीय-चतुर्थ चरण में तुक समान होती है।

उदाहरण-

S IIISIS SI S IIS IIS SI S
हे शरणदायिनी देवि! तू, करती सबका त्राण है।
हे मातृभूमि! सन्तान हम, तू जननी, तू प्राण है॥

कुण्डलिया

यह विषम मात्रिक और संयुक्त छंद है। इसके छ: (6) चरण होते हैं। मुख्यत: यह छंद दोहा तथा रोला से बनता है अर्थात्

कुण्डलिया = दोहा + रोला।

इस छंद के प्रथम चरण की रचना दोहे के प्रथम तथा द्वितीय चरणों के मेल से होती है। इसी प्रकार द्वितीय चरण की रचना दोहे के तृतीय तथा चतुर्थ चरण के मेल से होती है।

इसी तरह इसके तृतीय, चतुर्थ, पंचम, षष्ठ चरण की रचना रोला के चार क्रमशः चरणों के मेल से होती है।

महत्त्वपूर्ण बातें

- दोहे का चतुर्थ चरण, रोले के प्रथम चरण में दुहराया जाता है तथा कुण्डलिया के प्रत्येक चरण में 24 मात्राएँ होती हैं।
- दोहे के शुरुआत का पहला शब्द रोले के अंत में आता है।
- यतियाँ (विराम) दोहे और रोले की भाँति ही प्रयुक्त होती हैं।

उदाहरण-

SS SI I SIS II SII II SI = 24 मात्राएँ
साईं बैर न कीजिए गुरु, पण्डित, कवि, यार।
बेटा, बनिता, पँवरिया, यज्ञ करावनहार॥
यज्ञ करावन हार, राजमन्त्री जो होई।
विप्र, पड़ोसी, वैद्य, आपकी तपै रसोई॥
कह गिरिधर कविराय जुगन ते यह चलि आई।
इन तेरह सों तरह, दिए बनि आवै साईं॥

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

छप्पय

यह भी विषम मात्रिक और संयुक्त छंद है। कुण्डलिया की भाँति इसमें भी छः (6) चरण होते हैं जो रोला तथा उल्लाला के मेल से बनते हैं अर्थात् छप्पय = रोला + उल्लाला।

छप्पय के प्रथम चार चरण रोला के तथा शेष दो चरण (पंचम, षष्ठ) उल्लाला के मेल से बनते हैं।

महत्त्वपूर्ण बातें

इसके प्रथम चार चरण अर्थात् रोला में 24-24 मात्राएँ (11-13) की यति से होती हैं।

शेष दो चरण में उल्लाला की भाँति 28 मात्राएँ (15-13) की यति से होती हैं।

उदाहरण-

। ऽ ।ऽ। ।ऽ। । ।।ऽ ।। ऽ ।। ऽ = 24 मात्राएँ

जहाँ स्वतंत्र विचार, न बदलें मन में मुख में,
जहाँ न बाधक बनें सबल निबलों के सुख में।
सबको जहाँ समान निजोन्नति का अवसर हो,
शान्तिदायिनी निशा, हर्षसूचक वासर हो।

।। ऽ। ।ऽ।। ऽ ।ऽ ।।ऽ ऽ ।।।। ।।। = 28 मात्राएँ

सब भाँति सुशासित हो जहाँ, समता के सुखकर नियम।
बस उसी स्वशासित देश में, जागे हे जगदीश हम।।

प्रमुख वर्णिक छंद

इंद्रवज्रा

इसके प्रत्येक चरण में क्रमशः दो तगण (ऽऽ।), एक जगण (।ऽ।) तथा दो गुरु (ऽऽ) होते हैं। अर्थात् ग्यारह (11) वर्ण प्रत्येक चरण में होते हैं।

उदाहरण-

तगण तगण जगण गुरु गुरु = 11 वर्ण

ऽ ऽ ।ऽ ऽ। ।ऽ।ऽ ऽ

मैं जो नया ग्रन्थ विलोकता हूँ।
भाता मुझे सो नव मित्र सा है।।
देखूं उसे मैं नित सार बाला।
मानो मिला मित्र मुझे पुराना।।

उपेन्द्रवज्रा

इसके प्रत्येक चरण में क्रमशः जगण, तगण, जगण तथा दो गुरु होते हैं। इस प्रकार इसके प्रत्येक चरण में ग्यारह (11) वर्ण होते हैं।

उदाहरण-

जगण तगण जगण गुरु गुरु = 11 वर्ण

।ऽ । ऽऽ ।। ऽ। ऽऽ

बड़ा कि छोटा कुछ काम कीजै।
परन्तु पूर्वापर सोच लीजै।।
बिना विचारे यदि काम होगा।
कभी न अच्छा परिणाम होगा।।

वसन्ततिलका

यह एक सम वर्णिक छंद है। इसके प्रत्येक चरण में क्रमशः एक तगण (ऽऽ।), एक भगण (ऽ।।) तथा दो जगण (।ऽ।) के साथ चरण के अन्त में दो गुरु (ऽऽ) होते हैं। अर्थात् प्रत्येक चरण में चौदह (14) वर्ण होते हैं।

उदाहरण-

तगण भगण जगण जगण गुरु गुरु = 14 वर्ण

ऽऽ ।ऽ ।।। ऽ ।।ऽ ।ऽऽ

बातें बड़ी सरस थे कहते बिहारी,
छोटे बड़े सकल का हित चाहते थे।
अत्यन्त प्यार दिखला मिलते सबों से
वे थे सहायक बड़े दुख के दिनों में।

सवैया

यह एक सम वर्णिक छंद है। इसके एक चरण में बाईस (22) से छब्बीस (26) वर्ण होते हैं। इसके 48 भेद बनाए गए हैं। उनमें 'मत्तगयन्द', 'दुर्मिल', 'मदिरा' आदि मुख्य हैं।

मत्तगयन्द सवैया - इस सवैया में चार चरण होते हैं। प्रत्येक चरण में 23 वर्ण होते हैं जिसमें सात भगण (ऽ।।) और अन्त में दो गुरु (ऽऽ) होते हैं।

उदाहरण-

ऽ।। ऽ ।।ऽ।। ऽ ।। ऽ ।। ऽ।। ऽ। ।ऽ ऽ =23 वर्ण

केशव ये मिथिलाधिप हैं जग में जिन कीरति बेलि बई है,
दान कृपान विधानन सों सिगरी बसुधा जिन हाथ लई है।
अंग छः सातक आठक सों भव तीनहुँ लोक में सिद्धि भई है,
वेदमयी अरु राजसिरि परिपूरनता सुभ जोग भई है।

द्रुतविलम्बित

यह एक सम वर्णिक छंद है। इसके प्रत्येक चरण में क्रमशः एक नगण (।।।), दो भगण (ऽ।।), एक रगण (ऽ।ऽ) होते हैं। इस प्रकार इसके प्रत्येक चरण में बारह वर्ण होते हैं।

उदाहरण-

नगण भगण भगण रगण = 12 वर्ण

।।। ऽ ।।ऽ। ।ऽ। ऽ

दिवस का अवसान समीप था।
गगन था कुछ लोहित हो चला।
तरुशिखा पर थी अब राजती,
कमलिनी-कुल-वल्लभ की प्रभा।।

मन्दाक्रान्ता

इसके प्रत्येक चरण में एक मगण (ऽऽऽ), एक भगण (ऽ।।), एक नगण (।।।), दो तगण (ऽऽ।) तथा दो गुरु के क्रम से 17 वर्ण होते हैं। इसमें 4, 6, 7 वें वर्णों पर यति होती है। उदाहरण-

मगण भगण नगण तगण तगण गुरू गुरू = 17 वर्ण

ऽऽ ऽऽ ।।। ।।ऽ ऽ।ऽ ऽ। ऽऽ

पीछे बातें विविध करती काँपती कष्ट पाती
आयी लेके स्वप्रिय पति को साथ में नन्द वामा।
आशा की है अमित महिमा धन्य है दिव्य आशा
जो छू के है मृतक बनते प्राणियों को जिलाती।।

वंशस्थ

यह एक सम वर्णिक छंद है। इसके प्रत्येक चरण में क्रमशः जगण (।ऽ।), तगण (ऽऽ।), जगण (।ऽ।), रगण (ऽ।ऽ) होते हैं। इस प्रकार प्रत्येक चरण में बारह (12) वर्ण होते हैं।

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

उदाहरण-

जगण तगण जगण रगण = 12 वर्ण

ISI S S IISI SIS

दिनान्त था, थे दिननाथ डूबते
सधेनु आते गृह ग्वाल बाल थे।
दिगंत में गो रज थी समुत्थिता
विषाण नाना बजते सवेणु थे।

मालिनी

प्रत्येक चरण में 15 वर्णों वाले इस वर्णिक छन्द के प्रत्येक चरण में 8 वें और 7 वें वर्ण पर यति होती है तथा वर्ण संयोजन दो नगण (III), एक मगण (SSS) तथा दो यगण (ISS) के क्रम में होता है। उदाहरण-

नगण नगण मगण यगण यगण = 15 वर्ण

II II II SS SI SS IS S

प्रिय पति वह मेरा प्राण प्यारा कहाँ है?
दुख जलनिधि डूबी का सहारा कहाँ है?
अबतक जिसको मैं देख के जी सकी हूँ।
वह हृदय हमारा नेत्र-तारा कहाँ है?

भुजंगप्रयात

यह एक समवर्णिक छंद है। इसके प्रत्येक चरणों में चार (4) यगण (ISS) एक साथ होते हैं। इस प्रकार इसके प्रत्येक चरण में बारह (12) वर्ण होते हैं।

उदाहरण-

यगण यगण यगण यगण = 12 वर्ण

IS S IS S IS SI SS

बना लो जहाँ ही वहीं स्वर्ग होगा
स्वयंभूत थोड़ा कहीं स्वर्ग होगा।
खलों को कहीं भी नहीं स्वर्ग होगा,
भलों के लिये तो यहीं स्वर्ग होगा।

कवित्त

कवित्त वर्णिक छन्द है जिसके प्रत्येक चरण में 31-31 या 32-32 या 33-33 वर्ण रहते हैं। इसमें मात्राओं के क्रम का नियन्त्रण होने से गणों का विधान नहीं है, केवल वर्णों की संख्या प्रत्येक चरण में बराबर होती है।

इसके प्रमुख भेद हैं-

1. मनहरण कवित्त:- इसके प्रत्येक चरण में 31 वर्ण होते हैं। प्रथम सोलह वर्णों पर यति होती है। अन्त में गुरू होता है।
2. रूपघनाक्षरी:- इसके प्रत्येक चरण में 32 वर्ण होते हैं। प्रत्येक सोलह वर्णों पर यति होती है। अन्त में लघु होता है।
3. देवघनाक्षरी:- इसके प्रत्येक चरण में 33 वर्ण होते हैं। प्रत्येक आठवें वर्ण पर यति होती है। अन्त में लघु आता है।

मुक्तक छंद

जो छंद वर्ण, मात्रा, चरणों में वर्ण की संख्या, क्रम आदि प्रतिबंधों तथा नियमों से मुक्त होकर नाद एवं ताल के आधार पर पंक्तियों में लय भरकर उन्हें गतिशील करने का आग्रह करें, 'मुक्तक-छंद' कहलाते हैं।

वर्तमान में कविताएँ मुक्तक छंद से प्रेरित होकर लिखी जा रही हैं।

जैसे-

निराला की कविता 'जूही की कली' आदि।

उदाहरण-

मातृ पिता गुरु स्वामि सिख, सिर धरि करहीं सुंभयूँ।
लहेउ लाभु तिन्ह जनमकर, नतरु जनमु जग जाए॥

परीक्षोपयोगी प्रश्न

1. **निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल।**
बिन निज भाषा ज्ञान के, मिटै न हिय को शूल॥
इन पंक्तियों में कौन-सा छंद है?
(a) दोहा (b) रोला
(c) चौपाई (d) बरवै
2. **निम्न में से कौन वर्णिक छंद है?**
(a) दोहा (b) चौपाई
(c) सवैया (d) रोला
3. **जिस छंद के प्रथम तथा तृतीय चरण में 12-12 मात्राएँ एवं द्वितीय तथा चतुर्थ चरण में 7-7 मात्राएँ होती हैं, साथ ही सम चरणों के अंत में जगण (ISI) होता है, वह छंद है-**
(a) मालिनी (b) बरवै
(c) रोला (d) इन्द्रवज्रा
4. **वर्णिक छंदों में किसका विचार होता है?**
(a) वर्ण का (b) मात्रा और वर्ण का
(c) मात्रा का (d) वर्ण की गुरुता का
5. **निम्न में कौन-सा मात्रिक छंद है?**
(a) दोहा (b) चौपाई
(c) रोला (d) ये सभी
6. **चौपाई के प्रत्येक चरण में मात्राएँ होती हैं-**
(a) 11 (b) 13
(c) 16 (d) 15
7. **विषम मात्रिक एवं संयुक्त छंद है-**
(a) रोला (b) कुण्डलिया
(c) हरिगीतिका (d) सोरठा
8. **प्रिय पति वह मेरा प्राण प्यारा कहाँ है?**
प्रस्तुत पंक्ति में कौन-सा छंद है?

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

(a) सोरठा (b) मालिनी
(c) दोहा (d) बरवै

9. घनाक्षरी छंद है-
(a) मात्रिक (b) वर्णिक
(c) आक्षरिक (d) इनमें से कोई नहीं

10. मंगल भवन अमंगल हारी।
द्रवहुँ सु दसरथ अजिर बिहारी॥
इन पंक्तियों में किस छंद का प्रयोग हुआ है?
(a) दोहा (b) चौपाई
(c) सोरठा (d) सवैया

11. जो जग हित पर प्राण निछावर है कर पाता।
जिसका तन है किसी लोक हित में लग जाता॥
इन पंक्तियों में कौन-सा छंद है?
(a) दोहा (b) रोला
(c) बरवै (d) हरिगीतिका

12. मात्रा की दृष्टि से दोहा के ठीक विपरीत होता है-
(a) रोला (b) छप्पय
(c) चौपाई (d) सोरठा

13. अर्द्धसम मात्रिक जाति का छंद है-
(a) रोला (b) दोहा
(c) चौपाई (d) कुण्डलिया

14. ऊँ हनु हनु हनुमंत हठीले।
बैरिहिं मारु बज्र की कीले॥
प्रस्तुत पंक्तियों में कौन-सा छंद है?
(a) सोरठा (b) चौपाई
(c) दोहा (d) बरवै

15. श्री गुरु चरन सरोज रज निज मन मुकुर सुधारि।
बरनौ रघुवर विमल जसु जो दायक फल चारि॥
प्रस्तुत पंक्तियों में कौन-सा छंद है?
(a) सोरठा (b) चौपाई
(c) दोहा (d) बरवै

16. छप्पय किस प्रकार का छंद है?
(a) सम मात्रिक (b) विषम मात्रिक
(c) अर्द्धसम मात्रिक (d) इनमें से कोई नहीं

17. छंद कितने प्रकार के होते हैं?
(a) तीन (b) दो
(c) पाँच (d) चार

18. कुण्डलिया छंद किन दो छंदों से मिलकर बनता है?
(a) सोरठा और रोला (b) दोहा और रोला
(c) दोहा और चौपाई (d) दोहा और सोरठा

19. दोहे और रोले को क्रम से मिलाने पर कौन-सा छंद बनता है?
(a) हरिगीतिका (b) कुण्डलिया
(c) सवैया (d) बरवै

20. निम्न में सम मात्रिक छंद का कौन-सा है?
(a) दोहा (b) सोरठा
(c) चौपाई (d) सभी

21. जिस छंद में चार चरण और प्रत्येक चरण में 16 मात्राएँ होती हैं, वह कहलाता है-
(a) दोहा (b) सोरठा
(c) रोला (d) चौपाई

22. किस छंद में 26 मात्राएँ होती हैं तथा 14-12 पर यति होती है?
(a) वीर (b) सोरठा
(c) गीतिका (d) छप्पय

23. "मूक होइ वाचाल, पंगु चढ़इ गिरिवर गहन।
जसु कृपा सो दयाल, द्रवहु सकल कलिमल दहन॥"
प्रस्तुत पंक्तियों में कौन-सा छंद है?
(a) दोहा (b) चौपाई
(c) सोरठा (d) बरवै

24. किस छंद का प्रथम व अंतिम शब्द एक-सा होता है?
(a) कुण्डलिया (b) रोला
(c) दोहा (d) सोरठा

25. अवधि शिला का उर पर था गुरु भार।
तिल-तिल काट रही थी दृग जल धार॥
प्रस्तुत पंक्तियों में कौन-सा छंद है?
(a) दोहा (b) सोरठा
(c) रोला (d) बरवै

26. 'छंदशास्त्र' के प्रणेता आचार्य माने जाते हैं?
(a) पतंजलि (b) पिंगल
(c) पाणिनी (d) मनु

27. बिना विचारे यदि काम होगा,
कभी न अच्छा परिणाम होगा।
प्रस्तुत पंक्तियों में कौन-सा छंद है?
(a) सोरठा (b) मालिनी
(c) दोहा (d) उपेन्द्रवज्रा

28. जय हनुमान ज्ञान गुन सागर,
जय कपीस तिहुँ लोक उजागर।
प्रस्तुत पंक्तियों में कौन-सा छंद है?
(a) सोरठा (b) चौपाई
(c) दोहा (d) बरवै

29. जिस छंद के पहले तथा तीसरे चरणों में 13-13 और दूसरे तथा चौथे चरणों में 11-11 मात्राएँ होती हैं, वह छंद कहलाता है-
(a) रोला (b) चौपाई
(c) कुण्डलिया (d) दोहा

30. रहिमन पानी राखिए, बिन पानी सब सून।
पानी गए न ऊबरे, मोती मानुस चून॥
प्रस्तुत पंक्तियों में कौन-सा छंद है?
(a) दोहा (b) सवैया
(c) चौपाई (d) सोरठा

31. वीर या आल्हा किस जाति का छंद है?
(a) वर्णिक (b) मात्रिक
(c) मुक्त (d) इनमें से कोई नहीं

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

32. दोहा के प्रथम और तृतीय चरण में कितनी मात्राएँ होती हैं?
(a) ग्यारह (b) बारह
(c) चौदह (d) तेरह

33. जिस छंद में वर्णिक या मात्रिक प्रतिबंध न हो, वह छंद क्या कहलाता है?
(a) वर्णिक छंद (b) मात्रिक छंद
(c) मुक्तक छंद (d) इनमें से कोई नहीं

34. निराला की कविता 'जूही की कली' उदाहरण है-
(a) वर्णिक छंद का (b) मात्रिक छंद का
(c) मुक्तक छंद का (d) इनमें से कोई नहीं

35. छंद से संबंधित गणों की सही संख्या है-
(a) छः (b) सात
(c) आठ (d) दस

36. छंद पढ़ते समय आने वाले विराम को क्या कहते हैं?
(a) गति (b) यति
(c) तुक (d) गण

37. निम्नलिखित में से कौन-सा छंद का प्रकार नहीं है?
(a) दृष्टांत (b) चौपाई
(c) दोहा (d) छप्पय

38. किस छंद में छः चरण होते हैं?
(a) बरवै (b) चौपाई
(c) सोरठा (d) छप्पय

39. बिनु पग चले सुने बिनु काना।
कर बिनु कर्म करे विधि नाना।।
प्रस्तुत पंक्तियों में कौन-सा छंद है?
(a) सोरठा (b) चौपाई
(c) दोहा (d) बरवै

उत्तरमाला

1.	(a)	2.	(c)	3.	(b)	4.	(a)	5.	(d)	6.	(c)	7.	(b)	8.	(b)	9.	(b)	10.	(b)
11.	(b)	12.	(d)	13.	(b)	14.	(b)	15.	(c)	16.	(b)	17.	(a)	18.	(b)	19.	(b)	20.	(c)
21.	(d)	22.	(c)	23.	(c)	24.	(a)	25.	(d)	26.	(b)	27.	(d)	28.	(b)	29.	(d)	30.	(a)
31.	(b)	32.	(d)	33.	(c)	34.	(c)	35.	(c)	36.	(b)	37.	(a)	38.	(d)	39.	(b)		

Search on TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

21 अध्याय

अलंकार

परिचय

जिस प्रकार किसी की सुन्दरता को बढ़ाने के लिए आभूषण एवं सौंदर्य-प्रसाधन की आवश्यकता होती है, ठीक उसी प्रकार कविता-कामिनी के सौन्दर्य को और अधिक प्रभावशाली, आकर्षक बनाने वाला अवयव 'अलंकार' है। अलंकार कविता के शब्द एवं अर्थ के आभूषण का कार्य करता है। अलंकार के बिना शायद काव्य की सुंदरता एवं मिठास संभव नहीं है।

परिभाषा

आचार्य दण्डी के अनुसार, "काव्य शोभाकरान् धर्मान अलंकरान् प्रचक्षते"

अर्थात् काव्य के शोभाकारक धर्म (गुण) 'अलंकार' कहलाते हैं।

आचार्य वामन के अनुसार, "अलङ्कृतिरलङ्कारः" अर्थात् जो किसी वस्तु को अलंकृत (सुशोभित) करे, वह 'अलंकार' है।

सरल शब्दों में, भाषा या काव्य के शब्द एवं अर्थ को सुन्दर, सुसज्जित तथा चमत्कारिक बनाने वाले धर्म या तत्व को 'अलंकार' कहते हैं।

अलंकार के भेद

अलंकार के मुख्य दो भेद हैं-

(1) **शब्दालंकार**

(2) **अर्थालंकार**

नोट - जहाँ शब्द और अर्थ दोनों में ही विशेषता आ जाने से सौंदर्य या चमत्कार आ जाए, वहाँ 'उभयालंकार' होता है।

शब्दालंकार

जैसा कि नाम से ही स्पष्ट है; शब्द या ध्वनि के द्वारा जो सौन्दर्य या चमत्कार उत्पन्न होता है, 'शब्दालंकार' कहलाता है।

सरल शब्दों में, जहाँ केवल शब्द या ध्वनि के आधार पर रचना में सौन्दर्यता, लयात्मकता का संचार हो अर्थात् केवल शब्द एवं ध्वनि की विशेषता से उत्पन्न सौंदर्य 'शब्दालंकार' कहलाता है।

कुछ शब्दालंकार 'वर्णगत या शब्दगत' होते हैं, जैसे-यमक, अनुप्रास आदि, तो कुछ अलंकार 'वाक्यगत' होते हैं, जैसे-लाटानुप्रास आदि।

अनुप्रास अलंकार

जब किसी पंक्ति में वर्ण या शब्द की आवृत्ति (दोहराना) हो, उसे 'अनुप्रास अलंकार' कहते हैं अर्थात् जब एक ही वर्ण या शब्द एक पंक्ति में एक से अधिक बार आए तो 'अनुप्रास अलंकार' होगा।

जैसे - **पावस ऋतु थी पर्वत प्रदेश,**
पल-पल परिवर्तित प्रकृति वेश।

उपर्युक्त उदाहरण में 'पावस', पर्वत, प्रदेश, पल-पल परिवर्तित और प्रकृति में 'प' वर्ण की आवृत्ति हुई है, अतः 'अनुप्रास अलंकार' होगा।

अनुप्रास अलंकार के भी कई प्रकार हैं, उन प्रकारों में से मुख्य का वर्णन निम्नलिखित है-

(क) छेकानुप्रास-

जब एक या एक से अधिक व्यंजन की आवृत्ति, स्वरूप एवं क्रम में केवल एक बार हो अर्थात् एक वर्ण या शब्द की आवृत्ति एक से अधिक बार न हो, वहाँ 'छेकानुप्रास अलंकार' होता है। 'रज' और 'जर' में छेकानुप्रास नहीं होगा क्योंकि दोनों के स्वरूप एवं क्रम अलग हैं, परन्तु 'रज-रज' में छेकानुप्रास अलंकार होगा, क्योंकि इनकी आवृत्ति उसी स्वरूप एवं क्रम में हुई है। उदाहरण -

रीझि रीझि रहसि रहसि हँसि हँसि उठै,
साँसै भरि आँसू भरि कहत दई दई।

उपर्युक्त उदाहरण में रीझि रीझि, रहसि रहसि, हँसि हँसि और दई दई की आवृत्ति केवल एक बार उसी स्वरूप एवं क्रम में हुई है। अतः यहाँ 'छेकानुप्रास अलंकार' है।

(ख) वृत्यानुप्रास- जब एक व्यंजन की आवृत्ति अनेक बार हो वहाँ वृत्यानुप्रास अलंकार होता है। उदाहरण-

चामर-सी, चंदन-सी, चंद-सी चाँदनी चमेली चारू चंद- सुघर है।

(ग) लाटानुप्रास- जब एक शब्द या वाक्य खण्ड दुबारा आए तथा उनका सामान्य अर्थ तो एक हो, परन्तु अन्वय के पश्चात् पूरी उक्ति या कथन के अर्थ में परिवर्तन हो, अर्थात् सामान्य अर्थ वाले एक ही शब्द या वाक्य खंड की आवृत्ति हो, परन्तु उनके तात्पर्य या अन्वय में अंतर हो तो 'लाटानुप्रास' होता है। उदाहरण-

पूत सपूत तो क्यों धन संचय?
पूत कपूत तो क्यों धन संचय?

उपर्युक्त उदाहरण में '**पूत तो क्यों, धन संचय**' की आवृत्ति हुई है परन्तु प्रथम पंक्ति में इनका अन्वय या तात्पर्य 'सपूत' के लिए है वहीं दूसरी पंक्ति में इनका तात्पर्य 'कपूत' के लिए हुआ है।

(घ) अन्त्यानुप्रास- जहाँ अंत में तुक मिलती हो वहाँ पर अन्त्यानुप्रास अलंकार होता है। उदाहरण-

लगा दी किसने आकर आग।
कहाँ था तू संशय के नाग?

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

(ङ) श्रुत्यानुप्रास-

जब किसी काव्य (कविता) में एक ही उच्चारण स्थान वाले अथवा एक ही वर्ग (प्राय: माधुर्य वर्ग अर्थात 'त' वर्ग) के वर्णों की बार-बार आवृत्ति होती है, तो वहाँ श्रुत्यानुप्रास अलंकार माना जाता है। उदाहरण-

दिनांत था थे दिननाथ डूबते,
सधेनु आते गृह ग्वाल बाल थे।

यहाँ 'त' वर्ग (त थ द ध न) की आवृत्ति हुई है।
अत: यहाँ श्रुत्यानुप्रास अलंकार है।

यमक अलंकार

यमक का अर्थ है-'दो'

जब किसी शब्द की आवृत्ति दो या दो से अधिक बार हो तथा उनके अर्थ भिन्न-भिन्न हो, 'यमक अलंकार' होता है। उदाहरण -

कनक कनक ते सौ गुनी मादकता अधिकाय।
वा खाये बौराय जग, या पाए बौराय॥

उपर्युक्त उदाहरण में 'कनक' शब्द की आवृत्ति हुई है, परन्तु दोनों के अर्थ भिन्न हैं, जहाँ प्रथम 'कनक-धतूरा' खाने से इंसान पागल हो जाते हैं वहीं दूसरे 'कनक-सोना' अधिक पाने से भी इंसान पागल हो जाता है अर्थात् कनक के अर्थ में भिन्नता है।

श्लेष अलंकार

'श्लेष' का अर्थ है - चिपका हुआ।

जब किसी पंक्ति में एक ही शब्द अनेक अर्थ के लिए हो अर्थात् एक ही शब्द के अनेक अर्थ हों, वहाँ 'श्लेष अलंकार' होता है।

जैसे-

रहिमन पानी राखिये, बिन पानी सब सून।
पानी गये न ऊबरे, मोती मानुष चून॥ (रहीम)

यहाँ 'पानी' शब्द के तीन अर्थ - 'मोती की चमक', 'मनुष्य की इज्जत' तथा 'चून के साथ जल' हैं अर्थात् यहाँ 'श्लेष अलंकार' है।

इसी प्रकार,

प्रियतम बतला दे लाल मेरा कहाँ है।

इसमें लाल का अर्थ बेटा या रत्न है। अत: श्लेष अलंकार है।

वक्रोक्ति अलंकार

वक्रोक्ति शब्द 'वक्र+उक्ति' के योग से बना है, वक्र का अर्थ है- 'टेढ़ा' और उक्ति का अर्थ- 'कथन'; अर्थात "टेढ़ा कथन"। अत: जहाँ पर वक्ता के द्वारा बोले गए शब्दों का श्रोता अलग अर्थ निकाले, उसे वक्रोक्ति अलंकार कहते हैं। उदाहरण -

कौन तुम? मैं घनश्याम।
तो बरसो कित जाय।

यहाँ राधा और कृष्ण के मध्य संवाद है। जब कृष्ण राधा के यहाँ जाकर दरवाजा खटखटाते हैं, तो भीतर से ही राधा बोलती हैं- कौन हो तुम? यहाँ क्यों आए हो? तो कृष्ण जी अपना परिचय देते हुए बोले- मैं घनश्याम हूँ। चूँकि 'घनश्याम' का एक अर्थ होता है- काले बादल। तो राधा जी इसी अर्थ को शरारत के रूप में लेकर बोलती हैं कि- घनश्याम हो तो तुम्हारा यहाँ क्या काम, कहीं जाकर बरसो (बारिश करो)

अर्थालंकार

जैसा कि नाम से स्पष्ट है कि अर्थ को चमत्कृत या अलंकृत करने वाला अलंकार।

जहाँ किसी काव्य या रचना के सौन्दर्य, चमत्कार का आधार अर्थ हो अर्थात् अर्थ पर आधारित या आश्रित अलंकार ही 'अर्थालंकार' कहलाता है।

अर्थालंकार की संख्या निश्चित नहीं की जा सकती। अत: उनमें से जो मुख्य हैं, उनका वर्णन निम्नलिखित है-

उपमा अलंकार

जहाँ एक वस्तु की तुलना (धर्म, शोभा, स्वभाव, गुण आदि के आधार पर) किसी दूसरी वस्तु से की जाए, वहाँ 'उपमा अलंकार' होता है।

उपमा अलंकार के चार अंग हैं-

(क) उपमेय/प्रस्तुत- जिसकी उपमा दी जाए अर्थात् जिसका वर्णन किया जा रहा हो।

(ख) उपमान/अप्रस्तुत- जिससे उपमा दी जाए।

(ग) सादृश्य वाचक शब्द- उपमेय व उपमान की समता दर्शाने वाला शब्द अर्थात् जिस शब्द से उपमा प्रकट हो (सा, जैसा, ज्यों, सम, सरिस आदि)।

(घ) साधारण धर्म (गुण)- उपमेय व उपमान में पाये जाने वाली समान विशेषता या गुण।

उदाहरण-

राधा रति के समान सुन्दर हैं।

उपर्युक्त उदाहरण में राधा की तुलना रति से की जा रही है, अर्थात् राधा-उपमेय है तथा रति-उपमान है।

'के समान' सादृश्य वाचक शब्द है और 'साधारण धर्म (गुण)-सुन्दरता या सुन्दर' है।

इसी प्रकार,

हाय फूल सी कोमल बच्ची,
हुई राख की ढेरी थी।

रूपक अलंकार

जहाँ उपमेय को उपमान के रूप में प्रस्तुत किया जाए या मान लिया जाए, वहाँ 'रूपक अलंकार' होता है।

शर्तें - रूपक अलंकार में तीन बातों का होना आवश्यक है-

(क) उपमेय को उपमान का रूप दिया जाना।

(ख) वाचक पद की अनुपस्थिति (लोप)।

(ग) उपमेय का भी साथ-साथ वर्णन होना।

उदाहरण-

बीती विभावरी जाग री।
अंबर-पनघट में डुबो रही तारा-घट ऊषा-नागरी।

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

उपर्युक्त उदाहरण में अंबर, तारा और ऊषा (उपमेय हैं) पर क्रमशः पनघट, घट और नागरी (जो उपमान हैं) का आरोप हुआ है। यहाँ सादृश्यवाचक शब्द का लोप है तथा उपमेय तथा उपमान दोनों का साथ-साथ वर्णन किया गया है, अतः यहाँ शर्तों की पूर्ति हुई है।

उत्प्रेक्षा अलंकार

जहाँ उपमेय में उपमान की कल्पना या संभावना की जाती है, वहाँ 'उत्प्रेक्षा अलंकार' होता है।

यहाँ मनहुँ, मानो, जानो, जनु आदि उत्प्रेक्षा अलंकार के वाचक शब्द हैं।

उदाहरण-

फूले कास सकल महि छाई।
जनु बरसा रितु प्रकट बुढ़ाई॥

उपर्युक्त उदाहरण में वर्षा ऋतु के बाद शरद् ऋतु के आने का वर्णन किया गया है कि शरद् ऋतु में कास के खिले पुष्प ऐसे प्रतीत होते हैं जैसे वर्षा ऋतु की वृद्धावस्था प्रकट हो गयी हो। यहाँ 'कास के फूल' (उपमेय) में 'वर्षा ऋतु के बुढ़ापे' (उपमान) की संभावित कल्पना की गई है। वस्तुतः अंत में वर्षा ऋतु की गति और बल, बुढ़ापे की तरह दुर्बल पड़ जाती है।

यहाँ उत्प्रेक्षा के वाचक शब्द 'जनु' द्वारा संभावना पर जोर दिया गया है।

विभावना अलंकार

जहाँ कारण की अनुपस्थिति में भी कार्य सिद्ध हो जाए, वहाँ 'विभावना अलंकार' होता है।

उदाहरण-

बिनु पद चले सुने बिनु काना।
कर बिनु करम करे विधि नाना॥

यहाँ बिना पैर के ही चलना, बिना कान के सुनना तथा बिना हाथ के भी अनेक कार्य का होना आदि कार्य बिना 'कारण' के ही हो रहे हैं।

संदेह अलंकार

जहाँ किसी वस्तु को देखकर संदेह या संशय बना रहे, निश्चितता न हो तो वहाँ 'संदेह अलंकार' होता है।

उदाहरण-

सारी बीच नारी है, कि नारी बीच सारी है,
सारी ही की नारी है, कि नारी ही की सारी है?

व्यतिरेक अलंकार

जहाँ उपमेय को उपमान से अधिक श्रेष्ठ बताया जाए और साथ ही उसका कारण भी प्रस्तुत किया जाए, वहाँ 'व्यतिरेक अलंकार' होता है।

उदाहरण-

साधू ऊँचे शैल सम, किन्तु प्रकृति सुकुमार।

यहाँ सज्जनों को पहाड़ के समान ऊँचा बताया गया है, परन्तु उनमें यह बात अधिक बतायी गयी है कि उनका स्वभाव या प्रकृति कोमल होती है जबकि पहाड़ों की प्रकृति कोमल नहीं, कठोर होती है।

अपह्नुति अलंकार

जहाँ प्रस्तुत वस्तु (उपमेय) का निषेध करके किसी दूसरी अप्रस्तुत वस्तु (उपमान) की प्रतिष्ठा की जाए, वहाँ 'अपह्नुति अलंकार' होता है।

उदाहरण-

सत्य कहूँ हौं दीन दयाला।
बन्धु न होइ मोर यह काला॥

इसमें सुग्रीव ने अपने भाई बालि की तुलना भाई को निषेध करके काल से की है। अतः यहाँ अपह्नुति अलंकार है।

प्रतीप अलंकार

जहाँ उपमा का उल्टा कर दिया जाए अर्थात् उपमान को उपमेय के समान या उपमेय को उपमान से श्रेष्ठ कहा जाए, वहाँ 'प्रतीप अलंकार' होता है।

उदाहरण-

नयन-सा कमल है।

यहाँ नयन उपमान तथा कमल उपमेय है। अर्थात् कमल उसके नयन के समान है, अतः यहाँ उपमा का उल्टा हुआ है, तो 'प्रतीप अलंकार' होगा।

इसी प्रकार,

चन्द्रमा मुख के समान सुंदर है।

यहाँ उपमा का उल्टा हुआ है अर्थात् चंद्रमा उसके मुख के समान सुंदर है, अतः प्रतीप अलंकार होगा।

असंगति अलंकार

जहाँ कारण कहीं हो और उसका कार्य कहीं अर्थात् कारण तथा कार्य में असंगति हो, वहाँ 'असंगति अलंकार' होता है।

उदाहरण-

हृदय घाव मेरे पीर रघुवीरै।

घाव तो लक्ष्मण के हृदय में है, पर पीड़ा राम को है, अतः असंगति अलंकार है।

अतिशयोक्ति अलंकार

जहाँ किसी वस्तु का वर्णन सीमा के बाहर या अत्यधिक बढ़ा-चढ़ाकर किया जाए, वहाँ 'अतिशयोक्ति अलंकार' होता है।

उदाहरण-

हनुमान की पूँछ में, लगन न पाई आग।
लंका सारी जरि गई, गए निशाचर भाग॥

यहाँ कहा है कि हनुमान की पूँछ में आग लगने से पहले ही पूरी लंका जलकर खाख हो गई और सभी राक्षस भाग खड़े हुए जो कि असंभव बात है अतः यहाँ अतिशयोक्ति अलंकार है।

उल्लेख अलंकार

जहाँ एक ही वस्तु का वर्णन भिन्न-भिन्न या अनेक प्रकार से किया जाए, वहाँ 'उल्लेख अलंकार' होता है।

उदाहरण-

तू रूप है किरण में, सौन्दर्य है सुमन में
तू प्राण है पवन में, विस्तार है गगन में।

यहाँ एक ही बात का वर्णन अनेक प्रकार से किया गया है।

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

भ्रांतिमान (भ्रम) अलंकार

जहाँ समता के आधार पर किसी वस्तु को कुछ और ही समझकर उसका बढ़ा-चढ़ा कर या चमत्कार पूर्ण वर्णन कर दिया जाए अर्थात् जब उपमेयों में उपमान का भ्रम हो जाए, वहाँ 'भ्रांतिमान अलंकार' होता है।

उदाहरण-

पाँय महावर देन को नाइन बैठी आय।
पुनि पुनि जान महावरी एड़ी मीड़ति जाय॥

यहाँ नाई की पत्नी (नाइन) पैर की एड़ी की लालिमा को महावर समझकर भ्रम वश उसे बार-बार मींड़ती है।

मीलित अलंकार

जब दो वस्तुएँ जिनके गुण समान हो, वे परस्पर ऐसे मिल जाएँ कि दोनों के मध्य अंतर या भेद लक्षित न हों, तब 'मीलित अलंकार' होता है।

उदाहरण-

कजरारी अँखियन में कजरा ही, न लखाय।

यहाँ कजरारी आँखों में 'काजल' दिखाई ही नहीं पड़ता है। यहाँ दोनों के भेद या अंतर लक्षित नहीं हो रहे हैं।

अर्थान्तरन्यास अलंकार

जब किसी सामान्य बात का विशेष बात से तथा विशेष बात का सामान्य बात से मत या समर्थन किया जाए, तब 'अर्थान्तरन्यास अलंकार' होता है।

उदहारण-

जो 'रहीम' उत्तम प्रकृति का करि सकत कुसंग।
चंदन विष व्यापत नहिं, लिपटे रहत भुजंग॥

उदाहरण अलंकार

जहाँ एक बात कहकर उसकी पुष्टि के लिए दूसरे वाक्य या पंक्ति में उदाहरण प्रस्तुत किया जाए या उदाहरण वाचक शब्द दिया जाए वहाँ 'उदाहरण अलंकार' होता है।

उदाहरण-

ससि सम्पन्न सोह महि कैसी।
उपकारी कै संगति जैसी॥
'या'
वे रहीम नर धन्य हैं, पर उपकारी अंग।
बाँटन वारे को लगे, ज्यों मेंहदी को रंग॥

उपर्युक्त उदाहरणों में पहली पंक्तियों की पुष्टि के लिए द्वितीय पंक्तियों में क्रमशः 'जैसी' तथा 'ज्यों' उदाहरण वाचक शब्दों का प्रयोग कर प्रथम पंक्तियों को प्रभावशाली बनाया गया है।

विशेषोक्ति अलंकार

जहाँ कारण की उपस्थिति में भी कार्य न हो, वहाँ 'विशेषोक्ति अलंकार' होता है।

उदाहरण-

दो-दो मेघ बरसते मैं प्यासी की प्यासी।
नीर भरे नित प्रति रहै, तऊ न प्यास बुझाई॥

इसमें कहा गया है कि दो दो बादल बरस रहे हैं फिर भी मैं प्यासी हूँ अतः यहाँ कारण होते हुए भी कार्य नहीं हुआ है इसलिए यहाँ विशेषोक्ति अलंकार है।

विरोधाभास अलंकार

जहाँ दो पदार्थों या वस्तुओं में विरोध न होते हुए, उनमें परस्पर विरोध का आभास दिया जाए, वहाँ 'विरोधाभास अलंकार' होता है।

उदाहरण-

सुलगी अनुराग की आग वहाँ,
जल से भरपूर तड़ाग जहाँ॥
या
या अनुरागी चित्त की गति समुझें नहिं कोइ।
ज्यों ज्यों बूड़ै स्याम रंग त्यों त्यों उज्ज्वल होइ॥

परीक्षोपयोगी प्रश्न

1. **बालों को खोलकर मत चला करो**
   दिन में रास्ता भूल जाएगा सूरज।
   प्रस्तुत पंक्तियों में कौन-सा अलंकार है?
   (a) लाटानुप्रास (b) यमक
   (c) अतिशयोक्ति (d) वक्रोक्ति
2. **किस पंक्ति में 'अपह्नुति' अलंकार है?**
   (a) इसका मुख चंद्रमा के समान है।
   (b) चंद्र इसके मुख के समान है।
   (c) इसका मुख ही चंद्र है।
   (d) यह चंद्र नहीं मुख है।
3. **पीपर पात सरिस मन डोला।**
   प्रस्तुत पंक्ति में कौन-सा अलंकार है?
   (a) लाटानुप्रास (b) उपमा
   (c) श्लेष (d) वक्रोक्ति
4. **'बिनु पद चलै सुनै बिनु काना।**
   कर बिनु कर्म करै विधि नाना॥'
   इस चौपाई में अलंकार है-
   (a) विषम (b) विभावना
   (c) असंगति (d) तद्गुण
5. **शशि-मुख पर घूँघट डाले अंचल में दीप छिपाए।**
   प्रस्तुत पंक्ति में कौन-सा अलंकार है?
   (a) लाटानुप्रास (b) रूपक
   (c) श्लेष (d) वक्रोक्ति
6. **'कर कानन कुंडल मोर पखा,**
   उर पे बनमाल विराजति है।'

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

प्रस्तुत पंक्तियों में कौन-सा अलंकार है?
(a) अनुप्रास (b) श्लेष
(c) यमक (d) वक्रोक्ति

7. पायो जी मैंने राम रतन धन पायो।
प्रस्तुत पंक्ति में कौन-सा अलंकार है?
(a) अनुप्रास (b) रूपक
(c) श्लेष (d) वक्रोक्ति

8. पूत सपूत तो का धन संचय। पूत कपूत तो का धन संचय।।
प्रस्तुत पंक्तियों में कौन-सा अलंकार है?
(a) लाटानुप्रास (b) यमक
(c) श्लेष (d) वक्रोक्ति

9. सोहत ओढ़े पीत पट, स्याम सलोने गात।
मनहुँ नीलमनि सैल पर, आतप परयौ प्रभात।।
प्रस्तुत पंक्तियों में कौन-सा अलंकार है?
(a) अनुप्रास (b) यमक
(c) उत्प्रेक्षा (d) वक्रोक्ति

10. काली घटा का घमण्ड घटा,
नभ मण्डल तारक वृंद खिले।
प्रस्तुत पंक्तियों में कौन-सा अलंकार है?
(a) अनुप्रास (b) यमक
(c) श्लेष (d) वक्रोक्ति

11. हनुमान की पूँछ में, लगन न पाई आग।
लंका सारी जरि गई, गए निशाचर भाग।।
प्रस्तुत पंक्तियों में कौन-सा अलंकार है?
(a) अतिशयोक्ति (b) यमक
(c) श्लेष (d) वक्रोक्ति

12. फूले कास सकल महि छाई। जनु बरसा रितु प्रकट बुढ़ाई।। पंक्तियों में कौन-सा अलंकार है?
(a) उत्प्रेक्षा (b) उपमा
(c) रूपक (d) श्लेष

13. जहाँ किसी वस्तु का लोक-सीमा से इतना बढ़कर वर्णन किया जाए कि वह असंभव की सीमा तक पहुँच जाए, वहाँ अलंकार होता है-
(a) अतिशयोक्ति (b) विरोधाभास
(c) अत्युक्ति (d) उत्प्रेक्षा

14. जहाँ बिना कारण के कार्य का होना पाया जाए वहाँ कौन-सा अलंकार होता है?
(a) विरोधाभास (b) विशेषोक्ति
(c) विभावना (d) भ्रांतिमान

15. 'बूँद अघात सहै गिरि कैसे।
खल के वचन संत सह जैसे।'
में अलंकार है-
(a) उपमा (b) उदाहरण
(c) उत्प्रेक्षा (d) रूपक

16. बीती विभावरी जाग री।
अम्बर-पनघट में डुबो रही तारा घट ऊषा-नागरी।।
प्रस्तुत पंक्तियों में कौन-सा अलंकार है?
(a) उत्प्रेक्षा (b) उपमा
(c) रूपक (d) उपमेयोपमा

17. निम्न में कौन-सा अर्थालंकार है?
(a) श्लेष (b) यमक
(c) वक्रोक्ति (d) रूपक

18. "पाँय महावर देन को नाइन बैठी आय।
फिरि फिरि जानि महावरी, एड़ी मीड़ति जाय।'
में कौन-सा अलंकार है?
(a) अतिशयोक्ति (b) भ्रांतिमान
(c) संदेह (d) प्रतीप

19. 'चरण कमल बन्दौ हरि राई' में कौन-सा अलंकार है?
(a) यमक (b) रूपक
(c) श्लेष (d) अनुप्रास

20. 'नवल सुन्दर श्याम शरीर' में कौन-सा अलंकार है?
(a) उल्लेख (b) उपमा
(c) रूपक (d) अतिशयोक्ति

21. मुख-कमल समीप सजे थे,
दो किसलय दल पुराइन के।
उपर्युक्त पंक्तियों में कौन-सा अलंकार है?
(a) रूपक (b) अतिशयोक्ति
(c) उत्प्रेक्षा (d) उपमा

22. जब उपमेय में उपमान की संभावना प्रकट की जाए, तब होता है-
(a) उपमा अलंकार (b) रूपक अलंकार
(c) दीपक अलंकार (d) उत्प्रेक्षा अलंकार

23. 'पीपर पात सरिस मन डोला' में 'मन' क्या है?
(a) उपमेय (b) उपमान
(c) वाचक शब्द (d) साधारण धर्म

24. "रहिमन पुतरी श्याम, मनहुँ जलज मधुकर लसै।"
प्रस्तुत पंक्ति में कौन-सा अलंकार है?
(a) रूपक (b) उत्प्रेक्षा
(c) यमक (d) उपमा

25. रहिमन पानी राखिए, बिन पानी सब सून। पानी गए न ऊबरे, मोती मानुष चून।। इस दोहे में कौन-सा अलंकार है?
(a) अनुप्रास (b) यमक
(c) रूपक (d) श्लेष

26. "संतौ भाई आई ग्यान की आंधी रे" पंक्ति में कौन-सा अलंकार है?
(a) उपमा (b) अन्योक्ति
(c) रूपक (d) अतिशयोक्ति

27. कनक कनक ते सौगुनी, मादकता अधिकाय।
वा खाए बौरात नर, या पाए बौराय।।
प्रस्तुत पंक्तियों में कौन-सा अलंकार है?
(a) उपमा (b) यमक
(c) अनुप्रास (d) श्लेष

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

28. निम्न पंक्तियों में अलंकार है-
उस काल मारे क्रोध के, तन काँपने उसका लगा।
मानो हवा के जोर से, सोता हुआ सागर जगा॥
(a) उपमा (b) यमक
(c) उत्प्रेक्षा (d) अन्योक्ति

29. "सारंग ले सारंग चली करि सारंग की ओट
सारंग झीनो पाइकें सारंग कई गई चोट।"
उक्त पंक्तियों में कौन-सा अलंकार विद्यमान है?
(a) उत्प्रेक्षा अलंकार (b) श्लेष अलंकार
(c) यमक अलंकार (d) रूपक अलंकार

30. "ले चला साथ मैं तुझे कनक ज्यों भिक्षुक लेकर स्वर्ण झनक" में अलंकार बताइये-
(a) रूपक (b) उत्प्रेक्षा
(c) उपमा (d) श्लेष

31. "तीन बेर खाती थी वो तीन बेर खाती है।" में कौन-सा अलंकार है?
(a) अनुप्रास (b) यमक
(c) श्लेष (d) रूपक

32. अलंकार का शाब्दिक अर्थ होता है-
(a) वस्त्र (b) वर्ण
(c) आभूषण (d) विशिष्ट

33. निम्न पंक्ति में सही अलंकार का चयन कीजिए।
पानी विच मीन प्यासी। मोहि सुनि सुनि आवै हासी॥
(a) विभावना (b) अतिशयोक्ति
(c) विशेषोक्ति (d) उपमा

34. 'वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे' पंक्ति में कौन-सा अलंकार है?
(a) अनुप्रास (b) यमक
(c) श्लेष (d) रूपक

35. 'तरनि तनुजा तट तमाल तरुवर बहु छाए' में कौन-सा अलंकार है?
(a) उपमा (b) अनुप्रास
(c) यमक (d) श्लेष

उत्तरमाला

1.	(c)	2.	(d)	3.	(b)	4.	(b)	5.	(b)	6.	(a)	7.	(b)	8.	(a)	9.	(c)	10.	(b)
11.	(a)	12.	(a)	13.	(c)	14.	(c)	15.	(b)	16.	(c)	17.	(d)	18.	(b)	19.	(b)	20.	(a)
21.	(a)	22.	(d)	23.	(a)	24.	(b)	25.	(d)	26.	(c)	27.	(b)	28.	(c)	29.	(c)	30.	(b)
31.	(b)	32.	(c)	33.	(c)	34.	(b)	35.	(b)										

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

22
अध्याय

वाक्य विचार

परिचय

भाषा की रचना वर्णों, शब्दों और वाक्यों से होती है अर्थात् वर्णों से शब्द, शब्दों से वाक्य और वाक्यों से भाषा का निर्माण होता है।

"सार्थक शब्दों का एक व्यवस्थित समूह जिससे एक अर्थ स्पष्ट हो, वाक्य कहलाता है।"

वाक्य के दो अंग होते हैं-

उद्देश्य - जिसके संबंध में जो भी कुछ कहा जाए, उसे उद्देश्य कहते हैं अर्थात् कर्ता को ही उद्देश्य कहते हैं।

विधेय - उद्देश्य के विषय में जो कुछ भी कहा जाता है, उसे विधेय कहते हैं।

उदाहरण - हिमालय देश का गौरव है।
(हिमालय = उद्देश्य, देश का गौरव है = विधेय)

वाक्यों का वर्गीकरण

वाक्यों का वर्गीकरण मुख्यत: दो आधारों पर किया गया है-

1. रचना के आधार पर
2. अर्थ के आधार पर

1. रचना के आधार पर

रचना के आधार पर वाक्य तीन प्रकार के होते हैं-

(i) **सरल वाक्य**

जिस वाक्य में एक उद्देश्य और एक ही विधेय रहता है, उसे सरल या साधारण वाक्य कहते हैं।

जैसे- राम स्कूल जाता है।

(ii) **संयुक्त वाक्य**

दो या दो से अधिक सरल वाक्य और, तथा, एवं, या, किंतु, परन्तु, लेकिन, इसलिए, अतः (समुच्चयबोधक अव्ययों) से जुड़े हों, तो उसे संयुक्त वाक्य कहते हैं।

जैसे- मोहन गया **और** राम आ गया।

(iii) **मिश्र वाक्य**

मिश्र वाक्य में भी दो या दो से अधिक सरल वाक्य होते हैं; परन्तु उनमें एक वाक्य मुख्य होता है, दूसरा या तीसरा वाक्य अधीन या आश्रित वाक्य होता है। मुख्य और अधीन वाक्यों को जोड़ने वाले निम्नलिखित समुच्चयबोधक अव्यय होते हैं-

कि, ताकि, क्योंकि, जैसा कि, यदि-तो, यद्यपि-तथापि, जब-तब, जो आदि।

जैसे- मोहन ने कहा **कि** वह कल अवश्य आएगा।

2. अर्थ के आधार पर

अर्थ के आधार पर वाक्य आठ प्रकार के होते हैं-

(i) **विधानवाचक**

सूर्य पूर्व में निकलता है।
राकेश दिल्ली गया।

(ii) **निषेधवाचक**

मोहन विद्यालय नहीं गया।
अंजलि ने खाना नहीं खाया।

(iii) **विस्मयवाचक**

वाह! कितना सुंदर दृश्य है।
हे भगवान्! हमारी मदद करो।

(iv) **आज्ञावाचक**

जल्दी खाना खाओ।
अपना पाठ याद करो।

(v) **इच्छावाचक**

ईश्वर तुम्हें खुश रखे।
नववर्ष मंगलमय हो।

(vi) **संकेतवाचक**

यदि आप आए तो मैं चलूँगा।
जो परिश्रम करेगा वह सफल होगा।

(vii) **प्रश्नवाचक**

तुम्हारा क्या नाम है?
तुम कहाँ रहते हो?

(viii) **संदेहवाचक**

शायद आज वर्षा हो।
शायद आज सीमा स्कूल नहीं जाएगी।

वाक्यांतरण

सरल वाक्य से संयुक्त वाक्य

- सरल - वह खाना खाकर सो गया।
  संयुक्त - उसने खाना खाया और सो गया।
- सरल - इतना कहने पर भी वह नहीं आया।
  संयुक्त - इतना कहा परन्तु वह नहीं आया।
- सरल - प्राचार्य ने उसे अनुशासन भंग करने पर दंडित किया।
  संयुक्त - उसने अनुशासन भंग किया इसलिए प्राचार्य ने उसे दंडित किया।

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

- सरल - कड़ी मेहनत के बावजूद वह सफल न हो सका।
  संयुक्त - उसने कड़ी मेहनत की परन्तु वह सफल न हो सका।
- सरल - दुर्भाग्य से वह परीक्षा में बैठ न सका।
  संयुक्त - उसका दुर्भाग्य था इसलिए वह परीक्षा में बैठ न सका।
- सरल - उसने ऐसा काम करके बदनामी कमाई।
  संयुक्त - उसने ऐसा काम किया और बदनामी कमाई।
- सरल - कपड़े उतारकर वह नदी में कूद पड़ा।
  संयुक्त - उसने कपड़े उतारे और वह नदी में कूद पड़ा।
- सरल - सब कुछ पाने पर भी वह संतुष्ट नहीं था।
  संयुक्त - उसने सब कुछ पा लिया परन्तु वह संतुष्ट नहीं हुआ।
- सरल - उसके सीटी बजाने पर खेल रुक गया।
  संयुक्त - उसने सीटी बजाई और खेल रुक गया।
- सरल - वर्षा आती देख हमने एक झोपड़ी में शरण ली।
  संयुक्त - हमने वर्षा आती देखी और एक झोपड़ी में शरण ली।
- सरल - दंड से बचने के लिए वह भाग गया।
  संयुक्त - वह दंड से बचना चाहता था इसलिए भाग गया।
- सरल - अपने ऊपर विपत्ति आती देखकर वह वहाँ से खिसक गया।
  संयुक्त - उसने अपने ऊपर विपत्ति आती देखी और वह वहाँ से खिसक गया।

संयुक्त वाक्य से सरल वाक्य

- संयुक्त - राजकुमार ने भाई को मार डाला और आप राजा बन बैठा।
  सरल - भाई को मारकर राजकुमार राजा बन बैठा।
- संयुक्त - उसका साझेदार मर गया और सारा कार्यभार उस पर आ पड़ा।
  सरल - उसके साझेदार के मर जाने पर सारा कार्यभार उस पर आ पड़ा।
- संयुक्त - वह बच्चा ही तो था, पर था चतुर।
  सरल - बच्चा होने पर भी वह चतुर था।
- संयुक्त - देर मत करो नहीं तो/वरना गाड़ी छूट जाएगी।
  सरल - देर करने पर गाड़ी छूट जाएगी।
- संयुक्त - वे लोग निर्धन थे और कष्ट भोगते रहते थे।
  सरल - वे निर्धन लोग कष्ट भोगते रहते थे।
- संयुक्त - मैंने उसे बुलाया परन्तु उसने कोई उत्तर नहीं दिया।
  सरल - मेरे बुलाने पर भी उसने कोई उत्तर नहीं दिया।
- संयुक्त - उसने घर का काम कर लिया और पुस्तक बंद कर दी।
  सरल - उसने घर का काम करके पुस्तक बंद कर दी।
- संयुक्त - न रहेगा बाँस और न रहेगी बाँसुरी।
  सरल - बाँस और बाँसुरी दोनों नहीं रहेंगे।
- संयुक्त - स्याही सूख गई और मैं लिख न सका।
  सरल - स्याही सूख जाने के कारण मैं लिख न सका।
- संयुक्त - वह प्रतिदिन अभ्यास करता था इसलिए प्रवीण हो गया।
  सरल - प्रतिदिन अभ्यास करने के कारण वह प्रवीण हो गया।
- संयुक्त - यह कोट फटा पुराना है इसलिए यह मेरा नहीं हो सकता।
  सरल - यह फटा-पुराना कोट मेरा नहीं हो सकता।

सरल वाक्य से मिश्र वाक्य

- सरल - उसने अपना दोष मान लिया।
  मिश्र - उसने मान लिया कि दोष उसका है।
- सरल - आज शाम उससे मिलने का मेरा विचार है।
  मिश्र - मेरा विचार है कि आज शाम उससे मिला जाए।
- सरल - वह मुझसे घर आने को कहता है।
  मिश्र - वह मुझसे कहता है कि मेरे घर आओ।
- सरल - उसे मारे जाने का डर था।
  मिश्र - उसे डर था कि वह मारा जाएगा।
- सरल - मेरे आने तक यहीं बैठे रहना।
  मिश्र - जब तक मैं न आऊँ तब तक यहीं बैठे रहना।
- सरल - इतना धन रहते हुए भी वह स्वस्थ नहीं है।
  मिश्र - यद्यपि उसके पास इतना धन है तथापि वह स्वस्थ नहीं है।

मिश्र वाक्य से सरल वाक्य

- मिश्र - चीनी ऐसा खाद्य पदार्थ है जो सबसे महँगा है।
  सरल - चीनी सबसे महँगा खाद्य पदार्थ है।
- मिश्र - जहाँ श्याम रहता है वहीं राम भी रहता है।
  सरल - राम और श्याम एक ही जगह रहते हैं।
- मिश्र - यह निश्चित नहीं है कि वह कब आएगा?
  सरल - उसके आने का समय निश्चित नहीं है।
- मिश्र - घोषणा की गई कि लोग अपने-अपने हथियार मालखाने में जमा कर दें।
  सरल - घोषणा में लोगों से अपने-अपने हथियार मालखाने में जमा करने को कहा गया।
- मिश्र - वह उसी गाँव में मरा जिसमें पैदा हुआ था।
  सरल - वह अपने पैदाइशी गाँव में ही मरा।
- मिश्र - जब तुम लौटकर आओगे तब मैं जाऊँगा।
  सरल - तुम्हारे लौटकर आने पर मैं जाऊँगा।
- मिश्र - यद्यपि वह गरीब है तथापि वह चोरी नहीं करता।
  सरल - गरीब होने पर भी वह चोरी नहीं करता।
- मिश्र - मुझे बताओ कि तुम कहाँ रहते हो?
  सरल - मुझे अपने रहने का स्थान बताओ।
- मिश्र - आशा है कि वह साफ बच जाएगा।
  सरल - उसके साफ बच जाने की आशा है।
- मिश्र - यह वह सलाई है जिससे बुनाई की थी।
  सरल - इस सलाई से बुनाई की थी।

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

- मिश्र - चाबुक से उसके शरीर पर जो निशान पड़ गए थे वे अब भी दिखाई दे रहे थे।
  सरल - चाबुक से उसके शरीर पर पड़े हुए निशान अब भी दिखाई दे रहे थे।
- मिश्र - जो कुछ याद था वह भी भूल गया।
  सरल - याद किया हुआ सब कुछ भूल गया।

संयुक्त वाक्य से मिश्र वाक्य

- संयुक्त - मैं उसे चुप रहने को कहता रहा परन्तु उसने एक नहीं सुनी।
  मिश्र - यद्यपि मैं उसे चुप रहने को कहता रहा तथापि उसने एक नहीं सुनी।
- संयुक्त - काम पूरा कर डालो नहीं तो जुर्माना होगा।
  मिश्र - यदि काम पूरा नहीं करोगे तो जुर्माना होगा।
- संयुक्त - इसकी तलाशी लो और घड़ी मिल जाएगी।
  मिश्र - यदि इसकी तलाशी लोगे तो घड़ी मिल जाएगी।
- संयुक्त - विनय चुस्त न हो, पर है समझदार।
  मिश्र - यद्यपि विनय चुस्त नहीं है तथापि वह है समझदार।
- संयुक्त - शेर घायल हुआ परन्तु मारा नहीं गया।
  मिश्र - यद्यपि शेर घायल हो गया तथापि वह मारा नहीं गया।
- संयुक्त - मुझे तार मिला और मैं तुरन्त चल पड़ा।
  मिश्र - ज्यों ही मुझे तार मिला त्यों ही मैं चल पड़ा।
- संयुक्त- दवा लो और बुखार कम हो जाएगा।
  मिश्र - यदि दवा लोगे तो बुखार कम हो जाएगा।
- संयुक्त - करो या मरो।
  मिश्र - यदि नहीं करोगे तो मरोगे।
- संयुक्त - मोहन एक पुस्तक चाहता था और वह उसे मिल गई।
  मिश्र - मोहन जो पुस्तक चाहता था वह उसे मिल गई।
- संयुक्त - मैं वहाँ पहुँचा और तुरन्त घंटा बजा।
  मिश्र - ज्यों ही मैं वहाँ पहुँचा त्यों ही घंटा बजा।

मिश्र वाक्य से संयुक्त वाक्य

- मिश्र - वह इसलिए कंगाल हो गया कि उसका घर जलकर राख हो गया।
  संयुक्त - उसका घर जलकर राख हो गया इसलिए वह कंगाल हो गया।
- मिश्र - यद्यपि मैं उनके घर गया था तथापि उनसे भेंट नहीं हुई।
  संयुक्त - मैं उनके घर गया तो था पर उनसे भेंट नहीं हुई।
- मिश्र - यदि जल्दी तैयार नहीं होओगे तो बस चली जाएगी।
  संयुक्त - जल्दी तैयार हो जाओ नहीं तो बस चली जाएगी।
- मिश्र - मैंने उसे क्षमा कर दिया क्योंकि वह मरणासन्न था।
  संयुक्त - वह मरणासन्न था इसलिए मैंने उसे क्षमा कर दिया।
- मिश्र - मुझे वह पुस्तक मिल गई है जो खो गई थी।
  संयुक्त - वह पुस्तक खो गई थी परन्तु मुझे मिल गई है।

परीक्षोपयोगी प्रश्न

1. **मिश्र वाक्य - 'जब तुम मेरे घर आये थे तब चार बजे थे।' निम्नलिखित विकल्पों में से इस वाक्य के लिए कौन-सा एक उचित सरल वाक्य होगा?**
   (a) घर आये तुम चार बजे मेरे।
   (b) तुम चार बजे मेरे घर आये थे।
   (c) घर चार बजे तुम मेरे आये थे।
   (d) चार बजा जब तुम मेरे घर आये थे तब था।
2. **मिश्र वाक्य - "जब मैंने तुम्हें देखा था, तुम रुग्णावस्था में थे।" निम्नलिखित विकल्पों में से इस वाक्य के लिए कौन-सा एक उचित सरल वाक्य होगा?**
   (a) मैंने तुम्हें रुग्णावस्था में देखा था।
   (b) जब तुम्हें देखा था तुम रुग्णावस्था में थे।
   (c) तुम रुग्णावस्था में जब मैंने तुम्हें देखा था।
   (d) रुग्णावस्था में जब तुम्हें देखा था।
3. **संयुक्त वाक्य - 'वह दंड से बचना चाहता था, इसलिए भाग गया।' निम्नलिखित विकल्पों में से इस वाक्य के लिए कौन-सा एक उचित सरल वाक्य होगा?**
   (a) वह दंड से बचना चाहता था भाग गया।
   (b) बचना चाहता था इसलिए भाग गया।
   (c) दंड से बचने के लिए वह भाग गया।
   (d) वह बचना चाहता था इसलिए भाग गया।
4. **मिश्र वाक्य - 'इस गाँव का जो प्रधान है, वह अच्छा आदमी नहीं है।'**
   उपर्युक्त वाक्य के लिए निम्नलिखित विकल्पों में से कौन-सा एक उचित सरल वाक्य होगा?
   (a) प्रधान अच्छा आदमी इस गाँव का नहीं है।
   (b) जो प्रधान है, वह बिल्कुल अच्छा आदमी नहीं है।
   (c) इस गाँव का प्रधान अच्छा आदमी नहीं है।
   (d) गाँव का जो अच्छा आदमी नहीं है।
5. **संयुक्त वाक्य - 'ये भी अच्छे हैं और वे भी अच्छे हैं।' निम्नलिखित विकल्पों में से इस वाक्य के लिए कौन-सा एक उचित सरल वाक्य होगा?**

Search on TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

(a) यह अच्छे हैं वे अच्छे हैं।
(b) सब अच्छे हैं और बुरे हैं।
(c) सब अच्छे हैं।
(d) सब बुरे हैं।

6. **मिश्र वाक्य - 'लोग समझते हैं कि तुम मूर्ख हो।' निम्नलिखित विकल्पों में से इस वाक्य के लिए कौन-सा एक उचित सरल वाक्य होगा?**
(a) तुम मूर्ख हो, लोग समझते हैं।
(b) मूर्ख लोग समझते हैं।
(c) मूर्ख लोग समझते तुम्हें हैं।
(d) लोग तुम्हें मूर्ख समझते हैं।

7. **संयुक्त वाक्य - 'शिक्षा साध्य नहीं है, साधन है।' निम्नलिखित विकल्पों में से इस वाक्य के लिए कौन-सा एक उचित सरल वाक्य होगा?**
(a) शिक्षा एक साधन है।
(b) शिक्षा साध्य न होकर साधन है।
(c) शिक्षा माध्यम नहीं साधन है।
(d) शिक्षा साधन है।

8. **निम्न विकल्पों में से मिश्र वाक्य को पहचानिए-**
(a) गुड़िया का मकान उधर है।
(b) जो देर से खाना खत्म करेगा, उसे मिठाई नहीं मिलेगी।
(c) राकेश ने भोजन किया।
(d) विकास आया और थककर सो गया।

9. **जिसमें एक से अधिक साधारण वाक्य हों तथा वे किसी संयोजक शब्द से जुड़े हों, उसे कहते हैं-**
(a) मिश्र वाक्य (b) संयुक्त वाक्य
(c) जटिल वाक्य (d) साधारण वाक्य

10. **'गीता ने कहानी लिखकर पुरस्कार प्राप्त किया' वाक्य किसका उदाहरण है?**
(a) सरल वाक्य (b) मिश्र वाक्य
(c) संयुक्त वाक्य (d) इनमें से कोई नहीं

11. **जिसका मुझे भय था वही हुआ, वाक्य है-**
(a) सरल (b) संयुक्त
(c) मिश्र (d) नकारात्मक

12. **निम्नलिखित विकल्पों में से संयुक्त वाक्य को पहचानिए-**
(a) जो लड़का वहाँ बैठा है उसे मैं जानता हूँ।
(b) आज बहुत ठण्ड है।
(c) क्या श्याम यहाँ से चला गया?
(d) राहुल विद्यालय जाता है और मन लगाकर पढ़ता है।

13. **'यदि परिश्रम किया होता, तो सफलता अवश्य मिलती।' 'वाक्य प्रकार' की दृष्टि से उक्त वाक्य है-**
(a) संकेतार्थक (b) इच्छार्थक
(c) विधानार्थक (d) आज्ञार्थक

14. **निम्नलिखित में 'संदेहार्थक' वाक्य कौन-सा है?**
(a) वह जहाँ रहे, सुखी रहे।
(b) वह नहीं आया इसलिए हम नहीं गए।
(c) जो काम तुम्हें दिया गया है, उसे देखो।
(d) आज शाम को शायद वर्षा हो।

15. **"अहा! हिमालय की प्रकृत कितनी मनमोहक है"- यह किस प्रकार का वाक्य है?**
(a) विस्मयवाचक वाक्य (b) प्रश्नवाचक वाक्य
(c) संकेतवाचक वाक्य (d) विधानवाचक वाक्य

16. **निम्नलिखित में से कौन-सा मिश्र वाक्य है?**
(a) उसमें न पत्ते थे, न फूल थे।
(b) मैंने सुना है कि आपके देश में अच्छा राजप्रबन्ध है।
(c) यज्ञदत्त देवदत्त को व्याकरण पढ़ाता है।
(d) वह उड़ती हुई चिड़िया पहचानता है।

17. **संयुक्त वाक्य का उदाहरण है-**
(a) वह धन के अभिमान में अकड़कर चलता है।
(b) जहाँ खेत थे वहाँ शहर बस गया।
(c) बस छूट जाने के कारण मैं गाँव नहीं गया।
(d) मैं अस्वस्थ था इसलिए मन लगाकर नहीं पढ़ सका।

18. **यदि मन लगाकर काम करोगे, तो सफलता प्राप्त करोगे। वाक्य का प्रकार बताइए-**
(a) साधारण वाक्य
(b) संयुक्त वाक्य
(c) मिश्र वाक्य
(d) उपर्युक्त सभी

उत्तरमाला

1.	(b)	2.	(a)	3.	(c)	4.	(c)	5.	(c)	6.	(d)	7.	(b)	8.	(b)	9.	(b)	10.	(a)
11.	(c)	12.	(d)	13.	(a)	14.	(d)	15.	(a)	16.	(b)	17.	(d)	18.	(c)				

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

23 अध्याय

प्रमुख रचनाएँ एवं पुरस्कार

हिन्दी उपन्यासकार और उनके प्रसिद्ध उपन्यास

- पं. लज्जाराम मेहता: धूर्त रसिकलाल, स्वतन्त्र, रमा और परतन्त्र लक्ष्मी, आदर्श दम्पत्ति, आदर्श हिन्दू
- किशोरी लाल गोस्वामी: त्रिवेणी, लीलावती, चपला, अंगूठी का नगीना, तारा, लवंगलता, लखनऊ की कब्र, आदर्श रमणी
- श्रद्धाराम फिल्लौरी: भाग्यवती
- लाला श्रीनिवासदास: परीक्षा गुरु
- बालकृष्ण भट्ट: नूतन ब्रह्मचारी, सौ अजान एक सुजान
- ठाकुर जगमोहन सिंह: श्यामा स्वप्न
- अयोध्या सिंह उपाध्याय: अधखिला फूल, ठेठ हिन्दी का ठाठ
- वृन्दावन लाल वर्मा: गढ़कुण्डार, विराटा की पद्मिनी
- देवकीनन्दन खत्री: चन्द्रकांता, चन्द्रकांता संतति, नरेन्द्र मोहिनी, वीरेन्द्र वीर, कुसुम कुमारी, भूतनाथ (अधूरा)
- मैत्रेयी पुष्पा: चाक, कहै ईसुरी फाग
- गोपालराम गहमरी: अद्भुत लाश, बेकसूर की फाँसी, भोजपुरी की ठगी, गुप्तचर
- प्रेमचन्द: सेवासदन, प्रेमाश्रय, निर्मला, रंगभूमि, कायाकल्प, कर्मभूमि, गबन, गोदान, मंगलसूत्र (अपूर्ण)
- विश्वम्भरनाथ शर्मा 'कौशिक': माँ, भिखारिणी
- भगवती चरण वर्मा: पतन, चित्रलेखा, टेढ़े-मेढ़े रास्ते, आखिरी दाँव, भूले बिसरे चित्र, रेखा, सबहिं नचावत राम गोसाईं, प्रश्न और मरीचिका
- जैनेन्द्र: परख (पहला उपन्यास), सुनीता, त्यागपत्र, कल्याणी, सुखदा, विवर्त, जयवर्धन, मुक्तिबोध, अनन्तर, अनामस्वामी और दशार्क
- इलाचन्द्र जोशी: जहाज का पंछी, संन्यासी, पर्दे की रानी, मुक्ति पथ, निर्वासित
- हजारी प्रसाद द्विवेदी: बाणभट्ट की आत्मकथा, चारुचन्द्र लेख, पुनर्नवा, अनामदास का पोथा
- पाण्डेय बेचन शर्मा 'उग्र': चन्द हसीनों के खतूत, बुधुवा की बेटी, सरकार तुम्हारी आँखों में, मनुष्यानन्द
- अज्ञेय: नदी के द्वीप, शेखर: एक जीवनी, अपने-अपने अजनबी
- यशपाल: दादा कामरेड, दिव्या, पार्टी कामरेड, मनुष्य के रूप, अमिता, मेरी तेरी उसकी बात, झूठा-सच
- नागार्जुन: रतिनाथ की चाची, नई पौध, बलचनमा, इमरतिया, बाबा बटेसरनाथ, दुःख मोचन, वरुण के बेटे, हीरक जयन्ती
- बदीउज्जमाँ: एक चूहे की मौत, छठा तंत्र, अपुरुष, छाको की वापसी
- श्रीलाल शुक्ल: रागदरबारी, मकान, पहला पड़ाव
- धर्मवीर भारती: सूरज का सातवाँ घोड़ा, गुनाहों का देवता
- निर्मल वर्मा: वे दिन, लालटीन की छत, रात का रिपोर्टर, एक चिथड़ा सुख
- कमलेश्वर: एक सड़क सत्तावन गलियाँ, डाक बंगला, तीसरा आदमी, कितने पाकिस्तान
- फणीश्वर नाथ रेणु : मैला आँचल, परती परिकथा, दीर्घतपा, जुलूस, पल्टू बाबू रोड
- रामदरश मिश्र: पानी के प्राचीर, जल टूटता हुआ
- नरेश मेहता: डूबते मस्तूल, धूमकेतु: एक श्रुति, यह पथ बन्धु था, दो एकान्त, नदी यशस्वी है, प्रथम फाल्गुन, उत्तरकथा
- कृष्णा सोबती: सूरजमुखी अँधेरे के, जिन्दगी नामा
- ऊषा प्रियवंदा: रुकोगी नहीं राधिका, शेष यात्रा, पचपन खम्भे लाल दीवारें
- मृदुला गर्ग: उसके हिस्से की धूप, वंशज, चितकोबरा, अनित्य
- मोहन राकेश: अँधेरे बन्द कमरे, काँपता हुआ दरिया (अपूर्ण), न आने वाला कल

प्रमुख कवि और उनकी प्रसिद्ध रचनाएँ

- हरिवंशराय बच्चन: मधुशाला, मधुबाला, मधुकलश, निशा-निमंत्रण
- गिरिजा कुमार माथुर: मंजीर, नाश और निर्माण, धूप के धान, शिलापंख चमकीले
- भवानी प्रसाद मिश्र: सतपुड़ा के जंगल, सन्नाटा, गीतफरोश
- धर्मवीर भारती: सात गीत वर्ष, कनुप्रिया, अन्धा युग
- रांगेय राघव: अजेय, मेधावी
- रामधारी सिंह दिनकर: हुंकार, द्वन्द्वगीत, कुरुक्षेत्र, इतिहास के आँसू, रश्मिरथी, धूप और धुआँ, दिल्ली, रसवन्ती, उर्वशी
- हरिऔध: प्रियप्रवास, पद्मप्रसून, वैदेही-वनवास, रसकलश, चोखे चौपद
- मैथिलीशरण गुप्त: साकेत, जयद्रथ वध, भारत-भारती, द्वापर
- सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला': अनामिका, परिमल, गीतिका, तुलसीदास
- सुमित्रानन्दन 'पंत': उच्छ्वास, युगांत, ग्राम्या, स्वर्ण किरण, स्वर्ण धूलि, उत्तरा

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

- जयशंकर प्रसाद: वनमिलन, प्रेमराज्य, अयोध्या का उद्धार, कानन कुसुम, प्रेमपथिक, झरना, आँसू, लहर, कामायनी
- महादेवी वर्मा : नीहार, रश्मि, नीरजा, सांध्यगीत
- केदारनाथ अग्रवाल: मांझी न बजाओ वंशी, वसंती हवा (कविताएँ), फूल नहीं रंग बोलते हैं (कविता संग्रह)
- अज्ञेय: तारसप्तक, दूसरा सप्तक, तीसरा सप्तक, रूपाम्बरा, भग्नदूत, चिन्ता, इत्यलम, अरी ओ करुणा प्रभामय
- रामकुमार वर्मा : रूपराशि, निशीथ, चित्ररेखा, आकाशगंगा
- मुक्तिबोध : चाँद का मुँह टेढ़ा है
- कुंवरनारायण : आत्मजयी (कठोपनिषद् के नचिकेता प्रसंग पर आधारित प्रबन्धकाव्य)
- केदारनाथ सिंह : अभी बिल्कुल अभी, अकाल में सारस, जमीन पक रही है
- सर्वेश्वर दयाल सक्सेना : काठ की घंटियाँ, कुआनो नदी, गर्म हवाएँ, जंगल का दर्द
- सदलमिश्र: नासिकेतोपाख्यान
- सुभद्रा कुमारी चौहान: त्रिधारा, मुकुल
- भारतेन्दु हरिश्चन्द्र: फूलों का गुच्छा, बकरी विलाप, उर्दू का स्यापा, प्रेम सरोवर
- धूमिल: संसद से सड़क तक, कल सुनना मुझे, सुदामा पाण्डे का प्रजातन्त्र

हिन्दी कहानीकार एवं उनकी प्रसिद्ध कहानियाँ

- वृन्दावनलाल वर्मा: शरणागत, शेरशाह का न्याय (कहानियाँ)
- जयशंकर प्रसाद: आकाशदीप, आँधी, पुरस्कार, मधुआ, बिसाती (कहानियाँ) तथा आकाश-दीप, इंद्रजाल, प्रतिध्वनि, छाया (कहानी-संग्रह)
- जैनेन्द्र: पत्नी, खेल (जैनेन्द्र की पहली कहानी), जाह्नवी, पाजेब (कहानियाँ)
- अज्ञेय : गैंग्रीन (रोज़), छोड़ा हुआ रास्ता (कहानियाँ) तथा विपथगा, शरणदाता, अमरवल्लरी, परम्परा (कहानी संग्रह)
- इलाचन्द्र जोशी: डायरी के नीरस पृष्ठ, चरणों की दासी, दीवाली और होली (कहानियाँ)
- प्रेमचन्द: पूस की रात, शतरंज के खिलाड़ी, नमक का दरोगा, पंच परमेश्वर, (प्रेमचंद की पहली कहानी), मंत्र, बड़े घर की बेटी, कफन, बड़े भाई साहब, ईदगाह, बूढ़ी काकी, मानसरोवर
- उपेन्द्रनाथ अश्क : डाची (कहानी) तथा बैंगन का पौधा, झेलम के सात पुल (कहानी संग्रह)
- मोहन राकेश : इंसान के खंडहर, जानवर और जानवर, एक और जिन्दगी (कहानी-संग्रह)
- फणीश्वर नाथ 'रेणु': तीसरी कसम उर्फ मारे गए गुलफाम (प्रसिद्ध कहानी) तथा ठुमरी, आदिम रात्रि की महक, अग्नि खोर, एक श्रावणी दोपहर की धूप (कहानी-संग्रह)
- विष्णु प्रभाकर: धरती अब भी घूम रही है (कहानी-संग्रह)
- सुभद्रा कुमारी चौहान: गौरी (कहानी)
- रांगेय राघव: गदल (कहानी)
- भीष्म साहनी: भाग्यरेखा, पहला पाठ, भटकती राख, पटरियाँ, वाङ्चू, शोभायात्रा, पाली (कहानी-संग्रह) अमृतसर आ गया है, चीफ की दावत (कहानी)
- गजानन माधव मुक्तिबोध: काठ का सपना, सतह से उठता आदमी (कहानी-संग्रह)
- कृष्णा सोबती: मित्रो मरजानी, सिक्का बदल गया (कहानी) तथा बादलों के घेरे (कहानी-संग्रह)
- मन्नू भण्डारी: यही सच है, रानी माँ का चबूतरा (कहानियाँ), एक प्लेट सैलाब, तीन निगाहों की एक तस्वीर, त्रिशंकु (कहानी-संग्रह)
- ऊषा प्रियवंदा: वापसी (कहानी) तथा जिन्दगी और गुलाब के फूल, फिर वसन्त आया, एक कोई दूसरा, कितना बड़ा झूठ (कहानी-संग्रह)
- दूधनाथ सिंह : सपाट चेहरे वाला आदमी (कहानी-संग्रह)
- मेहरुन्निसा परवेज़: आदम और हव्वा, टहनियों पर धूप, फाल्गुनी, गलत पुरुष, अन्तिम पढ़ाई (कहानी-संग्रह)

प्रमुख निबन्धकार एवं उनके प्रसिद्ध निबन्ध

- भारतेन्दु हरिशचन्द्र : कश्मीर - कुसुम, बादशाह दर्पण, तदीय सर्वस्व, वैष्णवता और भारतवर्ष, जातीय संगीत, नाटकों का इतिहास, सूर्योदय, ईश्वर बड़ा विलक्षण है, एक अद्भुत अपूर्व स्वप्न
- महावीर प्रसाद द्विवेदी: हिंदी भाषा की उत्पत्ति, कवि और कविता, साहित्य की महत्ता, उपन्यास रहस्य
- महादेवी वर्मा: श्रृंखला की कड़ियाँ, क्षणदा, साहित्यकार की आस्था तथा अन्य निबन्ध
- अज्ञेय: त्रिशंकु, सब रंग और कुछ राग, आत्मनेपद, आलवाल, लिखि कागद कोरे, अद्यतन, स्मृतिछन्दा, छाया का जंगल
- जैनेन्द्र: प्रस्तुत प्रश्न, जड़ की बात, पूर्वोदय, साहित्य का श्रेय और प्रेय, मंथन, सोच विचार, इतस्तत: समय और हम, साहित्य और संस्कृति
- हजारी प्रसाद द्विवेदी: कल्पलता, विचार और वितर्क, कुटज, विचार प्रवाह, आलोक पर्व
- बाबू गुलाबराय: ठलुआ क्लब, मेरी असफलताएँ, कुछ उथले कुछ गहरे।
- रामचन्द्र शुक्ल: चिन्तामणि (तीन भाग)
- माखनलाल चतुर्वेदी: अमीर इरादे-गरीब इरादे, साहित्य देवता
- दिनकर: रेती के फूल, अर्द्धनारीश्वर
- कन्हैयालाल मिश्र: बाजे पायलिया के घुँघरू, जिन्दगी मुस्कराई, महके आँगन चहके द्वार
- रामवृक्ष बेनीपुरी: वंदेवाणी विनायकौ, गेहूँ और गुलाब
- धर्मवीर भारती: ठेले पर हिमालय, कहनी - अनकहनी, पश्यंती
- निर्मल वर्मा: शब्द और स्मृति, कला का जोखिम, ढलान से उतरते हुए
- नामवर सिंह: बकलम खुद, इतिहास और आलोचना

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

ज्ञानपीठ पुरस्कार

ज्ञानपीठ पुरस्कार भारतीय ज्ञानपीठ न्यास द्वारा भारतीय साहित्य के लिए दिया जाने वाला सर्वोच्च पुरस्कार है। भारत का कोई भी नागरिक जो आठवीं अनुसूची की 22 भाषाओं में से किसी भाषा में लिखता हो इस पुरस्कार के योग्य है। 2018 से यह पुरस्कार अंग्रेजी भाषा के लिए भी प्रदान किया जाता है, इस प्रकार वर्तमान में यह पुरस्कार कुल 23 भाषाओं के लिए प्रदान किया जाता है। पुरस्कार के रूप में 11 लाख रुपए की धनराशि, प्रशस्ति पत्र और वाग्देवी की कांस्य की प्रतिमा प्रदान की जाती है। 1982 तक यह पुरस्कार लेखक के एकल कृति के लिए दिया जाता था लेकिन इसके बाद यह पुरस्कार लेखक के भारतीय साहित्य में सम्पूर्ण योगदान के लिए दिया जाने लगा।

वर्ष	रचना	रचनाकार
1968	चिदम्बरा	सुमित्रानन्दन पंत (हिन्दी)
1972	उर्वशी	रामधारी सिंह दिनकर (हिन्दी)
1978	कितनी नावों में कितनी बार	सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय' (हिन्दी)
1982	यामा	महादेवी वर्मा (हिन्दी)
1992	सम्पूर्ण साहित्य पर	नरेश मेहता (हिन्दी)
1999	सम्पूर्ण साहित्य पर	निर्मल वर्मा (हिन्दी)
2005	सम्पूर्ण साहित्य पर	कुँवर नारायण (हिन्दी)
2009	सम्पूर्ण साहित्य पर	अमरकांत एवं श्रीलाल शुक्ल (संयुक्त रूप से) (हिन्दी)
2013	सम्पूर्ण साहित्य पर	केदारनाथ सिंह (हिन्दी)
2017	सम्पूर्ण साहित्य पर	कृष्णा सोबती (हिन्दी)
2018	सम्पूर्ण साहित्य पर	अमिताव घोष (अंग्रेजी)
2019	सम्पूर्ण साहित्य पर	अक्कीतम अच्युतन नंबूथिरी (मलयालम)
2021	सम्पूर्ण साहित्य पर	नीलमणि फूकन (असमिया)
2022	सम्पूर्ण साहित्य पर	दामोदर मोउजो (कोंकणी)
2023	सम्पूर्ण साहित्य पर	जगद्गुरु रामभद्राचार्य एवं गुलजार

साहित्य अकादमी पुरस्कार

वर्ष	रचना	रचनाकार
1955	हिमतरंगिणी	माखन लाल चतुर्वेदी
1956	पद्मावत संजीवनी व्याख्या	वासुदेव शरण अग्रवाल
1957	बौद्ध धर्म दर्शन	आचार्य नरेन्द्र देव
1958	मध्य एशिया का इतिहास	राहुल सांकृत्यायन
1959	संस्कृति के चार अध्याय	रामधारी सिंह दिनकर
1960	कला एवं बूढ़ा चाँद	सुमित्रानन्दन पन्त
1961	भूले बिसरे चित्र	भगवतीचरण वर्मा
1963	कलम का सिपाही	अमृत राय
1964	आँगन के पार द्वार	अज्ञेय
1965	रस सिद्धान्त	डॉ. नगेन्द्र
1966	मुक्तिबोध	जैनेन्द्र
1967	अमृत और विष	अमृतलाल नागर
1968	दो चट्टानें	हरिवंश राय बच्चन
1969	राग दरबारी	श्री लाल शुक्ल
1970	निराला की साहित्य साधना	राम विलास शर्मा
1971	कविता के नये प्रतिमान	नामवर सिंह
1972	बुनी हुई रस्सी	भवानी प्रसाद मिश्र
1973	आलोक पर्व	हजारी प्रसाद द्विवेदी
1974	मिट्टी की बारात	शिव मंगल सिंह 'सुमन'
1975	तमस	भीष्म साहनी
1976	मेरी तेरी उसकी बात	यशपाल
1977	चुका भी हूँ नहीं मैं	शमशेर बहादुर सिंह
1978	उतना वह सूरज है	भारत भूषण अग्रवाल
1979	कल सुनना मुझे	सुदामा पाण्डेय 'धूमिल'
1980	जिन्दगीनामा	कृष्णा सोबती
1981	ताप के ताये हुए दिन	त्रिलोचन
1882	विकलांग श्रद्धा का दौर	हरिशंकर परसाई
1983	खूँटियों पर टंगे लोग	सर्वेश्वर दयाल सक्सेना
1984	लोग भूल गए हैं	रघुवीर सहाय
1985	कव्वे और काला पानी	निर्मल वर्मा
1986	अपूर्वा	केदारनाथ अग्रवाल
1987	मगध	श्रीकान्त वर्मा
1988	अरण्या	नरेश मेहता
1989	अकाल में सारस	केदारनाथ सिंह
1990	नीला चाँद	शिव प्रसाद सिंह
1991	मैं वक्त के हूँ सामने	गिरिजा कुमार माथुर
1992	ढाई घर	गिरिराज किशोर
1993	अर्द्धनारीश्वर	विष्णु प्रभाकर
1994	कहीं नहीं वहीं	अशोक वाजपेयी
1995	कोई दूसरा नहीं	कुँवर नारायण
1996	मुझे चाँद चाहिए	सुरेन्द्र वर्मा
1997	अनुभव के आकाश में चाँद	लीलाधर जगूड़ी
1998	नये इलाके में	अरूण कमल
1999	दीवार में एक खिड़की रहती थी	विनोद कुमार शुक्ल
2000	हम जो देखते हैं	मंगलेश डबराल
2001	कलिकथा - वाया बाईपास	अलका सरावगी
2002	दो पंक्तियों के बीच	राजेश जोशी

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

वर्ष	रचना	रचनाकार
2003	कितने पाकिस्तान	कमलेश्वर
2004	दुष्चक्र में स्रष्टा	वीरेन डंगवाल
2005	क्याप	मनोहर श्याम जोशी
2006	संशयात्मा	ज्ञानेन्द्रपति
2007	इन्हीं हथियारों से	अमरकान्त
2008	कोहरे में कैद रंग	गोविन्द मिश्र
2009	हवा में हस्ताक्षर	कैलाश वाजपेयी
2010	मोहनदास	उदय प्रकाश
2011	रेहन पर रग्घू	काशीनाथ सिंह
2012	पत्थर फेंक रहा हूँ	चन्द्रकान्त देवताले
2013	मिलजुल मन	मृदुला गर्ग
2014	विनायक	रमेशचन्द्र शाह
2015	आग की हँसी	रामदरश मिश्र
2016	पारिजात	नासिरा शर्मा
2017	विश्वमिथक सरित्सागर	रमेश कुंतल मेघ
2018	पोस्ट बॉक्स नं. 203-नाला सोपारा (उपन्यास)	चित्रा मुद्गल
2019	छीलते हुए अपने को (कविता)	नंद किशोर आचार्य
2020	टोकरी में दिगंत 'थेरीगाथा' - 2014 (कविता)	अनामिका
2021	सम्राट अशोक (नाटक)	दया प्रकाश सिन्हा
2022	तुमड़ी के शब्द (काव्य)	बद्री नारायण
2023	मुझे पहचानों (उपन्यास)	संजीव

व्यास सम्मान

वर्ष	रचना	रचनाकार
1991	भारत के प्राचीन भाषा परिवार	रामविलास शर्मा
1992	नीला चाँद	डॉ. शिव प्रसाद सिंह
1993	मैं वक्त के हूँ सामने	गिरिजा कुमार माथुर
1994	सपना अभी भी	धर्मवीर भारती
1995	कोई दूसरा नहीं	कुँवर नारायण
1996	हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास	रामस्वरूप चतुर्वेदी
1997	उत्तर कबीर तथा अन्य कविताएँ	केदारनाथ सिंह
1998	पाँच आँगनों वाला घर	गोविन्द मिश्र
1999	विश्रामपुर का संत	श्री लाल शुक्ल
2000	पहला गिरमिटिया	गिरिराज किशोर
2001	आलोचना का पक्ष	रमेश चन्द्र शाह
2002	पृथ्वी का कृष्णपक्ष	कैलाश वाजपेयी
2003	आवाँ	चित्रा मुद्गल
2004	कठगुलाब	मृदुला गर्ग
2005	कथा सरित्सागर	चन्द्रकान्ता
2006	कविता का अर्थात्	परमानन्द श्रीवास्तव
2007	समय सरगम	कृष्णा सोबती (प्राप्त नहीं किया)
2008	एक कहानी यह भी	मन्नू भण्डारी
2009	इन्हीं हथियारों से	अमरकान्त
2010	फिर भी कुछ रह जायेंगे	विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
2011	आम के पत्ते	रामदरश मिश्र
2012	न भूतो न भविष्यति	नरेन्द्र कोहली
2013	व्योमकेश दरवेश	विश्वनाथ त्रिपाठी
2014	प्रेमचन्द की कहानियों का कालक्रमानुसार अध्ययन	कमल किशोर गोयनका
2015	क्षमा (काव्य संग्रह)	सुनीता जैन
2016	काटना शमी का वृक्ष : पद्मपंखुरी की धार से	सुरेन्द्र वर्मा
2017	दुक्खम-सुक्खम	ममता कालिया
2018	जितने लोग उतने प्रेम	लीलाधर जगूड़ी
2019	कागज की नाव	नासिरा शर्मा
2020	पाटलिपुत्र की साम्राज्ञी	प्रो. शरद पगारे
2021	महाबली	असगर वजाहत
2022	पागलखाना	डॉ. ज्ञान चतुर्वेदी
2023	यादें, यादें और यादें	पुष्पा भारती

सरस्वती सम्मान

वर्ष	रचनाकार	रचना
1991	हरिवंश राय बच्चन	चार खण्डों में आत्मकथा
1992	रमाकान्त रथ	श्री राधा
1993	विजय तेंदुलकर	कन्यादान
1994	हरभजन सिंह	रुख ते ऋषि
1995	बालामणि अम्मा	निवेदिम
2000	मनोज दास	अमृत फल
2005	के. अय्यप्पा पणिक्कर	अय्यप्पा पनिकरुदे कृतिकाल
2014	वीरप्पा मोइली	रामायण महानेश्वरम
2015	पद्मा सचदेवा	चित्त-चेत
2016	महाबलेश्वर सैल	हाउटन

Search On TG @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

2017	शीतांशु यशचंद्र	वखर
2018	के. शिव रेड्डी	पक्काकि ओट्टिगिलिट
2019	वासदेव मोही	चेकबुक
2020	शरणकुमार लिंबाले	सनातन
2021	रामदरश मिश्र	मैं तो यहाँ हूँ
2022	शिव शंकरी	सूर्यवंशम
2023	प्रभा वर्मा	रौद्र सात्विकम्

विश्व हिन्दी सम्मेलन

क्रम	वर्ष	स्थान
प्रथम	1975	नागपुर (भारत)
द्वितीय	1976	पोर्ट लुईस (मॉरीशस)
तृतीय	1983	नई दिल्ली (भारत)
चतुर्थ	1993	पोर्ट लुईस (मॉरीशस)
पंचम	1996	पोर्ट ऑफ स्पेन (त्रिनिदाद और टोबैगो)
षष्ठ	1999	लन्दन (यू. के.)
सप्तम्	2003	पारामारिबो (सूरीनाम)
अष्टम्	2007	न्यूयॉर्क (यू.एस.ए.)
नवम्	2012	जोहान्सबर्ग (दक्षिण अफ्रीका)
दशम्	2015	भोपाल (भारत)
एकादश	2018	पोर्ट लुईस (मॉरीशस)
द्वादश	2023	फ़िजी

परीक्षोपयोगी प्रश्न

1. **निराला कृत 'राम की शक्तिपूजा' की रचना का आधार-ग्रंथ कौन-सा है?**
(a) कम्बन रामायण (b) कृतिवास रामायण
(c) रामचरितमानस (d) रामचंद्रिका

2. **'इंदु' पत्रिका के संपादक का नाम है-**
(a) अम्बिकाप्रसाद गुप्त (b) चंद्रधर शर्मा 'गुलेरी'
(c) जगदीश गुप्ता (d) काशी प्रसाद जायसवाल

3. **'आत्मजयी' किसकी रचना है?**
(a) कुँवर नारायण (b) दुष्यंत कुमार
(c) धर्मवीर भारती (d) श्री नरेश मेहता

4. **'आवारा मसीहा' रचना किसके जीवन पर आधारित है?**
(a) बंकिमचंद्र (b) प्रेमचंद
(c) शरतचन्द्र (d) रवींद्रनाथ टैगोर

5. **इनमें नयी कहानी आंदोलन के प्रारंभकर्त्ताओं में से कौन नहीं है?**
(a) कमलेश्वर (b) राजेंद्र यादव
(c) ज्ञानरंजन (d) मोहन राकेश

6. **निम्नलिखित में से कौन-सा ग्रंथ हजारी प्रसाद द्विवेदी का नहीं है?**
(a) अशोक के फूल (b) कुटज
(c) विचार प्रवाह (d) वृन्त और विकास

7. **'अरे यायावर रहेगा याद' किसके द्वारा रचित यात्रावृत्त है?**
(a) रामवृक्ष बेनीपुरी
(b) सच्चिदानंद हीरानंद वात्सायन
(c) राहुल सांकृत्यायन
(d) यशपाल

8. **'पउमचरिउ' किसकी रचना है?**
(a) अब्दुल रहमान (b) विद्यापति
(c) स्वयम्भू (d) चंदवरदायी

9. **इनमें से कौन-सा महाकाव्य नहीं है?**
(a) साकेत (b) कामायनी
(c) महाप्रस्थान (d) प्रियप्रवास

10. **गोस्वामी तुलसीदास की रचना 'कवितावली' किस भाषा की रचना है?**
(a) अवधी (b) ब्रजभाषा
(c) मैथिली (d) बुंदेली

11. **साहित्यिक अपभ्रंश को 'पुरानी हिंदी' किसने कहा था?**
(a) रामचंद्र शुक्ल (b) हजारी प्रसाद द्विवेदी
(c) शिवसिंह सेंगर (d) राहुल सांकृत्यायन

12. **छायावाद को 'स्थूल के प्रति सूक्ष्म का विद्रोह' किसने कहा है?**
(a) सुमित्रानंदन पंत (b) डॉ. नगेन्द्र
(c) रामचंद्र शुक्ल (d) जयशंकर प्रसाद

13. **'कुआनो नदी' के रचनाकार हैं-**
(a) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना (b) रघुवीर सहाय
(c) श्रीकांत वर्मा (d) नरेश मेहता

14. **निम्नलिखित में से कौन 'मिश्र बंधुओं' में नहीं है?**
(a) कृष्णबिहारी मिश्र (b) श्यामबिहारी मिश्र
(c) गणेशबिहारी मिश्र (d) शुकदेव बिहारी मिश्र

15. **राहुल सांकृत्यायन ने हिंदी का प्रथम कवि किसे माना है?**
(a) सरहपा (b) पुष्य
(c) शालिभद्र सूरि (d) स्वयंभू

16. **'रस गंगाधर' के रचयिता कौन हैं?**
(a) अभिनवगुप्त (b) दण्डी
(c) पंडितराज जगन्नाथ (d) आचार्य विश्वनाथ

17. **निर्गुण उपासक कवि हैं-**

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

(a) सूरदास (b) केशवदास
(c) कबीरदास (d) तुलसीदास

18. निम्नलिखित में से कौन 'तार सप्तक' का कवि नहीं है?
(a) शमशेर बहादुर सिंह (b) गिरिजाकुमार माथुर
(c) मुक्तिबोध (d) प्रभाकर माचवे

19. इनमें से कौन-सा कवि द्विवेदी युग का है?
(a) बद्रीनारायण चौ. 'प्रेमघन'
(b) राधाकृष्णदास
(c) जसवंत सिंह
(d) गया प्रसाद शुक्ल 'सनेही'

20. 'शिवपालगंज' किस उपन्यास से संबंधित है?
(a) विस्रामपुर का संत (b) राग दरबारी
(c) आधा गाँव (d) मैला आँचल

21. इनमें से कौन-सा कवि प्रगतिवादी नहीं है?
(a) केदारनाथ अग्रवाल (b) भवानीप्रसाद मिश्र
(c) त्रिलोचन (d) शिवमंगलसिंह 'सुमन'

22. 'दो राह, समय के रथ का घर्घर नाद सुनो सिंहासन खाली करो कि जनता आती है'
उपर्युक्त पंक्तियाँ किसकी कविता से उद्धृत हैं?
(a) शिवमंगल सिंह 'सुमन' (b) रामधारी सिंह दिनकर
(c) मैथिलीशरण गुप्त (d) जानकीवल्लभ शास्त्री

23. 'पहले मैं सन्नाटा बुनता हूँ' किसकी पंक्ति है?
(a) अज्ञेय (b) नागार्जुन
(c) रामकुमार वर्मा (d) शमशेर बहादुर सिंह

24. 'सरहपा' का संबंध निम्न में से किससे है?
(a) सिद्ध साहित्य (b) रासो काव्य
(c) नाथ साहित्य (d) जैन काव्य

25. निम्नलिखित में से कौन-सी रचना सर्वेश्वर दयाल सक्सेना की नहीं है?
(a) काठ की घंटियाँ (b) कुआनो नदी
(c) आत्महत्या के विरुद्ध (d) लिपटा रजाई में

26. निम्नलिखित में से कौन अष्टछाप के कवि नहीं हैं?
(a) सूरदास (b) कुम्भनदास
(c) नंददास (d) सुंदरदास

27. निम्नलिखित में से कौन-सा उपन्यास देवकीनंदन खत्री का नहीं है?
(a) नरेंद्र मोहिनी (b) भाग्यवती
(c) चंद्रकांता (d) कुसुम कुमारी

28. 'हिंदी प्रदीप' के सम्पादक कौन थे?
(a) बालकृष्ण भट्ट (b) प्रतापनारायण मिश्र
(c) निराला (d) पन्त

29. 'सरस्वती' पत्रिका के यशस्वी सम्पादक कौन थे?
(a) प्रेमचन्द (b) महावीर प्रसाद द्विवेदी
(c) रामचन्द्र शुक्ल (d) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

30. 'कल्याण' किस प्रकार की पत्रिका है?
(a) सामाजिक (b) धार्मिक
(c) आर्थिक (d) राजनीतिक

31. 'आलोचना' पत्रिका के सम्पादक कौन हैं?
(a) रामविलास शर्मा (b) नामवर सिंह
(c) नरेन्द्र मोहन (d) महीप सिंह

32. 'माधुरी' पत्रिका का प्रकाशन कहाँ से होता था?
(a) आगरा (b) इलाहाबाद
(c) कानपुर (d) लखनऊ

33. 'तद्भव' पत्रिका के सम्पादक का नाम बताइए-
(a) अखिलेश (b) उषा प्रियंवदा
(c) मन्नू भण्डारी (d) कृष्णा सोबती

34. 'हिंदी नवजीवन' के सम्पादक कौन थे?
(a) बाबू राजेंद्र प्रसाद (b) काका कालेलकर
(c) गांधी जी (d) नेहरू जी

35. 'चिन्तामणि' किस लेखक की कृति है?
(a) बाबू गुलाबराय (b) हजारी प्रसाद द्विवेदी
(c) डॉ. नगेन्द्र (d) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

36. 'पं. प्रतापनारायण मिश्र' किस जातीय पत्र के सम्पादक थे?
(a) ब्राह्मण (b) प्रदीप
(c) प्रताप (d) क्षत्रिय

37. 'नासिकेतोपाख्यान' के रचयिता कौन थे?
(a) इंशा अल्ला खां (b) सदल मिश्र
(c) लल्लूलाल (d) सदासुखलाल

38. हरिनारायण किस कहानी पत्रिका के सम्पादक रहे हैं?
(a) कादम्बिनी (b) सारिका
(c) कथान्तर (d) कथादेश

39. इनमें से महादेवी जी की रचना कौन-सी नहीं है?
(a) पंचरत्न (b) पथ के साथी
(c) अतीत के चलचित्र (d) मेरा परिवार

40. महावीर प्रसाद द्विवेदी ने आदिकाल को क्या संज्ञा दी है?
(a) चारणकाल (b) आदिकाल
(c) वीरकाल (d) बीजवपन काल

41. 'द्विवेदी युग' नामकरण किया गया है-
(a) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के नाम पर
(b) शांतिप्रिय द्विवेदी के नाम पर
(c) महावीर प्रसाद द्विवेदी के नाम पर
(d) सोहनलाल द्विवेदी के नाम पर

42. किस कवि को 'कवियों का कवि' कहा जाता है?
(a) धर्मवीर भारती (b) शमशेर बहादुर सिंह
(c) रघुवीर सिंह (d) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

43. 'एक कंठ विषपायी' किसकी रचना है?
(a) सर्वेश्वर (b) दुष्यंत
(c) धर्मवीर भारती (d) कुंवर नारायण

44. 'दशरथ सुत तिहुँ लोक बखाना, राम नाम का मरम है आना' किस रचनाकार की पंक्तियाँ हैं?
(a) तुलसीदास (b) कबीर
(c) केशवदास (d) सूरदास

45. एक-दूसरे से भिन्न-भिन्न, नये-नये विचारों एवं रचना

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

शैलियों के जो सात कवि प्रयोगवाद के कवि के रूप में प्रसिद्ध हुए, उनकी कविताओं के संग्रह का सही नाम था-

(a) पहला तार सप्तक (b) प्रथम तार सप्तक
(c) तार शप्तक (d) तार सप्तक

46. हिंदी का पहला पत्र है-
(a) उदंत मार्तण्ड (b) इतिहास तिमिरनाशक
(c) बनारस अखबार (d) हरिश्चन्द्र मैगजीन

47. 'अपने-अपने पिंजरे' आत्मकथा किसकी है?
(a) ओमप्रकाश वाल्मीकि (b) मोहनदास नैमिशराय
(c) जयप्रकाश कर्दम (d) श्योराज सिंह 'बेचैन'

48. 'अति सूधो सनेह को मारग है' किसकी पंक्ति है?
(a) आलम (b) बोधा
(c) ठाकुर (d) घनानन्द

49. 'हम दीवानों की क्या हस्ती है, आज यहाँ कल वहाँ चले' किसकी पंक्तियाँ हैं?
(a) नरेंद्र शर्मा (b) हरिवंश राय बच्चन
(c) बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' (d) भगवतीचरण वर्मा

50. 'इदन्नमम्' रचना किसकी है?
(a) ममता कालिया (b) मन्नू भंडारी
(c) चित्रा मुद्गल (d) मैत्रेयी पुष्पा

51. 'अन्या से अनन्या' किसकी रचना है?
(a) मैत्रेयी पुष्पा (b) मृदुला गर्ग
(c) कृष्णा सोबती (d) प्रभा खेतान

52. 'चाँद का मुँह टेढ़ा है' के लेखक हैं?
(a) यशपाल (b) नागार्जुन
(c) गजानन माधव मुक्तिबोध (d) अमृतराय

53. 'पैरों से पंख बाँध कर' रचना है-
(a) रेखा चित्र (b) यात्रा वृत्तांत
(c) संस्मरण (d) कहानी

54. 'रामधारी सिंह 'दिनकर'' की रचना नहीं है-
(a) उर्वशी (b) रेणुका
(c) रश्मिरथी (d) स्वर्णधूलि

55. इनमें से कौन-सी रचना अवधी में नहीं है?
(a) पद्मावत (b) मधुमालती
(c) कवितावली (d) हंस जवाहर

56. 'जयशंकर प्रसाद बहुत बड़े नाटककार थे। उन्होंने ...... नाटक की रचना की।'
(a) अजातशत्रु (b) शशिगुप्त
(c) झाँसी की रानी (d) राजमुकुट

57. 'पिता' कहानी के लेखक कौन हैं?
(a) शेखर जोशी (b) उषा प्रियवंदा
(c) उदय प्रकाश (d) ज्ञानरंजन

58. निम्नांकित में से रीतिकालीन कवि कौन हैं?
(a) मीराबाई (b) सूरदास
(c) नाभादास (d) बिहारीलाल

59. 'हिंदी नए चाल में ढली' कथन किसका है?
(a) हजारीप्रसाद द्विवेदी (b) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
(c) रामचन्द्र शुक्ल (d) नगेन्द्र

60. रामचरितमानस की रचना की गई है?
(a) अवधी में (b) ब्रजभाषा में
(c) भोजपुरी में (d) मैथिली में

61. कौन-सा उपन्यास बालकृष्ण भट्ट का है?
(a) सौ अजान और एक सुजान
(b) धूर्त रसिकलाल
(c) निस्सहाय हिन्दू
(d) श्यामास्वप्न

62. 'लोकायतन' किस कवि की रचना है?
(a) सोहन लाल द्विवेदी (b) सुमित्रानन्दन पंत
(c) श्रीधर पाठक (d) महादेवी वर्मा

63. 'चन्दायन' के रचयिता हैं-
(a) मलिक मुहम्मद जायसी (b) कुतुबन
(c) मंझन (d) मुल्ला दाउद

64. निम्नांकित में से आचार्य चतुरसेन रचित उपन्यास का नाम है-
(a) गोदान (b) गढ़ कुण्डार
(c) चन्द्रकान्ता (d) सोमनाथ

उत्तरमाला

1.	(b)	2.	(a)	3.	(a)	4.	(c)	5.	(c)	6.	(d)	7.	(b)	8.	(c)	9.	(c)	10.	(b)
11.	(a)	12.	(b)	13.	(a)	14.	(a)	15.	(a)	16.	(c)	17.	(c)	18.	(a)	19.	(d)	20.	(b)
21.	(b)	22.	(b)	23.	(a)	24.	(a)	25.	(c)	26.	(d)	27.	(b)	28.	(a)	29.	(b)	30.	(b)
31.	(b)	32.	(d)	33.	(a)	34.	(c)	35.	(d)	36.	(a)	37.	(b)	38.	(d)	39.	(a)	40.	(d)
41.	(c)	42.	(b)	43.	(b)	44.	(b)	45.	(d)	46.	(a)	47.	(b)	48.	(d)	49.	(d)	50.	(d)
51.	(d)	52.	(c)	53.	(b)	54.	(d)	55.	(c)	56.	(a)	57.	(d)	58.	(d)	59.	(b)	60.	(a)
61.	(a)	62.	(b)	63.	(d)	64.	(d)												

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

24
अध्याय

अपठित गद्यांश

गद्यांश-1

यशपाल ने 'दिव्या' (1945) की भूमिका में लिखा, इतिहास विश्वास की नहीं, विश्लेषण की वस्तु है। अपने रचनात्मक सामर्थ्य और परिस्थितियों के सुलझाव के अपने प्रयत्नों के परिचय से जाति वर्तमान और भविष्य और रचना के लिए निर्देश पाती है। इस प्रकार यशपाल इतिहास को सिर्फ अतीत नहीं, एक सतत् प्रवाह के रूप में देखते हैं और वर्तमान को समुन्नत एवं समृद्ध बनाने की दृष्टि से उसके महत्त्व को रेखांकित करते हैं। 'दिव्या' में उस समाज के अंतर्विरोध स्त्री की नियति को गहराई से उद्घाटित करते हैं। दिव्या स्वतंत्र नारी नहीं है, इसलिए अपनी इच्छा से वह बौद्ध धर्म में प्रवर्जित होने का भी अधिकार नहीं रखती। यशपाल ने इतिहास की पृष्ठभूमि पर नारी की नियति, युद्ध और शांति एवं वर्ग संघर्ष की समस्याओं को अंकित किया है। 'अमिता' (1956) विश्व शांति के उनके प्रयासों के कारण ही जवाहरलाल नेहरू को समर्पित की गई थी। 'अप्सरा का श्राप' (1965) में भी यशपाल की मुख्य चिंता पुरुष वर्ग के निरंकुश दमन की है, जिसने अपने स्वार्थ और प्रमाद में धर्म और व्यवस्था के नाम पर नारी का सदैव ही निर्दय शोषण किया है। स्पष्ट है कि इतिहास की पृष्ठभूमि का उपयोग वे एक ऐसे समाज के निर्माण की दृष्टि से करते हैं जो इन अंतर्विरोधों से मुक्त होगा। उनकी या अन्य प्रगतिवादी लेखकों के ऐतिहासिक उपन्यास हावर्ड फॉस्ट के ऐतिहासिक उपन्यासों की तुलना में, कलात्मक दृष्टि से उतने प्रौढ़ और गम्भीर भले ही न बन पड़े हों, लेकिन इतिहास के उपयोग की नई सम्भावनाओं का संकेत उनसे अवश्य मिलता है। उनके प्रमुख उपन्यास हैं दादा-कॉमरेड, देशद्रोही, झूठा सच, बारह घंटे तथा मक्रील और फूलों का कुर्ता उनके कहानी संग्रह हैं।

BSF (HCM) 17 Jun. 2023

1. **'इतिहास विश्वास की नहीं विश्लेषण की वस्तु है।' से लेखक का क्या अभिप्राय है?**
   (a) इतिहास वास्तविक नहीं होता उसे समझने की आवश्यकता होती है।
   (b) इतिहास पर विश्वास न करके नया मार्ग बनाना चाहिए।
   (c) इतिहास पर विश्वास न करके उसकी मनचाही व्याख्या की जानी चाहिए।
   (d) इतिहास पर अंधविश्वास न करके चिंतन मनन करना चाहिए।
2. **यशपाल ने अपनी कौन सी पुस्तक जवाहरलाल नेहरू को समर्पित की है?**
   (a) दिव्या
   (b) देशद्रोही
   (c) अप्सरा का श्राप
   (d) अमिता
3. **इतिहास के विषय में लेखक का विचार नहीं है-**
   (a) इतिहास चिंतन और मनन का विषय है।
   (b) इतिहास के अनुभव से वर्तमान और भविष्य को सुधारा जा सकता है।
   (c) इतिहास सिर्फ बीता हुआ कल नहीं अपितु सतत् प्रवाह है।
   (d) इतिहास अतीत की कहानियाँ हैं जो वर्तमान पर नकारात्मक प्रभाव डालती हैं।
4. **निम्नलिखित कृतियों में से यशपाल द्वारा लिखित उपन्यास नहीं है-**
   (a) दादा-कॉमरेड (b) झूठा सच
   (c) बारह घंटे (d) मक्रील

1.	(d)	2.	(d)	3.	(d)	4.	(d)

गद्यांश-2

नगर हमारा प्राकृतिक निवास स्थान नहीं है। मनुष्य की काम-धंधे की आवश्यकताओं एवं इच्छाओं से हमने नगरों में निवास कर लिया है। परमात्मा की यह इच्छा कदापि नहीं थी कि हम विश्व में आकर ईंट, लकड़ी तथा पत्थरों की गोदी में पलकर मनुष्य बनें। हमारे कार्यालयों तथा नगरों के साथ फल, फूल, पत्ते, चाँद, सूरज आदि का कदापि कोई संबंध नहीं है। यह नगर हमें रस से परिपूर्ण प्रकृति की गोदी से छीनकर अपने तपे हुए पेट में डालकर पचा डालते हैं एवं झुलसा देते हैं। परंतु जिन व्यक्तियों को इनमें रहने का स्वभाव पड़ गया है और जो सदा व्यापार के नशे में लीन रहते हैं वे धीरे-धीरे अपने वास्तविक स्वभाव तथा अपनी प्रकृति को नष्ट करके इस विशाल जगत से पृथक् होते चले जाते हैं।

BSF (HCM) 17 Jun. 2023

1. **'जो सदा व्यापार के नशे में लीन रहते हैं' वे-**
   (a) प्रकृति को नष्ट करते हैं
   (b) विशाल जगत से पृथक् होते जाते हैं
   (c) प्रकृति से प्रेम करते हैं
   (d) अपने को झुलसा देते हैं
2. **गद्यांश से हमें संदेश मिलता है-**
   (a) पर्यावरण संरक्षण का
   (b) नगरों में सुख-सुविधा जुटाने का

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

(c) प्रकृति के निकट रहने का
(d) वृक्षारोपण का

3. **गद्यांश में मानव का प्राकृतिक निवास-स्थान किसे बताया गया है?**
(a) प्रकृति की गोद
(b) ईंट, पत्थर और लकड़ी की गोद
(c) नगर
(d) कार्यालय

4. **नगरों में निवास का कारण है-**
(a) प्रकृति से दूरी
(b) परमात्मा की इच्छा
(c) वास्तविक स्वभाव
(d) काम-धंधे की आवश्यकता

1.	(b)	2.	(c)	3.	(a)	4.	(d)

गद्यांश-3

भारत एक कृषि प्रधान देश है। यहाँ की 70% आबादी कृषि पर आधारित है। भारतीय किसान खेत रूपी हवनकुंड में अपने रक्त की एक-एक बूंद की आहुति देकर अन्न पैदा करते हैं और पूरे देश का पेट भरते हैं। इनकी कमाई पर ही देश की खुशहाली निर्भर है। इन्हीं पर देश के व्यापारी, पदाधिकारी एवं राजनेता वैभव तथा ऐश्वर्य की ऊँची-ऊँची दीवारें खड़ी करते हैं। थोड़े शब्दों में कहा जा सकता है कि कृषि भारत की आर्थिक प्रगति की रीढ़ है और कृषक ही देश के मेरुदंड हैं। लेकिन दुख की बात है कि समाज का इतना महत्त्वपूर्ण अंग हमारे देश में वर्षों से लगातार उपेक्षित रहा है। इसका प्रमाण है कि भारतीय किसान अपनी दरिद्रता के लिए विश्व भर में प्रसिद्ध हैं।

किसान की दिनचर्या एक साधक की तरह है। यह ब्रह्म मुहूर्त में बिस्तर छोड़ देते हैं और अपने बैलों को खिला-पिलाकर उषा की प्रथम किरणों के साथ ही हल-बैलों को लेकर खेत की ओर चल पड़ते हैं और शाम तक खेत में परिश्रम करने के बाद ही वापस होते हैं। शिशिर का पाला हो या जेठ की दोपहरी-यह अपनी साधना में रत रहते हैं, फिर भी अधिकांश किसानों के बच्चे अर्थाभाव में विद्यालय एवं कॉलेज का मुँह नहीं देख पाते। बेटी की शादी हो तो इन्हें बैल और खेत गिरवी रखने पड़ते हैं। भारतीय किसान के बारे में किसी ने ठीक ही कहा है, "जो पूरे भारत को खिलाता है, वह खुद भरपेट नहीं खा पाता।" यही भारतीय किसान की सबसे बड़ी त्रासदी है। भारतीय किसान की इस दयनीय दशा के अनेक कारणों में प्रमुख हैं- पूँजी और शिक्षा का अभाव। पूँजी की कमी रहने से यह समय पर फसलों में खाद, सिंचाई, दवा, आधुनिक उपकरणों आदि का उपयोग नहीं कर पाते, अशिक्षित होने से कृषि के वैज्ञानिक तरीकों से अनभिज्ञ रहते हैं और इन सब का उत्पादन पर बुरा प्रभाव पड़ता है। इसके अलावा बाढ़, सूखा आदि प्राकृतिक प्रकोप भी इनकी दुर्दशा के कारण बनते हैं।

विशेषज्ञों की राय है कि सरकार द्वारा सर्वप्रथम इनकी खेती हेतु पूँजी-व्यवस्था के लिए ब्याजमुक्त या कम ब्याज पर ऋण की सुविधा और अन्न पैदा होने पर उचित मूल्य पर बिक्री की व्यवस्था भारतीय किसानों की दयनीय दशा सुधारने और इनको समुन्नत बनाने में रामबाण सिद्ध हो सकती है।

BSF (HCM) 18 Jun. 2023

1. **भारतीय किसान की दिनचर्या को किस प्रकार की दिनचर्या कहा गया है?**
(a) एक गरीब व्यक्ति की दिनचर्या
(b) एक दयनीय दिनचर्या
(c) एक किसान की दिनचर्या
(d) एक साधक की दिनचर्या

2. **गद्यांश के अनुसार भारतीय किसान की दयनीय दशा के प्रमुख कारण क्या हैं?**
(a) खेती के लायक मिट्टी के प्रकार की अनभिज्ञता
(b) पूँजी, शिक्षा का अभाव और प्राकृतिक प्रकोप
(c) सरकारी ऋण की सुविधा न मिलना
(d) किसान की आर्थिक दशा खराब होना

3. **भारत की लगभग कितनी आबादी कृषि पर आधारित है?**
(a) सत्तर प्रतिशत (b) सम्पूर्ण आबादी
(c) सतहत्तर प्रतिशत (d) लगभग आधी

4. **भारतीय कृषि को समुन्नत बनाने के लिए गद्यांश में क्या सुझाव दिए गए हैं?**
(a) सरकारी ऋण को आसान बनाना, सरकार द्वारा सारा अनाज खुद खरीदने की व्यवस्था का होना, खेती के साधनों को सरकार द्वारा मुफ्त देना
(b) सरकारी तौर पर ब्याजमुक्त या कम ब्याज पर ऋण की सुविधा मिलना और अन्न पैदा होने पर उचित मूल्य पर बिक्री की व्यवस्था होना
(c) प्राकृतिक त्रासदी होने पर किसान को सुरक्षित करना और खेती को उस प्रकोप से बचाना
(d) बेटी की शादी हो तो इन्हें बैल और खेत गिरवी न रखने पड़ें

1.	(d)	2.	(b)	3.	(a)	4.	(b)

गद्यांश-4

महान व्यक्तियों का जन्मदिन ही उनकी 'जयंती' कहलाता है; यथा 25 मई बुद्ध जयंती, 13 अप्रैल महावीर जयंती, 14 अप्रैल अंबेडकर जयंती और 2 अक्टूबर गांधी जयंती इत्यादि। महान व्यक्तियों की जयंती अत्यंत धूमधाम से मनाई जाती है। इसके पीछे यह प्रमुख उद्देश्य होता है कि उनके महान कार्यों को जन-जन तक पहुँचाया जाए।

2 अक्टूबर हमारे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का जन्मदिन है। इसीलिए देश भर में गांधी जयंती एक राष्ट्रीय पर्व के रूप में मनाई जाती है। इस दिन शिक्षण संस्थाओं एवं सरकारी कार्यालयों में छुट्टी रहती है। स्कूल कॉलेज के छात्रों एवं स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा प्रभात फेरियाँ निकाली जाती हैं। गाँव एवं शहर के गली-मुहल्लों की सफाई की जाती है। दरिद्र नारायण के बीच भोजन तथा वस्त्र आदि बाँटे जाते हैं। चरखों पर सूत काता जाता है और भजन आदि गाये जाते हैं।

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

विद्यालयों तथा सरकारी संस्थाओं में इस अवसर पर सभा का आयोजन किया जाता है, सर्वप्रथम मुख्य अतिथि द्वारा गांधी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया जाता है, उसके बाद श्रद्धालुओं द्वारा बारी-बारी से उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की जाती है। छात्रों या स्थानीय कलाकारों द्वारा गांधी जी के सबसे प्रिय भजन 'ईश्वर अल्लाह तेरे नाम सबको सन्मति दे भगवान' और 'वैष्णव जन तो तेने कहिए जे पीर पराई जाने रे' गाये जाते हैं।

आज हिंसा और अशांति से त्रस्त इस विश्व में गाँधीवाद के सहारे ही शांति लायी जा सकती है। गाँधीवाद की बुनियाद पर ही दक्षिण अफ्रीका को आजादी मिली। दक्षिण अफ्रीका के नेता नेल्सन मंडेला का कहना है कि जब-जब उन्हें आत्मबल की कमी महसूस होती है, तब दिल्ली स्थित बापू की समाधि से ही उन्हें प्रेरणा मिलती है। गांधीजी संपूर्ण विश्व के लिए प्रेरणा स्रोत हैं।

BSF (HCM) 18 Jun. 2023

1. **भारतवर्ष में प्रतिवर्ष 2 अक्टूबर को किस रूप में मनाया जाता है?**
   (a) अंबेडकर जयंती के रूप में
   (b) गाँधी जयंती के रूप में
   (c) बुद्ध जयंती के रूप में
   (d) महावीर जयंती के रूप में
2. **उपर्युक्त गद्यांश के केन्द्रीय विषय के अनुसार उपयुक्त शीर्षक का चयन करें-**
   (a) राष्ट्र में जयंती समारोह
   (b) गाँधीवाद और नेल्सन मंडेला
   (c) राष्ट्रीय छुट्टी
   (d) गाँधी जयंती
3. **गद्यांश के अनुसार गाँधी जयंती के विषय में कौन सा कथन सही नहीं है?**
   (a) 2 अक्टूबर को पूरे देश में सरकारी छुट्टी नहीं होती है
   (b) दक्षिण अफ्रीका के नेता नेल्सन मंडेला भी गाँधीजी से आत्मबल पाते हैं
   (c) विद्यालयों में 'ईश्वर अल्लाह तेरे नाम सबको सन्मति दे भगवान' और 'वैष्णव जन तो तेने कहिए जे पीर पराई जाने रे' गांधी जी के सबसे प्रिय भजन गाये जाते हैं
   (d) गाँधी जयंती पर स्कूल कॉलेज के छात्रों एवं स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा प्रभात फेरियाँ निकाली जाती हैं
4. **महान व्यक्तियों की जयंती अत्यंत धूमधाम से क्यों मनाई जाती है?**
   (a) इसका प्रमुख उद्देश्य होता है कि वर्षभर में एक दिन साफ-सफाई कराई जा सके
   (b) इसका उद्देश्य है कि दरिद्र लोगों के बीच भोजन तथा वस्त्र आदि बाँटे जा सकें
   (c) इसके पीछे का प्रमुख उद्देश्य गांधीवादी विचारों को मान्यता है
   (d) इसके पीछे प्रमुख उद्देश्य उस महान व्यक्ति के महान कार्यों को जन-जन तक पहुँचाना होता है

1.	(b)	2.	(d)	3.	(a)	4.	(d)

गद्यांश-5

शिक्षा प्राप्ति के उद्देश्य से विद्यालय, महाविद्यालय और विश्वविद्यालय में प्रवेश लेने वालों को छात्र या छात्रा की संज्ञा दी जाती है। ये सभी ज्ञान के साथ-साथ जीविकोपार्जन में सहायक ज्ञान भी प्राप्त करना चाहते हैं। विद्या और जीविका को पाने के उद्देश्य से उत्साह पूर्वक आने वाले इन छात्रों को गंभीर होकर पढ़ाई-लिखाई में लग जाना चाहिए, किंतु बहुत बार ऐसा हो नहीं पाता। वे कुछ दिनों बाद निरुत्साहित और निरुद्देश्य से भटकते दिखाई देने लगते हैं, उनमें असंतोष पनपने लगता है।

शिक्षा का संबंध जीविका से बहुत अधिक जुड़ा हुआ है। अधिकतर विद्यार्थी जीविका पाने के उद्देश्य से शिक्षा प्राप्त करते हैं। इसलिए जब उन्हें अनुकूल शिक्षा नहीं मिल पाती या उचित शिक्षा नहीं मिल पाती तो उनमें आक्रोश पनपने लगता है, जिसे वे जिस-तिस रूप में व्यक्त करने लगते हैं। प्राचीन काल में शिक्षा व्यवसाय से जुड़ी हुई थी। अपने-अपने रुचि-कर्म के अनुसार सभी को शिक्षा दी जाती थी। परंतु आज अधिकांश विद्यार्थी बिना सोचे-समझे शिक्षा लेकर महाविद्यालय से बाहर आकर बेरोजगारों की पंक्ति में आ खड़े होते हैं। उनको देखकर अन्य छात्रों को अपने अनिश्चित भविष्य का भय घेरने लगता है और वह उन्हें कुछ कर गुजरने के लिए प्रेरित करता है। आज के व्यस्त, आपाधापी और स्वार्थी समाज में नैतिक गिरावट भी असंतोष बढ़ाने में सहायक है। जीवन और समाज के सभी क्षेत्रों में अनैतिकता और भ्रष्टाचार का बोलबाला साफ दिखाई दे रहा है। छात्र देख रहे हैं कि अयोग्य और अपात्र व्यक्ति अन्य राहों से प्रवेश पा रहे हैं, प्रगति करते जा रहे हैं और शक्ति प्राप्त कर रहे हैं और उनकी ओर वक्र मुस्कुराहट फेंक रहे हैं, तो उनकी कसमसाहट अनेक प्रकार से फूट पड़ती है।

CRPF (HCM) 22 Feb. 2023

1. **गद्यांश से किन तथ्यों का पता चलता है?**
   (a) गद्यांश में यह तथ्य निहित है कि शिक्षा-संस्थानों में प्रवेश के लिए शिक्षार्थियों को उचित मार्गदर्शन और आवश्यक रूप से नैतिकता की शिक्षा मिलनी चाहिए
   (b) इस तथ्य का पता चलता है कि केवल अयोग्य और अपात्र व्यक्ति भ्रष्टाचार से जीविकोपार्जन में सक्षम हो रहे हैं, अन्य सभी योग्य व्यक्ति बेरोजगार हैं
   (c) समाज में बेरोजगारी की समस्या नहीं है, यह पता चलता है
   (d) गद्यांश में यह तथ्य निहित है कि शिक्षा ग्रहण के पश्चात् छात्र अर्थार्जन में अयोग्य ही हो जाते हैं

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

2. उपर्युक्त गद्यांश के उचित सारांश का चयन कीजिये जिसमें सारांश-लेखन के आवश्यक गुण मौजूद हों।
   (a) उचित ज्ञान न होने से विद्यार्थी को शिक्षा संस्थानों में प्रवेश नहीं मिल पाता जिसके कारण उनमें कुंठा पनपती है। फिर वे कहीं भी काम नहीं कर सकते और असंतुष्ट हो जाते हैं।
   (b) आज के समय में विद्यार्थी ज्ञान के साथ-साथ जीविकोपार्जन के लिए ज्ञान प्राप्त करना चाहते हैं। इसके लिए वे बड़े उत्साह से शिक्षा संस्थानों में प्रवेश लेते हैं किन्तु जब उनका यह उद्देश्य पूर्ण होता नहीं दिखायी देता तब उनमें असंतोष पनपने लगता है। इस कसमसाहट के कई कारण हैं। संस्थानों में प्रवेश लेते समय वे उचित मार्गदर्शन नहीं लेते और किसी भी कोर्स में प्रवेश ले लेते हैं, अपनी रुचि और इच्छा के अनुसार शिक्षा न मिल पाने से वे उत्साह खो देते हैं। अनैतिकता और भ्रष्टाचार के कारण अपात्रों की प्रगति से भविष्य का भय उन्हें घेरने लगता है और उनमें असंतोष भर उठता है।
   (c) शिक्षा का संबंध जीविका से बहुत अधिक जुड़ा हुआ है। आजीविका न मिल पाने से उनको उचित मार्गदर्शन नहीं मिलता, उनमें असंतोष पनपने लगता है और उनका स्थान खो जाता है।
   (d) विद्यार्थी जीविकोपार्जन के लिए ज्ञान प्राप्त करना चाहते हैं। लेकिन शिक्षा संस्थानों में उनको ऐसी कोई शिक्षा नहीं मिल पाती जिससे उन्हें जीविकोपार्जन में मदद मिले। उनको सब जगह व्याप्त भ्रष्टाचार के कारण नौकरी भी नहीं मिलती, इसलिए उनमें बहुत असंतोष हो जाता है और वे गलत राह पर चल देते हैं।
3. गद्यांश के अनुसार छात्रों में असंतोष के क्या कारण हैं?
   (a) जीविका के साधनों की कमी, शिक्षा-साधनों की कमी
   (b) भविष्य का भय, मार्गदर्शन की कमी, अनैतिकता और भ्रष्टाचार
   (c) अयोग्य व्यक्ति की वक्र मुस्कुराहट और उनकी नैतिक गिरावट
   (d) कुछ कर गुजरने की प्रबल इच्छा, आपाधापी और स्वार्थी समाज
4. आज के समय में विद्यार्थी के लिए शिक्षा प्राप्ति का मूल उद्देश्य क्या है? सर्वोचित विकल्प का चयन करें।
   (a) ज्ञानार्जन के साथ-साथ जीविकोपार्जन के साधन प्राप्त करना
   (b) व्यावसायिक ज्ञान-प्राप्ति
   (c) उच्च ज्ञानार्जन करना
   (d) नैतिक गिरावट और असंतोष को नष्ट करना
5. किस वाक्य में, 'अनुकूल' शब्द का उचित प्रयोग किया गया है?
   (a) चलो! आज तो यह विद्यालय अनुकूल हो गया।
   (b) आज का काम तुम अनुकूल कर लो।
   (c) यह संस्थान मेरी रुचि के अनुकूल नहीं है।
   (d) यह अनुकूल टोकरी मेरी पसंद की है।

1.	(a)	2.	(b)	3.	(b)	4.	(a)	5.	(c)

गद्यांश-6

बीसवीं सदी के उत्तरार्द्ध में वैश्विक परिदृश्य तेजी से बदला है। आधुनिक काल में मानव सभ्यता विकास के नित नए सोपान पर पहुँचती जा रही है। विज्ञान के विकास के साथ औद्योगीकरण, नगरीकरण ने मानव सभ्यता को विकास के नये सोपान पर पहुँचाया। औद्योगीकरण ने पूँजीवाद को जन्म दिया। पूँजीवाद के प्रसार के साथ दुनिया में उपनिवेशवाद और साम्राज्यवाद को बढ़ावा मिला। दूसरी तरफ राजनीतिक चिन्तन में व्यक्तिवाद, उदारवाद के साथ लोकतंत्र का उदय भी आधुनिककाल की महत्त्वपूर्ण वैश्विक परिघटना है। राष्ट्र-राज्यों का उदय हुआ जिसका विकृत रूप प्रसारवाद के चलते साम्राज्यवाद में तबदील हो गया। बीसवीं शताब्दी के पूर्वार्द्ध में दो विश्व युद्ध इसकी चरम परिणति थे। दूसरी तरफ बीसवीं शताब्दी में ही मार्क्सवाद ने दुनिया के बड़े हिस्से का तंत्र ही बदल डाला। डार्विन के विकासवादी सिद्धान्त, फ्रायड के मनोविश्लेषण और मार्क्स के साम्यवाद ने आधुनिक मानव सभ्यता को अपने-अपने तरीके से गहरे रूप में प्रभावित किया।

CRPF (HCM) 22 Feb. 2023

1. 'उत्तरार्द्ध' का विलोम शब्द क्या होगा?
   (a) अर्द्ध (b) दक्षिणार्द्ध
   (c) संपूर्ण (d) पूर्वार्द्ध
2. पूँजीवाद किसका परिणाम है?
   (a) मवेशीकरण (b) कृषि
   (c) मनोविश्लेषण (d) औद्योगीकरण
3. आधुनिक काल की महत्त्वपूर्ण वैश्विक परिघटना नहीं है-
   (a) व्यक्तिवाद (b) उदारवाद
   (c) लोकतंत्र (d) सामंतवाद
4. राष्ट्र-राज्यों के प्रसार का विकृत रूप है-
   (a) साम्राज्यवाद (b) लोकतंत्र
   (c) सामंतवाद (d) मार्क्सवाद
5. 'सोपान' का अर्थ होता है-
   (a) शिखर (b) सरोवर
   (c) सीढ़ी (d) आकाश

1.	(d)	2.	(d)	3.	(d)	4.	(a)	5.	(c)

गद्यांश-7

'साहित्य के अध्ययन से हमको जहाँ एक ओर आनंद मिलता है, तो दूसरी ओर उसके जन्म स्थान की सभ्यता, संस्कृति, भाषा,

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

रहन-सहन आदि का परिचय भी मिल जाता है। इस प्रकार से साहित्य अपने समय का इतिहास होता है। इस इतिहास में कल्पना अवश्य होती है लेकिन उसमें निहित सत्य का सत्य होता है। समाज में जो कुछ घटित हो रहा है, या घटित हो सकता है, साहित्यकार उसी को अपने साहित्य में स्वर देता है। जो साहित्य समाज से जुड़ा नहीं होता, समाज की अवहेलना करता है, वह आगे चलकर स्वयं उपेक्षित हो जाता है।

साहित्य और समाज के पारस्परिक संबंधों को लेकर विद्वानों में दो प्रकार के वर्ग बन गए हैं। एक साहित्य की कलात्मकता को प्रमुखता देता है और कहता है कि कला, कला के लिए होनी चाहिए। समाज से उसका कोई लेना-देना नहीं है। दूसरा वर्ग साहित्य को समाज के प्रति उत्तरदायी मानता है और कहता है कि साहित्य समाज के लिए है। साहित्यकार यदि समाज की उपेक्षा कर साहित्य-रचना करता है तो आगे चलकर उसका साहित्य समाज शून्यालाप कहला सकता है। समाज को दृष्टि में रखकर लिखा गया साहित्य, समाज द्वारा आदर पाता है। ऐसा साहित्य अमर होता है। समाज सुरक्षा, भोजन, वस्त्र, आवास आदि की सुविधाएँ देता है, तभी साहित्यकार को कल्पना लोक में विचरण करने, सोचने और कहने-लिखने की प्रेरणा और सुविधा मिलती है। साहित्य समाज से कटकर जीवित नहीं रह सकता।'

CRPF (HCM) 22 Feb. 2023

1. **उपर्युक्त गद्यांश के उचित सारांश का चयन कीजिये जिसमें सारांश-लेखन के आवश्यक तत्व मौजूद हों-**
   (a) साहित्य समाज का इतिहास होता है जिसके अध्ययन से हमको खुशी मिलती है। किन्तु यदि साहित्य में कला का अभाव है तो वह कोई साहित्य नहीं है। ऐतिहासिक साहित्य एक दिन समाज से उपेक्षित हो जाता है और उसका कोई अस्तित्व नहीं रहता।
   (b) साहित्य के अध्ययन से हमको जहाँ एक ओर आनंद मिलता है वहीं कोई साहित्य समाज से कटकर तभी जीवित रह सकता है जब साहित्यकार समाज पर आश्रित न हो। साहित्य में कला को प्रमुखता देनी चाहिए तभी पढ़ने में आनंद आता है। साहित्यकार की उपेक्षा से समाज को भी उपेक्षित होना पड़ता है।
   (c) साहित्य के अध्ययन से हमको आनंद मिलता है, साथ ही तत्कालीन संस्कृति, भाषा आदि का ऐतिहासिक परिचय मिलता है। साहित्य और समाज परस्पर जुड़े होते हैं। साहित्य और समाज के पारस्परिक संबंधों के विषय में विद्वानों के दो वर्ग बन गए हैं जिसमें एक कलात्मकता को प्रमुखता देता है तो दूसरा साहित्य को समाज के प्रति उत्तरदायी मानता है। कोई रचना तभी अमर हो सकती है जब वह समाज को दृष्टि में रखकर लिखी गयी हो अन्यथा समाज उसे आदर नहीं देता, नकार देता है।
   (d) समाज में जो कुछ घटित हो रहा है या घटित हो सकता है, साहित्यकार को अपनी रचना में उसी को लिखना चाहिए। कलात्मक साहित्य को समाज उपेक्षित कर देता है और साहित्यकार की उपेक्षा। कोई साहित्यकार कल्पना लोक में रहकर ही साहित्य का सृजन नहीं कर सकता, उसके लिए उसे समाज पर आश्रित रहना होता है जो उसके भोजन, वस्त्र, आवास आदि की व्यवस्था करता है।
2. **गद्यांश से साहित्य के विषय में क्या-क्या जानकारी मिलती है?**
   (a) साहित्यकारों के दो वर्गों में विरोधाभास है।
   (b) साहित्य से आस-पास घट रही घटनाओं की झलक मिलती है, जिसमें तत्कालीन सामाजिक इतिहास की सत्य जानकारी निहित होती है।
   (c) साहित्य और समाज के पारस्परिक संबंधों को लेकर विद्वानों में दो प्रकार के वर्ग बन गए हैं।
   (d) साहित्य अमर होता है।
3. **गद्यांश में साहित्य से सम्बंधित कौन से तथ्य निहित हैं?**
   (a) गद्यांश में साहित्य से सम्बंधित यह तथ्य निहित है कि समाज साहित्यकार को सुरक्षा, भोजन, वस्त्र, आवास आदि की सुविधाएँ देता है। इसलिए साहित्यकार को समाज से जुड़ा रहना आवश्यक है।
   (b) गद्यांश में साहित्य से सम्बंधित यह तथ्य निहित है कि साहित्य दो वर्गों में विभाजित है।
   (c) गद्यांश में साहित्य से सम्बंधित यह तथ्य निहित है कि साहित्य समाज से कटकर जीवित नहीं रह सकता, जो साहित्य समाज से जुड़ा नहीं होता या समाज की अवहेलना करता है, वह एक दिन स्वयं उपेक्षित हो जाता है।
   (d) गद्यांश में साहित्य से सम्बंधित यह तथ्य निहित है कि यह समाज का दर्पण होता है, इसलिए समाज से अलग नहीं होता।
4. **गद्यांश के आधार पर साहित्य और समाज का वास्तविक जीवन में क्या सम्बन्ध है? सर्वोचित विकल्प का चयन करें-**
   (a) समाज, साहित्यकार को कल्पना लोक में विचरण करने का अवसर देता है, इसलिए साहित्य समाज से जुड़ा है।
   (b) साहित्य का अध्ययन आनंद के साथ-साथ समाज की सभ्यता, संस्कृति, भाषा, रहन-सहन आदि का परिचय भी देता है।
   (c) साहित्य के अध्ययन से आनंद मिलता है और समाज खुश रहता है।
   (d) साहित्य समाज के प्रति उत्तरदाई है इसलिए उसका अभिन्न अंग है।
5. **'उपेक्षा' के विलोमार्थी शब्द का चयन करें-**
   (a) परीक्षा (b) अभीक्षा
   (c) उत्प्रेक्षा (d) अपेक्षा

1.	(c)	2.	(b)	3.	(c)	4.	(b)	5.	(d)

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

गद्यांश-8

एक साधारण किसान से लेकर बड़े-बड़े विज्ञान वेत्ताओं तक की सफलता का मूल कारण परिश्रम ही है। जो कार्य बड़े कठोर, भयंकर दिखाई देते हैं, परिश्रम रूपी मंत्र से, उन सबके आगे असफलता का भूत टिक ही नहीं सकता। जो परिश्रम के लिए कमर कस लेता है, उसकी विजय होने में कोई संदेह नहीं रह सकता। सफलता रूपी विजय-शक्ति चाहे कहीं भी छिपी हो, उसे परिश्रमी व्यक्ति के पास आना ही पड़ता है। प्रभु भी परिश्रमी की ही सहायता करता है। पूरे मनोयोग से किया हुआ परिश्रम मनुष्य को अपने ध्येय तक पहुँचा देता है। गेहूँ आदि उपजाने के लिए किसान को कितना कठोर परिश्रम करना पड़ता है। इसी प्रकार ज्ञान और विज्ञान के कार्यों में भी परिश्रम का ही पूरा हाथ है। एक विज्ञानवेत्ता को नई खोज करने के लिए कितना परिश्रम करना पड़ता है; ना रात का पता, न दिन का, न भूख का, न प्यास का। जब उसे अपने कार्य में सफलता मिल जाती है तो उसके आनंद का ठिकाना नहीं रहता। विद्यार्थी जीवन की ओर दृष्टि दौड़ाएँ तो उसमें भी यही सार है। परीक्षा सर पर आती है तो परीक्षार्थी को कुछ नहीं सूझता। वह अपना सारा आराम और सुख की नींद छोड़कर, मस्तिष्क के द्वार खोलकर, कठिन परिश्रम के लिए कटिबद्ध हो जाता है। पूरे दिल से परिश्रम करके परीक्षा देता है। तब उसको आत्मविश्वास होता है कि उसके पास एक ऐसी कुंजी है जिसके द्वारा उसने सफलता रूपी मंदिर का द्वार खोल कर, उस अक्षय भंडार के दर्शन कर लिए हैं जो कि कभी कम नहीं होता। परिश्रम करने से उसमें से न जाने कितने अमूल्य रत्न प्राप्त हो सकते हैं। सचमुच इसी परिश्रम रूपी कुंजी को लेकर मनुष्य उस भव्य प्रासाद के ताले खोल सकता है जिस में न जाने कितनी अमूल्य निधियाँ भरी पड़ी हैं।

CRPF (HCM) 23 Feb. 2023

1. **गद्यांश में प्रयुक्त शब्द 'ध्येय' के पर्यायवाची का चयन कीजिए-**
   (a) परीक्षण (b) पद्धति
   (c) वंचना (d) लक्ष्य
2. **गद्यांश के केंद्रीय विषय की पहचान कीजिए-**
   (a) परिश्रम का सफलता से अटूट सम्बन्ध
   (b) आत्मविश्वास का सफलता से सम्बन्ध
   (c) विद्यार्थी जीवन का सार
   (d) जीवन के लिए साहस
3. **गद्यांश के लिए सर्वाधिक उपयुक्त शीर्षक का चयन करें-**
   (a) परिश्रम भव्य प्रासाद की कुंजी है
   (b) परिश्रम ही सफलता की कुंजी है
   (c) आत्मविश्वास का फल
   (d) वैज्ञानिक और किसान की सफलता का रहस्य
4. **किस उदाहरण में गद्यांश में प्रयुक्त शब्द 'कटिबद्ध' का उचित प्रयोग किया गया है?**
   (a) कठिन परिश्रम के लिए कटिबद्ध होकर ही सफलता प्राप्त होती है।
   (b) तुम कटिबद्ध लेकर सभी कार्य कर सकते हो।
   (c) परिश्रम के भव्य प्रासाद में कटिबद्ध रुपी निधियाँ भरी पड़ी हैं।
   (d) जब अपने कार्य में सफलता मिल जाती है तो व्यक्ति बिल्कुल कटिबद्ध हो उठता है।
5. **गद्यांश वास्तविक जीवन से किस प्रकार संबन्धित है?**
   (a) यह सत्य है कि एक विज्ञानवेत्ता को नई खोज करने के लिए खाना-पीना त्यागना पड़ता है।
   (b) गेहूँ आदि उपजाने के लिए किसान को कितना कठोर परिश्रम करना पड़ता है।
   (c) यह जीवन की वास्तविकता है कि अपने लक्ष्य को पाने के लिए परिश्रम के सिवा अन्य कोई रास्ता नहीं है।
   (d) यह केवल विद्यार्थी जीवन से सम्बंधित तथ्य है

1.	(d)	2.	(a)	3.	(b)	4.	(a)	5.	(c)

गद्यांश-9

मादक द्रव्य सेवन की प्रवृति हजारों वर्ष पुरानी है। अनुसंधान एवं वस्तु-निर्माण की शक्ति से युक्त मानव ने सभ्यता के विकास के साथ एक से बढ़कर एक उपयोगी चीजें खोज लीं, उपकरण बना लिए, वस्तुएँ निर्मित कर लीं। इसी क्रम में क्रमशः उन्होंने मादक द्रव्य ढूंढ निकाले एवं उनका प्रयोग करना सीख लिया। भारत के प्राचीन ग्रंथों में 'सोम' और 'सुरा' शब्द का उल्लेख इस बात का प्रमाण है कि वैदिक-पौराणिक कालीन भारतीय मादक द्रव्य से परिचित थे और विशेष अवसरों पर उसका सेवन करते थे। आज हम जब मादक द्रव्य सेवन की बात करते हैं तो हमारा अभिप्राय किसी सामान्य स्तर के अवसादहारी मादक द्रव्य से नहीं होता। आज ऐसे अनेक मादक द्रव्य बना लिए गए हैं जिनका सेवन मन, मस्तिष्क, शरीर तथा तंत्रिका प्रणाली पर तीव्र प्रभाव उत्पन्न करता है और प्रयोगकर्ता की अंतर्निहित शक्ति को क्रमशः हर लेता है। प्राचीन भारतवासियों के लिए सुरा पान बहुत बड़ी सामाजिक समस्या बना अथवा नहीं, यह अनुसंधान का विषय हो सकता है किन्तु आज जिन मादक द्रव्यों के सेवन में लोग फँस रहे हैं, वह निश्चय ही अत्यंत भयावह समस्या बनती जा रही है। यह न तो किसी एक देश की समस्या है, न एक दम नयी है, फिर भी जिस रूप में यह भारत में उभरी और बढ़ी है, वह किसी सीमा तक आयातित एवं नयी है। अभी कुछ वर्ष पूर्व तक स्थिति यह थी कि कुछ ही लोग मादक द्रव्य सेवन में रुचि लेते थे, शेष उससे मुक्त रहते थे। किशोर एवं युवा वर्ग के व्यक्ति प्रायः मादक द्रव्य सेवन से दूर ही रहते थे। किंतु आज पश्चिमी देशों की देखा-देखी भारतीय किशोरों-युवाओं में भी यह आदत तेजी से फैल रही है। दुख की बात यह है कि किशोर-किशोरी एवं युवक-युवती विशेष रूप से इनकी चपेट में आ रहे हैं। इस समस्या का सर्वाधिक प्रभाव महानगरों पर पड़ रहा है।

CRPF (HCM) 23 Feb. 2023

1. **उपर्युक्त गद्यांश में दिए तथ्यों के आधार पर भारतीय समाज में मादक द्रव्यों के बढ़ते सेवन के क्या कारण हैं?**

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

(a) महानगरों की व्यस्त जीवन-शैली के कारण भारतीय किशोरों-युवाओं में यह आदत तेजी से फैल रही है।
(b) मादक द्रव्यों के सेवन की बढ़ती लत किसी सीमा तक आयातित है और पश्चिमी देशों के अनुकरण में भारतीय किशोरों-युवाओं में यह आदत तेजी से फैल रही है।
(c) भारत के प्राचीन ग्रंथों में 'सोम' और 'सुरा' शब्द का उल्लेख इस बात का प्रमाण है कि वैदिक-पौराणिक कालीन भारतीय विशेष अवसरों पर उसका सेवन करते थे, इसीलिए आज भारतीय समाज में इसका सेवन बढ़ रहा है।
(d) मादक द्रव्य-सेवन की प्रवृत्ति हजारों वर्ष पुरानी है, इसलिए मादक द्रव्यों के सेवन की आदत आयातित एवं प्राचीन है।

2. **निम्न में से कौन-सा विकल्प 'समस्या' शब्द का पर्याय नहीं है?**
(a) परेशानी (b) समवाय
(c) कठिन स्थिति (d) प्रहेलिका

3. **उपर्युक्त गद्यांश के उचित सारांश का चयन कीजिये जिसमें सारांश-लेखन के आवश्यक गुण मौजूद हों-**
(a) सभ्यता के विकास के साथ अन्य उपयोगी वस्तुओं की खोज हुई तो मादक द्रव्य ढूंढ निकाले गए। भारतीय पौराणिक ग्रंथों में इनका उल्लेख भी मिलता है। मादक द्रव्य से अभिप्राय सामान्य स्तर के अवसादहारी मादक द्रव्य से न होकर मन, मस्तिष्क, शरीर तथा तंत्रिका प्रणाली पर तीव्र प्रहार कर शक्ति हीन बना देने वाले मादक द्रव्य से है। यह किसी एक देश की समस्या नहीं है किन्तु भारत में किशोर और युवाओं में इसकी लत तेजी से बढ़ रही है। पश्चिमी देशों की देखा-देखी, विशेष रूप से महानगरों में, भारतीय युवा इसका अंधाधुंध सेवन कर रहे हैं।
(b) मादक द्रव्य आयातित होते हैं। भारत में मादक द्रव्यों का सेवन पश्चिमी देशों के कारण बढ़ रहा है। प्राचीन काल से भारत में केवल पौराणिक लोग ही मादक द्रव्यों का सेवन करते थे।
(c) भारत के प्राचीन ग्रंथों में 'सोम' और 'सुरा' शब्द का उल्लेख इस बात का प्रमाण है कि वैदिक पौराणिक कालीन भारतीय मादक द्रव्य से परिचित थे और विशेष अवसरों पर उसका सेवन करते थे। आज युवा सुरा पान करते हैं।
(d) मादक द्रव्य सेवन की प्रवृत्ति हजारों वर्ष पुरानी है। प्राचीन भारतवासियों के लिए सुरा पान बहुत बड़ी सामाजिक समस्या बना अथवा नहीं, यह अनुसंधान का विषय है। आज किशोर-किशोरी एवं युवक-युवती विशेष रूप से इनकी चपेट में आ रहे हैं।

4. **उपर्युक्त गद्यांश से मादक द्रव्यों के विषय में क्या विशेष जानकारी मिलती है?**
(a) किशोर-किशोरी एवं युवक-युवती विशेष रूप से मादक द्रव्यों की चपेट में आ रहे हैं।
(b) मादक द्रव्यों के सेवन से मन, मस्तिष्क, शरीर तथा तंत्रिका प्रणाली पर तीव्र प्रभाव उत्पन्न होता है जो प्रयोगकर्ता की अंतर्निहित शक्ति को धीरे-धीरे समाप्त कर देता है।
(c) इस समस्या का सर्वाधिक प्रभाव महानगरों पर पड़ रहा है। कुछ वर्ष पूर्व तक स्थिति यह थी कि कुछ ही लोग मादक द्रव्य सेवन में रुचि लेते थे, शेष उससे मुक्त रहते थे।
(d) प्राचीन भारतवासियों के लिए सुरा पान बहुत बड़ी सामाजिक समस्या बना अथवा नहीं, यह अनुसंधान का विषय हो सकता है।

5. **गद्यांश में आज के जीवन की किस वास्तविक समस्या को उठाया गया है?**
(a) मादक द्रव्यों के उत्पादन की खोज पर
(b) भारतीय समाज में मादक द्रव्यों के बढ़ते सेवन की भयावह समस्या पर
(c) वैदिक-पौराणिक कालीन भारत में मादक द्रव्यों के सेवन के प्रभाव पर
(d) किशोर-किशोरियों और युवक-युवतियों की समस्याओं पर

1.	(b)	2.	(b)	3.	(a)	4.	(b)	5.	(b)

गद्यांश-10

नाटक साहित्य की वह विधा है जिसका परीक्षण रंगमंच पर होता है और रंगमंच युग विशेष की जनरुचि और तत्कालीन आर्थिक व्यवस्था के आधार पर निर्मित होता है। रंगमंचीय गत्यात्मकता ही नाटक का मूल मर्म है। नाटक की भाषा हरकत की भाषा होती है। अभिनय के लिए प्रयोग किये जाने वाले शब्द या वाक्य तभी सार्थक माने जाते हैं, जब वे कायिक, वाचिक, सात्विक एवं आहार्य अभिनय को उकसाते या प्रेरित करते हैं। दूसरी विधाओं में रचनाकार वर्णनात्मक, चित्रात्मक, एवं संगीतात्मक भाषा के जरिए ही विषयवस्तु को प्रकट करता है, किंतु नाटक में अभिनय के जरिए विषयवस्तु को प्रत्यक्ष घटित होते हुए दिखलाया जाता है। मध्ययुग के उत्तरार्द्ध में ब्रजभाषा हिंदी में भी कुछ ऐसे नाटक प्रणीत हुए जिनकी मूल प्रकृति तो काव्यपरक ही है, किंतु संवाद-शैली में रचे जाने के कारण उन्हें नाटक की संज्ञा दे दी गयी है। रामायण महानाटक (प्राणचंद चौहान), करुणाभरण (लछिराम), शकुंतला (नेवाज) आदि ऐसे ही नाटक हैं। मध्यकाल में लोकधर्मी नाट्य परम्पराएँ पूरे भारत में अनेक नाम रूपों में व्याप्त रही हैं। उत्तर भारत में 'रास' और 'नौटंकी', मध्यभारत और राजस्थान में 'ख्याल', गुजरात में 'भवाई', बिहार में 'कीर्तनिया' और 'अंकिया', दक्षिण में 'यक्षगान' के रूप में लोक नाट्य परंपरा बराबर जीवित रही है। भारतेंदु के अनुसार विशुद्ध नाटक रीति का

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

ध्यान रखकर हिंदी का सर्वप्रथम मौलिक नाटक 'नहुष' उनके पिता गोपालचंद (गिरधर दास) द्वारा सन् 1859 ई. में लिखा गया था। नया नाटक आजादी के बाद सपनों के क्रमशः टूटने से उत्पन्न विवशता और निराशा की संवेदना का नाटक है। यह उल्लेखनीय है कि सन् 1954-55 के बाद सामान्य शिक्षित जनमानस आंतरिक विघटन एवं घुटन का अनुभव करने लगा। मानव-मन में पलने वाली आशाएँ टूटीं, मोह भंग की स्थिति पैदा हुई। नयी पीढ़ी में कुंठा, वर्जना, घुटन, संत्रास, निराशाएँ एवं आशंका ने जन्म लिया। आजादी के बाद के नाटकों का मुख्य स्वर यही है।

CRPF (HCM) 23 Feb. 2023

1. **निम्न में से प्रदेश और उनकी नाट्य परम्पराओं का कौन-सा युग्म असुमेलित है?**
   (a) गुजरात - भवाई (b) उत्तर भारत - नौटंकी
   (c) दक्षिण - यक्षगान (d) राजस्थान - अंकिया
2. **नाटक विधा के संदर्भ में असत्य है-**
   (a) नाटक में अभिनय के लिए प्रयोग किये जाने वाले शब्द तभी सार्थक होते हैं जब वह अभिनय को प्रेरित करें।
   (b) नाटक साहित्य की वह विधा है जिसका परीक्षण रंगमंच पर होता है।
   (c) रंगमंचीय गत्यात्मकता ही नाटक का मूल मर्म है।
   (d) नाटक में रचनाकार वर्णनात्मक, चित्रात्मक एवं संगीतात्मक भाषा के जरिये विषयवस्तु को प्रकट करता है।
3. **नहुष नाटक के लेखक हैं-**
   (a) नेवाज (b) लछिराम
   (c) गिरधरदास (d) प्राणचंद चौहान
4. **'आहार्य अभिनय' का अर्थ है-**
   (a) नाटक में भावप्रवण अभिनय
   (b) नाटक में केवल वेश-भूषा के बल पर अभिनय
   (c) नाटक में संवादों की सुंदर ढंग से अदायगी
   (d) नाटक में अंग-संचालन द्वारा अभिनय
5. **'नये नाटकों' का मुख्य स्वर नहीं है-**
   (a) मानव मन में पलने वाली आशाओं की टूटन का प्रदर्शन।
   (b) मोह भंग की स्थिति का उद्घाटन।
   (c) नयी पीढ़ी में कुंठा, वर्जना, घुटन, संत्रास एवं उपजनेवाली आशंका का प्रस्तुतिकरण।
   (d) नारी सौंदर्य, देश-प्रेम और समाज की चिंता का उल्लेख।

1.	(d)	2.	(d)	3.	(c)	4.	(b)	5.	(d)

गद्यांश-11

धरती पर प्रदूषण बढ़ता जा रहा है। पर्यावरण के असंतुलित होने के अनेक घातक परिणाम होंगे जो धरती पर अनेक समस्याओं को जन्म देंगे। पहली समस्या है- ईंधन-लकड़ी या कोयले के दहन से वातावरण में कार्बन डाइऑक्साइड गैस की बढ़ती हुई मात्रा। यह धरती गर्म हो रही है। ऐसा अनुमान है कि इस शताब्दी के अंत तक तापमान 1.5 डिग्री से 4 डिग्री सेंटीग्रेड के बीच बढ़ जाएगा। इससे उत्तरी और दक्षिणी ध्रुवों की बर्फ पिघल जाएगी और समुद्र का जल स्तर इतना ऊँचा हो जाएगा कि समुद्र तटीय क्षेत्र जलमग्न हो जाएंगे और इसी के साथ उन भूखंडों की जीव संपदा पानी में डूब जाएगी।

दूसरी बड़ी समस्या है-अंटार्कटिका के ऊपर के आकाश में ओजोन की छतरी में छेद। यह हम सभी जानते हैं कि ओजोन की परत धरती के जीवों की रक्षा घातक अंतरिक्ष किरणों से करती है। पर क्लोरोफ्लोरोकार्बन के लगातार वातावरण में पहुँचने से ओजोन की परत झीनी होती जा रही है और यदि इसी गति से यह कार्बन मुक्त होकर वातावरण में मिलते रहे तो ओजोन की चादर घातक अंतरिक्ष कणों को रोक पाने में सर्वथा अशक्त हो जाएगी। परिणाम यह होगा कि पराबैंगनी किरणें धरती में प्रवेश कर जाएँगी। इससे चमड़ी का केंसर आम बात होगी। वनस्पतियों और जीव जंतुओं पर भी इसका घातक प्रभाव पड़ेगा। ग्लोबल वार्मिंग की इस समस्या को खत्म तो नहीं किया जा सकता किन्तु इसकी वृद्धि को रोक कर इसे सामान्य अवश्य किया जा सकता है। जैसे- जीवाश्म ईंधन को जलाना बंद करने से हानिकारक गैसें नहीं निकलेंगी। यदि हम अपने घरों और इमारतों को बिजली देने के लिए सौर-ऊर्जा और पवन-ऊर्जा का उपयोग करें तो इससे वातावरण में बहुत कम गर्म गैस उत्पन्न होगी।

CRPF (HCM) 24 Feb. 2023

1. **उपर्युक्त गद्यांश के उचित सारांश का चयन कीजिये जिसमें सारांश-लेखन के आवश्यक तत्व निहित हों।**
   (a) पर्यावरण का नुकसान होने से धरती का बड़ा नुकसान होता है। तमाम बीमारियां पैदा होती हैं। चमड़ी का केंसर हो जाता है। बर्फ पिघल जाती है हवा ठंडी नहीं चलती। पवन ऊर्जा का प्रयोग नहीं किया जा सकता और विद्युत ऊर्जा का संचालन नहीं हो सकता।
   (b) पर्यावरण असंतुलन से दो मुख्य समस्याएँ उत्पन्न होंगी, एकः धरती का गर्म होना, दूसरीः ओजोन की परत में छेद। धरती के गर्म होने के कारण कार्बन डाइऑक्साइड गैस की मात्रा बढ़ती है। इसके कारण उत्तरी और दक्षिणी ध्रुवों की बर्फ पिघल जाएगी और समुद्र का जल स्तर बढ़ने से आसपास के क्षेत्र जलमग्न हो जाएंगे और संपूर्ण जीव-संपदा पानी में डूब जाएगी। ओजोन की छतरी में छेद होने से अन्तरिक्षीय किरणों को रोक पाना बिल्कुल असंभव हो जाएगा और उसका घातक परिणाम यह होगा कि पराबैंगनी किरणों के कारण चमड़ी के केंसर जैसे अनेक रोग होने लगेंगे।
   (c) धरती पर अनेक समस्याएं पहले से ही हैं, जिसमें से दो समस्याएं और बढ़ गयीं। ओजोन की परत में छेद होने से त्वचा का केंसर हो जाएगा और जीवाश्म ईंधन जलाने के लिए नहीं बचेंगे, जिससे विद्युत ऊर्जा का उत्पादन रुक जाएगा। इमारतों में

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

विद्युत न रहने से सारे कामकाज ठप हो जाएंगे। इसलिए पर्यावरण का संतुलन वातावरण में जरूरी है।

(d) अंतरिक्ष में किरणों के कारण धरती पर बहुत सारी बीमारियां पैदा हो सकती हैं, धरती पर गर्मी बढ़ जाएगी जिससे बर्फ पिघल जाएगी और सब कुछ डूब जाएगा। जीव-सम्पदा डूबने से गरीबी का खतरा भी बढ़ेगा। जलाने के लिए जीवाश्म ईंधन भी नहीं मिलेंगे। वनस्पतियां और जीव जंतुओं की अनेक किस्में लुप्त हो जायेंगी।

2. **यह गद्यांश मुख्य रूप से वास्तविक जीवन से किस प्रकार सम्बन्ध रखता है?**
(a) गद्यांश में वैश्विक स्तर पर हो रहे पर्यावरण प्रदूषण के कारणों और जीवन को होने वाले घातक परिणामों को उजागर किया गया है।
(b) इसमें पृथ्वी के तापमान के बारे में बताया गया है।
(c) इसमें अन्तरिक्ष में हो रहे क्रिया-कलापों से सम्बंधित जानकारी है।
(d) इसमें जीवाश्म ईंधन और कार्बन डाइऑक्साइड गैस के प्रकारों की जानकारी मिलती है।

3. **गद्यांश में लेखक ने किन दो समस्याओं पर मुख्य रूप से प्रकाश डाला है?**
(a) मुख्य रूप से जीवाश्म ईंधन के दहन पर और अन्तरिक्ष किरणों के स्रोत की जानकारी पर
(b) मुख्य रूप से सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा से निर्मित विद्युत और अन्तरिक्ष की गैसों पर
(c) मुख्य रूप से धरती के लगातार गरम होने और ओजोन परत में छेद के कारण होने वाले घातक परिणामों पर
(d) मुख्य रूप से पेड़-पौधों और कार्बन डाइऑक्साइड गैस, हानिकारक गैस, ओजोन की परत, पवन-ऊर्जा इत्यादि के जीव-जंतुओं पर प्रभाव पर

4. **उस शब्द का चयन कीजिए जो 'चमड़ी' शब्द का पर्यायवाची नहीं है।**
(a) खाल (b) चाम
(c) चिपरी (d) त्वचा

5. **इस गद्यांश में निहित तथ्यों से लेखक का क्या उद्देश्य परिलक्षित होता है?**
(a) पर्यावरण से वैज्ञानिकों को सावधान करना
(b) पर्यावरण से सम्बंधित दो मुख्य समस्याओं का हल ढूँढना
(c) क्लोरोफ्लोरोकार्बन का उत्सर्जन और अन्तरिक्षीय व्यवधानों को रोकना
(d) अंटार्कटिका की बर्फ पिघलने की जानकारी देना

1.	(b)	2.	(a)	3.	(c)	4.	(c)	5.	(b)

गद्यांश-12

न जाने कब से मनुष्य के अंतर से 'रात दिन राट' निकलती रही; मैं अंधकार से घिर गया हूँ, मुझे प्रकाश की ओर ले चलो - 'तमसो मा ज्योतिर्मय।' परंतु यह पुकार शायद सुनी नहीं गई 'होत न श्याम सहाय।' प्रकाश और अंधकार की आँख-मिचौली चलती ही रही, चलती ही रहेगी। यह तो विधि का विधान है। कौन टाल सकता है इसे। किस दिन एक शुभ मुहूर्त में मनुष्य ने मिट्टी के दीये, रुई की बाती, चकमक की चिनगारी और बीजों से निकलने वाले स्नेह का संयोग देखा। अंधकार को जीता जा सकता है। दिया जलाया जा सकता है। घने अंधकार में डूबी धरती को आंशिक रूप में आलोकित किया जा सकता है। अंधकार से जूझने के संकल्प की जीत हुई। तब से मनुष्य ने इस दिशा में बड़ी प्रगति की है, पर वह आदिम प्रयास क्या भूलने की चीज है? वह मनुष्य की दीर्घकालीन कातर प्रार्थना का उज्ज्वल फल था। दीवाली याद दिला जाती है उस ज्ञानलोक के अभिनव अंकुर की, जिसने मनुष्य की कातर प्रार्थना को दृढ़ संकल्प का रूप दिया था- अंधकार से जूझना है, विघ्न-बाधाओं की उपेक्षा करके, संकटों का सामना करके इधर कुछ दिनों से शिथिल स्वर सुनाई देने लगे हैं। लोग कहते सुने जाते हैं- अंधकार महाबलवान है, उससे जूझने का संकल्प मूढ़ आदर्श मात्र है। सोचता हूँ, यह क्या संकल्प शक्ति का पराभव है? क्या मनुष्यता की अवमानना है? दीवाली आकर कह जाती है, अंधकार से जूझने का संकल्प ही सही यथार्थ है। मृगमरीचिका में मत भटको। अंधकार की सैकड़ों परत हैं, उससे जूझना ही मनुष्य का मनुष्यत्व है। जूझने का संकल्प ही महादेवता है। उसी को प्रत्यक्ष करने की क्रिया को लक्ष्मी की पूजा कहते हैं।

CRPF (HCM) 24 Feb. 2023

1. **इनमें मनुष्य की दीर्घकालीन कातर प्रार्थना का उज्ज्वल फल कौन-सा है?**
(a) अंधकार की हार और संकल्प।
(b) प्रकाश और अंधकार की आँख-मिचौली।
(c) अंधकार से जूझने के संकल्प की जीत।
(d) अंधकार से जूझने के संकल्प की मूढ़ता।

2. **'जूझना' का पर्यायवाची नहीं है -**
(a) संघर्ष करना (b) उलझना
(c) झगड़ना (d) जुझार

3. **किसमें मनुष्य का मनुष्यत्व है?**
(a) प्रकाश के साथ जाने में।
(b) देवी की पूजा करने में।
(c) विधि विधान को समझने में।
(d) अंधकार से जूझने में।

4. **गद्यांश की मूल संवेदना कौन-सी है?**
(a) अंधकार महाबलवान है, उससे जूझने का संकल्प मूढ़ आदर्श मात्र है।
(b) ज्ञानलोक का अंकुर अभिनव है।
(c) अँधेरे से जूझने का संकल्प ही महादेवता है।
(d) मैं अंधकार से घिर गया हूँ, मुझे प्रकाश की ओर ले चलो।

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

5. गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक का चयन कीजिए।
(a) संकल्प शक्ति का पराभव।
(b) दिवाली का महत्त्व।
(c) अंधकार से जूझने का संकल्प।
(d) अंधकार महाबलवान है।

1.	(c)	2.	(d)	3.	(d)	4.	(c)	5.	(c)

गद्यांश-13

हिंदी की आधुनिक कहानी अंग्रेजी साहित्य से हिंदी में आयी। पाश्चात्य देशों में एडगर एलन पो आधुनिक कहानी के जन्मदाताओं में प्रमुख माने जाते हैं। हडसन के अनुसार, लघु कहानी में केवल एक ही मूल भाव होता है। एलेरी ने कहानी की परिभाषा देते हुए उसकी सक्रियता पर अधिक बल दिया है। चंद्रधर शर्मा 'गुलेरी' की 'उसने कहा था' कहानी को मधुरेश ने शिल्प विधान के आधार पर हिंदी की पहली कहानी माना है। देवी प्रसाद वर्मा ने माधव सप्रे की कहानी 'एक टोकरी भर मिट्टी' को हिंदी की पहली मौलिक कहानी सिद्ध किया है। डॉ. बच्चन सिंह ने किशोरीलाल गोस्वामी की कहानी 'प्रणयिनी परिणय' को पहली कहानी माना है। नयी कहानी के विरोध में सचेतन कहानी नामक आंदोलन सामने आया। इसके प्रस्तावक डॉ. महीप सिंह ने कहा "नयी कहानी के अंदर जो अंतर्विरोध थे, उन्हें स्पष्ट करने के लिए और जीवन के प्रति जो सचेतन दृष्टि हम चाहते थे, जिसमें हम यह अनुभव करते थे कि जीवन को मात्र प्रदत्त वस्तु के स्तर पर नहीं जीना चाहिए, बल्कि सक्रियता से भोगना और जीना आज के मनुष्य की नियति है, उसे अपनी रचनाओं के माध्यम से हम रेखांकित करना चाहते थे।" जनवादी कहानी अपनी मूल प्रकृति में सामान्य जन के संघर्ष की पक्षधर है तथा उसका वैचारिक आधार मार्क्सवाद है। जनवादी कहानी का सर्वाधिक बल सर्वहारा तथा मध्यवर्ग द्वारा किये जा रहे शोषण विरोधी संघर्ष पर है। जनवादी कहानी की मूल प्रवृत्ति श्रमजीवी के प्रति सहानुभूति है।

CRPF (HCM) 24 Feb. 2023

1. देवी प्रसाद वर्मा ने किस कहानी को हिंदी की पहली कहानी स्वीकार किया है?
(a) प्रणयिनी परिणय (b) एक टोकरी भर मिट्टी
(c) इंदुमति (d) उसने कहा था
2. पाश्चात्य देश में कहानी के जन्मदाता स्वीकार किये जाते हैं-
(a) हडसन (b) एडगर एलन पो
(c) एलेरी (d) गुलेरी
3. जनवादी कहानी के विषय में असत्य है।
(a) जनवादी कहानी अपनी मूल प्रकृति में सामान्य जन के संघर्ष की पक्षधर है।
(b) जनवादी कहानी की मूल प्रवृत्ति श्रमजीवी के प्रति सहानुभूति है।
(c) जनवादी कहानी का वैचारिक आधार सार्त्र का अस्तित्ववाद है।
(d) जनवादी कहानी का सर्वाधिक बल सर्वहारा तथा मध्य वर्ग द्वारा किये जा रहे शोषण विरोधी संघर्ष पर है।
4. सचेतन कहानी के संदर्भ में असत्य है-
(a) नयी कहानी के अंदर अंतर्विरोधों को स्पष्ट करने के लिए यह आंदोलन चलाया गया।
(b) सचेतन कहानी के प्रस्तावक महीप सिंह हैं।
(c) सचेतन कहानी मानव जीवन को सक्रियता से भोगना और जीना मनुष्य की नियति मानती है।
(d) सचेतन कहानी जीवन को ईश्वर द्वारा प्रदत्त वस्तु की तरह जीने को अपनी रचनाओं में रेखांकित करती है।
5. निम्न में से संघर्ष का पर्यायवाची शब्द नहीं है-
(a) संग्राम (b) समर
(c) निर्वाण (d) स्पर्धा

1.	(b)	2.	(b)	3.	(c)	4.	(d)	5.	(c)

गद्यांश-14

आधुनिक सभ्यता में विज्ञान के बढ़ते प्रभाव, औद्योगीकरण और नगरीकरण के दुष्प्रभाव के प्रति चिन्ता व्यक्त की जाने लगी थी। साम्राज्यवाद, उपनिवेशवाद का जितना तेज प्रसार हुआ उतना ही तीखा प्रतिरोध भी। उन्नीसवीं शताब्दी में शक्तिशाली राष्ट्रों ने कमजोर राष्ट्रों को जितनी क्रूरता से गुलाम बनाया, बीसवीं शताब्दी में कमजोर राष्ट्रों ने शक्ति अर्जित कर उतनी ही मजबूती से स्वातंत्र्य के लिए संघर्ष किया और सफल हुए। द्वितीय विश्व युद्ध के उपरान्त संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना के बाद बीसवीं सदी के मध्य तक वैश्विक पटल पर राजनीतिक साम्राज्यवाद का खात्मा हुआ और अधिकांश स्वतंत्र राष्ट्रों का अभ्युदय हुआ। शीत दशकों में दुनिया विकास के नये रास्तों को खोजने लगी। बीसवीं शताब्दी के अन्तिम दशक तक आते-आते दुनिया में ऐसी अनेक क्रान्तिकारी चीजें हुई जिसने मानव-सभ्यता को एक नये दौर में पहुँचा दिया।

CRPF (HCM) 26 Feb. 2023

1. गुलाम राष्ट्रों के संघर्ष का केंद्रीय लक्ष्य था-
(a) स्वतन्त्रता (b) समानता
(c) न्याय (d) भाईचारा
2. 'अभ्युदय' का अर्थ होता है-
(a) चमत्कार (b) आविष्कार
(c) वृद्धि (d) ह्रास
3. वैश्विक स्तर पर राजनीतिक साम्राज्यवाद की समाप्ति कब हुई?
(a) बीसवीं सदी के उत्तरार्द्ध में
(b) इक्कीसवीं सदी के आरंभ में
(c) बीसवीं सदी के पूर्वार्द्ध में
(d) बीसवीं सदी के मध्य में
4. 'प्रसार' का विलोम शब्द क्या होगा?
(a) अभिसार (b) विस्तार
(c) निसार (d) संकोच
5. गद्यांश के संदर्भ में कौन सा कथन सही नहीं है?
(a) द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना हुई

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

(b) उपनिवेशवाद का सर्वत्र समर्थन हुआ
(c) बीसवीं सदी के अंतिम दशक में क्रांतिकारी परिवर्तन हुए
(d) विज्ञान के दुष्प्रभाव के प्रति चिंता व्यक्त हुई

1.	(a)	2.	(c)	3.	(d)	4.	(d)	5.	(b)

गद्यांश-15

महात्मा गाँधी की विचार पद्धति का व्यापक नाम गाँधीवाद है। मार्क्सवाद के समान कोई व्यवस्थित शास्त्रीय अध्ययन गाँधीवाद के पीछे नहीं है, इसी कारण उसमें किसी प्रकार की तर्कजन्य पद्धति का अभाव है। उसका आधार तर्क नहीं, स्वानुभूति है। इस विचार का प्रत्येक खंड आत्मशक्ति को लेकर चलता है। इसी कारण उसमें एक प्रकार की आध्यात्मिकता और विचार-स्वातंत्र्य है। गाँधीवाद को किशोरीलाल मशरूवाला ने तीन भागों में विभक्त किया है-वर्णव्यवस्था, ट्रस्टीशिप, विकेंद्रीकरण। वर्णव्यवस्था के अंतर्गत उन्होंने पारिश्रमिक की समानता का प्रस्ताव किया। ट्रस्टीशिप के अंतर्गत आत्मविश्वास के साथ समस्त प्राणिमात्र के कल्याण के लिए कार्य करना होता है। विकेंद्रीकरण के अंतर्गत उद्योगों का ही नहीं, राजसत्ता का भी विकेंद्रीकरण उनका अपना अभीप्सित था। गाँधीवाद की सबसे बड़ी देन उसकी यह विचारधारा है कि हमको साध्य के साथ-साथ साधन की पवित्रता का भी ध्यान रखना चाहिए। सर्वोदय गाँधी का सामाजिक आदर्श है। गाँधीवाद के मूल स्तंभ दो हैं, सत्य और अहिंसा। उन्होंने अहिंसा को सत्य का दूसरा पहलू कहा है। अहिंसा में प्रेम की संप्राप्ति भी है। यह प्रेम स्वार्थ, मोह, आसक्ति आदि से भिन्न होता है। इस अहिंसा में बैर-त्याग, चराचर प्रेम और पूर्ण निष्काम भाव का समन्वय है। ऐसी अहिंसा की प्राप्ति के लिए गाँधी ने आत्मशुद्धि को आवश्यक माना है और इसके लिए अहं के त्याग को अनिवार्य माना है। मार्क्सवाद के साम्यवाद के प्रति गाँधीजी का दृष्टिकोण सकारात्मक था किंतु इसका कारण था वर्गहीन समाज का आदर्श।

CRPF (HCM) 26 Feb. 2023

1. 'अभीप्सित' का अर्थ है-
(a) आविष्कार (b) इच्छा
(c) लालच (d) दृष्टिकोण

2. गाँधीजी के सामाजिक आदर्श सर्वोदय से क्या आशय है?
(a) सबकी उन्नति होना।
(b) विशिष्ट वर्ग का उत्थान होना।
(c) अमीरों द्वारा गरीबों को सहयोग प्रदान करना।
(d) सरकार द्वारा समाज कल्याण के लिए कार्य करना।

3. गद्यांश के अनुसार गाँधीवाद की समाज को सबसे बड़ी देन क्या है?
(a) सत्य एवं अहिंसा को हथियार के रूप में प्रयोग करने का सिद्धांत।
(b) ट्रस्टीशिप का सिद्धांत।
(c) अहं के त्याग का सिद्धांत।
(d) साध्य के साथ-साथ साधन की पवित्रता का भी ध्यान रखने का सिद्धांत।

4. गाँधीवाद के संदर्भ में असत्य है-
(a) यह महात्मा गाँधी की विचार पद्धति का व्यापक नाम है।
(b) गाँधीजी अहिंसा में घृणा एवं द्वेष के अभाव के साथ-साथ प्रेम की संप्राप्ति भी स्वीकारते हैं।
(c) मार्क्स के साम्यवाद के प्रति गाँधीजी का दृष्टिकोण नकारात्मक था।
(d) वर्णव्यवस्था, ट्रस्टीशिप तथा विकेंद्रीकरण गाँधीवाद के तीन अवयव हैं।

5. गाँधीवाद और मार्क्सवाद में समानता परिलक्षित होती है-
(a) स्वानुभूति के आधार पर।
(b) वर्गहीन समाज के आदर्श के आधार पर।
(c) विचारधारा के पीछे व्यवस्थित शास्त्रीय अध्ययन होने के आधार पर।
(d) आध्यात्मिकता एवं विचार-स्वातंत्र्य के आधार पर।

1.	(b)	2.	(a)	3.	(d)	4.	(c)	5.	(b)

गद्यांश-16

गाँधीजी चलती-फिरती कक्षा भी लगाया करते थे। अपने छोटे-छोटे लड़कों को घर पर पढ़ाने के लिए गाँधी जी समय नहीं निकाल पाते थे, इसलिए दफ्तर जाते समय बच्चे अपने बापू के साथ हो लेते थे। वह प्रतिदिन पाँच मील पैदल चलते-चलते कहानी के रूप में गुजराती साहित्य, कविता और अन्य विषयों का ज्ञान प्राप्त किया करते थे। बच्चों को स्कूल भेजने के सवाल पर झंझट उठ खड़ा हुआ था। अंग्रेजों के स्कूल में भारतीय बच्चों को दाखिला नहीं मिलता था। गाँधी जी को विशेष छूट मिल सकती थी किंतु जो उनके सब भारतीय भाइयों को ना मिले उन्होंने ऐसी सुविधा नहीं ली। गाँधी जी अपने बच्चों को अंग्रेजी स्कूलों में भेजकर मातृभाषा के बजाय अंग्रेजी और अंग्रेजियत नहीं सिखाना चाहते थे। कुछ दिनों के लिए एक अंग्रेज महिला ने उनके बच्चों को अंग्रेजी पढ़ायी और बाकी विषय उन्होंने खुद पढ़ाये। अपने घर में रहने वाले अंग्रेज मित्रों तथा आने-जाने वालों के संपर्क में उनके बच्चों ने अंग्रेजी बोलने का अच्छा अभ्यास कर लिया था। फिनिक्स में गाँधी जी ने आश्रम वासियों के बच्चों के लिए एक पाठशाला खोली। गाँधी जी स्वयं उसके प्रधान शिक्षक थे और अन्य साथी सहशिक्षक। गाँधी जो काम स्वयं नहीं कर पाते थे उसे दूसरों को करने का उपदेश नहीं देते थे। उनकी मान्यता थी कि जो शिक्षक स्वयं भीरु और अनियमित होगा वह विद्यार्थियों को साहस और नियम पालन नहीं सिखा पाएगा। शिक्षक को अपने विद्यार्थियों के समक्ष आदर्श रूप होना चाहिए। उन्हें जब भी समय मिलता, वे बहुत कुछ पढ़ डालते और कोई नई बात सीख लेते थे। पैंसठ साल की आयु में जेल में रहते हुए उन्होंने पहली बार आकाश में ग्रह नक्षत्रों को पहचानना सीखा था।

CRPF (HCM) 26 Feb. 2023

1. दिया गया गद्यांश किस प्रकार वास्तविक जीवन से सम्बन्धित है?

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

(a) अंग्रेजी भाषा और अंग्रेजियत का आना जीवन के लिए बहुत आवश्यक है
(b) विदेशी भाषा को घर पर रहकर ही सीखना चाहिए, घर पर ही सब कार्यों को करना चाहिए
(c) वास्तविक जीवन में शिक्षक का अपने विद्यार्थियों के सामने आदर्शवादी बनना बिल्कुल आवश्यक नहीं है।
(d) अपने कार्यों में सक्षम होना, सामाजिक समभाव और उच्च आदर्शों का पालन करने वाले शिक्षक, ये सभी जीवन के वास्तविक आधार हैं

2. **गद्यांश में प्रयुक्त शब्द 'समक्ष' के विलोमार्थी-युग्म शब्द का चयन कीजिए।**
(a) प्रत्यक्ष (b) अन्यत्र
(c) परोक्ष (d) तत्र

3. **गद्यांश में प्रयुक्त शब्द 'भीरु' के पर्यायवाची का चयन कीजिए।**
(a) कायर (b) आलसी
(c) कामचोर (d) उग्र

4. **दिए गए गद्यांश किस विषय पर केन्द्रित है?**
(a) गाँधी जी की चलती-फिरती पाठशाला
(b) गाँधी जी का अंग्रेजी शिक्षा ग्रहण में विशवास
(c) गाँधी जी का आदर्शों पर आधारित शिक्षा में विश्वास
(d) गाँधी जी का मातृभाषा की शिक्षा में विश्वास

5. **गद्यांश में कौन-कौन से मुख्य तथ्य निहित हैं?**
(a) चलती-फिरती पाठशाला चलाना चाहिए
(b) बच्चों को अंग्रेजी की शिक्षा घर में ही देनी चाहिए
(c) पाठशाला खोलनी चाहिए जिसमें विद्यार्थी नियम से पढ़ सकें
(d) व्यक्ति को समय का सदुपयोग करना, जीवन-आदर्शों का पालन करना और अपने कार्यों में पहले स्वयं सक्षम होना चाहिए

1.	(d)	2.	(c)	3.	(a)	4.	(c)	5.	(d)

गद्यांश-17

खंडकाव्य प्रबंध कविता का ही दूसरा प्रकार है। संस्कृत में रूद्रट ही पहले ऐसे आचार्य हैं जिन्होंने काव्य को प्रबंध एवं खंड में बाँटा तथा उन दोनों के अंतर को स्पष्ट करना चाहा है। उनके अनुसार महाकाव्य में एक ओर तो एक से अधिक फलों की और दूसरी ओर एक से अधिक रसों की भी व्यवस्था हो सकती है, किंतु लघुकाव्य यानी खंडकाव्य में ऐसी कोई गुंजाइश नहीं होती। खंडकाव्य में तो एक ही फल और एक ही रस को देखा जाता है। आचार्य विश्वनाथ के अनुसार खंडकाव्य में किसी एक प्रधान घटना का वर्णन होता है, उसमें जीवन के किसी एक पक्ष को लेकर कथा चलती है। खंडकाव्य की सफलता जिन तत्त्वों पर निर्भर करती है वह हैं – संक्षिप्त आकार, जीवन-खंड को ही लक्ष्य में रखना इसलिए संक्षिप्त कथानक, कथा-संगठन में अधिक से अधिक प्रभावान्विति, चरित्र के भावाभिव्यंजन पक्ष पर बल, जीवन के किसी न किसी सत्य को उद्घाटित करने की क्षमता, वस्तु की अपेक्षा भाव-बंध पर बल आदि। प्राचीन हिंदी की कुछ 'रासो' रचनाएँ इस विधा की आरम्भिक रचनाएँ हैं। इनमें अब्दुल रहमान का 'संदेश रासक', नरपति नाल्ह का 'बीसलदेव रासो' आदि के नाम गिनाये जा सकते हैं। इनमें कलात्मकता का अभाव है, फिर भी 'संदेश रासक' को विशेष रूप से खंडप्रबंध कविता की पहली रचना कहा जा सकता है। गोस्वामी तुलसीदास कृत 'पार्वती मंगल' और 'जानकी मंगल' उल्लेखनीय खंडकाव्य हैं। नई कविता धारा में अनेक खंडकाव्य मिलते हैं, जिनमें 'संशय की एक रात' (नरेश मेहता), 'आत्मजयी' (कुँवर नारायण) आदि विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं।

CRPF (HCM) 27 Feb. 2023

1. **'संदेश रासक' के संदर्भ में असत्य है-**
(a) यह खंड प्रबंध की रचना है।
(b) विद्वानों द्वारा इसे खंडकाव्य की प्रथम रचना स्वीकार किया गया है।
(c) इसकी रचना अब्दुल रहमान ने की है।
(d) कलात्मकता की दृष्टि से यह उच्च कोटि का काव्य है।

2. **तुलसीदास कृत खंडकाव्य है-**
(a) आत्मजयी (b) बीसलदेव रासो
(c) संशय की एक रात (d) जानकी मंगल

3. **खंडकाव्य की सफलता के लिए आवश्यक तत्त्व निम्न में से नहीं है-**
(a) सम्पूर्ण जीवन वृत्त को लक्ष्य में रखकर रचा गया कथानक
(b) कथा संगठन में अधिक से अधिक प्रभावांविति
(c) जीवन के किसी न किसी सत्य को उद्घाटित करने की क्षमता
(d) चरित्र के भावाभिव्यंजन पक्ष पर बल

4. **'गुंजाइश' का अर्थ है-**
(a) भावना (b) परिस्थिति
(c) संभावना (d) बल

5. **रूद्रट एवं विश्वनाथ के द्वारा बताए गए महाकाव्य और खंडकाव्य में अंतर के विषय में सत्य है।**
(a) खंडकाव्य में एक ही रस तथा एक ही फल की उद्भावना होती है जबकि महाकाव्य में अनेक।
(b) खंडकाव्य में जीवन की अनेकरूपता और विविधता उपस्थित रहती है जो कि प्रबंधकाव्य में नहीं मिलती।
(c) महाकाव्यों में एक से अधिक फलों की व्यवस्था नहीं हो सकती है जबकि खंडकाव्य में हो सकती है।
(d) महाकाव्य में एक से अधिक रसों की व्यवस्था नहीं हो सकती जबकि खंडकाव्य में हो सकती है।

1.	(d)	2.	(d)	3.	(a)	4.	(c)	5.	(a)

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

गद्यांश-18

पत्र साहित्य का महत्त्व इसलिए है कि उसमें पत्र लेखक अपेक्षाकृत मुक्त होकर अपने को व्यक्त करता है पत्रों को दो कोटि में बाँट सकते हैं। एक तो निजी पत्र, जो प्रकाशन के उद्देश्य से नहीं लिखे जाते और दूसरे ऐसे पत्र, जो पत्र होते हुए भी वास्तव में साहित्यिक कृति के रूप में लिखे तथा प्रकाशित किये जाते हैं। इनकी सुदृढ़ परंपरा की शुरुआत बालमुकुंद गुप्त द्वारा शिवशंभु के छद्म नाम से लिखे गये 'चिट्ठे' और 'भारत मित्र' में प्रकाशित पत्रों की लोकप्रियता से होती है। तत्कालीन वायसराय लार्ड कर्जन के नाम लिखे गये शिवशंभु के चिट्ठों ने तो उस समय के पाठकों में तहलका मचा दिया था। इन चिट्ठों में देश के सर्वोच्च शासक, वायसराय की बड़ी तीव्र आलोचना की गयी थी। वैयक्तिकता पत्र-साहित्य की मूलभूत विशेषता है। पत्र, वस्तुस्थिति के सूचक, ज्ञातव्य के प्रकाशक और अभिप्रेत के वाहक भी होते हैं। महापुरुषों की प्रामाणिक जीवनियों के लेखन में भी उनके जीवन, युग और विचारों पर प्रकाश डालने में सहायक पत्रों को उद्धृत किया जाता है। पिछले तीस वर्षों में कुछ विशिष्ट साहित्यकारों के महत्त्वपूर्ण पत्र-संग्रह प्रकाशित हुए हैं। इनमें चिट्ठी पत्री, दो खंड (1962 ई.) सं. अमृतराय, (प्रेमचंद के पत्रों का संग्रह), फाइल और प्रोफाइल (1968 ई.) (साहित्यकारों के 'उग्र' के नाम पत्र) और निराला के पत्र (1971 ई.) सं. जानकी वल्लभ शास्त्री आदि पत्र संग्रह महत्त्वपूर्ण हैं।

CRPF (HCM) 27 Feb. 2023

1. **पत्र का पर्यायवाची शब्द निम्नलिखित में से कौन-सा नहीं है?**
   (a) पाती (b) पण
   (c) चिट्ठी (d) खत

2. **पत्र साहित्य के संदर्भ में क्या असत्य है?**
   (a) पत्र ज्ञातव्य के प्रकाश होते हैं।
   (b) पत्र लेखक के अभिप्रेत को वहन करने में अक्षम होते हैं।
   (c) वैयक्तिकता पत्र-साहित्य की मूलभूत विशेषता है।
   (d) पत्र वस्तुस्थिति के सूचक होते हैं।

3. **बालमुकुंद गुप्त द्वारा शिवशंभु के छद्म नाम से लिखे गए चिट्ठे का मूल स्वर क्या था?**
   (a) अपनी व्यक्तिगत समस्याओं का उद्घाटन करना।
   (b) महापुरुषों के जीवन, युग और विचारों पर प्रकाश डालना।
   (c) तत्कालीन वायसराय की कटु आलोचना करना।
   (d) तत्कालीन साहित्यिक बंधुओं पर व्यंग्य करना।

4. **'चिट्ठी पत्री' किसके पत्रों का संग्रह है?**
   (a) निराला (b) उग्र
   (c) अमृतराय (d) प्रेमचंद

5. **गद्यांश के अनुसार पत्र-साहित्य का महत्त्व किस कारण से अन्य विधाओं की अपेक्षा अधिक है?**
   (a) पत्र लेखक पत्र में अपनी कल्पना शक्ति को खुलकर प्रस्तुत कर सकता है।
   (b) पत्र लेखक अपने पत्रों में नाटकीयता और काव्यात्मकता का चमत्कार दिखाता है।
   (c) पत्र के माध्यम से लेखक के जीवन की कठिनाइयों और मानसिक द्वंद्व को समझा जा सकता है।
   (d) पत्र लेखक पत्र लेखन में अपेक्षाकृत मुक्त होकर अपने को व्यक्त करता है।

1.	(b)	2.	(b)	3.	(c)	4.	(d)	5.	(d)

गद्यांश-19

शरीर के साथ श्रम आवश्यक है। यह इसलिए नहीं कि शरीर स्वस्थ रहे, बल्कि इसलिए कि शरीर जीवित रहे। शरीर को चालू रखने के लिए अपने परिश्रम से पदार्थों को उत्पन्न करना होगा। दूसरे ने हमारे लिए जो परिश्रम किया है, अब केवल उसके सहारे जीवित रहने का अधिकार नया समाज नहीं मानेगा। बाप-दादों के पुश्तैनी पैसों से जीवित रहने की बुरी सुस्त आदत हमने हजारों वर्षों से सीख ली है। उसने न केवल हमारे शरीर को निकम्मा बनाया है, बल्कि हमारे मन को बुरे लालच का गुलाम बना दिया है। किसी भले मानव के लिए यह लज्जा की बात होनी चाहिए कि वह उससे अपना पेट भरे जिसके लिए उसने स्वयं परिश्रम नहीं किया है। श्रम के आवश्यक नियम के अभाव में मजदूर-मालिक, गरीब-अमीर, सेठ-आसामी के चुभते हुए भेदों के शिकार हो गए हैं। इनसे अपना पिंड छुड़ाना मुश्किल पड़ रहा है। यदि हम सभी आदिम मानव की तरह आवश्यक कायिक श्रम से उपार्जित भाग को ही ईमानदारी से अपना मानते होते तो दूसरों का पसीना बहाकर अमीर बनने का मानसिक कोढ़ हमें न हुआ होता। अमीरी या धन का एक जगह संचय समाज का पील पाँव रोग है। धन जब एक जगह संचित होता है तो दूसरी जगह अभाव उत्पन्न करता है। श्रम की नींव पर बनने वाला जीवन भीतर से संतोष देता है। आर्थिक बंटवारे को न्यायपूर्ण बनाता है। ईर्ष्या, लोभ, बेईमानी, काहिली जैसी बुराइयों से लोगों को बचाता है।

CRPF (HCM) 27 Feb. 2023

1. **प्रस्तुत अनुच्छेद के लिए उपयुक्त शीर्षक चयन कीजिए।**
   (a) आत्मनिर्भरता
   (b) श्रम की महत्ता
   (c) स्वस्थ जीवन के लिए विकृत चिंताधारा
   (d) श्रम नहीं, निर्भरशीलता आवश्यक है

2. **दिए गए अनुच्छेद का सारांश बताइए-**
   (a) हम श्रम के आवश्यक नियम पालन कर अमीर बनने के लिए परिश्रम करें और उपार्जित धन को मनमाने ढंग से खर्च करें।
   (b) शरीर को स्वस्थ रखने के लिए अधिकाधिक विश्वास की जरूरत है। खुद कम परिश्रम करके दूसरों के पैसों से जीवन बिताना उचित है।

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

(c) जीवन को केवल स्वस्थ और जीवित बनाए रखने के लिए श्रम बहुत जरूरी है। दूसरों के परिश्रम पर जीने वाला व्यक्ति निकम्मा और लालची होता है। श्रम से ही जीवन संतोषप्रद होता है।
(d) हमें मजदूर-मालिक, अमीर-गरीब में अंतर की पहचान कर बाप-दादों के पुश्तैनी पैसों से विलासी जीवन व्यतीत करना चाहिए।

3. **हमने सैकड़ों साल से क्या सीख लिया है?**
(a) अपने शरीर को निकम्मा बनाकर बुरी लालच का गुलाम बनना हमने सैकड़ों साल से सीख लिया है।
(b) बाप-दादों के पुश्तैनी पैसों से जीवित रहने की बुरी सुस्त आदत हमने सीख ली है।
(c) हमने सैकड़ों साल से सीख लिया है, दूसरों के श्रम के पैसे लूटकर अमीर बनना।
(d) हमने सीखा है, शरीर को स्वस्थ रखने के लिए स्वादिष्ट पदार्थों को खाना।

4. **श्रम का जीवन कैसा होता है?**
(a) श्रम का जीवन व्यक्ति को गुलाम बना देता है। वह हमेशा दूसरे पर निर्भर करता है।
(b) श्रम के जीवन से व्यक्ति मजदूर-मालिक, गरीब अमीर का अंतर समझ पाता है।
(c) श्रम से लोग बीमार ग्रस्त हो जाते हैं।
(d) श्रम का जीवन संतोषप्रद और न्यायप्रद होता है और यह बुराइयों से लोगों की रक्षा करता है।

5. **'जो कई पीढ़ियों से चला आ रहा है।'**
उपर्युक्त अनेक शब्दों के लिए कौन-सा शब्द इस अनुच्छेद में प्रयुक्त है?
(a) नींव (b) काहिली
(c) पुश्तैनी (d) कायिक

1.	(b)	2.	(c)	3.	(b)	4.	(d)	5.	(c)

गद्यांश-20

विद्यार्थियों में अनेक बुराइयाँ कुसंगति के प्रभाव से ही उत्पन्न होती हैं। जो विद्यार्थी पहले पढ़ाई में खूब रुचि लेता था, किंतु अब सिनेमा देखने में मस्त रहता है। निश्चित ही यह कुसंगति का प्रभाव है। शुरू में उसे कोई विद्यार्थी सिनेमा दिखाना प्रारंभ करता है, बाद में उसे सिनेमा देखने की आदत पड़ जाती है। यही हालत धूम्रपान करने वालों की होती है। जब उन्हें धूम्रपान की आदत पड़ जाती है, तब वह छूटने का नाम तक नहीं लेती। प्रारंभ में कुछ लोग शौकिया तौर पर बीड़ी-सिगरेट पीना प्रारंभ कर देते हैं। अंत में उसके आदी बन जाते हैं और लाख यत्न करने पर भी इससे पीछा नहीं छुड़ा पाते। इसीलिए तो पं रामचंद्र शुक्ल ने कहा था कि कुसंग का ज्वर सबसे भयानक होता है। वह न केवल मान-मर्यादा का नाश करता है, बल्कि सात्विक चित्तवृत्ति को भी नष्ट कर देता है। जो भी कभी कुसंग के चक्कर में फँसा है, नष्ट हुए बिना नहीं रहा। कुमार्गगामी दूसरे को अपने जैसा बना लेता है।

CRPF (HCM) 28 Feb. 2023

1. **पं रामचंद्र शुक्ल के कथनानुसार..........।**
(a) कुसंग से व्यक्ति की हानि कम होती है।
(b) कुसंग का ज्वर भयानक होता है।
(c) विद्यार्थियों में बुराइयाँ कुसंगति से होती है।
(d) विद्यार्थी अपनी मान-मर्यादा नष्ट करके सिनेमा देखते हैं और सिगरेट पीते हैं।

2. **मन के भाव, मन की अवस्था को सूचित करने के लिए कौन सा शब्द प्रयुक्त है?**
(a) कुसंगति (b) शौकिया
(c) चित्तवृत्ति (d) सात्विक

3. **इस अवतरण का सारांश बताइए-**
(a) सुसंगति और कुसंगति एक मुद्रा के दो पहलू हैं। विद्यार्थी कुसंगति की ओर ज्यादा रुचि रखते हैं, सुसंगति की ओर कम।
(b) कुसंगति से विद्यार्थी कुमार्गगामी हो जाते हैं। उसमें सारी बुराइयाँ घर कर लेती हैं। इससे मान-मर्यादा और सात्विक मनोभाव नष्ट हो जाता है।
(c) विद्यार्थियों पर कुसंगति का प्रभाव थोड़ा बहुत पड़ता है। वे सिनेमा देखते हैं, धूम्रपान करते हैं और कुछ अच्छी आदतों को भी अपनाते हैं।
(d) विद्यार्थी अपने जीवन में अच्छे बुरे कार्यों में लिप्त रहते हैं। उन्हें कुसंगति से सुसंगति अच्छी लगती है।

4. **इस अवतरण का उचित शीर्षक चुनिए।**
(a) जीवन में आधुनिकता का महत्व
(b) सात्विक चित्तवृत्ति
(c) सुसंगति और कुसंगति
(d) विद्यार्थियों पर कुसंगति का प्रभाव

5. **विद्यार्थियों में किसके कारण बुराइयाँ उत्पन्न होती हैं?**
(a) कुसंगति के प्रभाव के कारण
(b) सुसंगति के प्रभाव के कारण
(c) सात्विक चित्तवृत्ति के प्रभाव के कारण
(d) मान-मर्यादा के प्रभाव के कारण

1.	(b)	2.	(c)	3.	(b)	4.	(d)	5.	(a)

गद्यांश-21

स्वतंत्रता अपने-आप में निरपेक्ष नहीं है। एक सीमा पार कर जाने के बाद स्वतंत्रता स्वेच्छाचारिता और उच्छृंखलता में बदल जाती है। एक व्यक्ति को धन कमाने की स्वतंत्रता है, पर काले बाजार की अथवा लूटने की स्वतंत्रता नहीं है। हम एक पागल को मोटर चलाने की स्वतंत्रता नहीं दे सकते, जबकि एक सामान्य नागरिक को, जो मोटर चलाना जानता है उसे मोटर चलाने का आज्ञा-पत्र प्राप्त करने में कोई कठिनाई नहीं होती। हमको लाउडस्पीकर पर गाने की स्वतंत्रता है, किंतु हमारे गाने से हमारे पड़ोसी के सोने की स्वतंत्रता नष्ट नहीं होनी चाहिए। हमें यह स्मरण रखना चाहिए कि हर स्वतंत्रता के साथ एक दायित्व का प्रश्न जुड़ा हुआ है।

CRPF (HCM) 01 Mar. 2023

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

1. उपर्युक्त अवतरण के लिए उपयुक्त शीर्षक चुनिए।
(a) स्वतंत्रता की सीमाएँ
(b) व्यक्ति की मनोवृत्ति
(c) स्वतंत्रता का दुरुपयोग
(d) वैयक्तिक और सामूहिक स्वतंत्रता में अंतर

2. इस अवतरण में 'सापेक्ष' शब्द के लिए कौन-सा विलोम शब्द प्रयोग हुआ है?
(a) निरपेक्ष (b) स्वेच्छाचार
(c) स्मरण (d) आज्ञा-पत्र

3. इस अवतरण का सारांश कौन से विकल्प में है?
(a) स्वतंत्रता सभी को दी जा सकती है। वह कोई भी काम अपनी इच्छा से कर सकता है चाहे इससे दूसरों की हानि क्यों न हो।
(b) स्वतंत्रता बहुमूल्य और सापेक्ष है। इसमें व्यक्ति को अच्छे काम करने की स्वतंत्रता मिलती है पर बुरे काम करने की नहीं। हमें स्वतंत्रता की मर्यादा अक्षुण्ण रखनी चाहिए।
(c) स्वतंत्रता स्वयं निरपेक्ष है। इसमें स्वेच्छाचारिता और उच्छृंखलता को महत्त्व दिया जाता है।
(d) हम सदैव अपनी स्वतंत्रता पर ध्यान दें। देश की स्वतंत्रता हमारी स्वतंत्रता नहीं है। दूसरों को बाधा देने में हम स्वतंत्र हैं।

4. समय आने पर स्वतंत्रता कैसे बदल जाती है?
(a) दूसरों पर अत्याचार कर खुद खुशी से रहने में
(b) दूसरों को शांति और सुख प्रदान कर
(c) स्वेच्छाचारिता और उच्छृंखलता में
(d) स्वयं अनुशासित और नियंत्रित होकर जीवन बिताने में

5. हमें क्या स्मरण रखना चाहिए?
(a) दूसरे की स्वतंत्रता में बाधक बनना।
(b) हर स्वतंत्रता के साथ उत्तर-दायित्व जुड़ा रहना
(c) काले बाजारी करने का दायित्व देना।
(d) हर पागल को मोटर-गाड़ी चलाने का दायित्व सौंपना।

1.	(a)	2.	(a)	3.	(b)	4.	(c)	5.	(b)

गद्यांश-22

प्रेम मार्गी शाखा के प्रमुख कवि मलिक मोहम्मद जायसी संसार से इतने विरक्त नहीं थे। वह लोक तथा परलोक दोनों की साधना चाहते थे। उन्होंने अपने 'पद्मावत' में मसनवी परंपरा के अनुकूल शेरशाह की वंदना की है, जो हुमायूँ को हराकर दिल्ली की गद्दी पर बैठा था। वह बहुत वीर योद्धा था। प्रेम की भावना बहुत प्रबल होने के कारण, उन्होंने प्रेम को ईश्वर का पीर माना। उन्होंने अलौकिक प्रेम गाथाओं के रूपक द्वारा परमार्थिक प्रेम की साधना की है। पद्मावती की प्रेम कथा, जो पृथ्वीराज रासो में वीर रस से आश्रित गौण सी है, वह जायसी के 'पद्मावत' में मुख्यतः प्राप्त होती है। पद्मावत में कथा भी है और रूपक के द्वारा अलौकिक तत्वों की व्यंजना भी है। जायसी भारतीय संस्कृति से पूर्णतः परिचित थे। थोड़े-बहुत हेर-फेर के साथ उनके काव्य में भारतीय अंतर-कथाओं और धार्मिक परंपराओं का उल्लेख हुआ है। उसमें रासो की अपेक्षा अन्विति अधिक है और आरंभ से लेकर अंत तक उनकी शैली और भाषा की एकरसता है। पद्मावत प्रबंध काव्य का एक अच्छा उदाहरण कहा जा सकता है क्योंकि इस काव्य में प्रेम पर आधारित अनेक लोगों की कथाओं का वर्णन किया गया है।

CRPF (HCM) 01 Mar. 2023

1. दिए गए गद्यांश से मूलतः क्या जानकारी मिलती है?
(a) जायसी का 'पद्मावत', शेरशाह की वंदना और पद्मावती की प्रेम कथा के माध्यम से अलौकिक प्रेम गाथाओं के रूपक द्वारा परमार्थिक प्रेम की साधना का महाकाव्य है।
(b) शेरशाह की वंदना का ग्रन्थ है जिसमें अनेक लोगों ने कवितायें लिखी हैं।
(c) जायसी का 'पद्मावत', पृथ्वीराज रासो की तरह प्रेम काव्य है और दोनों की तुलना की जा सकती है।
(d) जायसी एक महान कवि थे जो शेरशाह के यहाँ काव्य रचना किया करते थे।

2. दिए गए गद्य-खंड का सर्वाधिक उपयुक्त शीर्षक क्या हो सकता है?
(a) जायसी और पद्मावत
(b) मलिक मोहम्मद जायसी
(c) जायसी और पृथ्वीराज रासो
(d) एक महाकाव्य

3. गद्यांश की भाषा किस प्रकार की है?
(a) संस्कृत है किन्तु तद्भव शब्द अधिक हैं
(b) खिचड़ी भाषा है जिसमें अनेक भाषाओं के शब्दों का मेल है
(c) क्लिष्ट है जो समझ में नहीं आती
(d) सरल किन्तु संस्कृत के तत्सम शब्दों से युक्त खड़ीबोली है

4. 'प्रमुख' शब्द के विपरीतार्थी विकल्प का चयन करें-
(a) गौण (b) निष्प्रभावी
(c) अनुपयुक्त (d) अप्रसिद्ध

5. निम्न में से कौन सा शब्द 'अलौकिक' का अर्थ नहीं है?
(a) अनूत (b) अपार्थिव
(c) अतिसुन्दर (d) अपूर्व

1.	(a)	2.	(a)	3.	(d)	4.	(a)	5.	(a)

गद्यांश-23

गज़ल उर्दू की सर्वाधिक लोकप्रिय विधा है। उर्दू की यह विधा फारसी से प्राप्त हुई। प्रेमिका से बातचीत के रूप में व्याख्यायित होने के कारण गजल का प्रधान विषय प्रेम ही माना गया। इसमें इश्क और हुस्न को ही चित्रित करने की ऐसी परंपरा चली कि दीर्घकाल तक गज़ल केवल महबूब और महबूबा की बेवफाई के हसीन ख्यालों,

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

मधु-तिक्त दास्तानों और विचारों से ही समृद्ध होती रही। उर्दू शायरों ने गज़ल का संपूर्ण विषय, तत्संबंधी शब्दावली, अप्रस्तुत विधान आदि सभी चीजें फारसी साहित्य से ही ग्रहण कर ली। उर्दू के गज़लकार विदेशी साहित्यिक संपदा के बल पर हिंदुस्तान में अपनी धाक जमाने में इसलिए सफल हुए क्योंकि उनकी गज़लें जिस भाव-संपदा पर आधारित थीं, वह हर देश-काल के मनुष्य की आधारभूत भावनाएँ हैं जिन पर उसकी जिंदगी का सुख-दुःख निर्भर करता है। हर व्यक्ति में सौन्दर्य के प्रति स्वाभाविक ललक होती है और हर व्यक्ति में प्रेम करने या किसी का प्रेमास्पद होने की हसरत होती है। उर्दू गज़लों में प्रेम, जीवन की मिठास, कोमलता, समर्पणशीलता, तन्मयता आदि के साथ-साथ विरह की तड़प, उदासी, निराशा, हताशा, प्रतीक्षा, प्रेमिका का अत्याचार, गिला-शिकवा आदि को इतने मार्मिक ढंग से और इतनी विविधता के साथ चित्रित किया गया है कि उनमें हर व्यक्ति को अपनी जिंदगी का सुख-दुःख पर्याप्त यथार्थता के साथ मिल जाता है। मौलाना अल्ताफ हुसैन 'हाली' ने गज़ल के वस्तुक्षेत्र को विस्तृत करने के लिए लोगों का ध्यान इस सत्य की ओर आकृष्ट किया कि गज़ल जैसी सशक्त विधा में जीवन की तमाम वास्तविकताओं को मार्मिक ढंग से चित्रित किया जाना चाहिए।

CRPF (HCM) 11 Mar. 2023

1. **गज़ल का प्रधान विषय प्रेम ही क्यों स्वीकार किया गया?**
   (a) फारसी साहित्य से प्रभावित होने तथा उससे अपना स्वरूप ग्रहण करने के कारण।
   (b) प्रेमिका से बातचीत के रूप में व्याख्यायित होने के कारण।
   (c) समाजवादी एवं प्रगतिवादी विचारों को प्रस्तुत करने के कारण।
   (d) आध्यात्मिकता एवं रहस्यवाद के प्रस्फुटन के कारण

2. **उर्दू गज़ल को फारसी साहित्य ने किस रूप में प्रभावित नहीं किया?**
   (a) तत्संबंधी शब्दावली
   (b) उसकी संस्कृतनिष्ठ भाषा
   (c) उसकी विषयवस्तु
   (d) उसकी अप्रस्तुत विधान योजना

3. **मौलाना अल्ताफ हुसैन 'हाली' का गज़ल के क्षेत्र में निम्न में से क्या योगदान है?**
   (a) उन्होंने गजल को ईश्वर की आराधना करने का साधन बनाने की संस्तुति की।
   (b) उन्होंने गजल को राजनीतिक विद्रोह का साधन बनाने की चेतना जागृत की।
   (c) उन्होंने गजल को जीवन की वास्तविकताओं को मार्मिक ढंग से प्रस्तुत करने का साधन बनाने की अनुशंसा की
   (d) उन्होंने गजल को नारी सौंदर्य और रोमानी भावनाओं के प्रस्तुतिकरण का माध्यम ही रहने देने की संस्तुति की।

4. **गजल के विदेशी विधा होने के पश्चात् भी हिंदुस्तान में अत्यंत लोकप्रिय होने के पीछे के कारणों के संबंध में असत्य है:**
   (a) हर व्यक्ति में सौंदर्य के प्रति स्वाभाविक ललक होती है और गजल सौंदर्यानुभूति से परिपूर्ण विधा है।
   (b) गजल मनुष्य को उस निम्न भावभूमि पर ले जाती है जहाँ वे जीवन के सुख-दुःख से मुक्त हो जाता है।
   (c) गजल जिस भाव-संपदा पर आधारित है वह हर देश काल के मनुष्य की आधारभूत भावनाएँ हैं।
   (d) उर्दू गजल में जीवन की मिठास, कोमलता, समर्पणशीलता तथा प्रेम आदि की अभिव्यक्ति हुई है जो मनुष्य को मोहित करती है।

5. **निम्न में से हिंदी शब्द है-**
   (a) शिकवा (b) हसरत
   (c) संपदा (d) इश्क

1.	(b)	2.	(b)	3.	(c)	4.	(b)	5.	(c)

गद्यांश-24

किसी समाचार-पत्र अथवा पत्रिका के व्यक्तित्त्व को उभारने में, उसमें प्रकाशित फीचर का बहुत योगदान रहता है। फीचर एक ऐसा रचनात्मक तथा कुछ-कुछ स्वानुभूतिमूलक लेख होता है, जिसका गठन किसी घटना, स्थिति अथवा जीवन के किसी पक्ष के संबंध में पाठक का मूलतः मनोरंजन करने एवं सूचना देने के उद्देश्य से किया गया हो। दृश्यात्मकता इसका आवश्यक गुण है, यानी कहने का ढंग ऐसा हो कि पाठक के सामने उस स्थान, परिवेश और घटना का चित्र उपस्थित हो जाए। फीचर स्थिति का विहंगावलोकन ही नहीं करता, वह प्रश्नों का उत्तर भी देता है और अज्ञात का ज्ञान भी कराता है। अच्छे फीचर के आधार हैं- जिज्ञासा, सच्चाई, चित्रात्मकता और स्पष्ट विश्लेषण। स्पष्ट विश्लेषण के अभाव में वह दुरूह, विचार-प्रधान निबंध बन जाएगा। चित्रात्मकता और रोचकता के अभाव में वह रिपोर्ताज बनकर रह जाएगा। सत्य को आकर्षक, जिज्ञासामूलक, ज्ञानवर्द्धक ढंग से सामने लाना फीचर का मुख्य उद्देश्य होता है, इसलिए उसमें तथ्यों के प्रभाव और महत्त्व पर विशेष बल दिया जाता है। फीचर का शीर्षक उसका प्राण है। यह 'ड्राइंगरूम' में बैठकर लिखने की विधा नहीं है, जीवन और जगत के संघर्षों से जुड़कर प्राप्त जीवनानुभवों को दृश्यमूलक शब्दों में बाँधने, जाँचने-परखने और समाज के साथ उन पर सार्थक बहस करने के लिए प्रस्तुत की गई विधा है।

CRPF (HCM) 11 Mar. 2023

1. **फीचर का प्रमुख उद्देश्य होता है-**
   (a) किसी घटना को चित्र द्वारा प्रस्तुत करना।
   (b) किसी घटना को मात्र रचनात्मकता के साथ उद्घाटित करना।
   (c) किसी घटना की सूचना मात्र देना।
   (d) सत्य को आकर्षक, जिज्ञासामूलक, ज्ञानवर्द्धक ढंग से सामने लाना।

Search On TG: @apna_pdf

Join Telegram: @apna_library

2. 'जीवन' का विलोम शब्द निम्न में से है-
(a) मृत (b) मरण
(c) विनाश (d) आजीवन

3. फीचर में दृश्यात्मकता से तात्पर्य है-
(a) चित्र के माध्यम से घटना का परिदृश्य प्रस्तुत करना।
(b) इस ढंग से लेखन कि पाठक के समक्ष घटना का चित्र उपस्थित हो जाए।
(c) पाठक को प्रत्यक्ष तौर पर घटना को दिखाया जाना।
(d) अभिनय के माध्यम से घटना को प्रस्तुत करना।

4. फीचर के संदर्भ में असत्य है-
(a) फीचर स्थिति का विहंगावलोकन करने के साथ-साथ अज्ञात का ज्ञान भी कराता है।
(b) फीचर एक रचनात्मक तथा कुछ-कुछ स्वानुभूतिमूलक लेख होता है।
(c) विचारों की प्रधानता फीचर के लिए आवश्यक गुण है।
(d) दृश्यात्मकता फीचर का आवश्यक गुण है।

5. अच्छे फीचर का आधार निम्न में से नहीं है-
(a) चित्रात्मकता (b) जिज्ञासा
(c) कल्पना (d) स्पष्ट विश्लेषण

1.	(d)	2.	(b)	3.	(b)	4.	(c)	5.	(c)

गद्यांश-25

मनुष्य सुख की खोज आदि काल से कर रहा है और इसी की प्राप्ति उसके जीवन का मुख्य उद्देश्य रहा है। दु:ख से वह इतना घबराता है कि इस जीवन में ही नहीं, आने वाले जीवन में ऐसी व्यवस्था करना चाहता है कि वहाँ भी सुख का उपयोग कर सकें जन्नत और स्वर्ग, मोक्ष और नवनिर्माण सब उसी आकांक्षा की रचनाएँ हैं। सुख की प्राप्ति के लिए ही हमने जीवन को निस्सार और संसार को अनित्य कहकर अपने मन को शांत करने की चेष्टा की है। जब जीवन में कोई सार ही नहीं और संसार अनित्य है, तो फिर क्यों न इनसे मुँह मोड़कर बैठे? लेकिन हम क्यों दु:खी होते हैं, वह कौन-सी मनोवृत्ति है जो हमें दु:ख की ओर ले जाती है, उस पर हमने विचार नहीं किया है।

CRPF (HCM) 11 Mar. 2023

1. इस अवतरण के लिए उचित शीर्षक चुनिए-
(a) मनुष्य और जीवन
(b) मनुष्य और सुख-दु:ख
(c) अनित्य संसार
(d) जीवन का महत्व

2. मनुष्य के जीवन का मुख्य उद्देश्य क्या है?
(a) जीवन को उपभोग करने का उद्देश्य।
(b) दु:ख से घबराकर सुख के लिए चेष्टा।
(c) बिना परिश्रम से सुख के शिखर तक पहुँचने का प्रयास।
(d) सुख की खोज और प्राप्ति।

3. जीवन को मूल्यहीन मानकर हम क्या करना चाहते हैं?
(a) जीवन को मूल्यहीन मानकर हम सुख भोग करना चाहते हैं।
(b) जीवन को मूल्यहीन मानकर हम अपने मन को शांत करना चाहते हैं।
(c) दु:ख को जीवन मानकर सुख से हम मुँह मोड़ लेते हैं।
(d) जीवन को मूल्यहीन मानकर हम सुख भोगना नहीं चाहते हैं।

4. 'जन्नत' किस प्रकार का शब्द है?
(a) पुर्तगाली (b) तुर्की
(c) अरबी (d) फारसी

5. उपर्युक्त अवतरण का सारांश चुनिए।
(a) जीवन में सुख भोगकर अगली पीढ़ी के लिए भी मनुष्य धन-संपत्ति, जमीन-जायदाद संचय करना चाहता है और उसे ही सर्वस्व मानता है।
(b) मनुष्य की सोच है कि संसार परिवर्तनशील है। इस अस्थायी जीवन में सुख-शांति प्राप्ति के लिए केवल विलासपूर्ण जिंदगी बिताती है।
(c) जीवन का इहलौकिक और पारलौकिक उद्देश्य है-सुख की प्राप्ति। दु:ख से दूर रहने के लिए वह स्वर्ग, मोक्ष की कल्पना करता है।
(d) मनुष्य का जीवन दु:खपूर्ण है। अत: वह दु:ख से घबराकर सुख की प्राप्ति के लिए इधर-उधर भटकता है पर अंत में उसे कुछ नहीं मिलता, मृत्यु के सिवा।

1.	(b)	2.	(d)	3.	(b)	4.	(c)	5.	(c)

These ebooks are free of cost, Join our telegram channel: @apna_pdf

Search On TG: @apna_pdf